RNI NO. DELHIN/2012/48369
वर्ष 8 अंक 8
नई दिल्ली, रविवार, 10 नवंबर, 2019
पृष्ठ 12+4 मूल्य ₹ 3
नगर संस्करण

नई दिल्ली, लखनऊ, रायपुर और फरीदाबाद से प्रकाशित

पायनियर

फायदेमंद है मोटा अनाज
आज के अंक के साथ
एजेण्डा

www.dailypioneer.com

सुप्रीम कोर्ट की संविधान पीठ का ऐतिहासिक एवं सर्वसम्मत फैसला

अयोध्या में विवादित भूमि पर रामलला का हक, वहीं बनेगा मंदिर, मस्जिद कहीं और

उषा श्रीवास्तव। नई दिल्ली

देश के सबसे बड़े मुकदमे में सबसे बड़ा फैसला सुनाती सर्वोच्च अदालत ने शनिवार को अयोध्या में राम मंदिर के निर्माण का मार्ग प्रशस्त कर दिया। प्रधान न्यायाधीश रंजन गोगोई की अध्यक्षता वाली पांच सदस्यीय संविधान पीठ ने सर्वसम्मति से धार्मिक नगरी अयोध्या में 2.7 एकड़ की विवादित जमीन का मालिकाना हक राम लला को सौंप दिया और मस्जिद बनाने के लिए किसी वैकल्पिक किंतु प्रमुख स्थान पर पांच एकड़ (विवादित स्थल से दोगुना) भूखंड आवंटित करने का केंद्र को आदेश दिया। इस ऐतिहासिक फैसले के साथ ही 134 साल पुराने उस भारी विवाद का पटाक्षेप हो गया जिसने सांप्रदायिक और सामाजिक सौहार्द के ताने बाने को तार-तार कर दिया था।

रामजन्म भूमि और बाहरी मस्जिद भूमि विवाद न सिर्फ लोगों की धार्मिक आस्था का सवाल बन गया था बल्कि अत्यधिक संवेदनशील राजनीतिक मुद्दा भी। प्रधान न्यायाधीश गोगोई की अध्यक्षता में संविधान पीठ ने रोजाना सुनवाई के दौरान दी गई दलीलों पर स्पष्ट मत से वो निर्णय सुनाया जिसका दशकों से इंतजार था। संविधान पीठ के अन्य सदस्यों में न्यायमूर्ति एस ए बोबडे, न्यायमूर्ति धनंजय वाई चंद्रचूड़, न्यायमूर्ति अशोक भूषण और न्यायमूर्ति एस अब्दुल नजीर शामिल हैं।

● मस्जिद निर्माण के लिए सुन्नी वक्फ बोर्ड को किसी वैकल्पिक लेकिन प्रमुख स्थल पर 5 एकड़ भूखंड आवंटित करने का आदेश, 134 साल पुराने विवाद का पटाक्षेप

भारतीय पुरातात्विक सर्वेक्षण (एएसआई) की रिपोर्ट और अन्य तथ्यों के आधार पर दिए गए 1045 पृष्ठों के अपने फैसले में संविधान पीठ ने कहा कि हिंदुओं की यह आस्था कि इसी स्थान पर भगवान राम का जन्म हुआ था और वे प्रतीकात्मक रूप से इस भूमि के मालिक हैं, अविवादित है। इतना ही नहीं, सीता रसोई, राम चबूतरा और भण्डार गृह की उपस्थिति इस स्थान के धार्मिक तथ्य की गवाह है। हालांकि, सिर्फ आस्था और विश्वास के आधार पर मालिकाना हक स्थापित नहीं किया जा सकता। अलबत्ता ये विवाद का निबटारा करने में सूचक हो सकते हैं।

यह भी स्पष्ट है कि हिंदू कारसेवकों ने जो कि वहां राम मंदिर बनाना चाहते थे 16वीं सदी का तीन गुंबदों वाला ढांचा ढहाया-गलत था, इसमें सुधार आवश्यक है। उल्लेखनीय है कि इस स्थान पर बाबरी मस्जिद थी जिसे मीर बाकी ने बनवाया था और कार सेवकों ने छह दिसंबर, 1992 को गिरा दिया था।

एएसआई की रिपोर्ट के आधार पर पीठ ने यह भी कहा कि अयोध्या में बाबरी मस्जिद किसी खाली जमीन पर नहीं बनाई गई थी। सुनवाई के दौरान मुस्लिम पक्ष के वकील राजीव धवन ने दलील दी थी कि विवादित स्थल पर लगातार नमाज नहीं पढ़ने और मस्जिद के अस्तित्व पर सवाल नहीं उठाया जा सकता। यह भी कहा गया कि अयोध्या में मंदिर तोड़कर नहीं बल्कि खाली जगह पर मस्जिद बनवाई गई थी। इसे खारिज करती संविधान पीठ ने कहा कि एएसआई की खुदाई से निकले सबूतों की अनदेखी नहीं की जा सकती है। हाई कोर्ट का फैसला पूरी पारदर्शिता से लिया गया है। बाबरी मस्जिद खाली जमीन पर नहीं बनी थी। मस्जिद के नीचे विशाल संरचना थी। एएसआई ने अपनी रिपोर्ट में यहां 12वीं सदी की मौजूदगी की बात कही थी।

ऊपरी अदालत ने कहा कि जो कलाकृतियां मिलीं वह इस्लामिक नहीं थीं और विवादित ढांचे में पुरानी संरचना की चीजों का इस्तेमाल किया गया था। हालांकि मस्जिद के नीचे संरचना मिलने से भी हिंदुओं के दावे को माना नहीं जा सकता। इसी के साथ, एएसआई की रिपोर्ट पर भरोसा जताती अदालत ने कहा कि इस पर शक नहीं किया जा सकता और इसके निष्कर्षों को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है। संविधान पीठ ने सुबह साढ़े दस बजे अपना फैसला पढ़ना शुरू किया और, दलील दर (शेष पेज 10)

फैसले के मुख्य बिंदु

1. विवादित जमीन का मालिकाना हक रामलला विराजमान को सौंपा
2. सुन्नी वक्फ बोर्ड को मस्जिद निर्माण के लिए वैकल्पिक किंतु प्रमुख स्थान पर पांच एकड़ भूखंड आवंटित करने का निर्देश
3. रामलला विराजमान की जमीन के लिए ट्रस्ट बनाया जाए और केंद्र सरकार मंदिर निर्माण के लिए तीन माह में योजना तैयार करे
4. ट्रस्ट को सौंपे जाने तक 2.77 एकड़ विवादित जमीन सरकार के रिसीवर के कब्जे में रहेगी, ट्रस्ट में निर्मोही अखाड़े को मिलेगा प्रतिनिधित्व
5. रामलला विराजमान को कानूनी मान्यता दी लेकिन राम जन्मभूमि को न्यायिक व्यक्ति नहीं माना
6. एएसआई रिपोर्ट पर किया भरोसा-पीठ ने कहा खुदाई में मस्जिद के नीचे विशाल संरचना मिली जो इस्लामिक नहीं थी
7. बाबरी मस्जिद खाली जमीन पर नहीं बनाई गई थी
8. विवादित जमीन को तीन पक्षकारों में समान बंटवारे का इलाहाबाद हाई कोर्ट का आदेश गलत था

नया सवेरा लेकर आया है फैसला: प्रधानमंत्री

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को कहा कि उच्चतम न्यायालय का अयोध्या में राम मंदिर निर्माण का फैसला एक नया सवेरा लेकर आया है। हर नागरिक पर राष्ट्र निर्माण की जिम्मेदारी आज और बढ़ गई है। अब हमें भविष्य के भारत के लिए काम करना है। शीर्ष अदालत के फैसले से हमें धैर्य की सीख लेनी चाहिए। पीएम ने कहा कि कानून का सम्मान करना सबका कर्तव्य है। हमारे सामने चुनौतियां भी और है (शेष पेज 10)

अतीत को भूलकर बढ़ें आगे: संघ प्रमुख

नई दिल्ली। अयोध्या मामले पर सुप्रीम कोर्ट के फैसले का स्वागत करते हुए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत ने शनिवार को कहा कि दशकों तक चली लंबी न्यायिक प्रक्रिया के बाद यह विधिसम्मत और अंतिम निर्णय हुआ है और अब अतीत की बातों को भुलाकर सभी को मिलकर भव्य राममंदिर का निर्माण करना है। उन्होंने हालांकि काशी और मथुरा के सवाल पर सीधे जवाब नहीं देते हुए कहा , आंदोलन (शेष पेज 10)

लोकतांत्रिक व्यवस्था को मजबूती देगा फैसला: योगी

लखनऊ। सुप्रीम कोर्ट के ऐतिहासिक फैसले का स्वागत करते हुये मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था को यह फैसला और मजबूती देगा। उन्होंने कहा कि न्यायालय के इस निर्णय ने देश के आमजनों का विश्वास जीता है। इसके साथ ही सीएम ने देश की एकता और सद्भाव बनाए रखने में सहयोग की लोगों से अपील की है। योगी ने कहा कि करीब 492 साल पुराने दुनिया के सबसे बड़े विवाद का (शेष पेज 10)

निर्णय का स्वागत, नहीं देंगे चुनौती: सुन्नी वक्फ बोर्ड

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

रामजन्मभूमि-बाबरी मस्जिद विवाद के अहम पक्षकार रहे सुन्नी सेंट्रल वक्फ बोर्ड उत्तर प्रदेश ने इस मामले में उच्चतम न्यायालय के निर्णय का स्वागत करते हुए शनिवार को कहा कि वह इस फैसले को चुनौती नहीं देगा। बोर्ड के अध्यक्ष जुफर फारुकी ने कहा कि वह न्यायालय के निर्णय का स्वागत करते हैं और बोर्ड का इस फैसले को चुनौती देने का कोई विचार नहीं है। उन्होंने कहा कि अगर कोई वकील या अन्य व्यक्ति बोर्ड की तरफ से न्यायालय के फैसले को चुनौती देने की बात कह रहा है तो उसे सही न माना जाए। उल्लेखनीय है कि सुन्नी (शेष पेज 10)

पूछ रही है अयोध्या, कब शुरू होगा मंदिर निर्माण

सुप्रीम कोर्ट के निर्णय के बाद अयोध्या में खुशियां मनाते लोग

कमलेश श्रीवास्तव। अयोध्या

श्रीराम जन्मभूमि पर सर्वोच्च न्यायालय के निर्णय की प्रतीक्षा पूरे देश के साथ रामनगरी भी कर रही थी। जैसे ही 2.77 एकड़ भूमि को देश की सबसे बड़ी अदालत ने श्रीराम जन्मभूमि माना, उसी समय पूरे देश के साथ-साथ रामनगरी के निवासियों के चेहरे पर अभूतपूर्व खुशी छा गयी। एक स्वर में अधिकांश लोगों के मुंह से निकला, निर्णय आने में भले कई बरस लग गये, लेकिन जो सर्वोच्च निर्णय आया, वह सभी के हृदय को आनंदित कर गया। अब रामनगरी के निवासियों के बीच एक ही प्रश्न था, कब से राम मंदिर का निर्माण शुरू होगा। हिन्दू एवं मुस्लिम पक्षकारों ने सुप्रीम कोर्ट के निर्णय को सराहते हुए कहा कि हम देश की सबसे बड़ी अदालत के निर्णय का स्वागत करते है। प्रशासनिक चौकसी के बीच रामनगरी में आम दिनों जैसा माहौल था, लेकिन अयोध्यावासी सुबह से ही देश के सबसे बड़े निर्णय की प्रतीक्षा कर रहे थे। कल (शेष पेज 10)

मौसम

अधिकतम	29.8°C (+1)
न्यूनतम	15.6°C (+2)

बाजार

सेंसेक्स	40,323	
निफ्टी	11,908	
सोना	38,706	/10g
चांदी	45,498	/kg

क्विक न्यूज

महाराष्ट्र के राज्यपाल ने भाजपा से सरकार बनाने की इच्छा बताने को कहा

मुंबई। महाराष्ट्र के राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी ने शनिवार शाम राज्य में सबसे बड़े दल भाजपा को सरकार बनाने के लिए अपनी इच्छा और क्षमता से अवगत कराने को कहा। इससे सरकार बनाने को लेकर पिछले 15 दिनों से चल रहे गतिरोध के खत्म होने की उम्मीद बनी है। भाजपा नेता चंद्रकांत पाटिल ने बताया कि पार्टी की कोर कमेटी रविवार को बैठक करेगी और भविष्य के कदम पर फैसला करेगी। सूत्रों ने बताया कि इससे पहले दिन में एडवोकेट जनरल आशुतोष कुंभकोनी राजभवन में राज्यपाल कोश्यारी से मिले। उल्लेखनीय है कि महाराष्ट्र की 13 वीं विधानसभा का कार्यकाल शनिवार मध्यरात्रि को समाप्त हो रहा है। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष चंद्रकांत पाटिल ने बताया, हमें राज्यपाल से पत्र मिला है। हमारी कोर कमेटी कल बैठक करेगी और आगे के कदमों पर चर्चा करेगी।

मील का पत्थर साबित होगा निर्णय: अमित शाह

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली/मुंबई

● राजनाथ बोले- सामाजिक ताना-बाना होगा मजबूत

● न्यायालय के फैसले को सभी स्वीकार करें: गडकरी

गृह मंत्री अमित शाह ने राम जन्म भूमि-बाबरी मस्जिद मामले पर उच्चतम न्यायालय के फैसले का स्वागत करते हुए कहा कि मुझे पूर्ण विश्वास है कि सर्वोच्च न्यायालय द्वारा दिया गया यह ऐतिहासिक निर्णय अपने आप में एक मील का पत्थर साबित होगा। यह निर्णय भारत की एकता, अखंडता और महान संस्कृति को और बल प्रदान करेगा।

शाह ने ट्वीट किया, श्रीराम जन्मभूमि पर सर्वसम्मति से आए सर्वोच्च न्यायालय के फैसले का मैं स्वागत करता हूं। मैं सभी समुदायों और धर्म के लोगों से अपील करता हूं कि हम इस निर्णय को सहजता से स्वीकारते हुए शांति और सौहार्द से परिपूर्ण एक भारत-श्रेष्ठ भारत के अपने संकल्प के प्रति कटिबद्ध रहें। उन्होंने कहा, दशकों से चले आ रहे श्री राम जन्मभूमि के इस कानूनी विवाद को आज इस निर्णय से अंतिम रूप मिला है। मैं भारत की न्याय प्रणाली व सभी न्यायमूर्तियों का अभिनन्दन करता हूँ। गृह मंत्री ने लिखा, श्री राम जन्मभूमि कानूनी विवाद के लिए प्रयासरत सभी संस्थाएं, पूरे देश का संत समाज और (शेष पेज 10)

विचारधारा से परे जाकर राजनीतिक दलों ने सराहा

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली/मुंबई

● कांग्रेस ने खुद को मंदिर निर्माण का पक्षधर बताया, पवार ने भी किया स्वागत

अयोध्या मामले पर उच्चतम न्यायालय का निर्णय आने के बाद राजनीतिक दलों ने पार्टी लाइन से परे हटकर बयान दिया। कांग्रेस ने कहा कि वह राम मंदिर के निर्माण की पक्षधर है। वहीं राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के अध्यक्ष पवार ने कहा कि शीर्ष अदालत का सर्वसम्मति से लिया गया फैसला एक गंभीर चिंता का समाधान करेगा जो देश को परेशान कर रही थी। उन्होंने कहा कि फैसले का महाराष्ट्र की राजनीति पर असर नहीं पड़ेगा। पार्टी के मुख्य प्रवक्ता रणदीप सुरजेवाला ने भाजपा पर निशाना साधते हुए यह भी कहा कि अब (शेष पेज 10)

सर्वोच्च अदालत के फैसले के बाद रांची में प्रसन्न लोग

न्यास की डिजाइन पर बनेगा मंदिर : विहिप

पायनियर समाचार सेवा। इंदौर/अहमदाबाद

अयोध्या मामले में उच्चतम न्यायालय के फैसले का स्वागत करते हुए विश्व हिन्दू परिषद (विहिप) के अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष विष्णु सदाशिव कोकजे ने उम्मीद जताई कि कानूनी आदेश पर बनने वाला ट्रस्ट रामजन्मभूमि न्यास के डिजाइन के मुताबिक भव्य मंदिर का निर्माण करेगा। उन्होंने बाद में गुजरात के अहमदाबाद में संवाददाताओं से कहा कि उन्हें विश्वास है कि 2024 तक उस स्थान पर एक भव्य मंदिर का निर्माण हो जाएगा। प्रधान न्यायाधीश रंजन गोगोई की अध्यक्षता वाली उच्चतम न्यायालय की पांच सदस्यीय पीठ ने शनिवार को फैसला दिया कि अयोध्या में रामजन्मभूमि से संबंधित स्थान पर मंदिर निर्माण के लिए तीन महीने के भीतर एक ट्रस्ट गठित किया जाए। (शेष पेज 10)

पूरी हुई मनोकामना-खुद को धन्य महसूस कर रहा हूं : आडवाणी

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

राम जन्मभूमि आंदोलन के शिल्पकार एवं भाजपा के वयोवृद्ध नेता लाल कृष्ण आडवाणी ने शनिवार को कहा कि वह पूरे दिल से अयोध्या मुद्दे पर उच्चतम न्यायालय के आए फैसले का स्वागत करते हैं। उन्होंने कहा कि उनके रुख की पुष्टि हुई है और वह खुद को धन्य महसूस करते हैं।

इस पल को मनोकामना पूर्ण होने वाला बताते हुए 92वर्षीय आडवाणी ने कहा कि यह क्षण मेरी कामना पूर्ण होने का है, ईश्वर ने मुझे विशाल आंदोलन में योगदान देने का अवसर दिया। उन्होंने कहा कि लंबे समय से अयोध्या में चल रहे मंदिर-मस्जिद विवाद का पटाक्षेप हो गया और समय आ गया है कि विवाद एवं कटुता को पीछे छोड़कर सांप्रदायिक एकता और सहमति को गले लगाया जाए। मंदिर आंदोलन को स्वतंत्रता के बाद सबसे बड़ा आंदोलन करार देते हुए कहा कि इसका लक्ष्य प्राप्त करना फैसले से संभव हुआ है। उन्होंने फैसले का दिल से स्वागत करते हुए कहा, मैं अपने रुख पर कायम हूं और खुद को धन्य महसूस कर रहा हूं कि उच्चतम न्यायालय ने एकमत से अयोध्या में राम जन्मभूमि पर भव्य राम मंदिर बनाने का रास्ता साफ किया। आडवाणी ने जोर देकर कहा कि राम और रामायण भारतीय संस्कृति और सभ्यता की विरासत में उच्च स्थान रखते हैं। राम जन्मभूमि का करोड़ों देशवासियों के दिलों में पवित्र स्थान है। भाजपा के सबसे लंबे समय तक अध्यक्ष रहे आडवाणी ने भारत के विभिन्न समुदायों से अपील की कि वे एकजुट होकर देश की एकता और अखंडता को मजबूत करने के लिए काम करें। भाजपा नेता ने उच्चतम न्यायालय द्वारा पांच एकड़ जमीन अयोध्या में मस्जिद बनाने के लिए देने के फैसले का भी स्वागत किया। उन्होंने कहा, अयोध्या के मुद्दे पर उच्चतम न्यायालय के पांच न्यायाधीशों की संविधान पीठ की ओर से दिए गए ऐतिहासिक फैसले का खुले दिल से स्वागत करने के लिए मैं देशवासियों के साथ खड़ा हूं। उल्लेखनीय है कि देश की राजनीति में धर्मनिरपेक्ष पार्टियों के प्रभुत्व के बीच अपना मुकाम (शेष पेज 10)

राम का वनवास खत्म, मंदिर निर्माण का रास्ता साफ : रामदेव

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

योग गुरु बाबा रामदेव ने अयोध्या मामले पर सुप्रीम कोर्ट का शनिवार को आए फैसले का स्वागत किया है। बाबा रामदेव ने कहा कि राम का वनवास खत्म, अब अयोध्या में राम मंदिर बनेगा।

वहीं, उन्होंने सभी से फैसले को सहर्ष स्वीकार करने के साथ ही अराजक तत्वों से सावधान रहने की जरूरत की बात भी कही। बाबा रामदेव ने कहा कि इस फैसले को किसी की हार या जीत के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए।

ग्रेटर नोएडा में एक योग सम्मेलन में भाग ले रहे बाबा रामदेव ने कहा कि हिन्दू और मुसलमान मिलकर भगवान राम के मंदिर का निर्माण करें। यही भारतीय संस्कृति है। देश में ऐसे तमाम मन्दिर और मस्जिद हैं, जिनका निर्माण मिलकर किया गया है।

राजपुरा गांव में फ्लैग मार्च करते पुलिस के जवान।

बिलासपुर नगर पंचायत क्षेत्र में सुरक्षाकर्मियों के साथ कानून व्यवस्था का जायजा लेते उपजिलाधिकारी सदर प्रसून द्विवेदी।

सुरक्षा व्यवस्था चौकस, शहर में रही शांति

नोएडा। ग्रेटर नोएडा सहित दनकौर दादरी आदि क्षेत्रों में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के चलते शांति बनी रही। फैसले के दौरान लोग टीवी पर समाचार देखते रहे। फैसले के बाद सभी जगह लोग एक दूसरे से कोर्ट फैसले को सही बताते दिखे एवं एक दूसरे से कोर्ट के फैसले को खुशी खुशी मानने की बातें कहते दिखे। किसी भी क्षेत्र में किसी प्रकार का तनाव नजर नहीं आया। हालांकि उसके बावजूद भी पूरे क्षेत्र में पुलिस पीएसी की मौजूदगी भारी संख्या में रही। वहीं गाजियाबाद में भी जिलाधिकारी अजय शंकर पांडे ने बताया कि जिला प्रशासन ने करीब 2 हफ्ते पहले ही सुरक्षा व्यवस्था को लेकर अपनी तैयारियां शुरू कर दी थी। पीस कमेटी और व्यापार मंडल के साथ बैठक की गई। सुरक्षा की दृष्टि से जनपद को 10 सुपर जोन, 18 जोन और 58 सेक्टर में बांटा गया था। शनिवार को फैसले को देखते हुए 12 अतिरिक्त मजिस्ट्रेटों की तैनाती की गई थी।

विभिन्न स्थानों पर प्रशासन और पुलिस ने संयुक्त रूप से किया फ्लैग मार्च

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

अयोध्या मामले में उच्चतम न्यायालय के फैसले के बाद शांति-व्यवस्था एवं आपसी सौहार्द बनाए रखने के उद्देश्य से जिला प्रशासन व पुलिस ने जनपद में विभिन्न जगहों पर संयुक्त रूप से फ्लैग मार्च किया तथा जनसामान्य से आपसी सद्भाव बनाए रखने का आह्वान किया।

जिलाधिकारी बृजेश नारायण सिंह ने बताया कि अयोध्या के संबंध में उच्चतम न्यायालय के निर्णय के उपरांत जनपद में शांति व्यवस्था एवं आपसी सौहार्द बनाए रखने के उद्देश्य से बिलासपुर नगर पंचायत क्षेत्र में उप-जिलाधिकारी सदर प्रसून द्विवेदी एवं पुलिस के अधिकारियों द्वारा फ्लैग मार्च निकाला गया।

उन्होंने बताया कि जेवर में उप- जिलाधिकारी एवं पुलिस अधिकारियों द्वारा शांति व्यवस्था कायम रखने के उद्देश्य फ्लैग मार्च किया गया। जिलाधिकारी ने बताया कि सदर तहसील के राजपुरा गांव में कानून व्यवस्था एवं सौहार्द को बनाए रखने के लिए फ्लैग मार्च किया गया। नोएडा शहर में भी पुलिस ने फ्लैग मार्च किया और लोगों से कानून व्यवस्था व सौहार्द बनाए रखने का आह्वान किया।

जिलाधिकारी ने बताया कि जनपद में कानून व्यवस्था कायम रहे तथा आपसी सौहार्द बना रहे, इसके लिए जिला प्रशासन निरंतर कार्य कर रहा है। उन्होंने बताया कि सोशल मीडिया पर पैनी नजर रखी जा रही है। अयोध्या प्रकरण को लेकर यदि कोई भी अफवाह फैलाने का प्रयास करता है तो उसके खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

उन्होंने बताया कि शांति व्यवस्था के मद्देनजर दो लोगों को पुलिस ने आज हिरासत में लिया है। अगर जरूरत पड़ी तो और लोगों की भी गिरफ्तारी हो सकती है।

कोर्ट के फैसले को सराहा

हार-जीत के रूप में ना देखें फैसला : डॉ पी.एन. अरोड़ा

वरिष्ठ समाजसेवी एवं यशोदा सुपर स्पेशलिटी कौशांबी के मैनेजिंग डायरेक्टर डॉक्टर पी एन अरोड़ा ने अयोध्या मामले में आए सुप्रीम कोर्ट के फैसले को हार या जीत के रूप में ना देखते हुए जनता से शांति बनाए रखने की अपील की है। उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने सभी पक्षों का ध्यान रखते हुए फैसला सुनाया है। भारत की गंगा-जमुनी तहजीब एवं सभी धर्मों में आपसी भाईचारा विश्व प्रसिद्ध है। प्रत्येक भारतीय के अंदर हम सब भाई-भाई हैं की विचारधारा कूट-कूट कर भरी हुई है।

फैसला ऐतिहासिक : महंत नारायण गिरी

प्रसिद्ध दूधेश्वर नाथ मठ मंदिर के महंत व महामंडलेश्वर नारायण गिरी जी महाराज का कहना है कि सर्वोच्च न्यायालय ने ऐतिहासिक फैसला सुनाया है। फैसले का सभी साधु संत समाज स्वागत करता है। उन्होंने कहा कि किसी का जन्म स्थान बदला नहीं जा सकता। तमाम बातों को ध्यान में रखते हुए सर्वोच्च न्यायालय ने भी यहीं माना कि मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान राम का जन्म उसी स्थान पर हुआ था।

फैसले का करें सम्मान : राठी

अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के सदस्य नरेंद्र राठी ने भी कोर्ट के फैसले को उचित ठहराते हुए उसका स्वागत किया है। उनका कहना है कि सभी को सुप्रीम कोर्ट के फैसले का सम्मान करते हुए मिलकर राम मंदिर का निर्माण करना चाहिए। लोनी विधानसभा क्षेत्र के भाजपा विधायक नंदकिशोर गुर्जर ने अयोध्या फैसले पर कहा कि माननीय सर्वोच्च न्यायालय ने जो फैसला सुनाया है। वह दोनों पक्षों को ध्यान में रखते हुए दिया गया है। जहां तमाम सबूत के आधार पर विवादित जमीन रामलला के पक्ष में दी गई है।

फैसला स्वागतयोग्य : केजेड बुखारी

शहर के पूर्व काजी केजेड बुखारी ने कहा कि अगर मस्जिद के लिए पांच एकड़ जमीन नहीं भी देते तो भी इस देश के मुसलमान इस फैसले का स्वागत करते। सबसे बड़ी बात है कि मुल्क में अमन और चैन बना रहना चाहिए। कोर्ट का फैसला सभी लोग मानेंगे।

न किसी की हार, न किसी की जीत : प्रो. वंदना

वैशाली सेक्टर-6 निवासी और दिल्ली विश्वविद्यालय के एनसी वेब में असिस्टेंट प्रोफेसर वंदना पांडेय ने कहा कि अयोध्या मसले पर इससे बेहतर कोई फैसला नहीं हो सकता था। सभी को सुप्रीम कोर्ट के निर्णय का स्वागत करना चाहिए। यह न किसी की हार और न किसी की जीत।

कम्पोस्ट मशीन का सांसद ने किया उद्घाटन

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

सेक्टर 56 में स्थापित स्वचालित कम्पोस्ट मशीन का उद्घाटन शनिवार को सांसद सुरेंद्र सिंह नागर द्वारा किया गया। कार्यक्रम में अध्यक्ष संजय मावी, महासचिव महेंद्र सिंह उपाध्यक्ष संजीव पुरी सचिव अलका सूद सह सचिव जितेंद्र कठपालिया, वरिष्ठ नागरिक जेएम सेठ व नया बांस सोसायटी के अध्यक्ष हरीश जुगरान आदि उपस्थित रहे।

● प्लास्टिक प्रयोग न करने की दिलाई शपथ

इस अवसर पर सांसद द्वारा सफाई रखने, एक बार प्रयोग में आने वाली प्लास्टिक का प्रयोग न करने, पानी का बचाव एवं गीले-सूखे कूड़े को अलग-अलग रखने हेतु शपथ भी दिलाई गई। मंच संचालन आरण्डब्ल्यूए महासचिव महेंद्र सिंह द्वारा किया गया। इसके बाद कार्यक्रम का समापन भोजन के साथ सम्पन्न हुआ।

शनिवार को शहर के सेक्टर-56 में स्वचालित कंपोस्ट मशीन का उद्घाटन करते राज्यसभा सांसद सुरेंद्र सिंह नागर।

राज्यमंत्री का शहर आगमन पर स्वागत

हापुड़। शनिवार को हिन्दू युवा वाहिनी के जिला कार्यालय पर राज्यमंत्री व उपाध्यक्ष बीज विकास निगम राजेश्वर सिंह का हापुड आगमन पर कार्यकर्ताओं ने फूलमालाओं व पटका पहनाकर उनका स्वागत किया। इस मौके पर सभी कार्यकर्ताओं ने राम मन्दिर पर आए सुप्रीम कोर्ट के फैसले का सम्मान किया व सभी से आपसी भाईचारा बनाए रखने की अपील की।

राज्यमंत्री राजेश्वर सिंह का स्वागत करने के दौरान हिन्दू युवा वाहिनी हापुड के जिला अध्यक्ष हिमांशु प्रताप मित्तल, नगर अध्यक्ष सोनू बंसल, जिला प्रभारी मनुज राणा, जिला महामंत्री विनीत तोमर, जिला सहप्रभारी सचिन राणा, जिला सहसंयोजक राजकुमार मौजूद रहे।

पुलिस ने ऐहतियातन किया दो को गिरफ्तार

झूठी सूचना देने और माहौल खराब करने के संदेह में हुई कार्रवाई

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

पुलिस ने अयोध्या मामले पर उच्चतम न्यायालय के फैसले के बाद दो व्यक्तियों को गिरफ्तार किया है। यह जानकारी पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने दी।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (गौतम बुध नगर) वैभव कृष्ण ने बताया कि उत्तर प्रदेश नवनिर्माण सेना अध्यक्ष अमित जानी को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। उन्होंने बताया कि पुलिस को शक था कि अमित जानी अयोध्या फैसले के बाद कोई अफवाह फैला सकते हैं जिससे माहौल खराब हो सकता है।

उन्होंने बताया कि ऐहतियाती कार्रवाई के तहत अमित जानी को थाना सेक्टर 20 पुलिस ने गिरफ्तार किया। उन्हें एक सुरक्षित जगह पर रखा गया है। उन्होंने बताया कि थाना इकोटेक तीन पुलिस ने हेमंत चौधरी नामक व्यक्ति को अयोध्या मामले पर निर्णय के बाद गिरफ्तार किया।

उन्होंने बताया कि हेमंत चौधरी ने नियंत्रण कक्ष को फोन करके बताया था कि एक जगह भारी संख्या में लोग इकट्ठे हैं तथा कोई अप्रिय घटना को अंजाम दे सकते हैं। जब पुलिस वहां पर पहुंची तो पुलिस को पता चला कि सूचना देने वाले ने झूठी सूचना दी है। इसके बाद कार्रवाई करते हुए पुलिस ने हेमंत चौधरी को गिरफ्तार कर लिया।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने बताया कि उत्तर प्रदेश के पुलिस महानिदेशक और शासन ने आदेशित किया है कि जिन लोगों के बारे में यह शक हो कि वह अयोध्या मामले के फैसले के बाद अफवाह फैला सकते हैं और माहौल बिगाड़ने में भूमिका निभा सकते हैं, उनको हिरासत में लिया जाए। इसी क्रम में अमित जानी और हेमंत चौधरी को गिरफ्तार किया गया है।

मालूम हो कि इससे पूर्व भी अमित जानी के खिलाफ धार्मिक उन्माद फैलाने और अफवाहों को बल देने के आरोप में मुकदमे दर्ज किए जा चुके हैं। कई विवादित मुद्दों पर अमित जाने कटु प्रतिक्रिया देते रहे हैं।

शनिवार को पुलिस द्वारा गिरफ्तार किए गए दोनों आरोपित।

शहीद कैप्टन जीएस सूरी को श्रद्धांजलि अर्पित कर किया याद

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

शहीद कैप्टन जी एस सूरी को उनके बीसवें शहीद दिवस पर शहर के अनेक लोगों ने श्रद्धांजलि दी। मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे लेफ्टिनेंट जनरल गोविंद सिंह चंदेल ने इस मौके पर कहा कि कैप्टन जीएस सूरी की शहादत खराब नहीं गई है। दुश्मनों के छक्के छुडाने वाले कैप्टन को हमेशा याद किया जाएगा।

शास्त्री नगर स्थित पार्क में आयोजित श्रद्धांजलि सभा में केन्द्रीय राज्य मंत्री एवं सांसद वीके सिंह के दामाद एवं सेना में कर्नल संग्राम सिंह ने भी पहुंचकर श्रद्धांजलि दी। महावीर चक्र प्राप्त और देश के लिए शहीद होने वाले शहर के लाल को मेयर आशा शर्मा के अलावा सांसद वीके सिंह की बेटी मृणालिनी सिंह, कैप्टन पवनीत सिंह ने भी श्रद्धांजलि अर्पित की। इसके अलावा रिटायर्ड कर्नल टीपीएस त्यागी, भाजपा नेता एसपी सिंह,मेजर जनरल ओपी गुलिया,बी के शर्मा हनुमान,कर्नल टीपीएस सूरी आदि ने भी शहीद के चित्र पर पुष्प चढाकर श्रद्धांजलि अर्पित की।

कंपनी की गलतियों का खामियाजा भुगत रहे ईएसआई कार्डधारक

गाजियाबाद। ईएसआई कार्ड बनाने की प्रक्रिया पूरी करते वक्त कंपनी कर्मियों की लापरवाही का खामियाजा मरीजों और उनके तीमारदारों को भुगतना पड़ता है।

लोनी के सेवाधाम निवासी महिला के ससुर कैंसर की बीमारी से जूझ रहे हैं। वो इलाज और दवाइयों के लिए राजेन्द्र नगर स्थित ईएसआई अस्पताल पहुंची, लेकिन महिला के ससुर के ईएसआई दस्तावेजों और आधार कार्ड में जन्मतिथि अलग थी, जिसके चलते महिला को इस खामी को कागजों में दुरुस्त करा कर आने को कहा गया। महिला की परेशानी देख अस्पताल के सहायक निदेशक राज रंजन ने संबंधित लोगों से संपर्क कर खामी को सुधार दिया, जिसके बाद उसको वहां दवाईयां मिलीं।

उज्ज्वला योजना में अपात्रों ने भी किया आवेदन, जांच में खुलासा

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

प्रधानमंत्री उज्ज्वला गैस योजना को लेकर बड़ा खुलासा हुआ है। इस योजना में बड़ी संख्या में अपात्रों ने भी आवेदन कर पात्रों का हक मारने का प्रयास किया है। जांच में सामने आया कि एक, दो नहीं बल्कि ऐसे आवेदकों की संख्या 18 हजार से भी अधिक है जो इस योजना के लिए पात्र ही नहीं हैं।

मामले की जानकारी मिलने पर अपात्रों के आवेदनों को खारिज किया गया है। अब अधिकारी इस जांच में जुटे हैं कि कहीं किसी अपात्र को कनेक्शन तो नहीं मिला है। गरीबों के घर में भी गैस पर खाना बन सके और उन्हें आसानी से कनेक्शन मिल सके इसके लिए प्रधानमंत्री उज्जवला योजना शुरू की गई थी जिसमें पात्र आवेदकों को निशुल्क गैस सिलेंडर, चूल्हा व अन्य सामान वितरित किया गया था।

● 18 हजार से ज्यादा लोग पाए गए फर्जी

योजना के लिए जनपद में 66819 लोगों ने आवेदन किया लेकिन, जब इनकी जांच की गई तो 18548 आवेदन अपात्र मिले। आधार कार्ड से लिंक करने पर कई के पास एक से अधिक कनेक्शन मिले तो कई ऐसे थे जो अमीर होने के बाद भी कनेक्शन लेने के जुगाड़ में थे। जांच के दौरान पोल खुली तो एक दो नहीं बल्कि 18 हजार से अधिक आवेदन गलत पाए गए।

निर्माण कार्यों पर 11 तक बढ़ाई रोक

नोएडा। एनसीआर में प्रदूषण को कंट्रोल करने के लिए ईपीसीए ने निर्माण कार्यों पर रोक को 11 नवंबर तक बढ़ा दिया है। इसके तहत जिले में 11 नवंबर की रात 12 बजे तक किसी तरह का निर्माण कार्य नहीं किया जा सकेगा। वहीं, यूपीपीसीबी ने आदेशों का उल्लंघन करने को लेकर कुछ संस्थानों पर शुक्रवार को 1 लाख 25 हजार रुपये का जुर्माना लगाया है।

क्षेत्रीय अधिकारी डॉ अर्चना द्विवेदी ने बताया कि ईपीसीए और सीपीसीबी ने एनसीआर में प्रदूषण की स्थिति को देखते हुए सभी तरह के निर्माण कार्यों पर 11 नवंबर तक रोक लगा दी है। ईपीसीए की तरफ से एनसीआर में हॉट मिक्स प्लांट और स्टोन क्रशर को भी बंद करने के आदेश दिए हैं। आदेश का उल्लंघन करने पर कड़ी कार्रवाई करने के आदेश दिए गए हैं।

फेसबुक से खुली पति की दूसरी शादी की पोल, केस दर्ज

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

पहली पत्नी से छिपाकर दूसरी शादी करने वाले शख्स की पोल फेसबुक से खुल गई। पति की इस हरकत का पता चलने पर पत्नी ने महिला थाने में मुकदमा दर्ज कराया है। पति पर गर्भपात का भी आरोप लगाया है।

दिल्ली की रहने वाली महिला की 2010 में एक कंपनी के अकाउंटेंट से दोस्ती हुई थी। कुछ समय बाद दोनों ने लव मैरिज कर ली और नोएडा में रहने लगे। इस शादी से दोनों के परिजन सहमत नहीं थे, इस वजह से युवती कभी ससुराल नहीं गई। पति अपने घर वालों से मिलने के बहाने बार-बार लखनऊ जाता था। कुछ महीने से ज्यादातर लखनऊ में ही रहता था। पति के लगातार नजरअंदाज करने पर महिला को शक हुआ। महिला ने खोजबीन शुरू की। इस दौरान फेसबुक व गूगल पर पति के फोटो व नाम को सर्च किया। पत्नी उस महिला के फेसबुक प्रोफाइल तक पहुंच गई, जिससे पति ने दूसरी शादी की है। उसके पति की फोटो के साथ एक महिला और दो बच्चे नजर आए। उस महिला की फ्रेंडलिस्ट में मौजूद उसके भाई के नंबर पर कॉल करने पर पीड़िता को पति की दूसरी शादी का पता चला।

इस बारे में दूसरी पत्नी के परिवार को भी पता चला तो वह भी परेशान हो गए। युवती का यह भी आरोप है कि पति ने उसकी बिना सहमति के उसका गर्भपात करा दिया।

चाकू से हमलाकर युवक को मार डाला

नोएडा। थाना जारचा क्षेत्र के पटारी गांव में पांच बदमाशों ने एक युवक पर उसके घर में घुसकर चाकू से हमला किया जिससे उसकी मौत हो गई। एसपी ग्रामीण रणविजय सिंह ने बताया कि हमले में मारे गए रोहित (22) के भाई सोनू राणा ने थाना जारचा में रिपोर्ट दर्ज कराई है कि शुक्रवार रात उसका भाई रोहित घर पर था। तभी निट्टु, सोनू, विवेक, सन्नु, मनीष ने घर में घुसकर उसके भाई पर चाकू से हमला कर दिया।

गंभीर हालत में उस एक निजी अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। एसपी ने बताया कि रोहित का खेलते समय आरोपियों के साथ किसी बात पर विवाद हो गया था। आरोपी फरार हैं और उनकी तलाश की जा रही है।

डीजे बजाने की सूचना पर पहुंचे पुलिसकर्मियों से की मारपीट

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

बीटा-2 थाना क्षेत्र के अल्फा-2 सेक्टर में देररात एक पार्टी में तेज आवाज में डीजे चलने की सूचना पर पहुंचे पुलिसकर्मियों से अभद्रता और मारपीट की गई। आरोप है कि आरोपी नशे में धुत था और मारपीट कर मौके से भाग निकला। एक दरोगा ने बीटा-2 थाने में आरोपी को नामजद कर रिपोर्ट दर्ज कराई है। पुलिस आरोपी को तलाश रही है।

रिपोर्ट के मुताबिक, बीती देर रात पुलिस को सूचना मिली कि अल्फा-2 स्थित एक मकान में पार्टी चल रही है और तेज आवाज में डीजे चलाया जा रहा है। इससे आसपास रहने वाले लोगों को परेशानी हो रही है। पीआरवी पर तैनात दरोगा रामकुमार, कांस्टेबल विक्रांत और चालक विपिन मौके पर पहुंचे। आरोप है कि पार्टी में कुछ युवकों ने शराब पी हुई थी। इनमें से एक अमित नागर ने पुलिसकर्मियों से अभद्रता की। पुलिसकर्मियों ने विरोध किया तो आरोपी मारपीट कर भाग निकला। सूचना पर थाने से अन्य पुलिसकर्मी मौके पर पहुंचे और आरोपी को तलाश किया लेकिन, उसका कहीं पता नहीं चला।

सीओ ने बताया कि मामले में पुलिसकर्मियों से मारपीट में केस दर्ज किया गया है। जल्द आरोपी को गिरफ्तार किया जाएगा।

ब्रांडेड के नाम पर बेचते थे नकली कपड़े व दवाएं

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

ऑनलाइन ऑर्डर पर ग्राहकों को ब्रांडेड के नाम पर नकली कपड़े बेचने वाले एक गिरोह का पुलिस ने खुलासा किया है। पुलिस की टीम ने बृहस्पतिवार रात को छापेमारी कर दो आरोपियों को गिरफ्तार किया। इसके बाद गोदाम में छापेमारी कर डेढ़ लाख से अधिक शर्ट बरामद किए गए। वहीं ये लोग वजन बढ़ाने व शक्तिवर्द्धक दवाइयों के नाम पर भी लोगों से ठगी करते हैं। सिटी मजिस्ट्रेट ने इस फर्जी कंपनी के दफ्तर व गोदाम को सील का दिया है। कोतवाली सेक्टर-24 पुलिस मामले की जांच कर रही है।

पुलिस व प्रशासन की टीम ने सूचना के आधार पर सेक्टर-11 स्थित क्रिएटिव क्राफ्ट्स नामक एक कंपनी के दफ्तर में छापेमारी कर इस फर्जीवाड़े का खुलासा किया। पुलिस का कहना है कि ये कंपनी सोशल साइट पर अपना प्रचार-प्रसार कर कपड़ों व दवाइयों का ऑर्डर लेती है। लुभावने ऑफर देकर लोगों को झांसा देती है। अभी इस कंपनी की तरफसे कुटोंस ब्रांड के नाम पर 999 रुपये में शर्ट बेचने का ऑफर था। पुलिस ने सेक्टर-11 स्थित कंपनी के ऑफिस से हिसार, हरियाणा निवासी पारुल गर्ग उर्फ पंकज और विपिन गर्ग को गिरफ्तार किया। दोनों भाई हैं।

● कंपनी का गोदाम और दफ्तर किया सील

पुलिस पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि वह पिछले काफी समय से ग्राहकों से ऑनलाइन ऑर्डर लेकर ब्रांडेड कपड़ों की आड़ में नकली कपड़े बेच रहे हैं। इसके बाद इस कंपनी के सेक्टर-7 स्थित गोदाम पर छापेमारी की गई। गोदाम से पुलिस ने डेढ़ लाख पैक शर्ट,15 हजार खुली शर्ट और पैकेजिंग का सामान बरामद किया। इसके साथ ही गोदाम से मोटापा कम करने और शक्तिवर्द्धक दवाइयां भी बरामद की गई।

पूछताछ में पता चला कि कपड़ों के अलावा ये लोग मोटापा कम करने और शक्तिवर्धक दवाईयों को भी ऑनलाइन बेचते थे। इसके बाद मौकेपर ड्रग इंस्पेक्टर पहुंचे और दवाइयों के नमूने लिए। इन दवाइयों की जांच के लिए लैब में भेजा जाएगा।

गोदाम में पकड़े गए नकली माल के साथ पुलिसकर्मी।

सोशल मीडिया पर करते थे प्रमोशन

पुलिस के मुताबिक ये लोग ऑनलाइन ऑर्डर करने के लिए सोशल मीडिया पर अपनी कंपनी का प्रमोशन करते हैं। फेसबुक, टिकटॉक व अन्य माध्यमों से लोगों को नए नए ऑफर देकर लुभाते हैं। इससे लोग इनके बुने जाल में फंसकर कपड़े व दवाइयां ऑर्डर करते थे। जब ग्राहक के पास नकली सामान पहुंचता था तो शिकायत ये लोग नहीं सुनते थे।

एसएसपी वैभव कृष्ण ने बताया कि ब्रांड के नाम नकली कपड़े बेचने वाले एक संगठित गिरोह का पुलिस ने खुलासा किया है। इसमें दो लोगों को गिरफ्तार किया गया। पुलिस इस पूरे नेटवर्क के बारे में पता लगा रही है।

सीएमवाईके प्रिंटेक लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक चन्दन मित्रा द्वारा नं. 6, गुलाब भवन के पीछे, बहादुर शाह ज़फर मार्ग, नई दिल्ली-110002, दूरभाष: 011-40110455 से प्रकाशित तथा बीएफएल इन्फोटेक लिमिटेड सी-9 सेक्टर-3, नोएडा-201301 (उ.प्र.) से मुद्रित। सम्पादक: चन्दन मित्रा, स्थानीय सम्पादक: उषा श्रीवास्तव। पाठकों को सुझाव दिया जाता है कि इस अखबार के किसी भी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया करने से पहले पूरी तरह उसके बारे में दिए गए दावों, शर्तों और तथ्यों की जांच कर लें। पायनियर ग्रुप के मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद तथा सेवा हेतु किए गए किसी दावे की सच्चाई का आश्वासन या उत्तरदायित्व नहीं लेता है। ऐसे विज्ञापनों के बाद किसी आर्थिक क्षति के लिए वे जिम्मेदार भी नहीं हैं। पत्रवार्ता ऑफिस- एफ-31, सेक्टर 6, नोएडा, गौतमबुद्धनगर-201301, उत्तर प्रदेश, दूरभाष- 120-4879800-4879900।

जमीन ही नहीं आसमान से भी उपद्रवियों पर है निगाह

निषेधाज्ञा जारी, संवेदनशील इलाकों में निगरानी के लिए ड्रोन का हुआ इस्तेमाल

दिल्ली पुलिस ने अमन कमेटियों से कायम किया संवाद, विश्वास बहाली का प्रयास

● सोशल मीडिया पर भी पुलिस की कड़ी नजर

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

रामजन्म भूमि मामले में सुप्रीम कोर्ट का फैसला आने के बाद दिल्ली पुलिस भी अलर्ट हो गई है। उसने सभी एहतियाती कदम उठाने और हालात के मद्देनजर सुरक्षा के चाक चौबंद इंतजाम करने के लिए बड़े स्तर पर रणनीति बनाई है।

इसके तहत सभी संवेदनशील इलाकों में पुलिस की तैनाती, पड़ोसी राज्यों और जिलों की पुलिस के साथ तालमेल और सूचनाओं का आदान-प्रदान, सोशल मीडिया पर कड़ी निगरानी और सांप्रदायिक सौहार्द्र बनाए रखने को सभी समुदाय के लोगों के प्रतिनिधियों की सहायता लेने जैसे कदम उठाए जा रहे हैं।

खासतौर पर अफवाह फैलाकर माहौल को बिगाड़ने वालों से पूरी सख्ती से निपटने के लिए जरूरी निर्देश जारी कर दिए गए हैं। साथ ही सोशल मीडिया प्लेटफार्म्स पर भी पैनी नजर रखी जा रही है। कुछ हिस्सों में निगरानी के लिए शनिवार को ड्रोन का इस्तेमाल किया गया।

राजधानी में शांति व्यवस्था बनाये रखने के लिए पुलिस ने हर संभव सतर्कता बरती। अप्रिय घटना टालने को तेज की गश्त।

पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों ने बताया कि पुरानी दिल्ली के कुछ हिस्सों में सुरक्षा कड़ी कर दी गई है।

इन इलाकों में दुकानें खुली हैं लेकिन स्थिति तनावपूर्ण है। हालात को देखते हुए वहां अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती की गई है। दिल्ली पुलिस की वज्र वैन और 2 बसों में पुलिस के जवान किसी भी स्थिति का सामना करने के लिए जामा मस्जिद के बाहर तैनात है।

पुलिसकर्मियों ने जामा मस्जिद के इलाके में मोटर साइकिलों पर गश्त भी की। दिल्ली पुलिस के अनुसार राममंदिर पर फैसले के मद्देनजर राजधानी की सुरक्षा व्यवस्था को चाक चौबंद कर दिया गया है। किसी भी तरह की गड़बड़ी करने की कोशिश करने वालों से पुलिसबल सख्ती से निपटेगा। पूर्वोत्तर दिल्ली समेत शहर के कई हिस्सों में लोगों के साथ बैठक की गई और विभिन्न क्षेत्रों में गश्त के साथ साथ ड्रोन से निगरानी की गई। शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए पूरे राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में निषेधाज्ञा लागू की गई है। इस दौरान किसी को भी समूह के रूप में एकत्र होने की इजाजत नहीं होगी। सभी एसएचओ और डीसीपी को निर्देश दिए गए हैं कि उनके क्षेत्र में जो भी संवेदनशील स्थान हैं वहां पर पुलिसकर्मियों की संख्या बढ़ा दी जाए।

इसके साथ ही क्षेत्र ही पुलिस ने अमन कमेटियों के सहयोग से लोगों को जागरूक किया जाए। ताकि इलाके में शांति और सौहार्द सुनिश्चित किया जाए। इस बीच धार्मिक स्थलों के आसपास सुरक्षा के विशेष इंतजाम किए गए हैं। वहीं अमन कमेटी के पदाधिकारियों के साथ बैठक करने के साथ ही ऐसे लोगों पर नजर रखने को कहा गया है जो लोग माहौल को बिगाड़ सकते हैं।

पुलिस अधिकारियों ने साफ कर दिया है कि अफवाह फैलाने वालों और किसी भी तरह से गड़बड़ी और उन्माद फैलाकर माहौल को खराब करने और शांति भंग करने की कोशिश करने वालों से सख्ती से निपटा जाएगा।

'फैसले का स्वागत, बनाये रखें सौहार्द'

अरविंद केजरीवाल

सीएम अरविंद केजरीवाल ने राम जन्म भूमि-बाबरी मस्जिद मामले पर उच्चतम न्यायालय के फैसले का स्वागत करते हुए कहा कि इससे कई दशकों से जारी विवाद खत्म हुआ और साथ ही उन्होंने लोगों से शांति एवं सौहार्द बनाए रखने की अपील की। ट्वीट किया, सभी पक्षों की दलीलें सुनने के बाद पीठ के पांचों न्यायाधीशों ने एकमत से अपना निर्णय दिया। हम उच्चतम न्यायालय के फैसले का स्वागत करते हैं। कई दशकों के विवाद पर आज उच्चतम न्यायालय ने निर्णय दिया।

मनोज तिवारी

प्रदेश भाजपा अध्यक्ष मनोज तिवारी अनुसार राम जन्मभूमि मामले में सर्वोच्च न्यायालय का निर्णय ऐतिहासिक है। दिल्ली वालों से अपील हैं कि यह किसी भी धर्म व समुदाय के लिए हार या जीत का निर्णय नहीं है। इस निर्णय के बाद आप सभी लोगों को आपसी अमन भाईचारा व शांति बनाये रखना चाहिए। पीएम ने कहा कि रामभक्ति हो या रहीम भक्ति यह समय भारत भक्ति की भावना को सशक्त करने का है।

अरशद मदनी

जमीयत उलेमा हिंद के अध्यक्ष मौलाना सैयद अरशद मदनी ने देश के मुसलमानों और समेत समुदाया के के लोगों से यह अपील की वो इस फैसले को हार-जीत की दृष्टि से ना देखे और देश में अमन एवं भाईचारे के वातावरण को बनाये रखे। मदनी ने कहा कि यह निर्णय उनकी अपेक्षा के अनुकूल नहीं है। संविधान ने हमें जो शक्तियां दी हैं उस पर निर्भर करते हुए जमीयत उलेमा हिन्द ने आखिरी हद तक न्याय के लिए लड़ा।

विजेंद्र गुप्ता

नेता प्रतिपक्ष विजेंद्र गुप्ता ने बताया कि शीर्ष अदालत के इस फैसले से हिन्दुओं के लिए राम मंदिर व मुसलमानों के लिए मस्जिद बनाने का रास्ता साफहो गया है। उन्होंने लोगों से धार्मिक सौहार्द, शांति व एकता बनाये रखने को कहा। सर्वोच्च न्यायलय ने लगातार 40 दिनों तक सुनवाई करने के बाद जो फैसला सुनाया है उससे एक अत्याधिक पुराने कानूनी विवाद का अंत हो गया है।

अहमद बुखारी

जामा मस्जिद के शाही इमाम अहमद बुखारी ने कहा कि मुल्क में शांति रहनी चाहिए। हिन्दू-मुस्लिम बंद होना चाहिए। पीएम के बयान से उम्मीद होनी चाहिए कि मुल्क में सौहार्द बनेगा। इस फैसले को अब चैलेंज नहीं करना चाहिए। कोर्ट का फैसला माना जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि अब इस पर बहस करने का या पुरानी बातों को उखाड़ने का... और वही पुराना माहौल बनाया जाए, मैं इसके खिलाफ हूं।

सुभाष चोपड़ा

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष सुभाष चोपड़ा की अध्यक्षता में एक बैठक बुलाकर सर्वसम्मति से उच्चतम न्यायालय के फैसले का सम्मान करते हुऐ सभी से संयम बनाने की अपील की। उन्होंने कार्यकर्ताओं और नेताओं से अपील की कि वो अपने आस पड़ोस में निगरानी रखे व भाईचारे को कायम रखने के लिए काम करें और आपसी भाईचारा कायम करके सदियों पुरानी गंगा जमुनी संस्कृति की रक्षा करें।

जय भगवान गोयल

यूनाईटेड हिन्दू फ्रंट के अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष जय भगवान गोयल ने कहा कि इस फैसले को हार या जीत के नजरीए ने न देखा जाए। यह भगवान श्री राम व न्याय की जीत है जो सम्पूर्ण ब्रम्हाण्ड के पालन हार है। दशकों से लंबित इस मामले को जिस तरह से सुप्रीम कोर्ट से सुलझाया है। वह उसके लिए सभी जजों का आभार व्यक्त करते हैं। इस मामले में जो भी राजैतिक रोटियां सेकने के प्रयास कर रहे हैं। उन्हें नजर अंदाज करें और न्यायालय के फैसले का सम्मान करें।

धर्मेन्द्र ने संभाला एनडीएमसी अध्यक्ष का कार्यभार

नई दिल्ली। भारतीय प्रशासनिक सेवा अधिकारी धर्मेन्द्र ने नई दिल्ली नगरपालिका परिषद के अध्यक्ष के रूप में कार्यभार संभाल लिया है। पदभार संभालते ही उन्होंने पालिका परिषद सचिव और सभी विभागाध्यक्षों के साथ बैठक की जिसमें अधिकारियों ने एनडीएमसी की गतिविधियों से अवगत कराया।

धर्मेन्द्र ने शनिवार को नरेश कुमार के रिक्त हुए स्थान पर पालिका परिषद् अध्यक्ष का कार्यभार संभाल है। नरेश कुमार का जुलाई-2019 में अरूणाचल प्रदेश के मुख्य सचिव के रूप में तबादला हो गया था। तब से अब तक इस पद की अतिरिक्त जिम्मेदारी दिल्ली के मुख्य सचिव विजय कुमार देव संभाल रहे थें ।

नई दिल्ली नगरपालिका परिषद नियुक्ति से पूर्व धर्मेन्द्र भारत सरकार के उपभोक्ता मामलों, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय में अतिरिक्त सचिव एवं वित्तीय सलाहकार के पद पर तैनात थें।

धर्मेन्द्र ने अपने सेवाकाल के दौरान विभिन्न महत्वपूर्ण पदों की जिम्मेदारी को संभाला है। शहरी क्षेत्र में 10 सालों तक भारत सरकार के आवासन एवं शहरी मामलों के मन्त्रालय और शहरी विकास एवं गरीबी उन्मूलन मंत्रालय तथा दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) के विभिन्न पदों पर कार्य किया है।

मुस्लिमों की राय : अयोध्या में कॉलेज बनता तो अच्छा होता

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

राजधानी में मुस्लिम समुदाय के एक वर्ग ने अयोध्या मामले पर उच्चतम न्यायालय के फैसले का स्वागत किया लेकिन कुछ ने कहा कि शीर्ष अदालत विवादित स्थल पर कोई अस्पताल या कॉलेज बनाने का आदेश देती तो अच्छा होता।

सीलमपुर इलाके के कई मुस्लिम निवासी फैसले को लेकर खुश हैं और उन्होंने लोगों से शांत रहने तथा शांति एवं भाईचारा बनाने की अपील की है। न्यू सीलमपुर इलाके के निवासी मोहम्मद उस्मान ने कहा, फैसला सही है लेकिन यह और बेहतर हो सकता था अगर अदालत वहां कोई अस्पताल या कॉलेज बनाने का आदेश देती। बावजूद इसके हम सब खुश हैं कि उच्चतम न्यायालय ने विवाद हल कर दिया।

कपड़ों का कारोबार करने वाले ब्रह्मपुरी के सनीबुल अली ने कहा वह भी इसका समर्थन करते हैं लेकिन यह बेहतर हो सकता था अगर अयोध्या में विवादित स्थल पर मस्जिद या मंदिर बनाने पर विचार करने के बजाय कोई अस्पताल या कॉलेज बनाने का आदेश देती। सभी निवासी इस फैसले से खुश नहीं हैं और वह चाहते हैं कि सरकार अब लोगों को रोजगार मुहैया कराने पर ध्यान केंद्रित करे। जामा मस्जिद में मजदूरी करने वाले अशरफुद्दीन के अनुसार अब मसला सुलझ गया है तो सरकार को रोजगार मुहैया कराने पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए।

वह असंतुष्ट हूं लेकिन खुश हूं कि कई वर्षों तक राजनीतिक हथियार के तौर पर इस्तेमाल किए जाने वाला यह मुद्दा सुलझ गया है। ऊनी कपड़ों की दुकान चलाने वाले फहीम ने बताया कि हिंदू और मुस्लिम भाई-भाई हैं और वे बस शांति चाहते हैं। पुरानी दिल्ली के मोहम्मद हसीबुल ने कहा वह फैसले का स्वागत करते हैं। वह लंबित विवाद पर फैसले का समर्थन करते हैं।

खुदा हर जगह मौजूद है...

जाफराबाद में रहने वाले साकिब चौधरी ने बताया कि उसे हमें नमाज पढ़ने केलिए कोई विशेष स्थान की जरूरत नहीं है। अल्लाह हर जगह है। वह उच्चतम न्यायालय केफैसले का स्वागत करते हैं और इस संवेदनशील तथा लंबे समय से अटके मुद्दे को हल करने की जरूरत थी।

'लोकमानस में बसी सांस्कृतिक विरासत है रागिनी'

● 24 को कनॉट प्लेस के सेंट्रल पार्क में आयोजित होगा कार्यक्रम

पायनियर समाचार सेवा। नई दल्ली

रागिनी लोकमानस के अन्तरात्मा की अभिव्यक्ति है। सदियों से रागिनी के जरिए उत्तर भारतीय अपनी भावनाओं को व्यक्त करते आए है। उप-मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने यह कहते हुए बताया कि इसीलिए दिल्ली सरकार ने खास महोत्सव का आयोजन किया है।

महोत्सव में 9 नवम्बर को बदरपुर में जयवीर भाटी एवं नरदेव बेनीवाल, 16 नवम्बर को छत्तरपुर में मनोज कारना व प्रियंका चौधरी तथा 17 नवम्बर को मुण्डका में विधि देशवाल रागिनी की खास प्रस्तुतियां देंगी। 24 नवम्बर को कनॉट प्लेस के सेण्ट्रल पार्क में आयोजित भव्य कार्यक्रम में इन सभी कलाकारों द्वारा रागिनी की संगीतमयी सामूहिक प्रस्तुति दी जाएगी। सिसोदिया ने कार्यक्रम की जानकारी देते हुए कहा कि उन्हें खुशी हो रही है कि यह पहला अवसर है कि एक साथ दिल्ली के कई इलाकों में रागिनी महोत्सव आयोजित किया जा रहा है। संगीत, कला और संस्कृति समाज में भाईचारा, सद्भाव, शान्ति और आपसी प्रेम का प्रसार करते हैं। इसलिए वह इस तरह के उत्सवों को बढ़ावा दे रहे हैं। दिल्ली सरकार सभी लोक संस्कृतियों को प्रोत्साहित कर रही है।

रागिनी उत्तर भारत के लोकमानस में रची बसी सांस्कृतिक विरासत है। जो कि गीत और कविता के रूप में सामान्य जन की धार्मिक, सामाजिक, सांस्कृतिक, आर्थिक और लौकिक उद्गारों की अभिव्यक्ति करती है। यह सदियों से गांवों की चैपालों पर गायी जाती रही है। रागिनी सामाजिक परिवर्तनों के संदेश का भी आधार रही है।

धूल हटाने के लिए रसायनयुक्त पानी का छिड़काव

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

बढ़ते प्रदूषण पर लगाम लगाने के मकसद से पूर्वी दिल्ली नगर निगम ने मंडोली इलाके में विशेष प्रकार के रसायन को पानी में मिलाकर छिड़काव किया। प्रयोग के तौर पर ईडीएमसी ने 4000 लीटर की क्षमता वाली 2 जटिंग मशीन, 9000 लीटर क्षमता वाली एक वाटर स्प्रिंकलर मशीन के द्वारा 100 किलो रसायन व 17000 लीटर पानी का प्रयोग किया गया। लगभग 20000 वर्ग मीटर क्षेत्र में पानी का छिड़काव किया।

पूर्वी दिल्ली नगर निगम के अपर आयुक्त विजय बिधूड़ी के अनुसार निगम ने मुंबई की एक कंपनी से हेक्सहाइड्रेट फ्लेक्स और मैग्नीशियम क्लोराइड पाउडर का एक संयोजन खरीद लिया है।

जिसको पानी के साथ मिलाकर जब वातावरण में छिड़काव किया जाता है तो यह धूल और कणों को भारी बना देता है। जिससे धूल कम से कम छह से आठ घंटे तक जमीन की सतह पर बैठी रहती है। धूल प्रदूषण को काबू करने के लिए अकेले पानी का प्रयोग उतना प्रभावशाली नहीं है।

तापमान, हवा की गति आदि के आधार पर लगभग 15.30 मिनट तक धूल को दबाए रखता है। इस रसायनयुक्त पानी के छिड़काव से क्षेत्र में बार बार पानी का छिड़काव करने की आवश्यकता नहीं होगी जिससे ना केवल श्रम की बचत होगी बल्कि पानी की बर्बादी को भी रोका जा सकेगा।

हंसराज में आज जुटेंगे भोजपुरी साहित्य प्रेमी

नई दिल्ली। भोजपुरी फेस्टिवल में भाग लेने के लिए देश भर से भोजपुरी साहित्यकार, पत्रकार, लेखक, रंगकर्मी, अभिनेता इस भाग लेने के लिए पहुंच रहे हैं।

रविवार को होने वाले इस कार्यक्रम का आयोजन भोजपुरी एसोसिएशन ऑफ़ इंडिया एवं मैथिली भोजपुरी अकादमी, दिल्ली सरकार के संयुक्त तत्वावधान में हो रहा है। भोजपुरी लिटरेचर फेस्टिवल के संयोजक जलज ने बताया कि उत्सव में भोजपुरी साहित्य एवं लोकरंग के विविध आयामों पर परिसंवाद के साथ साथ ही साथ कवि सम्मेलन भी होगा।

प्रदूषण रोकने को 11 तक बंद रहेंगे उद्योग

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

उच्चतम न्यायालय द्वारा नियुक्त प्रदूषण रोधी निकाय ईपीसीए ने शनिवार को कहा कि दिल्ली और उसके आसपास के शहरों में प्रदूषणकारी ईंधन आधारित उद्योग 11 नवंबर तक बंद रहें। पर्यावरण प्रदूषण (रोकथाम एवं नियंत्रण) प्राधिकरण ने दिल्ली और एनसीआर में हॉट मिक्स संयंत्रों तथा स्टोन क्रशरों पर पाबंदी भी 11 नवंबर तक के लिए बढ़ा दी।

उच्चतम न्यायालय ने चार नवंबर को इस क्षेत्र में निर्माण एवं मकानों एवं अन्य संरचनाओं को ढहाने की गतिविधियों पर अगले आदेश तक के लिए रोक लगा दी थी। दिल्ली, उत्तर

प्रदेश, हरियाणा, पंजाब एवं राजस्थान के मुख्य सचिवों को भेजे गए पत्र में ईपीसीए प्रमुख भूरेलाल ने कहा कि फरीदाबाद, गुरुग्राम, गाजियाबाद, नोएडा, बहादुरगढ़, नोएडा, सोनीपत, पानीपत में कोयला एवं अन्य ईंधन आधारित सभी उद्योग, जिन्होंने प्राकृतिक गैस या कृषि अवशिष्ट की ईंधन पद्धति नहीं अपनाई है, 11 नवंबर की सुबह तक बंद रहेंगे।

दिल्ली की वायु गुणवत्ता पर जावडेकर ने जताई चिंता

नई दिल्ली। पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री प्रकाश जावडेकर ने दिल्ली में वायु प्रदूषण से निपटने के लिए राज्य सरकारों द्वारा किए जा रहे उपायों की शनिवार को समीक्षा की।

जावडेकर ने दिल्ली, पंजाब, हरियाणा, राजस्थान और उत्तर प्रदेश सरकार के प्रतिनिधियों के साथ उच्चस्तरीय बैठक में दिल्ली की वायु गुणवत्ता बहुत खराब स्थिति में होने पर चिंता व्यक्त की और राज्य सरकारों से युद्धस्तर पर प्रयास तेज करने को कहा। हालांकि जावड़ेकर ने सभी राज्य सरकारों के प्रयासों पर संतोष व्यक्त करते हुए कहा कि पंजाब और हरियाणा में जल रही पराली से दिल्ली के प्रदूषण में इसकी 35 फीसदी हिस्सेदारी घटकर अब मात्र तीन फीसदी तक रह गई है।

इस मामले में उच्चतम न्यायालय के फैसले के बाद दिल्ली के प्रदूषण की समस्या से निपटने के लिए केंद्र और राज्य सरकारों के बीच आपसी समन्वय कायम करने के लिए लगातार उच्च स्तरीय बैठकें की।

गुरुग्राम में रही कड़ी सुरक्षा, सभी ने दिखाया बड़ा दिल

किसी भी जगह से कोई विवाद का नहीं मिला समाचार

पुलिस -प्रशासन रहे पूरी तरह से मुस्तैद

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

अयोध्या में राम मंदिर को लेकर सुप्रीमकोर्ट के फैसले के मद्देनजर शुक्रवार रात से ही प्रशासन और पुलिस ने सक्रियता बढ़ा दी थी। सुरक्षाकर्मियों की हर जगह पर तैनाती कर दी थी। रेलवे स्टेशन, बस अड्डे और मेट्रो स्टेशनों पर सुरक्षा के कड़े इंतजाम थे। सभी से अनुरोध भी किया जाता रहा कि किसी तरह की अफवाह फैलाने से बचें और अफवाहों पर ध्यान भी न दें। इसी के चलते मिलेनियम सिटी में किसी तरह का कोई विवाद नहीं हुआ और सभी ने बड़ा दिल दिखाया।

श्रीराम जन्मभूमि विवाद को लेकर सर्वोच्च न्यायालय के फैसले की जानकारी लेने के लिए लोग सुबह से ही टीवी के सामने बैठ गये थे। जैसे ही साढ़े 10 बजे सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीशों ने अपना फैसला सुनाना शुरू किया तो सभी टकटकी लगाये बैठे रहे। हर कोई फैसले से संबंधित अधिक से अधिक जानकारी प्राप्त करने के लिए लालायित दिखाई साइबर सिटी व आस-पास के क्षेत्रों में शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए जिला प्रशासन ने भी कड़े कदम उठाए थे। जहां सार्वजनिक स्थानों रोडवेज बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन, मेट्रो स्टेशनों, सोहना चौक स्थित जामा मस्जिद व अन्य क्षेत्रों पालम विहार, ईदगाह, डीएलएफ, सुशांत लोक, साऊथ सिटी, चौमा आदि स्थानों पर स्थित मस्जिदों के आस-पास भी पुलिसकर्मी तैनात किए गए थे, ताकि किसी प्रकार की कोई अप्रिय घटना न हो सके।

पुलिस अधिकारी पुलिसकर्मियों के साथ रेलवे स्टेशन का दौरा करते हुए दिखाई दिए। आने-जाने वाली रेलगाड़ियों पर भी पुलिसकर्मियों की पैनी नजर रही, ताकि कोई असामाजिक तत्व किसी प्रकार की वारदात को अंजाम न दे सके। शहर के सदर बाजार, शॉपिंग मॉल्स व सार्वजनिक स्थानों पर भी लोग सर्वोच्च न्यायालय के फैसले पर चर्चा करते दिखाई दिए। सभी ने न्यायपालिका पर विश्वास प्रकट करते हुए कहा कि भारत की न्यायपालिका पूरी तरह से स्वतंत्र है। न्यायपालिका के इस फैसले ने दूध का दूध और पानी का पानी कर दिया है। लोगों का कहना था कि सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीशों ने 206 साल पुराने विवाद पर 40 दिन लगातार सुनवाई के बाद गत 16 अक्टूबर को अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था, जो न्यायालय ने शनिवार को सुना दिया।

गुरुग्राम में बहरामपुर खटौला मार्ग पर राम मंदिर पर निर्णय की खुशी में तिरंगा लहराकर लड्डू बांटते श्रमिक व समाजसेवी।

वनवास काटकर फिर लौटे हैं श्रीराम : ऋतुराज

शिवसेना के जिला प्रमुख ऋतुराज ने कहा कि एक लंबे इंतजार के बाद सर्वोच्च न्यायालय ने धार्मिक आस्थाओं की कद्र करते हुए आखिरकार रामलला को उनका स्थान अयोध्या में दे ही दिया। धार्मिक आस्था से जुड़े धार्मिक स्थल को लेकर सर्वोच्च न्यायालय के फैसले पर सबकी निगाहें टिकी हुई थी। सभी को सर्वोच्च न्यायालय के फैसले का सम्मान करना चाहिए। शिवसेना सुप्रीमों बाला साहेब ठाकरे भी चाहते थे कि अयोध्या में श्रीराम मंदिर का निर्माण हो, आज उनका सपना पूरा हो गया है। शिवसेनिकों और कार सेवकों के प्रयास व्यर्थ नहीं गए। उन्होंने कहा कि प्रभु श्रीराम पूरे 500 साल का वनवास काटकर फिर से घर लौट रहे हैं। उन्होंने सभी समुदायों से आग्रह किया है कि सर्वोच्च न्यायालय के फैसले का सम्मान करते हुए इसे स्वीकार करना चाहिए। बैठक में शिवसेनिक बड़ी संख्या में शामिल रहे।

प्रशासन ने नियुक्त किए थे ड्यूटी मजिस्ट्रेट

राम जन्म भूमि मामले में सर्वोच्च न्यायालय के फैसले के मद्देनजर जिला प्रशासन द्वारा गुरुग्राम जिला में सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए। जिलाधीश ने जिले में कानून एवं शांति व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से ड्यूटी मजिस्ट्रेट नियुक्त किए। इसके अलावा जन सुविधाओं से जुड़े विभागों को अलर्ट किया गया।

न कोई हिन्दू बुरा है न मुसलमान : धर्मदेव

गुरुग्राम। न कोई हिन्दू बुरा है न मुसलमान, आ जाए बुराई जिसमें वह इंसान बुरा है। जीने दो हर बशर को खुद भी जिया करो, तितली के पर तलक की हिफाजत किया करो। बिना आदमी वजूद क्या है कायनात का, इंसान हो इंसान से मोहब्बत किया करो। देश के सर्वोच्च न्यायालय के पांच न्यायधीशों द्वारा सर्वसम्मति से अयोध्या प्रकरण को लेकर सुनाये गए निर्णय पर अपनी प्रतिक्रिया में यह बात शिक्षाविद् महामंडलेश्वर स्वामी धर्मदेव ने कही। उन्होंने कहा कि अन्ततोगत्वा सत्य ही विजयी होता है, चाहे उसमें 500 साल क्यों न लग जाएं। शनिवार को समस्त विश्व का किसी भी अदालत में चलने वाला सबसे लम्बा विवाद समाप्त हुआ। नौ नवंबर 2019 की एक ऐतिहासिक तिथि बन गई। उन्होंने कहा...हे प्रभु राम! आपकी वह नौमी भी ऐतिहासिक जब आपका जन्म हुआ और शनिवार को यह नौवमी (9 नवंबर 2019) भी इतिहास के पन्नों में दर्ज हो गई है, जब आपकी जन्मभूमि का यथोचित फैसला आया। सभी देशवासियों को बहुत-बहुत बधाई के साथ में अपने संदेश में महामंडलेश्वर धर्मदेव ने कहा कि मेरे प्रभु श्रीराम सारी सृष्टि के प्रणेता हैं। हम सबको यह समझना होगा कि हम सबका पिता वही है। हम सब उसकी संतानें हैं तो हम सबका आपस में क्या नाता है।

श्रमिकों ने लड्डू बांटकर मनाया जश्न

रामजन्मभूमि पर फैसला आने के बाद बहरामपुर खटोला मार्ग पर श्रमिकों ने जश्न मनाया। श्रमिक एवं समाजसेवी राजेश पटेल के नेतृत्व में यहां पर तिरंगा लहराया गया और खुशी में लड्डू बांटे। राजेश पटेल ने कहा कि इतने बड़े पुराने विवाद पर शनिवार को फैसला आना अपने आप में खुशी और सुखद की बात है। दोनों ही समुदायों ने बड़े हृदय के साथ इस निर्णय को स्वीकार किया है। यह उससे भी बड़ी बात है। देश में अमन-चैन के लिए यह निर्णय आना बहुत जरूरी था। उन्होंने कहा कि यह जीत ने तो हिंदुओं की है या न ही अन्य किसी धर्म की, बल्कि यह तो संविधान की जीत है। फैसले के बाद न्यायपालिका का रोल और अधिक सराहनीय हो जाता है। इस मौके पर उमेश यादव, गौतम चौधरी, राघवेंद्र सिंह, रमेश, राजेश पंडित, आरके सिंह, सीएस पटेल, आर मिश्रा आदि मौजूद रहे और तिरंगा लहराया।

हिंदू क्रांति दल ने भी मनाया जश्न

अखिल भारतीय हिंदू क्रांति दल की ओर से भी राम मंदिर पर निर्णय आने के बाद खुशी मनाई गई और मिठाई बांटी गई। दल के सदस्य राजीव मित्तल ने कहा कि यह एक ऐतिहासिक निर्णय है। हर किसी को इस निर्णय की ही उम्मीद थी। क्योंकि पूरा निर्णय साक्ष्यों के आधार पर है। किसी तरह से भी कोई शंका दोनों धर्मों में नहीं रह गई है। सबसे बड़ी बात यह है कि देश में अमन शांति फैसले से पहले व बाद में बनी रही। यह देश की एकता का सबसे बड़ा उदाहरण है।

संक्षिप्त समाचार

जजपा करेगी भ्रष्टाचार उन्मूलन में सहयोग

गुरुग्राम। भ्रष्टाचार उन्मूलन में कार्यरत सामाजिक संस्था मिशन क्राइम फ्री इंडिया के प्रदेशाध्यक्ष जतिन धनराज खत्री व राष्ट्रीय प्रभारी नैन सिंह खटाना की अध्यक्षता में बैठक का आयोजन किया, जिसमें संस्था के पदाधिकारियों व सदस्यों के अलावा जननायक जनता पार्टी (जजपा) के जिलाध्यक्ष सूबे सिंह बोहरा भी शामिल हुए और सभी ने भ्रष्टाचार उन्मूलन में संस्था को सहयोग देने का आश्वासन भी दिया। सूबे सिंह बोहरा ने संस्था के प्रयासों की सराहना करत हुए आश्वस्त किया कि संस्था को जहां कहीं भी उनकी जरुरत पड़ेगी, जजपा उनको सहयोग करेगी। उन्होंने कहा कि संस्था को सरकारी विभागों के अलावा अन्य संस्थानों पर नजर रखनी चाहिए। यदि कहीं से कोई भ्रष्टाचार से संबंधित शिकायत आती है तो उस पर कार्रवाई की जानी चाहिए। बैठक में संस्था से जुड़े मोहित कटारिया, सुमित मलिक, मयंक भारद्वाज, भावुक खत्री, मीरा खत्री, महिला प्रदेश की अध्यक्ष गिरिजा देवी, मीनू गोयल, ऊषा रानी और सीमा देवी आदि भी शामिल रही।

मुंजाल शोवा की तीनों इकाइयों की हुई संयुक्त बैठक

गुरुग्राम। शनिवार को कमला नेहरु पार्क में मुंजाल शोवा की तीनों इकाइयों के श्रमिकों की संयुक्त बैठक श्रमिक नेता सुभाष मलिक की अध्यक्षता में हुई। बैठक में श्रमिक यूनियन के पदाधिकारियों व सदस्यों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। सुभाष मलिक व मनोज कुमार ने बताया कि कंपनी प्रबंधन मुंजाल शोवा की मानेसर, उद्योग विहार व हरिद्वार में स्थित प्लांटों में श्रम कानूनों की धज्जियां उड़ा रही हैं। श्रमिकों को नौकरी से निकाला जा रहा है। उनके मांगपत्र काफी समय से लंबित पड़े हैं, लेकिन उन पर प्रबंधन कोई कार्रवाई नहीं कर रही है, जिससे श्रमिकों में रोष व्याप्त होता जा रहा है। अनुचित श्रम अभ्यास जारी है। उन्होंने बताया कि बैठक में सर्वसम्मति से फैसला लिया है कि एक बार फिर से कंपनी प्रबंधन श्रम विभाग व जिला प्रशासन को ज्ञापन देकर मांग की जाएगी कि श्रमिकों के लंबित पड़े मामलों का निपटारा किया जाए। यदि इसके बावजूद कंपनी प्रबंधन अपनी हठधर्मिता नहीं छोड़ता तो तीनों इकाइयों के श्रमिक संयुक्त रूप से कंपनी प्रबंधन के खिलाफ आंदोलन शुरु करेंगे। उन्होंने कहा कि प्रबंधनों की तानाशाही किसी भी सूरत में बर्दास्त नहीं की जाएगी। बैठक में श्रमिक नेता सतीश धानियां, प्रवीण जांगड़ा, चंदन सिंह, धीरेंद्र गुप्ता, संदीप, नरेश राणा, अशोक कुमार, सुभाष मलिक, सुरेंद्र जांगड़ा, श्यामलाल, राजू, विजय, भूदेव और संदीप आदि शामिल रहे। श्रमिक कंपनी प्रबंधन के खिलाफ जबरदस्त नारेबाजी की।

मिलेनियम सिटी में अब बिग ब्रदर्स रेस्तरां ने दी दस्तक

गुरुग्राम। विविधता के दौर में अलग-अलग स्वाद के शौकीन फूड लवर्स के लिए गुरुग्राम में विविधतापूर्ण स्वाद का आनन्द घर बैठे एक फोन कॉल के माध्यम से ले सकते हैं। बिग ब्रदर्स के सह-संस्थापक और सीओओ रजत साहनी ने कहा कि अब तक भारतीयों को घर बैठे ऐसा अनुभव नहीं हुआ है, जैसा किसी रेस्टोरेंट में जाकर होता है। बिग ब्रदर्स के जरिये हम इस ट्रेंड को बदल रहे हैं। जिसके चलते हम तीन ब्रांड के साथ इसकी शुरुआत कर रहे हैं और आगे इसे विस्तार दिया जाएगा। रजत को अलग-अलग स्थानों पर घूमना और वहां की फेमस डिश का पता लगाना पसंद है। उन्हें हमेशा आश्चर्य होता है कि कैसे कई रेस्टोरेंट अपने आसपास बहुत प्रसिद्ध होते हैं, लेकिन बाहर उन्हें कोई नहीं जानता। क्लाउड किचन ऐसे लोगों को प्लेटफार्म देगा। शेफहरपाल सिंह सोखी को बिग ब्रदर्स का ब्रांड अंबेसडर बनाया गया है। शेफहरपाल भारत के सेलेब्रिटी शेफहैं। उन्होंने कहा कि खाना मेरे पैशन का हिस्सा है और बिग ब्रदर्स के जरिये मुझे अपना बनाया स्वाद घर-घर पहुंचाने में मदद मिलेगी।

श्रीमद् भागवत महापुराण कल्पवृक्ष से भी बढ़कर: कृष्ण मुरारी

गुरुग्राम। नगर निगम गौशाला कार्टरपुरी पालम विहार स्थित भागवत में आचार्य पंडित कृष्ण मुरारी शास्त्री जी ने कहा कि श्रीमद् भागवत सभी वेदों में पुराणों का सार है। श्रीमद् भागवत जिसके श्रवण करने मात्र से व्यक्ति को धर्म अर्थ काम मोक्ष चार पुरुषार्थ की प्राप्ति हो जाती है। जिसकी जैसी भावना होती है। कृष्ण मुरारी शास्त्री ने कहा कि श्रीमदभागवत महापुराण कल्पवृक्ष से भी बढ़कर के माना गया है। क्योंकि कल्पवृक्ष केवल सांसारिक सुख-सुविधाएं प्रदान कर सकता है, लेकिन भक्ति और मुक्ति नहीं दे सकता। सांसारिक सुविधाओं के साथ-साथ भक्ति और मुक्ति का कलयुग में सबसे सरल अगर कोई साधन है तो वह है। भागवत कथा व्यक्ति के हृदय में सोए हुए भक्ति ज्ञान वैराग्य को जगाने वाला एवं भक्ति के कष्ट दूर करने वाला पावन ग्रंथ है। भयंकर पापी व्यक्ति धुंधकारी जैसे प्रेत को मुक्त करने वाला ग्रंथ है श्रीमदभागवत। यहां तक कि मौत के भय से भी निर्भय कर देने वाला ग्रंथ है। जिसके प्रमाण हैं पांडवों के वंशज राजा परीक्षित जिन्होंने मुक्ति के लिए सप्त दिवसीय श्रीमदभागवत महापुराण की पावन कथा को परमहंस सुखदेव महाराज के मुखारविंद से श्रवण किया और मुक्ति प्राप्त करके भगवत धाम को प्राप्त हुए तन मन और जीवन में शांति बहुत जरूरी है। इस भागवत कथा में समाजसेवी मनोहर लाल यादव ने कहा कि इस यज्ञ में तन मन धन की सेवा करनी चाहिए। भागवत सुनने मात्र से ही हम सांसारिक कष्टों से मुक्ति पाते हैं। हमें अपने शास्त्रों के अनुसार चलना चाहिए। शास्त्रों में दिखाए हुए रास्ते पर चलना चाहिए। इस पावन कथा में सामाजिक कार्यकर्ता अजय कुमार शर्मा, समाजसेवी मनोहर लाल यादव, भगवान दास शर्मा, तरुण शर्मा, बबली शर्मा, परमानंद, ओपी शर्मा और उनकी गो भक्तों की पूरी टीम ने भागवत कथा में सेवा सहयोग किया।

'किसकी होगी जीत' नाटक में दिखी बेटियों से भेदभाव की बानगी

गुरुग्राम के गांव सिधरावली में बेटियों को लेकर नाटक पेश करते कलाकार।

भेदभाव के कारण लड़कियां अपने सपनों को पूरा नहीं कर पातीं

समाज ने लड़कियों को हमेशा पराया धन कहा व बोझ समझा

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

संस्था ब्रेकथ्रू ने महिला एवं बाल विकास विभाव के सहयोग से गुरुग्राम के पटौदी ब्लॉक के सिधरावाली में रात्रि चौपाल की आयोजन किया। किसकी होगी जीत नाटक में दिखाया गया कि हम लड़कियों व लड़कों में भेदभाव करते हैं, जिसके कारण लड़कियां अपने सपनों को पूरा नहीं कर पाती। समाज में लड़कियों को हमेशा पराया धन कहा जाता है व बोझ समझा जाता है। रूढ़िवादी मानसिकता के कारण जहां हम लड़कों की पढ़ाई लिखाई पर रुपये खर्च करते हैं वहीं लड़कियों की शादी पर पैसे खर्च करते हैं।

हमारी मानसिकता ऐसी बन गई है कि हम एक बार भी अपनी लड़कियों से नहीं पूछते आपकी आशाएं क्या हैं। प्रोग्राम के दौरान-लड़की हाथ से निकल जाएगी लघु फिल्म दिखाकर सामंती मानसिकता पर चोट करते हुए संदेश दिया गया कि सभी माता-पिता अपनी लड़कियों को पढ़ाना चाहते हैं। जो माता-पिता अपनी लड़कियों के साथ खड़े होते हैं वो लड़कियां अपने गांव व देश का नाम तो रोशन करती ही हैं साथ ही साथ दूसरी लड़कियों को भी आगे बढ़ने का हौसला मिलता है महिला एवं बाल विकास विभाग से मंजू ने कहा कि जब लड़की पढ़ती है तो हाथ से नहीं निकलती।

धक्के खाने के बाद भी नहीं मिलता महिलाओं को न्याय

मोहम्मद मुस्तफा। नूंह

एसपी से मिलने पर भी गिरफ्तार नहीं हुआ रेप का आरोपी

ढाई महीने पहले महीला के साथ हुआ था दुष्कर्म

प्रदेश सरकार भले ही महिलाओं की रक्षा व सुरक्षा को लेकर लाख दावे करती हो, लेकिन नूंह जिले में महिलाओं के साथ आए दिन हो रही दुष्कर्म और छेड़छाड़ की घटनाओं को देखते हुए नहीं लगता कि नूंह में सरकार के ये दावे महिलाओं के लिए फायदेमंद साबित हो रहे हैं। यहां हालात कुछ ऐसे हो गए हैं कि छेड़छाड़ व दुष्कर्म की पीड़िताओं को अपने इंसाफ के लिए कई-कई महीने पुलिस अधिकारियों के चक्कर काटने पड़ते हैं, उसके बाद भी उन्हें इंसाफ मिलने की कोई गारंटी नहीं है। ताजा मामला पिनगवां थाना अंतर्गत नरियाला गांव का है, जहां पर करीब ढाई महीने पहले एक विवाहिता के साथ गांव के ही एक आरोपी ने रात में कट्टे का डर दिखाकर दुष्कर्म ही नहीं किया बल्कि महिला की अश्लील वीडियो भी बना ली। महिला को किसी को बताने पर जान से मारने और वीडियो वायरल करने की धमकी भी दी।

पुलिस ने मामले में मुकदमा तो दर्ज कर लिया, लेकिन ढाई महीने के अंतराल में आरोपी को गिरफ्तार नहीं किया गया। पीड़िता ने बताया कि वह अपने मकान में सोई हुई थी, रात के करीब एक बजे पड़ोसी गांव का युवक शहीद उसके कमरे में घुस आया। जिसने बंदूक का डर दिखाकर दुष्कर्म किया और वीडियो बनाई। पीड़िता का आरोप है कि किसी को बताने पर आरोपी उसकी वीडियो वायरल करने और जानसे मारने की धमकी देकर चला गया। पीड़िता ने सुबह आप बीती घटना परिजनों को बताई तो परिजनों ने नूंह के महिला थाने में शिकायत दी। जिस पर पुलिस ने महिला का मेडिकल कराकर मुकदमा तो दर्ज कर लिया, लेकिन आरोपी ढाई महीने गुजर जाने के बाद भी खुले में घूम रहा है।

पीड़िता का कहना है कि आरोपी की गिरफ्तारी को लेकर वह डीएसपी व एसपी से भी मिली, लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई। पीड़िता के परिजनों का कहना है कि सोमवार को लघुसचिवालय पर पीड़िता को लेकर धरना दिया जाएगा।

सांस्कृतिक संध्या कार्यक्रम का आयोजन आज

गुरुग्राम। सामाजिक संस्था पाटलिपुत्र सांस्कृतिक चेतना समिति व जनसेवा एवं सांस्कृतिक चेतना मंच द्वारा आज रविवार को खांडसा रोड स्थित डीएवी स्कूल परिसर में सांस्कृतिक संध्या कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा।

संस्था के महासचिव संत कुमार ने बताया कि कार्यक्रम में भोजपुरी गायिका देवी एवं गोलू राजा अपनी टीम के साथ सांस्कृतिक प्रस्तुति देंगे। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रुप में स्थानीय विधायक सुधीर सिंगला व बादशाहपुर विधायक राकेश दौलताबाद शामिल होंगे, वहीं कार्यक्रम की अध्यक्षता बोधराज सिकरी व मुकेश शर्मा करेंगे। कार्यक्रम में पूर्णचंद्र लोहचाब, अजय सिंघल, अमरेंद्र सिंह आदि शामिल रहेंगे।

श्रमिकों का आंदोलन 5वें दिन भी

श्रम विभाग के अधिकारियों की लगातार जारी है वार्ता

नहीं निकल रहा कोई समाधान

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

अपनी मांगों को लेकर नारेबाजी करते श्रमिक।

आईएमटी मानेसर स्थित होण्डा मोटर्स में कार्यरत ठेकेदार के श्रमिकों की छंटनी को लेकर शनिवार को 5वें दिन भी प्रतिष्ठान व औद्योगिक क्षेत्र में श्रमिक अशांति बनी रही।

श्रम विभाग के अधिकारी कंपनी प्रबंधन से वार्ता कर रहे हैं, लेकिन समस्या का समाधान होता दिखाई नहीं दे रहा है। पीड़ित श्रमिक धरने पर बैठे हैं। श्रमिक संगठन एटक के जिला महासचिव कामरेड अनिल पंवार ने बताया कि होंडा मोटर्स श्रमिक यूनियन के अध्यक्ष सुरेश गौड़ समस्या का समाधान कराने में जुटे हैं। अन्य श्रमिक संगठनों सीटू, इंटक, एचएमएस व स्वतंत्र श्रमिक यूनियनों के प्रतिनिधि भी धरने पर बैठे श्रमिकों को सहयोग करने का आश्वासन दे रहे हैं। उन्होंने बताया कि इंटक के प्रदेशाध्यक्ष अमित यादव, बादली विधानसभा के कांग्रेसी विधायक कुलदीप वत्स, तेज बहादुर यादव व श्रमिक नेता नरेश कुमार, मनोज कुमार, परशुराम, रमेश समोता, हरजीत ग्रोवर, पंकज, महेश जायसवाल आदि ने भी धरने पर बैठे श्रमिकों की मांगों को जायज ठहराते हुए उन्हें यथासंभव सहयोग देने का आश्वासन भी दिया है।

श्रम विभाग के अधिकारी प्रबंधन के साथ लगातार वार्ता जारी रखे हुए हैं। गौरतलब है कि गत दिवस रेवाड़ी से कांग्रेस के विधायक चिरंजीव राव भी पीड़ित श्रमिकों के बीच पहुंचे थे और उन्हें सहयोग देने का आश्वासन भी उन्होंने दिया था।

दामों में बढ़ोतरी के चलते प्याज व टमाटर किचन से बाहर

गृहणियों की रसोई का बिगड़ा बजट

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

दामों में बढ़ोतरी के चलते प्याज और टमाटर घरों में किचन से बाहर हो गया है। यहां तक कि व्यवसायिक प्रतिष्ठानों में भी सलाद के रूप में दिये जाने वाले प्याज-टमाटर की जगह अब मूली आदि ने ले ली है। इससे साफ है कि आमजन किस तरह से प्याज टमाटर के दाम बढ़ने से प्रभावित हो गया है।

लगातार बढ़ती कीमतों के कारण गृहिणी व आम आदमी परेशान हो गया है। गृहणियों की रसोई महंगी हो गई है। मंडियों में प्याज व टमाटर की आवक कम हो गई है। गृहणियों गायत्री, रंजना यादव, पूजा, आरती आदि का कहना है कि प्याज व टमाटर की दरों में लगातार वृद्धि हो रही है। बढ़ती दरों के कारण जहां पहले एक किलो प्याज लेते थे, वहीं अब आधा किलो प्याज लेकर ही काम चलाना पड़ रहा है।

सब्जी मंडी में रखी सब्जियां।

सब्जी विक्रेताओं का अनुमान था कि दीपावली के बाद प्याज व टमाटर की आवक होने से कीमतों में गिरावट आएगी, लेकिन ऐसा हुआ नहीं। महाराष्ट्र, मध्यप्रदेश, उत्तरप्रदेश, नासिक, गुजरात और कर्नाटक में मानसून के दौरान हुई भारी बारिश से आई बाढ़ के कारण अधिकांश प्याज की फसल खराब होने से प्याज की आवक बंद हो हो गई, जिससे गत सितंबर माह से प्याज और टमाटर की कीमतें आसमान छू रही हैं। खांडसा रोड स्थित सब्जी मंडी में थोक के भाव में प्याज 60 से 62 रुपये किलो मिल रही है। वहीं गुरुद्वारा रोड स्थित सब्जी मंडी में 70 से 80 रुपये किलो मिल रही है। आवासीय क्षेत्रों में 90 से 100 रुपये प्रति किलो तक बिक रही हैं। केंद्र सरकार प्याज आयात करने की योजना बना रही है, जिसके बाद प्याज की किल्लत से लोगों को छुटकारा मिल सकता है।

व्यापारी बोले इसलिए महंगी हुई प्याज

खांडसा रोड स्थित सब्जी मंडी के प्रधान इंद्र सिंह का कहना है कि केवल गुड़गांव शहर में 130 टन प्याज की प्रतिदिन खपत होती है, लेकिन वर्तमान में 70 से 75 टन ही प्याज मंडी में आ रही है। जिसके कारण लगभग 60 टन प्याज कम पड़ जाती है। इसी के कारण प्याज के भाव बढ़ रहे हैं। अभी केवल नई प्याज राजस्थान के अलवर व जयपुर से आनी शुरू हुई है। 20 नवंबर तक अन्य राज्यों से प्याज की आवक शुरू हो जाएगी। उसके बाद प्याज के भाव सामान्य हो जाएंगे।

गुरुग्राम में रोज 350 टन टमाटर की खपत

सब्जी विक्रेताओं का कहना है कि गुरुग्राम में लगभग 350 टन टमाटर की खपत प्रतिदिन है, लेकिन औरंगाबाद, बैंगलूरू, गिलानौर, मदनपल्ली, मध्य प्रदेश के शिवपुरी का टमाटर खत्म होता जा रहा है, जिसके कारण लगभग 250 टन टमाटर ही आ रहा है। आवक न होने से टमाटर भी महंगा होता जा रहा है। शीघ्र ही राजस्थान के शाहपुरा, अलवर और लोकल क्षेत्र से आवक शुरू हो जाएगी।

भाईचारा मजबूत होगा तो देश होगा मजबूत: महेंद्र कौशिक

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

अयोध्या की श्रीराम जन्मभूमि पर सर्वोच्च न्यायालय के फैसले का सभी समुदायों को स्वागत करना चाहिए। न्यायालय का यह फैसला ऐतिहासिक एवं सराहनीय है। मंदिर-मस्जिद से ऊपर आपस का भाईचारा है। सभी को भाईचारा निभाना चाहिए। यह बात सामाजिक संस्था अभिनव इंडिया सेवा ट्रस्ट के संरक्षक महेंद्र कौशिक ने गुरुग्राम में आयोजित बैठक में कही।

ट्रस्ट के राष्ट्रीय अध्यक्ष डी. कौशिक की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में उन्होंने कहा कि सर्वोच्च न्यायालय ने अपने इस फैसले से किसी भी पक्ष को नाराज नहीं किया है। जहां एक ओर श्रीराम मंदिर निर्माण विवादित स्थल पर ही बनेगा, वहीं दूसरे पक्ष को 5 एकड़ भूमि देने का आदेश भी सर्वोच्च न्यायालय ने दिया है। वर्षों से लंबित पड़े इस मामले का भारत की जनता को लेकर बेसब्री से इंतजार था। उन्होंने कहा कि यह मामला दो समुदायों के बीच था, लेकिन राजनीतिक दल इस मामले में अपनी रोटियां सेक रहे थे।

महेंद्र कौशिक।

उन्होंने कहा कि देश की जनता को भारत की न्यायपालिका पर पूरा विश्वास है।

उन्होंने सभी समुदायों से आग्रह किया कि सर्वोच्च न्यायालय के इस आदेश का स्वागत करते हुए आपसी भाईचारे की भावना को बढ़ाना चाहिए। देश की जनता ने ऐसा संदेश दिया है कि मंदिर-मस्जिद से ऊपर उठकर भी एक रिश्ता है, वह है भाईचारा का। भाईचारा मजबूत होगा तो देश भी मजबूत होगा। बैठक में ट्रस्ट के संरक्षक महेंद्र कौशिक, राष्ट्रीय महासचिव परमेंद्र कौशिक, कोषाध्यक्ष भुवन मोहिनी, अजय शर्मा, तेजवंत शर्मा, कुणाल, हर्षिता, नरेंद्र कौशिक, मंजू, प्रिया, नेहा, पारुल, काजल, सचिन, हेमंत सहित संस्था से जुड़े पदाधिकारी और सदस्य शामिल हुए।

डाक्टर समेत चार परिजनों को चाकुओं से गोदा

राजेश दास। फरीदाबाद

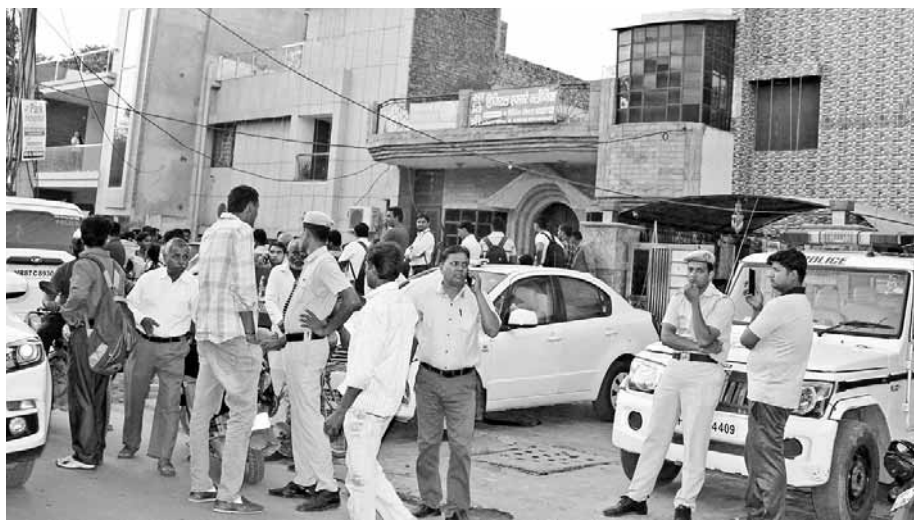

अयोध्या मामले में पुलिस द्वारा हाईअलर्ट घोषित किए जाने के बावजूद सेक्टर में 7ए में रहने वाले एक डाक्टर और उनके परिवार के तीन अन्य सदस्यों की अज्ञात लोगों ने चाकुओं से गोदकर हत्या कर दी। हत्यारोपियों और कारणों का पता नहीं चल पाया है। वारदात को किस समय अंजाम दिया गया, इसका खुलासा अभी नहीं हो पाया है। दोपहर को उनके पालतू कुत्ते द्वारा लगातार भौंके जाने पर आस-पास के लोगों को संदेह हो गया और उन्होंने पुलिस को सूचना दे दी। पुलिस के मौके पर पहुंचने पर घटना का पता चल पाया। समाचार लिखे जाने तक पुलिस मामले की जांच-पड़ताल कर रही है।

खुशहाल परिवार था

थाना सेक्टर सात पुलिस के मुताबिक डॉ. प्रवीन मेहंदीरत्ता सेक्टर 7ए में परिवार के साथ रहते थे। उनके परिवार में उनकी पत्नी भारती, बेटा दर्पण और बेटी प्रियंका शामिल है। डॉ. प्रवीन अपने मकान के बेसमेट में क्लीनिक और प्रयोगशाला चलाते थे। पत्नी बल्लभगढ़ स्थित एक निजी स्कूल में पढ़ाती थी। बेटा दर्पण गुरुग्राम की किसी कंपनी में काम करता है। जबकि बेटी प्रियंका का विवाह वे मेरठ निवासी सौरभ कटारिया के साथ कर चुके थे। बेटी और दामाद फिलहाल दिल्ली में रह रहे थे। सौरभ भी गुरुग्राम की एक कंपनी में कार्यरत था। उनकी बेटी व दामाद अक्सर शनिवार की रात को उनसे मिलने के लिए यहां आते रहते थे। इन दिनों रात की शिफ्ट होने की वजह से शुक्रवार की रात को दर्पण गुरुग्राम स्थित अपनी कंपनी में चला गया था। दर्पण के जाने के बाद प्रियंका अपने पति सौरभ के साथ उनके घर पहुंची थी।

कुत्ते के भौंकने पर पड़ोसी को हुआ संदेह

डॉ. प्रवीन मेहंदीरत्ता के पड़ोस में रहने वाले सुंदर लाल ने बताया कि डाक्टर ने अपने घर में कई सालों से एक कुत्ता पाला हुआ है, जिसे डॉ. मेहंदीरत्ता सुबह और शाम को खुद घूमाने के लिए जाते थे, लेकिन शनिवार को वे सुबह कुत्ते के साथ बाहर दिखाई नहीं दिए। सुबह करीब दस बजे उन्होंने अपना प्रोपर्टी डीलिंग का कार्यालय खोला, तो डॉ. मेंहदीरत्ता का कुत्ता काफी भौंक रहा था। उस समय उन्होंने ज्यादा ध्यान नहीं दिया, लेकिन दोपहर करीब तीन बजे तक कुत्ते का लगातार भौंकना जारी रहा, तो उन्हें कुछ संदेह होने लगा। उन्होंने इस बारे में पड़ोसी सुनील गर्ग को बताया। सुनील गर्ग के फोन करने पर डॉ. प्रवीन के बेटे दर्पण ने बताया कि वह गुरुग्राम से लौट रहा है और रास्ते में है। इसके बाद उन्होंने मामले की सूचना पुलिस को दे दी।

एक साथ चार हत्याएं

सूचना मिलने पर सेक्टर सात पुलिस चौकी के प्रभारी जीत सिंह अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंच गए। उन्होंने देखा कर डॉक्टर के बेसमेट और मकान के अंदर जाने वाले रास्तों पर बाहर से कुंडी लगी हुई थी। सबसे पहले उन्होंने बेसमेट में जाकर देखा, तो डॉ. मेहंदीरत्ता अपने चेयर पर मृत हालत में पड़े हुए। घर में एक कमरे में उनकी पत्नी भारती और दूसरे कमरे में उनकी बेटी प्रियंका और दामाद सौरभ कटारिया खून से लथपथ हालत में बिस्तर पर मृत पड़े थे। चारों की चाकुओं से गोद कर हत्या की गई थी। सूचना मिलने पर डीसीपी क्राइम राजेश कुमार, एसीपी जयवीर राठी, थाना सेक्टर आठ प्रभारी अमन कुमार, अपराध शाखा की टीम, फोरेंसिक टीम और डॉग स्क्वॉयड की टीम मौके पर पहुंच गए। चारों शव पोस्टमॉर्टम के लिए बीके अस्पताल भेज दिए गए हैं। समाचार लिखे जाने तक पुलिस मामले की छानबीन करने में जुटी है।

बर्बरता : नौ माह की गर्भवती और देवर को डॉक्टर ने पीटा

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

भारत कॉलोनी में स्थित एक निजी क्लीनिक में एक गर्भवती को अपने इलाज में लगे इंजेक्शन का नाम पूछना भारी पड़ गया। आरोपी क्लीनिक संचालक चिकित्सक ने गर्भवती के देवर पर डंडों से वार कर दिया। गर्भवती ने बचाव का प्रयास किया, तो आरोपी ने उसे धक्का दे दिया। वह पेट के बल गिर गई और उसकी हालत खराब होने लगी। उसे आनन फानन में परिजनों ने बीके सिविल अस्पताल में इलाज के लिए दाखिल करवाया। जहां अपातकालीन कक्ष में तैनात ड्यूटी डॉ. मनीष दयाल ने उसकी हालत को देखते हुए प्रसूति वार्ड में दाखिल करवा दिया।

जानकारी के मुताबिक वीरेन्द्र की पत्नी राखी ने बताया कि वह भारत कॉलोनी में अपने परिवार के साथ रहती है। उसका कहना है कि वह नौ माह की गर्भवती है। वह खेड़ीकला स्थित स्वास्थ्य केन्द्र से अपनी जांच करवा रही है। बीती शाम उसे जुखाम और बुखार की समस्या हो गई। परिजन उसे एक निजी क्लीनिक में इलाज के लिए लेकर पहुंचे। जहां उसे इंजेक्शन लगा दिया और दवा देकर घर भेज दिया।

पीड़िता के मुताबिक अगले दिन वह चिकित्सक को दिखाने के लिए खेड़ीकलां जाने लगी, तो उसके साथ उसका देवर जीतू था। दोनों भाभी-देवर उस क्लीनिक में पहुंचे और वहां तैनात चिकित्सक से बीती रात जो दवाईयां और इंजेक्शन उसे लगाए थे, उसकी जानकारी मांगते हुए चिकित्सक को उनका नाम लिखकर देने के लिए कहने लगे। चिकित्सक ने मना किया, तो राखी के देवर ने कहा कि उन्हें सरकारी चिकित्सक को बताना है कि कौन सी दवा व इंजेक्शन लगे हैं। इतना सुनते ही चिकित्सक आग बबूला हो गया और वहां पड़े एक डंडे से जीतू को मारना शुरू कर दिया। जीतू को बचाने के लिए राखी बीच में आई, तो चिकित्सक ने उसे धक्का मार दिया। जिससे वह पेट के बल गिर पड़ी और हालत खराब होने पर दर्द से चिलाने लगी। पड़ोसियों की भीड़ ने उनके घर पर सूचना दी। उसकी सास मौके पर पहुंची और उसे लेकर सिविल अस्पताल के अपातकालीन में पहुंची। जहां चिकित्सक ने उसकी जांच के बाद उसे प्रथम तल पर भेज दिया।

पीएलआर खेल प्रतियोगिताओं में अंशु रानी बनीं बैस्ट एथलीट

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

पीएलआर ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन में दो दिवसीय खेल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसमें करीब 500 बच्चों ने भाग लिया था, जिसमें से 100 से अधिक बच्चों ने विभिन्न प्रतियोगिताएं जीतीं। इनमें 100, 200, 400 मीटर की दौड़, बालीबाल, बैडमिंटंन, शार्टपुट आदि आकर्षण का केंद्र रहीं। बी फार्मेसी की प्रथम वर्ष की छात्रा अंशु रानी ने बैस्ट एथलीट का खिताब जीता।

बीटैक व डिपलोमा की छात्राओं ने दो दिवसीस चले खेलों में बढ़-चढ़ कर भाग लिया। मुकुल शर्मा बीटैक तृतीय वर्ष के छात्र ने 2019-20 के बेस्ट एथिलीट का खिताब जीता। अन्य विद्यार्थियों ने भी अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया, जिसमें वर्षा, प्रिया, रूपसी, मानसी, तरुण, दिनेश, आचुक, उत्कर्ष, डौली, शिव कुमार आदि ने प्रथम, द्वितीय व तृतीय पुरस्कार प्राप्त किये।

कॉलेज के चेयरमैन डॉ. एलसी भारद्वाज ने छात्रों को शुभकामनाएं दीं और उज्ज्वल भविष्य की कामना की। निर्देशक आरपी आर्य ने सभी विजेताओं, अनुशासन के लिए सभी फैकलटी और अन्य सभी स्टाफ के सदस्यों का धन्यवाद किया। फार्मेसी के प्रिंसिपल रवि मल्होत्रा ने फार्मेसी के स्टाफ व छात्रों को कार्यक्रम के आयोजन पर धन्यवाद किया।

वाइस चेयरमैन गौरव भारद्वाज ने सभी एचओडी, रीना कौशिक, अमित कुमार, मंदीप बेरी, राहुल भारद्वाज, रश्मि पांडे, रोहतास अतरी एमपी सिंह, मुनीत गौड़, डीपी योगश कुमार, अजय कुमार को कार्यक्रम की बधाई दी।

चैंपियनशिप में 1300 से ज्यादा शूटर्स लेंगे हिस्सा

फरीदाबाद। डॉ. करणी सिंह शूटिंग रेंज में एसोसिएशन ऑफ इंडियन यूनिवर्सिटीज (एआईयू) 12 से 15 नवंबर तक ऑल इंडिया इंटर यूनिवर्सिटी शूटिंग चैंपियनशिप का आयोजन करेगी। इसमें देश भर की 150 यूनिवर्सिटी से 1300 से ज्यादा शूटर्स हिस्सा लेंगे।

एआईयू ने चैंपियनशिप करवाने के लिए पहली बार किसी प्राइवेट यूनिवर्सिटी को चुना है। मानव रचना इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ रिसर्च एंड स्टडीज के लिए यह गर्व की बात है। चैंपियनशिप का तकनीकी संचालन राष्ट्रीय राइफल एसोसिएशन ऑफ इंडिया के सहयोग से किया जाएगा। सूरजकुंड स्थित हर्मिटेज हट्स में गेम्स विलेज का सेट-अप करना इस चैंपियनशिप की सबसे खास बात है। इस तरह का आयोजन इंटरनेशनल लेवल पर ही किया जाता है। प्रतिभागियों के लिए हर शाम मानव रचना के छात्र सांस्कृतिक कार्यक्रम कर खिलाड़ियों का मनोरंजन करेंगे।

इलाज पूरा होने पर भी मरीजों को नहीं मिली छुट्टी

कविता। फरीदाबाद

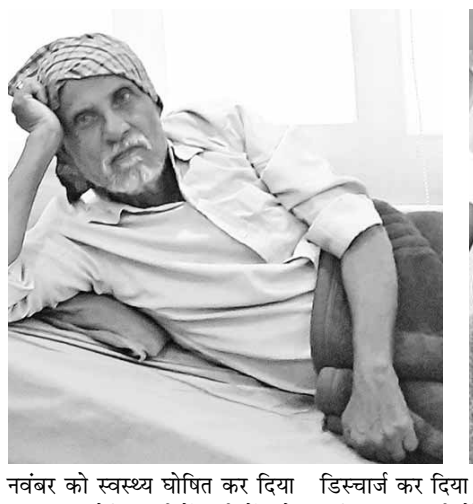

आयुष्मान योजना के तहत गरीबों को इलाज के बाद परेशानियां झेलनी पड़ रही हैं। शहर के बीके सिविल अस्पताल के हृदय जांच केंद्र में इलाज के बाद अवकाश का इंतजार कर रहे तीन मरीजों की स्थिति कुछ ऐसी है कि उनका इलाज हो चुका है, लेकिन आयुष्मान योजना के कर्मचारी उन्हें अस्पताल से छुट्टी नहीं दे रहे हैं। कह रहे हैं कि मंजूरी आने में समय लग रहा है।

सूत्रों के मुताबिक इब्राहिम, विनोद और इजराइल ने बताया कि उनके हृदय का सफल इलाज हो चुका है। हृदय जांच केंद्र से उनकी छुट्टी हो चुकी है, लेकिन अभी उन्हें डिस्चार्ज की पर्ची नहीं दी जा रही है। इब्राहिम ने बताया कि उसका डिस्चार्ज सात नवंबर को चुका है। वहीं विनोद को हृदय केंद्र के चिकित्सकों ने आठ नवंबर को स्वस्थ्य घोषित कर दिया। वहीं इजराइल ने बताया कि उसे नौ नवंबर को स्वस्थ्य घोषित कर दिया गया था, लेकिन तीनों मरीजों को डिस्चार्ज अभी तक नहीं किया गया।

मरीजों की समस्या सुनकर जब पायनियर संवाददाता ने इस विषय में हृदय जांच केंद्र के इंचार्ज से बात की, तो उन्होंने कहा कि आयुष्मान योजना के अधिकारियों की तरफ से डिस्चार्ज में देरी हो रही है। हमारे यहां मरीजों को तय समय से डिस्चार्ज कर दिया गया। हमारे यहां दाखिल इन मरीजों के बिस्तरों का चार्ज लग रहा है। इसके लिए अधिकारियों को सूचित कर दिया गया है।

आयुष्मान योजना के डॉ. विशाल ने बताया कि आयुष्मान मित्रों के आवकाश और सर्वर में दिक्कतों के कारण मरीजों को डिस्चार्ज नहीं किया गया। दूसरी तरफ समय पर डिस्चार्ज नहीं हो पाने पर मरीजों की समस्याओं को लेकर हृदय जांच केंद्र के इंचार्ज डॉ. मान सिंह ने कहा कि वह इसकी शिकायत अस्पताल की पीएमओ से करेंगे, क्योंकि डिस्चार्ज के बाद उनके यहां मरीजों को दाखिल रखने का खर्च बढ़ जाता है, जिसके लिए आयुष्मान योजना के तहत लगे कर्मचारी दोषी हैं।

एबीवीपी ने प्रदर्शनकारी छात्रों की सुनीं समस्याएं

फरीदाबाद। नीमका गांव स्थित राजा जैत सिंह पॉलिटेक्निक में विद्यार्थियों ने प्रदर्शन किया था, जिसे देखते हुए अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के कार्यकर्ताओं ने मौके पर पहुंचकर छात्रों की समस्या सुनीं। परिषद कार्यकर्ताओं को देख कालेज प्रबंधक मौके से भाग गए।

जिला विभाग संयोजक माधव रावत को छात्रो ने बताया कि पॉलिटेक्निक कॉलेज में छात्रों को बहुत सी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। मूलभूत सुविधाओं का अभाव रहता है। कालेज में टॉयलेट, फार्स्ट-एड, स्पोर्ट्स, अटेंडेंस, पार्किंग की सुविधा, लाइब्रेरी में बुक, कैंटीन की सुविधा भी उपलब्ध नहीं है। माधव रावत ने कहा कि एबीवीपी हमेशा छात्र हितों के लिए संघर्ष करती है। उन्होंने छात्रों को आश्वासन दिया कि एबीवीपी सभी की समस्याओं को समाधान के लिए संघर्ष करेगी।

जीवा स्कूल के पंचोत्सव में 125 छात्रों ने किया सहभाग

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

सेक्टर 21बी स्थित जीवा पब्लिक स्कूल में दूसरे इंटर स्कूल पंचोत्सव प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें जिले के पंद्रह स्कूलों के 125 छात्रों ने भाग लिया। कार्यक्रम में पांच विषयों इंडिया इन एक्शन, साइंस सेमिनार, बिजनेस क्विज, हिंदी वाद विवाद, अंग्रेजी मोनोलोग प्रतियोगिता एवं कंप्यूटर के अंतर्गत दो कार्यक्रमों को सम्मिलित किया गया। यहां प्रतियोगिता कला, विज्ञान, साहित्व एवं व्यापार का एक अद्भुत संगम देखा गया। कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को सर्वांगीण विकास और आधुनिक विषयों तथा प्राचीन संस्कृति में सामंजस्य बिठाये रखना है।

इस प्रतियोगिता में विद्या निकेतन, विद्या मंदिर पब्लिक स्कूल, डीएवी स्कूल सेक्टर 37, सेंट जॉन्स, जीवा पब्लिक स्कूल, मार्डन विद्या निकेतन अरावली हिल्स, द मार्डन स्कूल, एमेराल्ड कान्वेंट स्कूल, रावल इंटरनेशनल स्कूल, रायन इंटरनेशनल स्कूल शामिल हुए। कार्यक्रम का शुभारंभ जीवा स्कूल के अध्यक्ष ऋषिपाल चौहान, उपाध्यक्ष चंद्रलता चौहान, प्रशासक मुक्ता सचदेव, प्रधानाचार्य देविना निगम के कर कमलों से हुआ। कार्यक्रम में शिखा गुप्ता (असिसटेंट प्रोफेसर वाईएमसीए), डॉ. दीप्ती शर्मा (असिसटेंट प्रोफेसर केसीसी इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड मैनेजमेंट ग्रेटर नोएडा), ऊषा सक्सेना (एचओडी इंग्लिश जीवा पब्लिक स्कूल), मोनिश गुप्ता (टीचर ट्रेनर विद कैंब्रिज यूनिवर्सिटी एंड रिसोर्स पर्सन ब्रिटिश काउंसिल), हरीश शर्मा एवं सीमा शर्मा (बेटी बचाओ अभियान), प्रीति मंगला (एग्जामिनर ऑफ पेटेंट एंड डिजाइन मिनिस्ट्री ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री), इंद्रजीत सिंह (पीजीटी साइंस, डीपीएस स्कूल), रोटेरियन नीरज भूटानी, डॉ. ज्योति राणा (प्रोफेसर ऑफ मैनेजमेंट विश्वकर्मा स्किल यूनिवर्सिटी) विशिष्ट अतिथि थे।

प्रतियोगिताओं के दौरान बिजनेस क्विज में पवित्रा सिंह, प्रतीक, अनुष्का एमवीएन अरावली, साइंस सेमिनार में राहुल रंजन पात्रा, मयंक जायस्वाल, दक्ष अरोड़ा एमवीएन अरावली, वाद-विवाद में सर्वोत्तम वक्ता (पक्ष), कृषितिका जीवा पब्लिक स्कूल, सर्वोत्तम विषयवस्तु (विपक्ष) हिमाक्षी विद्या निकेतन, सर्वोत्तम विषयवस्तु (पक्ष) ख्वाहिश सेंट जोन्स, वक्ता (विपक्ष) समीक्षा जीवा पब्लिक स्कूल, फास्ट एंड क्यूरीयस कुनाल वर्मा, कृतज्ञ कुमार विद्या मंदिर, इंडिया इन एक्शन सिमरजीत, लक्ष्य, देविका जीवा पब्लिक स्कूल, ट्यूबी ट्यूब अंकित और येलिना जीवा पब्लिक स्कूल, अंग्रेज़ी में मोनोलॉग आकांक्षा चौधरी जीवा पब्लिक स्कूल विजयी हुए। अध्यक्ष ऋषिपाल चौहान ने सभी विजेता छात्रों एवं अध्यापकों की सराहना की।

RAMA PAPER MILLS LIMITED
Registered Office : 4 KM Stone, Najibabad Road, Kiratpur-246731 Dist. Bijnor (U.P.)
Website : www.ramapaper.com, E-mail : cs@ramapaper

NOTICE

Notice is hereby given that pursuant to Regulation 47(1)(a) of SEBI (Listing Obligations and Disclosure Requirements) regulations, 2015, the meeting of the Board of Directors of the Company is scheduled on Thursday, 14th day of **November, 2019** at **02:00** P.M. at our works at 4th Km. Stone, Najibabad Road, Kiratpur Distt. Bijnor (U.P.)

1. To consider and approve the Unaudited Financial Results for the Quarter ended as on 30th September, 2019
2. To consider and approve transaction through Postal Ballot under section 180(1)(a) of the Companies Act, 2013.
3. Any other matter as permitted by the Chair.

Further, as per the Company's Code of Conduct for prevention of Insider Trading, the trading window for dealing in securities of the Company are closed for all directors/ officers/ designated employees of the Company with immediate effect and will ope 24 hours after the announcement of financial results for the Quarter ended as on 30th September, 2019.

By Order of The Board
For Rama Paper Mills Limited
sd/-
Dated : 07.11.2019 Himanshu Duggal
Place : Najibabad Company Secretary

विद्यासागर स्कूल ने धूमधाम से मनाया 10वां फाउंडेशन डे

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

तिगांव स्थित विद्यासागर इंटरनेशनल स्कूल ने अपना 10वां फाउंडेशन डे बड़ी धूमधाम से मनाया। कार्यक्रम का शुभारंभ भाजपा विधायक राजेश नागर और स्कूल के चेयरमैन धर्मपाल यादव ने दीप प्रज्ज्वलित करके किया। राजेश नागर, धर्मपाल यादव, डायरेक्टर दीपक यादव, शम्मी यादव, अकेडमिक डॉयरेक्टर सीएल गोयल, प्रिंसिपल कुलविंदर कौर ने अन्य गणमान्य लोगों के साथ केक काटकर स्कूल के 10वें फाउंडेशन डे पर सभी को शुभकामनाएं दीं।

विधायक राजेश नागर ने कहा कि उन्हें खुशी है कि आज वे विद्यासागर इंटरनेशनल जैसे प्रतिष्ठित एवं सम्मानित संस्थान के 10वें फाउण्डेशन डे के कार्यक्रम का हिस्सा बने हैं, क्योंकि विद्यासागर इंटरनेशनल मात्र एक स्कूल नहीं है, बल्कि यह एक ऐसा संस्थान है, जो लगातार कई वर्षों में ग्रामीण आंचल में शिक्षा की अलख जगाए हुए है। साथ ही समाज के प्रति अपने कर्त्तव्यों का भी बेहतर निर्वहन कर रहा है। यह एक आदर्श संस्थान है, जिसके मॉडल को हर किसी को अपना चाहिए और व्यवसायिक जिम्मेदारियों के साथ-साथ, देश, समाज एवं क्षेत्र के प्रति भी अपनी जिम्मेदारियों में समाजस्य स्थापित करना चाहिए।

चेयरमैन धर्मपाल यादव ने कहा कि जब विद्यासागर इंटरनेशनल स्कूल की शुरुआत हुई, तभी से यह मात्र एक स्कूल या संस्थान नहीं रहा। यहां हम शुरू से ही एक लक्ष्य लेकर चले, जिसमें हमारा मानना था कि शिक्षा मानव जीवन का मूल और प्राथमिक अधिकार है और उस पर समाज के हर वर्ग, जाति, धर्म एवं लिंग का समान अधिकार है और यह सभी को मिलनी चाहिए। यही कारण है कि हमने हमेशा से ही ऐसी नीतियों को आत्मसात किया, जिससे शिक्षा का उजियारा समान रूप से चारों ओर पहुंचे। इसके लिए हमने छात्राओं को फ्री एडमिशन और आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के बच्चों के लिए स्कॉलरशिप का प्रावधान किया।

स्कूल के डॉयरेक्टर दीपक यादव ने कहा कि स्कूल की स्थापना से उनके पिता धर्मपाल यादव जी ने जिस प्रकार की नीतियां बनाईं, उससे हमेशा से ही उन्हें प्रेरणा मिली कि वे भी उनके इस मिशन को पूरा करने के लिए भरसक प्रत्यन करें और इसी से प्रेरित होकर हमने स्कूल को एक ओर जहां बेहतर इन्फ्रास्ट्रक्चर के साथ पर्यावरण मित्र बनाया। दूसरी ओर बच्चों के लिए आधुनिक संसाधनों के साथ-साथ उन्हें योग और सामाजिक संस्कारों से भी जोड़ने का प्रयास किया। कार्यक्रम में अनेक सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। इस अवसर पर जिला पार्षद विक्रम सिंह, सुरजीत सिंह, एचपीएससी प्रदेशाध्यक्ष एसएस गोसाईं, जेजेपी जिलाध्यक्ष ठाकुर राजाराम, हुकुमचंद लांबा, महेन्दर यादव, लखन बेनीवाल आदि गणमान्य लोगों और अभिभावकों ने हिस्सा लिया।

जोनल यूथ फेस्टिवल में छात्रों ने दिखाए अपने हुनर

फरीदाबाद। महर्षि दयानंद यूनिवर्सिटी के गुड़गांव जोन के जोनल यूथ फेस्टिवल का भाजपा विधायक राजेश नागर ने शुभारंभ करवाया। शीला देवी इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंड एंड टेक्नोलॉजी (एसडीआईएमटी) में आयोजित इस फेस्टिवल का समापन सोमवार को होगा। तीन दिन चलने वाले फेस्टिवल के दौरान सैकड़ों छात्र अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे।

तीन दिन तक फेस्टिवल में 40 इवेंट आयोजित होंगे, जिनके लिए कॉलेज में पांच स्टेज तैयार किए गए हैं। पहले दिन सभी पांच स्टेजों पर कुल 18 इवेंट आयोजित किए गए। मुख्य स्टेज पर छात्राओं के हरियाणवी डांस सोलो के साथ फेस्टिवल की शुरुआत हुई। हरियाणा डांस सोलो फीमेल के साथ स्टेज वन पर सुबह के सत्र में क्लासिकल डांस व हरियाणवी स्किट और शाम के सत्र में माइम इवेंट हुआ। दूसरे स्टेज पर सुबह के सत्र में ग्रुप सॉन्ग वेस्टर्न, ग्रुप सॉन्ग इंडियन और शाम के सत्र में संस्कृत नाटक हुआ।

THE PIONEER CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME

I, Baldev Singh S/O Late Shri Jagat Ram Kashtwal R/O Flat No. 136-B, Pocket-B, Dilshad Garden, Jhilmil, Delhi-110095 have changed my name to Baldev Singh Kashtwal.

PD(8665)A

I, Swathi S. D/o. Selvaraj, R/o.1, F-44, Katwaria Sarai, New Delhi-110016 have changed my name from Swathi S. to Seerat on 28.09.2019 for all purposes.

PD(8666)A

CHANGE OF RELIGION

I, Swathi S. D/o. Selvaraj, R/o.1, F-44, Katwaria Sarai, New Delhi-110016 have changed my religion from "Hinduism" to "Islam" on 28.09.2019 for all purposes.

PD(8667)A

भारतीय सेना का सशक्तीकरण आवश्यक

आश्चर्यजनक रूप से लगातार राष्ट्रवाद पर जोर देने वाली वर्तमान सरकार ने अपने सशस्त्र बलों का दर्जा घटाने व उनको कमजोर करने का कोई प्रयास नहीं छोड़ा है, जबकि देश को सुरक्षित रखना सेना की जिम्मेदारी है।

दीपक सिन्हा
(लेखक सेवानिवृत्त सैन्य अधिकारी हैं)

भारतीय जनता पार्टी के रथ के सामने दो अप्रत्याशित बाधायें आईं और वह अचानक संकट में घिरी दिखने लगी क्योंकि वह महाराष्ट्र या हरियाणा में निर्णायक जनादेश पाने में विफल रही। यह अलग बात है कि अंततः वह दूसरों के समर्थन से हरियाणा में सरकार बनाने में सफल हुई और शायद महाराष्ट्र में भी शिवसेना की उछलकूद पर काबू पाने के बाद सरकार बनाने में सफल हो। वास्तव में यह देखना मजेदार है कि चालक-विहीन, भ्रमित और हतोत्साहित कांग्रेस प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सुरक्षा कवच में सेंध लगाने में सफल हुई है तथा उसने भाजपा को रक्षात्मक स्थिति में ला दिया है। उसने यह भ्रम भी तोड़ दिया है कि कांग्रेस बिना नेहरू-गांधी परिवार के संचालन के जीत नहीं सकती है। इसकी विपरीत बात सिद्ध हुई है कि देश की सबसे पुरानी पार्टी की मुक्ति 'वंशवाद-मुक्त' होने से संभव है।

संयोग से हालिया विधानसभा चुनाव परिणामों ने भाजपा की 'कांग्रेस मुक्त भारत' की उम्मीद को गहरा धक्का दिया है। असंदिग्ध रूप से यह नारा आकर्षक है, पर हास्यास्पद भी है। इससे भाजपा की अपनी असुरक्षा तथा एक पार्टी शासन की उसकी अधकचरी इच्छा स्पष्ट होती है। निश्चित रूप से ये परिणाम भाजपा की लापरवाही के कारण भी हैं क्योंकि उसने कई प्रकार से स्वयं को नुकसान पहुंचाया। उसने असंतुलित व भद्दी भाषा बोलने वाले विधायकों को बढ़ावा दिया तथा घृणापूर्ण भाषण देने वाले कार्यकर्ताओं पर लगाम नहीं लगाई। अनेक लोगों के विचार से यह ऐसी पार्टी है जो दूसरों के अपशकुन के लिए अपनी नाक कटवा सकती है और इसी कारण वह स्वयं को नुकसान पहुंचा रही है।

ऐसा लगता है कि उसके नेता मुद्दों पर अपनी समझदारी से इतने अभिभूत हैं कि उन्होंने वैकल्पिक यथार्थ देखना बंद कर दिया है। उदाहरण के लिए, जनता का सामान्य वर्ग भी समझ रहा है कि अर्थव्यवस्था लगभग ध्वस्त हो गई है, इसके बावजूद सरकार के सर्वोच्च स्तरों पर इसे स्वीकार नहीं किया जा रहा है। हालांकि, इसके लिए वैश्विक मंदी को दोषी ठहरा कर वे अपनी कमजोरी छिपाने का प्रयास कर रहे हैं। इन चुनावों का समझे दिलचस्प आयाम यह है कि पिछले चुनावों में पुलवामा-बालाकोट जैसी घटनायें हुई थीं जिन्होंने मोदी को दूसरा कार्यकाल दे दिया। इस बार उसने मतदान के पहले पाकिस्तान से तनाव बढ़ाने का काम किया एवं तथाकथित रूप से सीमापार आतंकी अड्डों पर तोपखाने से हमला किया, पर इनसे भाजपा की इच्छानुसार राष्ट्रवादी भावना नहीं पैदा हुई और न मतदान में इसका लाभ मिला। इससे भी बुरी बात है कि इसने सेना प्रमुख को हास्यास्पद स्थिति में फंसा दिया तथा उन्होंने अपने बड़बोले बयानों से भ्रम पैदा कर अपनी विश्वसनीयता खोई।

यह चुनाव परिणाम इसलिए और ज्यादा महत्वपूर्ण हो जाता है क्योंकि हरियाणा और महाराष्ट्र में मतदाताओं में काफी बड़ी संख्या में सेवानिवृत्त व सेवारत सैनिक शामिल हैं। सामान्य स्थिति में राष्ट्रीय सुरक्षा का मामला सामने आने पर वे खास तरीके से मतदान करते। वास्तव में 'राष्ट्रवाद' पर सरकार के बड़बोलेपन की असलियत अंततः उजागर हो रही है। आज जो बात औसत नागरिक को पता चली है उसे अधिकांश सैनिक बहुत पहले से जानते थे। यह देखना दिलचस्प होगा कि बिहार व झारखंड के आगामी चुनावों में उनके वोटों का क्या प्रभाव पड़ता है क्योंकि वहां मतदाताओं में बड़ी संख्या सेवानिवृत्त व सेवारत सैनिकों की है।

आश्चर्यजनक रूप से लगातार राष्ट्रवाद पर जोर देने वाली वर्तमान सरकार ने अपने सशस्त्र बलों का दर्जा घटाने व उनको कमजोर करने का कोई प्रयास नहीं छोड़ा है, जबकि देश को सुरक्षित रखना सेना की जिम्मेदारी है। मोदी की प्रदर्शनकारी राजनीति से कोई आसानी से मूर्ख बन सकता है। उन्होंने राष्ट्रीय युद्ध स्मारक निर्माण कराया या वे दीपावली में अपना समय नियंत्रण रेखा पर सैनिकों के बीच बिताते हैं। वैसे ये अपने आप में उल्लेखनीय कदम हैं, यदि इस पर ध्यान न दिया जाए कि ये छवि-निर्माण का अंग है और इसके पीछे कोई उच्च प्रेरणा नहीं है। टूटे वादों की श्रृंखला अब इतनी बड़ी है कि उसे अनदेखा नहीं किया जा सकता है। ये इतने अधिक हैं कि इनकी गिनती करना कठिन है। सेना का दर्जा लगातार लगभग रोज गिराया जा रहा है। इससे जनता के सामने स्पष्ट होता है कि मोदी और उनकी सरकार भी सत्ता के भूखे राजनेताओं की एक भीड़ है जो स्वयं को महान नेता के रूप में स्थापित करने के लिए सेना का प्रयोग कर रहे हैं।

वन रैंक वन पेंशन-ओआरओपी पर विवाद है जो समाप्त होने का नाम नहीं ले रहा है। इस योजना की घोषणा सरकार ने 7 नवंबर, 2015 को की गई थी। इसे 1 जुलाई, 2014 से लागू करने का प्राविधान था तथा हर पांच साल में पेंशनों का समानीकरण होना था। इसका अर्थ है कि पेंशनों में अगला समानीकरण जुलाई, 2019 में प्रभावी हो जाएगा। सरकार द्वारा ओआरओपी की व्याख्या संसद द्वारा पास व्याख्या से बिल्कुल अलग थी। इससे सेवानिवृत्त सैनिकों में काफी नाराजी थी, लेकिन अधिकांश ने अनिच्छा से इसे स्वीकार कर लिया था। लेकिन उन्होंने क्रमिक भूख हड़ताल जारी रखी थी तथा न्याय के लिए सर्वोच्च न्यायालय का दरवाजा भी खटखटाया था।

संयोग से ज्यादा विसंगतियां इसके क्रियान्वयन में सामने आईं और सरकार को मजबूरी में जस्टिस नरसिम्हा रेड्डी के नेतृत्व में एक-सदस्यीय न्यायिक आयोग का गठन करना पड़ा। आयोग ने अपनी रिपोर्ट 26 अक्टूबर, 2016 को सौंप दी थी, पर अभी इसके बारे में कुछ नहीं कहा गया है।

जून, 2019 को रक्षा एकाउंट के महानियंत्रक-सीजीडीए अचानक जागे और उन्होंने वर्तमान रूप में ओआरओपी क्रियान्वयन का विरोध किया, जबकि उनको तत्कालीन आदेशों के अनुसार 1 जुलाई, 2019 तक इसका क्रियान्वयन अनिवार्य रूप से करना था। उल्लेखनीय रूप से, अपनी प्रतिबद्धताओं का सम्मान न करने पर नाराजी प्रकट करने के बजाय मोदी ने सीजीडीए द्वारा उठाए मुद्दों पर स्वयं सीजीडीए के नेतृत्व में एक और समिति गठित करने का निर्णय किया। ऐसे में मार्क्स का प्रचलित कथन स्वाभाविक रूप से याद आता है कि इतिहास स्वयं को 'पहले एक त्रासदी और बाद में मजाक के रूप में' दुहराता है।

कार्रवाई, शब्दों से ज्यादा प्रभावी रूप से प्रकट होती है, लेकिन सेवानिवृत्त सैनिकों से व्यवहार एक छोटा उदाहरण भर है। रक्षा मंत्री ने फ्रांस में भारतीय वायुसेना में पहला राफेल विमान शामिल करने पर उसकी शस्त्र-पूजा की थी, पर उनके मंत्रालय ने लिखित निर्देश दे कर कर्नल व उससे नीचे के सैन्य अधिकारियों को आधिकारिक रूप से गणतंत्र दिवस परेड में पास जारी करने पर प्रतिबंध लगा दिया। विडंबना है कि इस परेड गा आयोजन सेना करती है।

संयोग से यह घोषणा कर्नलों व समकक्ष अधिकारियों का दर्जा घटाने को लक्षित है जिसमें कहा गया है कि केवल निदेशकों व उससे ऊपर के अधिकारियों को पास जारी किए जाएंगे। विरोधाभास यह है कि वर्तमान मानकों के आधार पर ले. गवर्नर निदेशकों के समकक्ष है। इस प्रकरण में इस तथ्य पर ध्यान नहीं दिया गया कि 2016 में समानता का ऐसा ही निर्देश जारी किया गया था, लेकिन सेना के भीतर भारी गुस्सा पैदा होने पर इसे जनवरी, 2018 में वापस ले लिया गया।

इसी प्रकार तत्कालीन रक्षा मंत्री द्वारा मनमाने व एकपक्षीय ढंग से सैनिक छावनियों तक आम लोगों को पहुंच देने का आदेश विवादास्पद हुआ था। इससे सैनिक समुदाय में सुरक्षा को लेकर भारी विरोध पैदा हुआ था। सरकार ने इस योजना का अगला चरण शुरू किया है। अब उसने छावनी अधिनियम में संशोधन का निर्णय किया है ताकि छावनियों में सिविलियनों को 99 साल के पट्टे पर दिए घर अब पट्टे की अवधि समाप्त होने पर वापस न लिए जांए तथा उनका स्वामित्व वर्तमान किराएदारों को दे दिया जाए। जैसा कि सभी जानते हैं, छावनी की भूमि पर भू-माफिया की नजरें दशकों से लगी हैं और यह सरकार संभवतः ऐसे तत्वों को बढ़ावा दे रही है।

ऐसे में यह पूछना मजबूरी हो जाती है कि आखिर घोषित रूप से एक राष्ट्रवादी पार्टी अपने सशस्त्र बलों को कमजोर क्यों कर रही है? हम सोच सकते हैं कि सरकार अत्यधिक असुरक्षित है क्योंकि सेना अपनी भावना और कामकाज से एक स्वतंत्र संस्थान है तथा वह राजनीतिक मुद्दों से अलग है जो बदलते रहते हैं। संभवतः यह बात मोदी जैसे स्वेच्छाचारी को खुश करने वाली नहीं है। शायद यह सरकार सेना को अपनी वैचारिक छवि के अनुसार बदलना चाहती है तथा यह परिवर्तन ऊपर से नीचे की ओर ले जाना चाहती है। पंडित जवाहरलाल नेहरू ने ऐसा प्रयास किया था। उच्च रैंकों पर चयन के लिए 'डीप सेलेक्शन' की अवधारणा पेश की गई है जिसमें किसी व्यक्ति के सेवा रिकार्ड या वरिष्ठता पर ही ध्यान नहीं केन्द्रित किया जाएगा, जबकि इनका आसानी से मापन किया जा सकता है। संभवतः 'उपयुक्त' उम्मीदवारों की पदोन्नति में कुछ अन्य तत्वों को महत्व दिया जाएगा।

पिछले कुछ वर्षों में हमारे दो सेना प्रमुखों की नियुक्ति वरिष्ठता के अतिरिक्त अन्य कारणों से की गई है जिससे व्यवस्था में कुछ उथलपुथल पैदा हुई है। यदि पदानुक्रम का राजनीतीकरण किया जा रहा है तो यह रास्ता खतरनाक है। हो सकता है कि वर्तमान अधिकारी अपने राजनीतिक आकाओं से आदेश लेना पसंद करें, पर समय बीतने के साथ नए सैनिक आएंगे जो सत्ता से सम्मानपूर्ण व्यवहार की मांग कर सकते हैं। यदि यह सरकार सेना को राजनीतिक प्रशासनिक संरचना के इतना निकट लाना चाहती है तो उसे सेना को चुनावों में उतरने की भी अनुमति देना चाहिए। राजनेताओं की अलोकप्रियता को देखते हुए आश्चर्य नहीं होगा यदि सेना को शासन करने का जनादेश मिल जाए। पाकिस्तान में यही हो रहा है, लेकिन यह दीर्घकालीन रूप से विभीषिका होगी।

प्रगति के लिए उदारवादी समाज महत्वपूर्ण

हमें अपनी स्वतंत्रता के वैश्विक खतरों के प्रति अवश्य जागरूक रहना चाहिए। लेकिन हमें यह भी पहचानना चाहिए कि समृद्धि का रास्ता उन मूल्यों के प्रति प्रतिबद्धता का परिचायक है जो समाज को आगे बढ़ाते हैं।

एडुवर्डो फैलेरियो
लेखक पूर्व केंद्रीय मंत्री हैं।

सदी के खोजी व उपनिवेशक क्रिस्टोफर कोलंबस के 1492 में कैरीबियन में पहुंचने के बाद से ही दुनिया भर में अनेक उपनिवेश बने। इन सबका आधार हिंसा, नरसंहार तथा मूलनिवासियों की संपत्ति छीनना था। हम स्वयं साढ़े चार शताब्दी तक उपनिवेशवाद के शिकार रहे।

द्वितीय विश्वयुद्ध के बाद उपनिवेशों ने राजनीतिक स्वतंत्रता प्राप्त की, पर उनमें से अनेक बहुराष्ट्रीय वित्त तथा व्यापार संस्थाओं जैसे विश्व बैंक-डब्लूबी, अंतरराष्ट्रीय मुद्राकोष-आईएमएफ, जनरल एग्रीमेंट आन ट्रेड एंड टैरिफ-गैट तथा विश्व व्यापार संगठन-डब्लूटीओ की आर्थिक पराधीनता झेलनी पड़ी।

आज अधिकांश पूर्व उपनिवेश विकसित देशों पर निर्भर हैं। वे प्राकृतिक, नकदी फसलों और सस्ते श्रम के रूप में संसाधन आधार, हथियारों के खरीदार तथा पर्यटकों के मनोरंजन स्थल हें। सोवियत संघ के विघटन के बाद खासकर अमेरिका व ब्रिटेन के बारे में यह कहना राजनीतिक रूप से सही है कि 'नए साम्राज्यवाद' का जन्म हुआ। ब्रिटिश राजनयिक व सलाहकार राबर्ट कूपर वर्तमान समय में म्यांमार में यूरोपीय आयोग के विशेष सलाहकार हैं। वे विदेशी संबंधों पर यूरोपीय परिषद के एक सदस्य भी हैं। उन्होंने पश्चिमी देशों की एकता पर जोर दिया है ताकि किसी संभावित प्रतिद्वंद्वी पर सामूहिक प्रभुत्व सुनिश्चित किया जा सके, भले ही वे वर्तमान समय में केवल क्षेत्रीय शक्तियां हों।

टोनी ब्लेयर के निकटस्थ नीति सलाहकार रहे कूपर ने अपनी पुस्तक 'द पोस्टमार्डन स्टेट एंड द वर्ड आर्डर' में चेतावनी दी है कि भारत, चीन व ब्राजील जैसे देशों में 'अस्थिरता के तत्व' बनने की क्षमता है और वे 'वैश्विक स्थायित्व' के लिए खतरा बन सकते हैं। इसलिए इन देशों को लगातार अस्थिर व निर्भर बनाए रखने का लक्ष्य सामने रखना चाहिए। वर्तमान समय में अमेरिका पश्चिम का नेतृत्व कर रहा है और उसने खासकर ब्रिटेन को 'जूनियर पार्टनर' के तौर पर अपने साथ लिया है। कोलम्बिया विश्वविद्यालय में साहित्य के प्रोफेसर तथा बुद्धिजीवी स्व. एडवर्ड सईद ने पोस्ट-कालोनियल स्टडीज़ में अकादमिक अध्ययनों को जन्म दिया था। उन्होंने जोर दिया था कि 'अमेरिकी रणनीति का मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना होना चाहिए कि निवेश का उपयुक्त माहौल बना रहे तथा संसाधनों तक अबाधित पहुंच रहे। उसका सैनिक विस्तार मुख्यतः अमेरिका नीत पश्चिम को सभी जगह, सभी समय में अबाध वैश्विक प्रभुत्व स्थापित करना होना चाहिए। उसे उभरते खतरे का जरा भी संकेत मिलने पर कार्रवाई करनी चाहिए। इन लक्ष्यों का स्रोत अमेरिका का कार्पोरेट सैनिक-औद्योगिक समुच्चय है जो नई विश्व व्यवस्था में संभवतः सत्ता का प्रमुख केन्द्र है।'

ईराक के खिलाफ युद्ध इसका एक उपयुक्त उदाहरण है। ईराक के राष्ट्रीयकृत तेल उद्योग पर नियंत्रण अमेरिका का 'महत्वपूर्ण हित' था जो दुनिया में दूसरा सबसे बड़ा तेल भंडार है तथा कुल वैश्विक तेल भंडारों का 10 प्रतिशत से अधिक है। अरब व मुस्लिम दुनिया पर अग्रणी विशेषज्ञ सईद ने कहा था, 'अमेरिका को छोड़ कर दुनिया का हर साम्राज्य नियमित रूप से स्वयं तथा दुनिया से कहता है कि वह अन्य दूसरे साम्राज्यों से अलग है तथा उसका लक्ष्य लूटने के बजाय जनता को शिक्षित करना, लोगों को मुक्त करना तथा उनको प्रत्यक्ष या परोक्ष शासन के अंतर्गत लाना है। लेकिन वहां रहने वाले लोग इन विचारों का साझा नहीं करते हैं और अनेक मामलों में उनका दृष्टिकोण इसके विपरीत है।'

भारत की अर्थव्यवस्था प्रगति कर रही है, पर वहां असमानता भी बढ़ रही है। लेकिन वह निश्चित रूप से अधिकांश लैटिन अमेरिकी देशों से बेहतर स्थिति में है जहां आर्थिक गतिरोध के साथ आर्थिक असमानता व्याप्त है। हम बेहतर प्रदर्शन कर रहे हैं, पर यह काफी नहीं है। आर्थिक विकास के साथ ही शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्रों में मानव विकास होना चाहिए। इन क्षेत्रों में प्रगति के लिए प्रतिबद्ध प्रयासों की आवश्यकता है। हमें अपनी स्वतंत्रता के वैश्विक खतरों के प्रति अवश्य जागरूक रहना चाहिए। लेकिन हमें यह भी पहचानना चाहिए कि मुक्ति और समृद्धि का रास्ता उन मूल्यों और दृष्टिकोणों के प्रति प्रतिबद्धता है जो समाज को आगे बढ़ाते तथा उसे प्रगतिशील समाज बनाते हैं। अंतरराष्ट्रीय विकास के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान देने वाले स्व. लारेंस हैरिसन विभिन्न लैटिन अमेरिकन देशों में यूएसएड-युनाइटेड स्टेटस एजेंसी फार इंटरनेशनल डेवलपमेंट मिशन के निदेशक थे। उन्होंने अमेरिकन राजनीतिशास्त्री सलाहकार व हार्वर्ड विद्वान सैमुअल हटिंगटन के साथ 'कल्चर मैटर्स: हाऊ वैल्यूज़ शेप ह्यूमन प्रोग्रेस' नामक पुस्तक लिखी थी। हैरिसन ने इसमें 10 ऐसे मूल्यों या मानसिक स्थितियों की कल्पना की है जो प्रगतिशील संस्कृतियों को गतिरोध वाली संस्कृतियों से अलग करती हैं।

> **कुछ देश और उच्च उपलब्धियों वाले नस्ली-धार्मिक समूह जैसे मोरमन, सिख, बास्क, यहूदी व पूर्व-एशियाई आप्रवासी दूसरों से बेहतर प्रदर्शन करते हैं। वे न केवल आर्थिक क्षेत्र में बेहतर प्रदर्शन करते हैं, बल्कि उन्होंने लोकतांत्रिक संस्थाओं व सामाजिक न्याय को मजबूत किया है। इन आयामों से पता चलता है कि विश्व जनसंख्या का काफी बड़ा हिस्सा आज भी समृद्धि, लोकतंत्र व सामाजिक न्याय से वंचित क्यों है।**

पहला, प्रगतिशील संस्कृतियों में भविष्य पर जोर दिया जाता है, जबकि गतिरोध वाली संस्कृतियां वर्तमान या अतीत पर ध्यान केन्द्रित करती हैं। दूसरा, प्रगतिशील संस्कृतियों में काम करना अच्छे जीवन के केन्द्र में होता है, जबकि गतिरोध वाली संस्कृतियों में यह एक बोझ है। प्रगतिशील संस्कृति में निरंतरता, रचनात्मकता एवं उपलब्धियों को न केवल वित्तीय रूप से, बल्कि संतोष व आत्मसम्मान के साथ पुरस्कृत किया जाता है। तीसरा, प्रगतिशील संस्कृतियों में बचत सभी निवेशों व वित्तीय सुरक्षा का आधार होती है। चौथा, प्रगतिशील संस्कृतियों में शिक्षा विकास की कुंजी होती है, पर गतिरोध वाले समाजों में विशिष्ट लोगों को छोड़ कर इसे ज्यादा महत्व नहीं मिलता है। पांचवां, प्रगतिशील समाजों में योग्यता का प्रगति में केन्द्रीय स्थान है, जबकि गतिरोध वाले समाजों में परिवार और संबंध ज्यादा महत्वपूर्ण हैं।

छठा मूल्य समुदाय है। प्रगतिशील संस्कृतियों में पहचान और विश्वास का दायरा परिवार से आगे बढ़ कर व्यापक समाज से जुड़ता है। गतिरोध वाली संस्कृतियों में परिवार समुदाय पर निर्भर होता है। संकुचित पहचान के दायरे वाले समाजों में भ्रष्टाचार, करापवंचन व भाई-भतीजावाद से पहचान अधिक प्रभावित होती है। सातवां, प्रगतिशील प्रकृति के समाजों में नैतिक कोड ज्यादा कठोर होता है। ट्रांसपैरेंसी इंटरनेशनल के भ्रष्टाचार सूचकांक में बेल्जियम, ताइवान, इटली व दक्षिण कोरिया को छोड़ कर प्रत्येक विकसित लोकतंत्र 25 न्यूनतम भ्रष्टाचार वाले देशों में शामिल हैं। इस सूची के सर्वोच्च 25 देशों में तीसरी दुनिया के केवल चिली व बोट्सवाना शामिल हैं।

आठवां, प्रगतिशील संस्कृतियों में न्याय व न्यायोचित व्यवहार सर्वव्यापी व अंतर-वैयक्तिक अनुभव का हिस्सा होता है। गतिरोध वाली संस्कृतियों में व्यक्तिगत प्रगति की तरह अक्सर न्याय उसके प्रति कार्य होता है जिसे आप जानते हों या इसके लिए आपको समुचित भुगतान प्राप्त हुआ हो। नवां, प्रगतिशील संस्कृतियों में अधिकार का संबंध वितरण तथा क्षैतिज विस्तार से होता है, जबकि गतिरोध वाली संस्कृतियों में ये संकेन्द्रण व ऊर्ध्वाधर विस्तार से जुड़ा होता है। दसवां मूल्य धर्म है। प्रगतिशील संस्कृतियों में सभ्य जीवन पर धार्मिक संस्थानों का प्रभाव कम होता है, जबकि गतिरोध वाली संस्कृतियों में इसका प्रभाव अक्सर काफी होता है। प्रगतिशील संस्कृतियों में विविधता एवं असहमति को प्रोत्साहित किया जाता है, जबकि गतिरोध वाली संस्कृतियों में कट्टरता व लीक पर चलने को महत्व मिलता है।

उपरोक्त आयामों से हमें गहराई से यह समझने में आसानी होती है कि कुछ देश और उच्च उपलब्धियों वाले नस्ली-धार्मिक समूह जैसे मोरमन, सिख, बास्क, यहूदी व पूर्व-एशियाई आप्रवासी दूसरों से बेहतर प्रदर्शन करते हैं। वे न केवल आर्थिक क्षेत्र में बेहतर प्रदर्शन करते हैं, बल्कि उन्होंने लोकतांत्रिक संस्थाओं व सामाजिक न्याय को मजबूत किया है।

इन आयामों से यह भी पता चलता है कि विश्व की विशाल जनसंख्या का काफी बड़ा हिस्सा आज भी समृद्धि, लोकतंत्र व सामाजिक न्याय से वंचित क्यों है। उपरोक्त मूल्यों व मानसिक स्थितियों से राष्ट्रीय सोच भी प्रभावित होती है। इनको स्कूलों और घरों में पढ़ाया जाना चाहिए ताकि हम एक समृद्ध समाज सुनिश्चित कर सकें जो किसी प्रकार के उत्पीड़न से मुक्त हो तथा जहां न्याय व न्यायोचित व्यवहार को महत्व मिलता हो।

देवताओं के वकील पराशरण ने जीती करियर की सबसे बड़ी लड़ाई

एजेंसी। नई दिल्ली

उम्र को धता बताते हुए अयोध्या मामले में रामलला विराजमान की ओर से पैरवी करने वाले वरिष्ठ अधिवक्ता के. पराशरण ने शनिवार उच्चतम न्यायालय के फैसले के बाद राहत की सांस ली होगी जिन्होंने हाल ही में कहा था कि उनकी आखिरी ख्वाहिश है कि उनके जीतेजी रामलला कानूनी तौर पर विराजमान हो जाए। उम्र के नौ दशक पार करने के बावजूद पूरी ऊर्जा से अयोध्या मामले में अकाट्य दलीलें रखने वाले पराशरण को भारतीय वकालत का भीष्म पितामह यूं ही नहीं कहा जाता। उच्चतम न्यायालय ने अगस्त में जब अयोध्या मामले की रोजाना सुनवाई का फैसला किया तो विरोधी पक्ष के वकीलों ने कहा था कि उम्र को देखते हुए उनके लिए यह मुश्किल होगा लेकिन 92 बरस के पराशरण ने 40 दिन तक घंटों चली सुनवाई में पूरी शिद्दत से दलीलें पेश की। उच्चतम न्यायालय ने शनिवार को सर्वसम्मति के फैसले में अयोध्या में 2.77 एकड़ विवादित भूमि पर राम मंदिर के निर्माण का रास्ता साफ करते हुए केन्द्र को निर्देश दिया कि सुन्नी वक्फ बोर्ड को मस्जिद निर्माण के लिए किसी वैकल्पिक लेकिन प्रमुख स्थान पर पांच एकड़ का भूखंड आबंटित किया जाए।

न्यायालय में पराशरण को बैठकर दलील पेश करने की सुविधा भी दी गई लेकिन उन्होंने यह कहकर इनकार कर दिया कि वह भारतीय वकालत की परंपरा का पालन करेंगे। रामलला विराजमान से पहले सबरीमाला मामले में भगवान अयप्पा के वकील रहे पराशरण को भारतीय इतिहास , वेद पुराण और धर्म के साथ ही संविधान का व्यापक ज्ञान है और इसकी बानगी न्यायालय में भी देखने को मिली। उन्होंने स्कन्ध पुराण के श्लोकों का जिक्र करके राम मंदिर का अस्तित्व साबित करने की कोशिश की। पराशरण ने सबरीमाला मंदिर विवाद के दौरान एक आयु वर्ग की महिलाओं को प्रवेश नहीं देने की परंपरा की वकालत की थी। राम सेतु मामले में दोनों ही पक्षों ने उन्हें अपनी ओर करने के लिए सारे तरीके आजमाए लेकिन धर्म को लेकर संजीदा रहे पराशरण ने सरकार के खिलाफ गए। ऐसा उन्होंने सेतुसमुद्रम प्रोजेक्ट से रामसेतु को बचाने के लिए किया। उन्होंने अदालत में कहा, मैं अपने राम के लिए इतना तो कर ही सकता हूँ। नौ अक्टूबर 1927 को जन्में पराशरण पूर्व राज्यसभा सांसद और 1983 से 1989 के बीच भारत के अटार्नी जनरल रहे। पद्मभूषण और पद्मविभूषण से नवाजे जा चुके पराशरण को तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेई ने संविधान के कामकाज की समीक्षा के लिए ड्राफ्टिंग एंड एडिटोरियल कमिटी में शामिल किया था। इतिहास में जब भी अयोध्या मसले पर बरसों तक चली कानूनी लड़ाई का जिक्र होगा तो पराशरण का नाम सबसे ऊपर लिया जाएगा।

वरिष्ठ अधिवक्ता के. पराशरण

नई दिल्ली में अयोध्या मामले पर निर्णय के बाद खुशी मनाते लोग

मुझे नहीं लगता इससे अच्छा कोई फैसला होता: संतोष हेगड़े

बेंगलुरु। उच्चतम न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायाधीश एन. संतोष हेगड़े ने शनिवार को अयोध्या पर आए फैसले की सराहना करते हुए कहा कि इससे बेहतर कोई फैसला नहीं हो सकता था लेकिन आगाह किया कि इसमें जश्न मनाने या विरोध करने जैसा कुछ नहीं है। पूर्व सॉलिसीटर जनरल ने कहा कि परिस्थितियों के अनुसार यह सबसे अच्छा फैसला है। उन्होंने कहा, इसमें जश्न मनाने या विरोध करने जैसा कुछ भी नहीं है। कर्नाटक के पूर्व लोकायुक्त ने कहा, मुझे लगता है कि अदालत ने मीडिया के माध्यम से पाया कि हर पक्ष को संतुष्ट करना चाहिए। मुझे नहीं लगता कि इससे बेहतर कोई फैसला होता। उच्चतम न्यायालय ने अयोध्या में विवादित स्थल पर राम मंदिर के निर्माण के लिए मार्ग प्रशस्त कर दिया और केंद्र को मस्जिद के लिए सुन्नी वक्फ बोर्ड को पांच एकड़ जमीन प्रदान करने का निर्देश दिया।

ओवैसी पर नकवी का हमला: कुछ लोग तालिबानी मानसिकता से ग्रस्त

एजेंसी। नई दिल्ली

केंद्रीय अल्पसंख्यक कार्य मंत्री मुख्तार अब्बास नकवी ने अयोध्या मामले पर उच्चतम न्यायालय के फैसले की आलोचना के लिए एआईएमआईएम नेता असदुद्दीन ओवैसी पर निशाना साधते हुए शनिवार को कहा कि कुछ लोग तालिबानी सोच से ग्रसित हैं जिन्हें न्यायपालिका पर विश्वास नहीं हैं। उन्होंने कहा कि इस न्यायिक निर्णय को हार के हाहाकार और जीत के जुनूनी जश्न से बचाना चाहिए।नकवी ने कहा, कुछ लोग तालिबानी मानसिकता की बीमारी से ग्रस्त हैं। ऐसे लोगों को ना तो संविधान पर विश्वास है ना न्यायपालिका पर। मंत्री ने कहा कि ऐसे लोगों को अच्छी तरह से समझ लेना चाहिए कि देश किसी को भी सौहार्द, एकता और भाईचारे के ताने-बाने को नुकसान पहुंचाने की इजाजत नहीं देगा। दरअसल, ओवैसी ने शनिवार को अयोध्या मामले में उच्चतम न्यायलय के

फैसले को तथ्यों पर आस्था की जीत करार दिया है। हैदराबाद के सांसद ने शीर्ष अदालत के फैसले पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि वह इस फैसले से संतुष्ट नहीं हैं। ओवैसी ने संवाददाताओं से यहां बातचीत में कहा कि उच्चतम न्यायालय वस्तुत: सर्वोच्च है लेकिन उनसे भी गलती हो सकती है। इससे पहले नकवी ने एक बयान में कहा, दशकों पुराने अयोध्या मामले के निपटारे के लिए सर्वोच्च न्यायालय का फैसला स्वागत योग्य है। हम सभी को इसे तहेदिल से स्वीकार और इसका सम्मान करना चाहिए। अपने मुल्क की एकता, सौहार्द, भाईचारे की ताकत को मजबूत करना हम सबकी सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा, इस फैसले को किसी की हार और किसी की जीत के रूप में नहीं देखना चाहिए, यह एक न्यायिक फैसला है। इस न्यायिक फैसले को हार के हाहाकार और जीत के जुनूनी जश्न से बचाना चाहिए। गौरतलब है कि उच्चतम न्यायालय ने शनिवार को सर्वसम्मति के फैसले में अयोध्या में विवादित स्थल पर राम मंदिर के निर्माण का मार्ग प्रशस्त कर दिया और केन्द्र को निर्देश दिया कि नई मस्जिद के निर्माण के लिए सुन्नी वक्फ बोर्ड को प्रमुख स्थान पर पांच एकड़ का भूखंड आवंटित किया जाए। प्रधान न्यायाधीश रंजन गोगोई की अध्यक्षता वाली पांच सदस्ईय संविधान पीठ ने इस व्यवस्था के साथ ही राजनीतिक दृष्टि से बेहद संवेदनशील 134 साल से भी अधिक पुराने इस विवाद का पटाक्षेप कर दिया।

फैसला भारत के सम्मान और स्वाभिमान की विजय : जयभान पवैया

एजेंसी। भोपाल

मध्यप्रदेश भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं अयोध्या में बाबरी ढांचा ढहाए जाने के मामले में आरोपी जयभान सिंह पवैया ने अयोध्या मामले पर उच्चतम न्यायालय के फैसले पर कहा कि यह भारत के सम्मान की, स्वाभिमान की विजय है। अयोध्या में बाबरी ढांचा ढहाने के मामले में लखनऊ की सीबीआई अदालत में चल रहे मुकदमे में भाजपा के वरिष्ठ नेताओं लालकृष्ण आडवाणी, मुरली मनोहर जोशी, उमा भारती और अन्य के साथ जयभान सिंह पवैया भी एक आरोपी हैं। पवैया ने उच्चतम न्यायालय के फैसले के बाद शनिवार को ग्वालियर में कहा, आज के इस फैसले को लेकर यह जरूर है कि ए हिन्दू और मुसलमान की जय-पराजय से भी बड़ा मुद्दा है। मैं इसे दो समुदायों के बीच हार या जीत के तौर पर नहीं देखता हूं। यह भारत के सम्मान की, भारत के स्वाभिमान की विजय है और यह न्यायपालिका का एक अद्भुत और क्रांतिकारी फैसला है। बाबरी ढांचा ढहाए जाने के बाद सात दिसंबर से 20 दिसंबर 1992 तक 13 दिनों तक पवैया जेल में बंद थे। उस समय पवैया बजरंग दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष थे। उन्होंने कहा, मैं उन लोगों को नहीं भूलना चाहता जिन्होंने अयोध्या में राम मंदिर निर्माण के लिए अपनी जिंदगी को कुरबान किया, अनेकों बलिदान किए। विहिप और विशाल परिवार के हजारों कार्यकर्ताओं ने न्यायपालिका तक अपनी लड़ाई को जारी रखा। उन बलिदानियों के लिए इस फैसले को मैं श्रद्धांजलि मानता हूं। मध्यप्रदेश में भाजपा शासनकाल में कैबिनेट मंत्री रहे पवैया ने फैसले के बाद लोगों से शांति कायम रखने की अपील की।

समाज के सभी वर्ग इसका स्वागत करें: शरद पवार

एजेंसी। मुंबई

राकांपा अध्यक्ष शरद पवार ने शनिवार को अयोध्या मामले में उच्चतम न्यायालय के ऐतिहासिक फैसले का स्वागत किया जिसमें विवादित स्थान पर राम मंदिर के निर्माण का मार्ग प्रशस्त किया गया है। पवार ने कहा कि शीर्ष अदालत का सर्वसम्मति से लिया गया फैसला एक गंभीर चिंता का समाधान करेगा जो देश को परेशान कर रही थी। उन्होंने यहां संवाददाताओं से कहा, न्यायपालिका ने समाज के सभी वर्गों के हितों के संरक्षण की बात की है। यह अच्छी बात है। राकांपा अध्यक्ष ने लोगों से शांति और सौहार्द बनाए रखने की अपील करते हुए कहा, एक महत्वपूर्ण, ऐतिहासिक फैसला दिया गया है। समाज के सभी वर्गों को इसका स्वागत और सम्मान करना चाहिए। फैसले के बाद कुछ भाजपा नेताओं के राम मंदिर में दर्शन

करने के संबंध में पवार ने कहा कि यह किसी का व्यक्तिगत अधिकार और पसंद है कि वह मंदिर जाए या मस्जिद। उन्होंने कहा, इस पर टिप्पणी की जरूरत नहीं है। यह एक राजनीतिक मुद्दा है। उन्होंने कहा कि कई राजनीतिक दलों ने फैसले का सम्मान किया है जो अच्छी बात है। पवार ने यह भी कहा कि फैसले का महाराष्ट्र की राजनीति पर कोई असर नहीं पड़ेगा। लोग दो से तीन दिन में इस मुद्दे को भुला भी सकते हैं। महाराष्ट्र में सरकार गठन की देरी पर पवार ने कहा कि भाजपा और शिवसेना को सरकार बनानी चाहिए क्योंकि उन्हें जनादेश मिला है। पवार ने कहा, उनके पास संख्या है। हम इंतजार कर रहे हैं कि वे हमें विपक्ष में बैठने का अवसर कब देंगे। उन्होंने यह भी कहा कि राकांपा के शिवसेना को समर्थन देने के विषय पर उनकी पार्टी में कोई चर्चा नहीं हो रही है।

विध्वंस के बारे में न्यायालय की टिप्पणी लिब्रहान आयोग जैसी

अयोध्या विवाद

एजेंसी। नई दिल्ली

राम जन्मभूमि-बाबरी मस्जिद भूमि विवाद की सुनवाई के दौरान अयोध्या में छह दिसंबर, 1992 को विवादित ढांचा गिराए जाने से संबंधित मामले से दूरी बनाए रखने वाले उच्चतम न्यायालय ने भी शनिवार को अपने फैसले में लिब्रहान आयोग द्वारा की गई टिप्पणी से मिलती जुलती टिप्पणी की है। न्यायालय ने कहा कि विवादित ढांचा गिराया जाना एक सोचा समझा कृत्य था। प्रधान न्यायाधीश रंजन गोगोई की अध्यक्षता वाली संविधान पीठ ने अपने फैसले में इस तथ्य का उल्लेख किया कि विवादित भूमि को लेकर मुकदमे लंबित होने के दौरान एक सार्वजनिक इबादत स्थल को नष्ट करने के सोचे समझे कृत्य के तहत मस्जिद का पूरा ढांचा ही गिरा दिया। संविधान पीठ ने अपने फैसले में कहा कि मुस्लमानों को गलत तरीके से उनकी मस्जिद से वंचित किया गया जिसका निर्माण 450 साल से भी पहले किया गया था।

यद्यपि फैसले में विवादित ढांचा गिराए जाने के बारे में चंद पंक्तियां ही हैं लेकिन यह टिप्पणी अयोध्या में इस ढांचे को गिराए जाने की घटना के दस दिन के भीतर नरसिंह राव सरकार द्वारा गठित लिब्रहान जांच आयोग की टिप्पणी की याद ताजा करती है। लिब्रहान आयोग ने भी अपनी रिपोर्ट में कहा था कि अयोध्या में सारा विध्वंस योजनाबद्ध तरीके से किया गया था। अयोध्या में छह दिसंबर 1992 को कार सेवकों द्वारा विवादित ढांचा गिराए जाने की घटना की न्यायिक जांच के लिए पीवी नरसिंह राव के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार ने आंध्र प्रदेश उच्च न्यायालय के न्यायाधीश एम एस लिब्रहान की अध्यक्षता में एक सदस्ईय आयोग गठित किया था। हालांकि, न्यायमूर्ति लिब्रहान ने अवकाश ग्रहण करने के बाद इस आयोग को पूरा वक्त दिया और 17 साल बाद जून, 2009 में प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के कार्यकाल में अपनी रिपोर्ट सरकार को सौंपी। इस दौरान 48 बार जांच आयोग का कार्यकाल बढाया गया। लिब्रहान जांच आयोग के समक्ष पूर्व प्रधान मंत्री पी वी नरसिंह राव और विश्वनाथ प्रताप सिंह, भाजपा के वरिष्ठ नेता लाल कृष्ण आडवाणी, डा मुरली मनोहर जोशी, कल्याण सिंह और राम जन्म भूमि आन्दोलन में अग्रणी भूमिका निभाने वाले अन्य नेताओं की गवाही हुई। आयोग ने अपनी रिपोर्ट में छह दिसंबर, 1992 की घटना के लिए भाजपा और संघ परिवार (आरएसएस, विहिप और बजरंग दल) के प्रमुख नेतृत्व को जिम्मेदार पाया था। उप्र के तत्कालीन मुख्य मंत्री कल्याण सिंह ने शीर्ष अदालत को हलफनामे पर आश्वासन दिया था कि कार सेवकों को विवादित ढांचे को किसी भी तरह की क्षति पहुंचाने की इजाजत नहीं दी जाएगी। आयोग ने अपनी रिपोर्ट के निष्कर्ष में कहा कि इस मामले के तथ्यों से यही सबूत सामने आता है कि सत्ता और धन की संभावना से प्रलोभित भाजपा, आरएसएस, विहिप, शिव सेना और बजरंग दल आदि के भीतर ही ऐसे नेता उभर आए थे, जो न तो किसी विचारधारा से निर्देशित थे और न ही उनमें किसी प्रकार का नैतिक संयम था। न्यायमूर्ति लिब्रहान ने अपनी रिपोर्ट में कहा था कि छह दिसंबर, 1992 को देखा कि उत्तर प्रदेश सरकार कानून का शासन बनाए रखने की इच्छुक नहीं थी और यह उदासीनता मुख्यमंत्री (कल्याण सिंह) के कार्यालय से लेकर निचले स्तर तक थी।

अयोध्या मामले को अब आगे बढ़ाना ठीक नहीं: बुखारी

● कहा, पुनर्विचार याचिका दायर नहीं की जाए

एजेंसी। नई दिल्ली

दिल्ली स्थित जामा मस्जिद के शाही इमाम सैयद अहमद बुखारी ने शनिवार को कहा कि अयोध्या मामले को अब आगे नहीं बढ़ाना चाहिए और उच्चतम न्यायालय के फैसले के खिलाफ पुनर्विचार याचिका दायर करने की जरूरत नहीं है। उन्होंने यह उम्मीद भी जताई कि अब देश में सांप्रदायिक तनाव के लिए जगह नहीं होगी और आगे से ऐसे मुद्दों को हवा नहीं दी जाएगी। बुखारी ने संवाददाताओं से कहा, मैंने पहले भी कहा था कि देश कानून और संविधान के अमल पर चलता है। 134 साल से चल रहे विवाद का

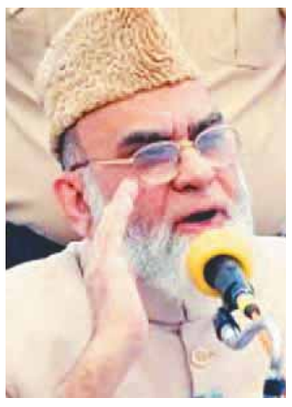

अंत हुआ। पांच सदस्ईय पीठ ने निर्णय लिया। गंगा जमुनी संस्कृति और सद्भाव को देखते हुए कि यह प्रयास करना होगा कि आगे देश को इस तरह के विवाद से नहीं गुजरना पड़े।उन्होंने कहा, देश संविधान के तहत चले, कानून का अमल होता रहे, सांप्रदायिक तनाव नहीं हो और समाज नहीं बंटे, इसके लिए सभी को अपनी भूमिका अदा करनी होगी। हिंदू-मुस्लिम की बात बंद होनी चाहिए और देश को आगे बढ़ाने के लिए सब मिलकर चलें। शाही इमाम ने कहा कि प्रधानमंत्री के बयान से यह उम्मीद की जानी चाहिए कि देश सद्भाव की तरफ आगे बढ़ेगा। फैसले के खिलाफ अपील से जुड़े ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड के बयान के बारे में पूछे जाने पर बुखारी ने कहा, मेरी अपनी राय है कि मामले को ज्यादा बढ़ाना उचित नहीं है। पुनर्विचार के लिए उच्चतम न्यायालय में जाना बेहतर नहीं है। उन्होंने कहा कि मुस्लिम समुदाय पहले से कहता रहा है कि वह फैसले का सम्मान करेगा और अब फैसला आने के बाद लोग इससे सहमत हैं।

यह सिद्ध हो गया कि भगवान राम का जन्म अयोध्या में हुआ था: शंकराचार्य स्वरूपानंद

एजेंसी। जबलपुर

शंकराचार्य स्वामी स्वरूपानंद सरस्वती ने शनिवार को अयोध्या मामले पर उच्चतम न्यायालय के निर्णय का स्वागत करते हुए कहा कि इसकी पुष्टि हो गई है कि भगवान राम का जन्म अयोध्या में हुआ था। ज्योतिष और द्वारका-शारदा पीठ के शंकराचार्य सरस्वती ने कहा, मैं उच्चतम न्यायालय के फैसले से प्रसन्न हूँ जिसने इसकी पुष्टि कर दी कि (विवादित स्थल) भगवान राम की जन्मस्थली है। इसमें कोई शक नहीं कि श्रीराम का जन्म अयोध्या में हुआ था। हिन्दू संत ने हालाँकि उच्चतम न्यायालय के पांच एकड़ भूमि सुन्नी वक्फ बोर्ड को देने के निर्णय पर रोष

जताया। उन्होंने कहा कि अयोध्या में बहुत सारे मंदिर हैं। उच्चतम न्यायालय द्वारा मंदिर निर्माण के लिए न्यास बनाने के सवाल पर उन्होंने कहा, एक न्यास पहले से है जिसे पूर्व प्रधानमंत्री नरसिंहराव के जमाने में स्थापित किया गया था। सरस्वती ने कहा कि प्रस्तावित राम मंदिर परिसर का आकार कंबोडिया के अंकोर वाट जैसा विस्तृत होना चाहिए।

संघ कार्यकर्ताओं ने नागपुर मुख्यालय के पास मंदिर में की आरती, मिठाइयां बांटी

नागपुर। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और भाजपा के कार्यकर्ताओं ने नागपुर के महल क्षेत्र में संघ मुख्यालय के समीप स्थित मंदिर में शनिवार को आरती की। अयोध्या मामले पर उच्चतम न्यायालय का निर्णय आने के बाद भाजपा और संघ के कम से कम 50 कार्यकर्ताओं ने आरती में भाग लिया। उन्होंने मिठाइयां बांटी और जय श्री राम के नारे लगाए। इसके बाद जल्दी ही पुलिस ने उन्हें मंदिर से बाहर जाने को कहा। महाराष्ट्र भाजपा के प्रवक्ता और विधानमंडल के सदस्य गिरीश व्यास ने कहा, हम सभी खुश हैं।

नई दिल्ली के विश्व हिंदू परिषद कार्यालय में राम मंदिर आंदोलन में अग्रणी रहे स्वर्गीय अशोक सिंघल की तस्वीर पर तिलक लगातीं भाजपा की वरिष्ठ नेता उमा भारती

न्यायालय के निर्णय का भारतीय उद्योग जगत ने भी किया स्वागत

एजेंसी। नई दिल्ली

अयोध्या भूमि विवाद मामले में उच्चतम न्यायालय के शनिवार के निर्णय का भारतीय उद्योग जगत ने एक पुराने कानूनी विवाद का समाधान और न्यायपालिका का साहसिक निर्णय बताते हुए इसका स्वागत किया है। उद्योग वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने इसे दशकों के कानूनी विवाद का हल बताया तो उद्योगपति तथा महिंद्रा एंड महिंद्रा समूह के प्रमुख आनंद महिंद्रा ने इसे न्यायालय का अभूतपूर्व साहस बताया।

उल्लेखनीय है कि उच्चतम न्यायालय के प्रधान न्यायाधीश रंजन गोगोई की अध्यक्षता वाली पांच सदस्ईय संविधान पीठ ने शनिवार को अयोध्या भूमि विवाद का फैसला सुनाया जिससे धार्मिक नगर अयोध्या में कानूनी विवाद के केंद्र में रहे 2.77 एकड़ के स्थल पर राम मंदिर बनना मार्ग खुल गया है। महिंद्रा ने ट्वीट कर कहा कि वह पीठ के पांचों न्यायाधीशों के अभूतपूर्व साहस को सराहते हैं। उन्होंने लिखा, पांच न्यायाधीश, एक निर्णय जिसका इंतजार 130 करोड़ लोगों को था। इस निर्णय पर पहुंचने के लिए पीठ को कितने असाधारण साहस और मस्तिष्क के अद्भुत प्रयोग की आवश्यकता पड़ी होगी। मैं उनकी कर्तव्यपरायणता और अपने देश में न्याय को लागू करने के लिए उनको सलाम करता हूं। वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा, यह उच्चतम न्यायालय का एकमत से लिया गया स्वागतयोग्य निर्णय है। इस निर्णय ने दशकों पुराने कानूनी वाद का अंत कर दिया है। उन्होंने अपील भी की कि लोगों को न्यायालय का फैसला स्वीकार करना चाहिए और शांति बनाए रखनी चाहिए। न्यायालय का यह ऐतिहासिक निर्णय हमारी संस्कृति, परंपरा और एकता को मजबूत करेगा।

नीतीश ने फैसले का सम्मान करने की अपील की

एजेंसी। पटना

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने शनिवार को अयोध्या पर उच्चतम न्यायालय के निर्णय का स्वागत किया और लोगों से फैसले को स्वीकार करने तथा इसका सम्मान करने की अपील की। कुमार ने लोगों से यह भी आग्रह किया कि वे एक-दूसरे की भावनाओं का सम्मान कर समाज में सौहार्द बनाए रखें। कुमार ने यहां पटना हवाईअड्डे पर संवाददाताओं से कहा, उच्चतम न्यायालय ने (अयोध्या मामले में) अपना निर्णय सुना दिया है। हम सभी को फैसले को स्वीकार करना चाहिए और इसका स्वागत करना चाहिए। निर्णय का हर किसी को सम्मान करना चाहिए। यह मामले का हल है। उन्होंने कहा, हमें एक-दूसरे का सम्मान करना चाहिए और शीर्ष अदालत के निर्णय को पूरी तरह स्वीकार करना चाहिए जो स्पष्ट और सर्वसम्मति वाला है। मामले में सभी पक्षों को सुनने के बाद फैसला हुआ है।कुमार ने कहा कि न्यायालय ने कुछ जिम्मेदारी सरकार को भी दी है। उन्होंने कहा, मैं लोगों से आग्रह करता हूं कि मामले में कोई विवाद खड़ा न करें और समाज में सौहार्द बनाए रखें। जद (यू) प्रमुख ने कहा, काफी लंबे समय से हमारा मत था कि अयोध्या मामले का समाधान या तो पारस्परिक समझौते से या फिर अदालत के आदेश से होना चाहिए।

आज बाल ठाकरे होते तो बहुत खुश होते : राज ठाकरे

पुणे। अयोध्या मामले पर उच्चतम न्यायालय के निर्णय का स्वागत करते हुए महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) के अध्यक्ष राज ठाकरे ने शनिवार को कहा कि शिवसेना के संस्थापक बाल ठाकरे यदि जीवित होते तो बहुत खुश होते। दिवंगत बाल ठाकरे के भतीजे राज ने कहा कि यह निर्णय कारसेवकों द्वारा दिए गए बलिदान का फल है, जिन्होंने नब्बे के दशक में राम जन्मभूमि आंदोलन में भाग लिया था। उन्होंने कहा, बालासाहेब आज जीवित होते तो बहुत खुश होते। मैं उच्चतम न्यायालय को तथ्यों और लोगों भावनाओं के आधार पर निर्णय देने के लिए धन्यवाद देता हूँ। अब राम मंदिर जल्द से जल्द बनना चाहिए और रामराज्य स्थापित होना चाहिए। उच्चतम न्यायालय ने ऐतिहासिक फैसले में शनिवार को अयोध्या में विवादित स्थल पर राम मंदिर के निर्माण के लिए मार्ग प्रशस्त कर दिया और केंद्र को मस्जिद के लिए सुन्नी वक्फ बोर्ड को पांच एकड़ जमीन प्रदान करने का निर्देश दिया।

देवगौड़ा ने निर्णय को सराहा

बेंगलुरु। पूर्व प्रधानमंत्री एच डी देवगौड़ा ने शनिवार को अयोध्या मामले पर आए उच्चतम न्यायालय के निर्णय का स्वागत किया है। एक वीडियो संदेश में जनता दल (सेक्युलर) के अध्यक्ष ने कहा, यह संतुलित निर्णय है जिसका मैं स्वागत करता हूँ। उन्होंने कहा कि उनकी सोच सिर्फ यह है कि जिन निर्बल लोगों ने 300-400 साल पहले बाबरी मस्जिद बनाई थी और जो लोग आज इसके लिए लड़ रहे हैं उसके लिए आप हमारे अल्पसंख्यक मित्रों को दोष नहीं दे सकते। पूर्व मुख्यमंत्री एच डी कुमारस्वामी ने लोगों से उच्चतम न्यायालय के निर्णय का सम्मान करने की अपील की है। कुमारवामी ने ट्वीट किया, आइए हम सभी अयोध्या के निर्णय का सम्मान करें और देश के बुनियादी सिद्धांत शांति और अहिंसा पर चलें। उन्होंने कहा, आइए हम सभी राम मंदिर के साथ किसानों की जिंदगी बनाने की भी कोशिश करें।

गोवा के मुख्यमंत्री ने फैसले की प्रशंसा की, कांग्रेस ने शांति की अपील की

पणजी। अयोध्या मामले में शनिवार को उच्चतम न्यायालय के फैसले के मद्देनजर गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत ने शांति एवं सद्भाव बनाए रखने की अपील की। उच्चतम न्यायालय के फैसले से अयोध्या में राम मंदिर निर्माण का मार्ग प्रशस्त हुआ है। न्यायालय के फैसले को ऐतिहासिक बताते हुए मुख्यमंत्री ने विभिन्न समुदायों के बीच आपसी भाईचारे को मजबूत करने की जरूरत पर बल दिया। सावंत ने ट्वीट किया, हम सभी को श्री राम जन्मभूमि पर उच्चतम न्यायालय के फैसले को सर्वसम्मति से स्वीकार करना चाहिए और समुदायों के बीच आपसी भाईचारे को मजबूत करने की दिशा में मिलकर काम करना चाहिए। प्रदेश कांग्रेस ने भी शांति एवं सद्भाव बनाए रखने का आह्वान किया। विपक्ष के नेता दिंगबर कामत ने कहा कि पार्टी फैसले का स्वागत और सम्मान करती है। उन्होंने कहा, हमलोग उच्चतम न्यायालय के फैसले का सम्मान करते हैं। संबंधित सभी पक्ष एवं सभी समुदायों को धर्मनिरपेक्ष मूल्यों और हमारे संविधान में निहित बंधुत्व की भावना का पालन करना चाहिए तथा शांति एवं सौहार्द बनाए रखना चाहिए।

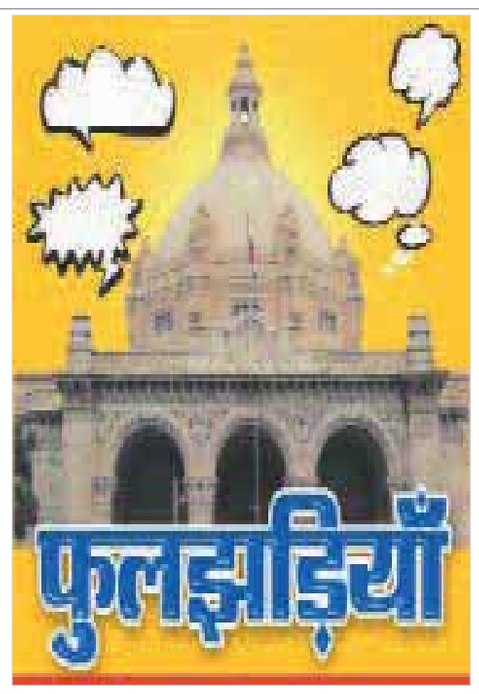

जब अपने हो जाएं....

युवराज खासे परेशान और हैरान हैं, स्थिति ये है कि जो जब चाहता है मंदिर का घंटा समझ बजाकर चला जाता है। चौतरफा हो रहे हमलों से युवराज की नीद उड़ी हुई है। आलम ये है कि वह समझ नही पा रहे हैं कि जिस समाजवाद का बीड़ा उन्होंने उठाया है उसे बचाए या फिर खुद को। सत्ता के मद में कुछ गलतियां हो गई तो सीबीआई और ईडी का भय बना रहता है। कुनबे में तो पहले से ही मची घमासान के चलते नुक्सान हो चुका हैं वहीं अब घर में अलग-थलग पड़ चुके युवराज के पास 'धोबी पाट' दांव मारने वाला एक पहलवान है उस पर भी लोगों की निगाहें लगी हुई हैं। घर में उस पहलवान को लेकर पहले ही खींचतान मची हुई थी। वहीं अब युवराज की चिन्ता तब और बढ़ जाती है जब उनके धुर विरोधी भगवा सरकार के मुखिया द्वारा 'धोबी पाट' दांव मारने वाले पहलवान से गाहे-बगाहे मुलाकात कर ली जाती है और युवराज को पता भी नहीं चल पाता। युवराज को उस समय और कष्ट होता है जब उन्हें इस बात की जानकारी मिलती है कि इस षडयंत्र के पीछे उनके ही कुनबे का ऐसा व्यक्ति शामिल है जिससे उनका इस समय छत्तीस का आंकड़ा है।

गुरु गुड़ रहे चेला...

गुरु गुड़वै रहे,चेला शक्कर हुई गे। यह कहावत इन दिनों सत्ता के गलियारे में चर्चा का विषय बनी हुई है। सचिवालय के मुख्यभवन स्थित एक बड़े कक्ष में काम करने वालों की जुबान पर यह जुमला कभी सुना जाता सकता है। मस्ती के मूड में यह जुमला कहकर लोग मजा लेते हैं। मंत्री के कक्ष में अचानक यह जुमला क्यों सुर्खियां बना, इसके पीछे की हकीकत कोई नहीं बताता या यूं कहें बताना नहीं चाहता। बहरहाल अब यह जुमला मंत्री के कक्ष से बाहर निकल कर सचिवालय की चहरदीवारी में उड़ान भर रहा है। यकायक बोतल से बाहर निकल कर जुबान पर आए जुमले के पीछे की हकीकत की छानबीन में हैरतअंगेज जानकारियां सामने आयी हैं। रेगिस्तान में फसल उगाने की कला में माहिर सरकार के इस मंत्री का ड्राईवर इस कला में उनसे आगे निकल गया है और वह तो बिना जमीन के फसल पैदा करने में जुटा है। बताते हैं कि मंत्री जी जिस भी जिले में जाते हैं या कार्यक्रम में होते हैं, वहां उनके ड्राईवर के निशाने पर जिले के विभागीय अफसर होते है। जिस समय मंत्री अपने काम में व्यस्त होते हैं तभी उनका ड्राईवर जिले के अफसरों को नाम लेकर बुलाता है और फिर उनसे अपनी डिमाण्ड को पूरी कराता है। ड्राइवर के किस्से मंत्री के दफ्तर और उनके कानों तक पहुंच चुके हैं लेकिन मंत्री शिकायत आने पर सिर्फ मुस्करा देते हैं। अब तो जिलों के अधिकारियों ने मंत्री के ड्राईवर की हरकतों को अपनी किस्मत से जोड़ लिया है और इशारा मिलते ही बिना कुछ कहे गुलाबी नोट थमा देते हैं। इसके विपरीत अगर मंत्री का कोई काम होता है तो उन्हें विभागीय अफसरों को बुलाकर कहना होता है लेकिन ड्राईवर के दिल की बात को विभाग के अधिकारी इशारे में समझने लगे हैं। मंत्री के कार्यालय में तैनात एक अधिकारी ने चुटकी लेते हुये कहा कि काश विभाग के अफसर ड्राईवर की तरह मंत्री का भी इशारा समझते।

ढीले पड़ गए कस बल

उप्र में भगवा सरकार में किसी महकमे में सबसे बड़ा घोटाला क्या सामने आया कि मथुरा वाले पंडित जी के तेवर थोड़ा ढीले पड़ गए हैं। विपक्षी दलों के रोज शब्दबाणों से हमले जारी हैं। ऐसे में पंडित जी महाराज रोज बयानों के जरिए अपनी सफाई दे रहे हैं। अभी तक पंडित जी महाराज लिफ्ट कम देते थे वह इसलिए क्योंकि उनके तार सीधे केंद्रीय ग्रिड से जुड़े हुए थे। इसलिए वह उप्र के मंत्रिमंडल सदस्यों को कम ही तव्वजो देते थे लेकिन इस करेंट का झटका खाने के बाद पंडित जी होश में आ गए हैं। इस समय उप्र में सभी अखबारों और खबरिया चैनलों की प्रमुख खबरों में पंडित जी का विभाग ही छाया है। मजेदार बात यह है कि पूर्ववर्ती सरकार में एक अधिकारी जिनका साईकिल से गहरा नाता था वह भी सवालों के घेरे में आ गए हैं। ऐसे में अब महाराज जी की पकड़ में पंडित जी आए हैं। मन ही मन सरकार के मंत्रिमंडल सदस्य भी कह रह रहे हैं कि अब आया ऊंट पहाड़ के नीचे।

वह सुबह कभी तो...

अपने शिक्षण संस्थान वाले मुखिया के दिन जब से अंगुलियों पर गिनने लायक आ गये हैं तभी से संस्थान में हर तरफ यह चर्चा आम हो चली है कि कौन आ सकता है, कौन नहीं। इस बीच कुछ लोग यह भी कहते नहीं थक रहे हैं कि मुखिया मेरिट में टॉप पर हैं और ऐसे में दोबारा कार्यकाल उन्हीं को मिलने वाला है अगर कोई बड़ी सिफारिश नहीं आई तो। पर कुछ लोग मुखिया के खिलाफ साजिश में भी लगे हुए हैं जिससे उनको दोबारा कुर्सी न मिले। खबर है कि अपने अवध वाले मुखिया की भी नजर टिकी हुई है। होना भी चाहिए आखिर उनकी यूनिवर्सिटी जो ठहरी। पर सुनने में यह भी आ रहा है कि महामहिम के दरबार में कुछ ठीक परिदृश्य नहीं है। ऐसे में मेरिट में नीचे हैं। फिलहाल इन दिनों कुर्ता-धोती वालों को सभी लोग अपने-अपने हिसाब से पकड़े हुए हैं। हर कोई अपने-अपने हिसाब से संवाद कर रहा है। अपने मुखिया भी मजबूत पकड़े हैं। फिलहाल कोई भी बने पर संस्थान को उस नई सुबह का इंतजार है जिससे उसके तीन साल की दिशा तय हो सके।

मैन इन क्राइसिस

आदमी की अच्छाई भी कभी-कभी उसके लिए मुसीबत बन जाती है। कर्तव्यों के प्रति निष्ठा और जिम्मेदारी के साथ दायित्वों का निर्वहन करने वाले खाकी महकमे के एक अफसर भी इस समय इसी पीड़ा से गुजर रहे हैं। जब बात प्राइम पोस्टिंग की आती है तो भगवा सरकार उनकी तरफ से नजरें फेर लेती है लेकिन जब कभी कानून-व्यवस्था को लेकर कोई संकट की स्थिति होती है तो संकटमोचक के रूप में वही सबसे पहले याद आते हैं। एक बार उनके साथ फिर यही हुआ। धार्मिक आस्था से जुड़े सुप्रीम फैसले को लेकर देशभर के लिए उत्सुकता का केंद्र बिन्दु बनी नगरी के सुरक्षा प्रबंध और हालात पर सतर्क नजर रखने की सीधी जिम्मेदारी इसी अफसर को सौंप दी गयी। तैनाती मुख्यालय में है लेकिन रातों-रात उन्हें वहां रवाना होने का फरमान सुना दिया गया। इससे पहले भी जब पश्चिम में दंगा हुआ तो उन्हें भेजा गया। पश्चिम के ही एक जिले में कप्तान के घर घुसकर सत्ताधारी दल का उपद्रव हुआ तब भी माहौल को शांत करने के लिए उन्हें भेजा गया। पहले तो अपने मुखिया और सरकार के हर हुक्म को चैलेंज मानकर स्वीकार करने वाले यह अफसर खुद भी इस कदर आजिज आ चुके हैं कि यह कहने से कतई नहीं चूकते कि उन्हें फिर फंसा दिया गया।

इमरजेंसी आपरेशन्स सेंटर में बैठकर सीएम योगी ने खुद संभाली कमान

- अयोध्या फैसले को लेकर पल-पल की गतिविधियों पर रखी नजर
- कानून-व्यवस्था की मानीटरिंग के साथ ही अफसरों को देते रहे जरूरी निर्देश

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

अयोध्या विवाद पर फैसला आने की जानकारी के साथ ही शुक्रवार की रात से सक्रिय हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शनिवार को भी लगातार सुरक्षा इंतजामों पर सतर्क निगाह बनाए रहे। मुख्यमंत्री के निर्देश पर पहली बार डायल-112 मुख्यालय में इमरजेंसी ऑपरेशंस सेंटर (ईओसी) बनाया गया था। मुख्यमंत्री ने इसी सेंटर में बैठकर अयोध्या सहित पूरे प्रदेश के बारे में पल-पल की जानकारी लेने के साथ ही कानून-व्यवस्था की मानीटरिंग की और अफसरों को दिशा निर्देश दिए। उनके साथ अपर मुख्य सचिव गृह अनवीश कुमार अवस्थी, डीजीपी ओपी सिंह और पुलिस व गृह विभाग के सभी बड़े अफसर मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अयोध्या फैसले के दृष्टिगत और भविष्य में किसी भी बड़े आपरेशन के समय सामाजिक समरसता एवं आपसी सौहार्द बनाए रखने के लिए विभिन्न एजेंसियों के बेहतर समन्वय के लिए एक साथ बैठकर कार्रवाई के लिए संयुक्त कमांड की आवश्यकता पर बल दिया था। उनके निर्देश पर डायल-112 मुख्यालय में सारी तैयारियां शुक्रवार को ही पूरी कर ली गयीं थीं। मुख्यमंत्री के निर्देश पर पहली बार यूपी पुलिस की ओर से इमरजेंसी आपरेशन्स सेंटर की व्यवस्था की गयी थी। मुख्यमंत्री ने शनिवार की सुबह स्वयं आकर यहां की व्यवस्था को चेक किया और जो कमियां रह गयीं थीं उन्हें दूर करने के निर्देश दिए। यूपी-112 के प्रभारी एडीजी असीम अरुण ने बताया कि इमरजेंसी आपरेशन्स सेंटर में जोन वार डेस्क बनाए गए थे। जिनके द्वारा 112 की कॉल्स, सोशल मीडिया से मिलने वाली सूचनाओं के आधार पर नजर रखी जा रही थी।

डीजीपी ओपी सिंह ने मुख्यमंत्री को सेंटर की कार्यशैली के संबंध में विस्तृत रूप से अवगत कराया। उन्होंने बताया कि यह एक ऐसा कमांड सेंटर है जिसमें सूचना के सभी स्रोतों जैसे-112 पर फोनकॉल, समाचार पोर्टलों से प्राप्त जानकारी के रिस्पॉस में आपरेशनल रणनीति बनाकर तत्काल कार्रवाई की जा सकती है। इमरजेंसी आपरेशन्स सेंटर में एडीजी कानून व्यवस्था, एडीजी तकनीकी सेवाएं एवं डायल-112 एवं फायर अभिसूचना, सीआरपीएफ, जीआरपी, आरपीएफ, बीएसएफ, आईटीबीपी, सीआईएसएफ आदि के प्रतिनिधि भी समन्वय के लिए उपस्थित रहे। प्रत्येक जोन की समग्र निगरानी के लिए एक-एक डेडिकेटेट डेस्क (कुल आठ) स्थापित की गयी थी। यह सेंटर 24 घंटे कार्यरत रहेगा। डीजीपी ओपी सिंह ने 112 पर सूचना देकर कानून व्यवस्था बनाए रखने में योगदान देने वाले जागरुक नागरिकों का आभार व्यक्त किया है।

किसी भी इमरजेंसी से निपटने में सक्षम है ईओसी

एडीजी असीम अरुण की मानें तो पहली बार स्थापित किया गया डायल-112 का इमरजेंसी ऑपरेशनल्स सेंटर (ईओसी) किसी भी इमरजेंसी से निपटने में पूरी तरह से सक्षम है। उन्होंने कहा आज पहले दिन की परीक्षा में ही पूरे प्रदेश की पीवीआर और थाना स्टाफ द्वारा त्वरित प्रतिक्रिया की गयी। उन्होंने बताया कि 112 में हर तक की सुविधा सम्पन्न विशाल कक्ष में सबके बैठने की व्यवस्था की गयी है। यहां पर सभी प्रकार के संचार माध्यम उपलब्ध हैं। यह सेंटर 112 के कॉल्स, सोशल मीडिया, न्यूज चैनलों, सीसीटीवी, फोन, रेडियो आदि के माध्यध्म से संचार और सूचनाएं ग्रहण कर सकता है। सामने स्क्रीन पर लाइव इवेंट्स न्यूज, सोशल मीडियो से सूचनाएं प्राप्त होती रहती हैं। महत्वपूर्ण सूचना और इवेंट पर पुलिस अधिकारी अपने कार्यक्षेत्र से संबंधित उसकी वास्तविक और गहन रिपोर्ट ले सकता है।

सामान्य रही 112 पर आने वाली सूचनाओं की संख्या

इमरजेंसी आपरेशन्स सेंटर पर कार्यरत पुलिस कर्मियों द्वारा अयोध्या फैसले को देखते हुए सतर्क दृष्टि रखी जा रही है। एडीजी असीम अरुण ने बताया कि शनिवार को फैसला आने के बाद 112 पर आने वाली सूचनाओं की संख्या सामान्य रही। 17 सूचनाएं वर्तमान परिवेश से संबंधित प्राप्त हुईं, जिसमें पीआरवी द्वारा घटनास्थल पहुंचने पर सभी असत्य पायी गयीं एवं सूचनाकर्ताओं के विरुद्ध निरोधात्मक कार्रवाई भी की गयी।

आपत्तिजनक पोस्ट करने पर 12 मुकदमे दर्ज, 37 गिरफ्तार

डीजीपी की अपील के बाद भी सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर आपत्तिजनक पोस्ट करने वालों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए पुलिस ने 12 मुकदमे दर्ज करके 37 व्यक्तियों को गिरफ्तार किया। पूरे प्रदेश में कुल 3712 सोशल मीडियो पोस्टों के खिलाफ कार्रवाई की गयी। जिसमें उन्हें रिपोर्ट कर हटवाना, डायरेक्ट मैसेज के माध्यम से डिलीट कराना तथा प्रोफाइल हटवाना आदि कार्रवाई सम्मिलित है। इसमें 865 पोस्ट के खिलाफ कार्रवाई मुख्यालय पुलिस महानिदेशक के सोशल मीडिया सेल द्वारा की गयी।

कामयाबी का सेहरा फिर बंधा योगी के सिर

कमल दुबे। लखनऊ

सीएम योगी के सिर कामयाबी का सेहरा फिर बंध गया है। राम मंदिर विवाद पर देश की सर्वोच्च अदालत का फैसला आने के बाद राज्य में कानून-व्यवस्था को बनाये रखने की उनके सामने बड़ी चुनौती थी। अयोध्या विवाद के खून-खराबे भरे इतिहास ने इस चुनौती को और भी भयावह बना दिया था। चाहे सरकारी नुमाइंदे हो या फिर सूबे की आमजनता, अयोध्या विवाद की पुरानी यादें ताजा कर हर किसी का कालेजा कांप उठता था। राम मंदिर मिशन पर सीएम योगी का गुफ्त एजेंडा और उनकी सरकार का कई महीने का सघन मंथन सुप्रीम कोर्ट का ऐतिहासिक निर्णय आने के बाद परवान चढ़ता दिखा।

पूरे राज्य में कही से भी किसी बड़ी अप्रिय घटना न खबरे नही है। हालांकि अदालत का फैसला आने की पूर्व संध्या पर सरकार के अफसरों के चेहरे पर चिन्ता की लकीरे थे और ताथे पर पसीना थी, लेकिन कल आधी रात के बाद तक चली सीएम योगी की हाई क्लास पाठशाला ने सरकार के अफसरों का तनाव कम कर दिया। नतीजा नयी ऊर्जा और जोश के साथ योगी सरकार के अफसर सुप्रीम कोर्ट के निर्णय आने के बाद अपनी रणनीति को अंजाम देने में सफल रहे। सुप्रीम कोर्ट के प्रधान न्यायधीश रंजन गोगोई ने फैसला सुनाने से पहे कल मुख्यसचिव राजीव कुमार तिवारी और डीजीपी ओपी सिंह को बुलाकर फैसला सुनाये जाने के बाद सरकार की तैयारियों के बारे में पूछा था। दिल्ली की बैठक से लौटने के बाद आला नौकरशाहों के चेहरों पर चिन्ता की लकीरें थी, जिसे सीएम योगी ने भांप लिया था और उन्होने कल रात ग्यारह बजे से लेकर डेढ़ बजे तक इन अफसरों के साथ बैठक करके उनमे नया जोश भरा। इसके बाद आज सीएम योगी फैसला आने से पहले और उसके बाद काफी समय तक पुलिस कंट्रोल रूप में अफसरों के साथ रहकर पूरे राज्य की स्थित पर नजर बनाये रखे।

वसुधैव कुटुम्बकम का भाव रखती है भारतीय संस्कृति: डॉ. दिनेश शर्मा

- उपमुख्यमंत्री ने 20वें अंतरराष्ट्रीय मुख्य न्यायाधीश सम्मेलन का किया उद्घाटन

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

उपमुख्यमंत्री डॉ. दिनेश शर्मा ने कहा कि भारत एवं भारतीय संस्कृति 'वसुधैव कुटुम्बकम' का भाव रखने वाली संस्कृति है। भारतीय संस्कृति ने न केवल भारत को अपितु समूची धरा को सदैव एक कुटुंब माना है। भारतीय संस्कृति का आदर्श वाक्य 'अनेकता में एकता एवं एकता में अनेकता' दोनों है। भारतीय संस्कृति के महत्वपूर्ण तत्व शिष्टाचार, तहजीब, सभ्य संवाद, धार्मिक संस्कार, मान्यताएँ और मूल्य आदि हैं। भारतीय संस्कृति का अर्थ है सर्वांगीण विकास। उप मुख्यमंत्री डा॰ दिनेश शर्मा ने यह बात शनिवार को कानपुर रोड स्थित सिटी मांटेसरी स्कूल के ऑडिटोरियम में आयोजित अंतरराष्ट्रीय मुख्य न्यायाधीश सम्मेलन में कही। इस अवसर पर विभिन्न देशों के राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, एपार्लियामेन्ट के स्पीकर, न्यायमंत्री, इण्टरनेशनल कोर्ट के न्यायाधीश, विभिन्न देशों के मुख्य न्यायाधीश, कानून के जानकार सहित विश्व के 71 देशों के कुल 290 प्रतिनिधि भी उपस्थित थे। इस मौके पर डॉ. दिनेश शर्मा ने इरीट्रिया के मुख्य न्यायाधीश, न्यायमूर्ति मेन्केसियस बेराकी को 'महात्मा गांधी अवार्ड' प्रदान कर सम्मानित किया। उप मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर कहा कि भारतीय संस्कृति, भारत की पहचान एवं भारत का साहित्य आपसी समन्वय एवं भाईचारे की है। पूरा विश्व एक हो यही हमारी संस्कृति एवं साहित्य में रचा बसा है। डॉ. दिनेश शर्मा ने कहा कि मुझे आशा है कि यह विचार मंथन (सम्मेलन) अंतर्राष्ट्रीय विवादों को सुलझाने, वैश्विक जलवायु परिवर्तन के रोकथाम हेतु पूरी दुनिया में आपसी समन्वय स्थापित करने, पूरे विश्व में भाईचारे का भाव करने करनेए आपसी सौहार्द एवं समन्वय को बढ़ाए जाने में सहयोगी सिद्ध होगा।

आईआईटी बीएचयू के इंजीनियर्स का वार्षिक सम्मेलन आयोजित

- अपने सीनियर इंजीनियरों को देख गद्गद् हुए युवा अभियंता

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

आईआईटी, बीएचयू वाराणसी से इंजीनियरिंग की डिग्री प्राप्त लखनऊ में रहने वाले इंजीनियरों का सोमवार को सातवां वार्षिक सम्मलेन लोक निर्माण विभाग के विश्वसरैया सभागार में संपन्न हुआ। इस सम्मेलन में विभिन्न क्षेत्रों में कार्य कर चुके एवं कार्यरत लगभग 150 अभियंताओं ने सपरिवार भाग लिया।

सम्मेलन का आलम ये था कि युवा अभियंता अपने बीच आठ दशक पार कर चुके इंजीनियरिंग कालेज के वरिष्ठ छात्रों को देखकर झूम ही नही उठे बल्कि उनके प्रति श्रृद्धा चेहरे पर झलक आई। तकनीकी क्रांति से पूर्व इंजीनियरिंग की शिक्षा हासिल करने वाले अपने इन बड़ों का आर्शीवाद लेने वाले अभियंताओं में जैसे होड़ मची हुई थी। 1952 बैच वृद्धयुवा अभियंता से लेकर 2019 बैच के युवा अभियंताओं में जिज्ञासा और जबाब का दौर घन्टों चला। सभी ने आपस में अपने संस्मरण और अनुभव बांटे। उपस्थित सदस्यों में से वरिष्ठतम वर्ष 1952 के स्नातक, राज्य उत्पादन निगम के सेवा निवृत्त प्रबंध निदेशक कैलाश बिहारी माथुर सम्मलेन के मुख्य स्वागती थे।

आईआईटी, बीएचयू के पूर्व प्रोफेसर रामजी अग्रवाल मुख्य अतिथि तथा प्रोफेसर एएस के सिन्हा, राजीव गांधी पेट्रोलियम टेक्नोलॉजी संस्थान अमेठी के डायरेक्टर विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित हुए। कार्यक्रम का शुभारम्भ वरिष्ठ सदस्यों द्वारा दीप प्रज्वलन, काशी हिन्दू विश्व विद्यालय के संस्थापक प. मदन मोहन मालवीय की मूर्ति पर माल्यार्पण तथा पारंपरिक कुलगीत से किया गया। तदोपरांत महा सचिव कायम रजा रिजवी ने अपना प्रतिवेदन प्रस्तुत किया जिसमे पूरे वर्ष की गतिविधियों पर प्रकाश डाला। सभी सदस्यों ने अपनी पुरानी यादों को ताजा करते हुए संगठन को और प्रभावी बनाने पर अपने विचार प्रगट किये। वर्ष 1959 बैच के स्नातक सर्वश्री कैलाश शंकर दीक्षित, पीडी गुप्ता, एएस तिवारी, जेएस मेहरोत्रा, केएस मिश्रा, आरपी कक्कड़, वीपी श्रीवास्तव एवं वर्ष 1969 बैच के स्नातक सर्वश्री सतीश कुमार खरे, ध्रुव वाईएन राय, एमएल विश्वकर्मा, वी के अग्रवाल, आर के अस्थाना, वीपी त्रिपाठी, जीएस मिश्रा, एसके सिंह, सीएल सेठी, बीआर गुप्ता, एसपी मिश्रा, पीडी सिंह जो अपने स्नातक होने की हीरक या स्वर्ण जयंती मना रहे हैं, को सपत्नीक सम्मानित किया गया। इस अवसर पर राजेश कुमार द्वारा सम्पादित एक स्मारिका का विमोचन किया गया। संस्था के अध्यक्ष रमेश चंद बरनवाल प्रमुख अभियंता लोक निमार्ण विभाग ने सदस्यों के सहयोग तथा प्रगति पर संतोष व्यक्त करते हुए इसे और सुदृढ़ बनाने का आवाहन किया।

ऐतिहासिक निर्णय के रूप में याद रखा जाएगा: अखिलेश यादव

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

अयोध्या मुद्दे को लेकर सर्वोच्च न्यायालय के निर्णय पर समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा कि 'रामजन्मभूमि-बाबरी मस्जिद का निर्णय भारत वर्ष के इतिहास में एक एतिहासिक निर्णय के रूप में याद रखा जाएगा'। उन्होंने कहा कि इस विवाद में 1986 से समाजवादियों का यही पक्ष रहा है कि यह विवाद दोनों समुदायों के बीच में बातचीत से तय हो जाए, या फिर इस सम्बन्ध में न्यायालय का निर्णय मान्य हो। उन्होंने कहा चूंकि बात-चीत से इस समस्या का समाधान संभव नहीं हो सका अत: सर्वोच्च न्यालाय को अपना निर्णय देना पड़ा। उन्होंने कहा कि भारत वर्ष जैसे महान प्रजातांत्रिक देश में जो प्रणाली हमारे संविधान निर्माताओं ने बनाई थी उसके अनुसार सर्वोच्च न्यायालय के द्वारा दिया गया आदेश हमारे देश के सभी लोगों पर माध्य होता है और हमें मानना है। इस महत्वपूर्ण निर्णय को भी सारा देश उसी प्रकार से स्वीकार करेगा जिस प्रकार संविधान में सर्वोच्च न्यायालय को यह अधिकार दिया गया है। उन्होंने कहा वास्तव में इस निर्णय से हमारे देश के धर्मनिरपेक्ष स्वरूप और रूल ऑफ लॉ तथा प्रजातंत्र को सुदृंढ़ करने की ओर एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगा।

अयोध्या पर आए सुप्रीम फैसले का राजनीतिक दलों ने किया स्वागत

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

अयोध्या पर आए सुप्रीम फैसले का प्रदेश के राजनीतिक दलों ने स्वागत किया है। दलों के नेताओं ने कहा है कि फैसले का सभी को सम्मान करना चाहिए। उन्होंने देश-प्रदेश की जनता से भाईचारे के उच्च मूल्यों को निभाते हुए अमन चैन व आपसी सद्भाव बनाए रखने की अपील की है।

निर्णय को पूरा देश सहज एवं सहर्ष स्वीकार कर रहा है: स्वतंत्र देव

सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह ने कहा है कि श्रीराम जन्मभूमि पर सर्व-सम्मति से आए सर्वोच्च न्यायालय के फैसले का अभिनन्दन करता हूं। यह निर्णय भारत की गंगा-जमुनी संस्कृति को और भी मजबूत करेगा। मैं भारत की न्याय व्यवस्था को नमन करता हूं। सुप्रीम कोर्ट के आए ऐतिहासिक निर्णय को पूरा देश सहज एवं संहर्ष स्वीकार कर रहा है। पूरे देश में शांति एवं सद्भाव बना हुआ है। मेरा पूरा विश्वास है, देशवासी आगे भी इसी तरह सद्भाव बनाए रखकर एकता और अखंडता को बनाए रखेंगे।

सौहार्द पूर्ण वातावरण में ही हो आगे का काम: मायावती

बसपा अध्यक्ष मायावती ने कहा है कि परपपूज्य बाबा साहेब डॉ.भीमराव आम्बेडकर के धर्मनिरपेक्ष संविधान के तहत सुप्रीम कोर्ट द्वारा रामजन्म भूमि-बाबरी मजिस्द भूमि विवाद के संबंध मेमं आज आम सहमति से फैसला दिया है। इस फैसले को सभी पक्ष स्वीकार करें व इसका सम्मान करें तथा शांति बनाए रखें। उन्होंने सलाह देते हुए अपील की है कि अब इस पर सौहार्दपूर्ण वातावरण में ही आगे का काम होना चाहिए।

निर्णय किसी भी पक्ष की जय और पराजय नहीं है: लल्लू

प्रदेश कांग्रेस ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर सधा हुआ बयान दिया है। प्रदेश अध्यक्ष अजय कुमार लल्लू ने कहा है कि उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी उच्चतम न्यायालय के निर्णय का सम्मान करती है। यह निर्णय किसी भी पक्ष की जय और पराजय नहीं है। उम्मीद है कि यह फैसला फासलों को मिटायेगा। भारत के संविधान में स्थापित सर्व धर्म सम्भाव और भाईचारे के उच्च मूल्यों को निभाते हुए अमन चैन बनाए रखें।

फैसले का स्वागत व सम्मान अब सभी का दायित्व: राष्ट्रीय लोकदल के राष्ट्रीय प्रवक्ता अनिल दुबे ने कहा है कि सुप्रीम कोर्ट के फैसले का स्वागत और सम्मान अब सभी का दायत्वि है कि सद्भाव व सहिष्णुता के अपने मूल चरित्र पर कायम रहते हुए विकास, रोजगार, शिक्षा, स्वास्थ्य और सामाजिक सुरक्षा जैसे मुद्दों पर सरकार को रखने के लिए काम करें।

वर्षों पुराने विवाद का निस्तारण हो गया है: हृदय नारायण दीक्षित

लखनऊ। विधानसभा अध्यक्ष हृदय नारायण दीक्षित ने श्रीराम जन्मभूमि वाद में सर्वोच्च न्यायालय के फैसले को स्वागत किया है। उन्होंने कहा कि वर्षों पुराने विवाद का निस्तारण हो गया है। श्री दीक्षित ने कहा कि भारत में संविधान की सत्ता है। संविधान में भारत के लोगों की निष्ठा है। उन्होंने कहा कि सर्वोच्च न्यायालय के इस निर्णय में किसी पक्ष की हार जीत नही हुई है। संविधान ही सर्वोपरि सिद्ध हुआ है। श्री दीक्षित ने कहा है कि श्रीराम जन्मभूमि पर भव्य मंदिर करोड़ों भारतवासियों की अभिलाषा रहा है। इसके लिए लाखों श्रद्धालु जेल गए हैं। वे स्मरणीय हैं। उन्होंने बड़ा संघर्ष किया है। कोर्ट ने लगातार 40 दिन कार्यवाही चलाई। यह ऐतिहासिक परिश्रम है। हजारों पृष्ठ में फैली न्यायिक कार्यवाही इस श्रम का सबूत है। कोर्ट ने तमाम दस्तावेज खंगाले, तमाम साक्ष्य सुने और पारदर्शी निर्वचन विवेचन के बाद ऐतिहासिक निर्णय दिया है। अध्यक्ष विधान सभा ने विश्वास व्यक्त किया है कि देश के सभी लोग, सभी दल व संगठन इस निर्णय का स्वागत करेंगे।

पांच एकड़ जमीन भी रामलला ट्रस्ट को सौंप दे मुस्लिम पक्ष: सिराज मेहदी

लखनऊ। नेशनल इत्तिहादे मिल्लत कनवेंशन के अध्यक्ष एवं पूर्व एमएलसी सिराज मेंहदी ने कहा है कि पांच एकड़ जमीन देने का फैसला सर्वोच्च न्यायालय ने मुस्लिम पक्ष के लिए किया है। उसका सम्मान करते हैं लेकिन मुस्लिम पक्ष एवं सुन्नी वक्फ बोर्ड से गुजारिश है कि यह जमीन उसके द्वारा स्वीकार न की जाए बल्कि उस भूमि को भी रामलला ट्रस्ट को सौंप देनी चाहिए। यही भारत की गंगा-जमुनी तहजीब रही है। मेंहदी ने सर्वोच्च न्यायालय के फैसले को ऐतिहासिक बताते हुए उसका स्वागत किया है। उन्होंने कहा कि किसी पक्ष-विपक्ष की जीत नहीं यह सम्पूर्ण भारत की जीत है। सभी देशवासियों को इसका सम्मान करना चाहिए।

'राम मंदिर ट्रस्ट में संघ-विहिप के लोग होंगे'

● आरएसएस ने कहा कि तराशे गए पत्थर ट्रस्ट को सौंपे जाएंगे

एजेंसी। कानपुर

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के एक राष्ट्रीय पदाधिकारी और वरिष्ठ प्रचारक ने कहा है कि अयोध्या में राम जन्मभूमि मंदिर निर्माण के लिए सरकार द्वारा बनाए जाने वाले ट्रस्ट में राष्ट्रीय स्वंयसेवक संघ, विश्व हिंदू परिषद के लोग होंगे और अयोध्या के कारसेवक पुरम में मंदिर निर्माण के लिए तराशे गए पत्थर इस ट्रस्ट को सौंप दिए जाएंगे। उच्चतम न्यायालय ने राम जन्मभूमि-बाबरी मस्जिद विवाद पर फैसला देते हुए शनिवार को कहा कि केंद्र सरकार तीन महीने के अंदर राम मंदिर निर्माण के लिए ट्रस्ट का गठन करे और साथ ही सुन्नी वक्फ बोर्ड को मस्जिद बनाने के लिए किसी दूसरी जगह पर पांच एकड़ जमीन दी जाए। इस फैसले पर प्रतिक्रिया देते हुए आरएसएस के एक अखिल भारतीय पदाधिकारी ने पीटीआई-भाषा को बताया, अयोध्या में राम जन्मभूमि मंदिर निर्माण के लिए सरकार द्वारा बनाए जाने वाले ट्रस्ट में राष्ट्रीय स्वंयसेवक संघ और विश्व हिंदू परिषद के लोग होंगे। आरएसएस प्रचारक से यह पूछा गया था कि क्या राम मंदिर आंदोलन में संघ की भूमिका यहीं तक होगी। यह पदाधिकारी राम मंदिर आंदोलन के समय उत्तर प्रदेश में संघ के प्रचारक थे और आंदोलन में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका थी। अयोध्या के कारसेवक पुरम में मंदिर निर्माण के लिए तराशे जा रहे पत्थरों के बारे में उन्होंने कहा, "मंदिर बनाने के लिए जो पत्थर तराशे जा रहे हैं, उसे विश्व हिंदू परिषद के लोग मिलकर करा रहे हैं। ए पत्थर मंदिर निर्माण के लिए ही हैं। ट्रस्ट ही मंदिर बनाएगा और ए पत्थर हम उसे सौंप देंगे। इसीलिए तो इतने वर्षों से वहां काम चल रहा है। उन्होंने कहा, "हमलोग सहयोगी के नाते राम मंदिर बनाने में जो सहयोग कर सकते हैं, करेंगे। उन्होंने कहाकि राम मंदिर पुराना मुद्दा था, लेकिन 1984 के आसपास राम जन्मभूमि मुक्ति यज्ञ समिति की स्थापना के बाद इस मुद्दे पर जनजागरण का काम हुआ। इसमें अशोक सिंघल, रामचंद्र परमहंस दास, महंत अवेद्यनाथ और कांग्रेस के एक पुराने नेता दाऊ दयाल खन्ना शामिल थे। आरएसएस पदाधिकारी ने आगे बताया, "1992 के आंदोलन के समय मैं लखनऊ में था। लखनऊ में कर्फ्यू लगा था और सड़कों पर लाखों लोग उतर आए थे। इतने लोग तो अयोध्या नहीं जा सकते थे, तो ये कहा गया कि अयोध्या की ओर मुंह करके दस कदम चलें और राम नाम का जाप करें, इतना करने से ही कारसेवा मान ली जाएगी। उन्होंने बतायाकि इस मुद्दे को जन आंदोलन बनाने के लिए प्रत्एक गांव में राम शिला पूजन का कार्यक्रम किया गया और सवा रुपए दक्षिणा के साथ शिला को अयोध्या मंगवाया गया, अयोध्या से देश के प्रत्एक गांव में राम ज्योति भेजी गई और कहा गया कि इस ज्योति से ही दीवाली मनाएं। कुछ सरकारों ने इस ज्योति को ले जाने पर प्रतिबंध लगाया तो इसे बाल्टी में छिपाकर ले जाया गया।

अयोध्या के फैसले के बाद महाराष्ट्र सरकार के गठन में हो सकती है देरी

मुंबई। शिवसेना नेता संजय राउत ने शनिवार को संकेत दिया कि अयोध्या पर उच्चतम न्यायालय के फैसले के बाद महाराष्ट्र में सरकार बनने में देरी हो सकती है। उच्चतम न्यायालय की संविधान पीठ ने शनिवार को सर्वसम्मति के फैसले में अयोध्या में विवादित भूमि पर राम मंदिर के निर्माण का रास्ता साफ करते हुए केंद्र को निर्देश दिया कि सुन्नी वक्फ बोर्ड को मस्जिद निर्माण के लिए किसी वैकल्पिक लेकिन प्रमुख स्थान पर पांच एकड़ भूखंड आबंटित किया जाए। राउत ने ट्वीट किया, पहले मंदिर फिर सरकार, अयोध्या में मंदिर महाराष्ट्र में सरकार... जय श्रीराम। जब राउत से संपर्क किया गया तो उन्होंने पीटीआई-भाषा से कहा कि अगला दो दिन केवल अयोध्या के लिए है। सरकार पर कुछ नहीं। भाजपा और शिवसेना ने 288 सदस्ईय विधानसभा की 161 सीटों पर जीत दर्ज की है। लेकिन मुख्यमंत्री पद को लेकर खींतचान की वजह से अबतक सरकार का गठन नहीं हुआ है।

राम जन्मभूमि-बाबरी मस्जिद भूमि विवाद का घटनाक्रम

अयोध्या में राम जन्मभूमि-बाबरी मस्जिद भूमि विवाद में उच्चतम न्यायालय ने शनिवार को विवादित पूरी 2.77 एकड़ जमीन राम लला को दे दी। मामले का घटनाक्रम इस प्रकार है-

1528 : मुगल बादशाह बाबर के कमांडर मीर बाकी ने बाबरी मस्जिद का निर्माण कराया।

1885 : महंत रघुबीर दास ने फैजाबाद जिला अदालत में याचिका दायर कर विवादित ढांचे के बाहर शामियाना तानने की अनुमति मांगी। अदालत ने याचिका खारिज कर दी।

1949 : विवादित ढांचे के बाहर केंद्रीय गुंबद में रामलला की मूर्तियां स्थापित की गईं।

1950 : रामलला की मूर्तियों की पूजा का अधिकार हासिल करने के लिए गोपाल सिमला विशारद ने फैजाबाद जिला अदालत में याचिका दायर की।

1950: परमहंस रामचंद्र दास ने पूजा जारी रखने और मूर्तियां रखने के लिए याचिका दायर की।

1959 : निर्मोही अखाड़ा ने जमीन पर अधिकार दिए जाने के लिए याचिका दायर की।

1961 : उत्तर प्रदेश सुन्नी केंद्रीय वक्फ बोर्ड ने स्थल पर अधिकार के लिए याचिका दायर की।

एक फरवरी 1986 : स्थानीय अदालत ने सरकार को पूजा के लिए हिंदू श्रद्धालुओं के लिए स्थान खोलने का आदेश दिया।

14 अगस्त 1989 : इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने विवादित ढांचे के लिए यथास्थिति बनाए रखने का आदेश दिया।

छह दिसम्बर 1992 : रामजन्मभूमि - बाबरी मस्जिद ढांचे को ढहाया गया।

तीन अप्रैल 1993 : विवादित स्थल में जमीन अधिग्रहण के लिए केंद्र ने अयोध्या में निश्चित क्षेत्र अधिग्रहण कानून पारित किया। अधिनियम के विभिन्न पहलुओं को लेकर इलाहाबाद उच्च न्यायालय में कई रिट याचिकाएं दायर की गईं। इनमें इस्माइल फारूकी की याचिका भी शामिल। उच्चतम न्यायालय ने अनुच्छेद 139ए के तहत अपने अधिकारों का इस्तेमाल कर रिट याचिकाओं को स्थानांतरित कर दिया जो उच्च न्यायालय में लंबित थीं।

24 अक्टूबर 1994 : उच्चतम न्यायालय ने ऐतिहासिक इस्माइल फारूकी मामले में कहा कि मस्जिद इस्लाम से जुड़ी हुई नहीं है।

अप्रैल 2002 : उच्च न्यायालय में विवादित स्थल के मालिकाना हक को लेकर सुनवाई शुरू।

13 मार्च 2003 : उच्चतम न्यायालय ने असलम उर्फ भूरे मामले में कहा, अधिग्रहीत स्थल पर किसी भी तरह की धार्मिक गतिविधि की अनुमति नहीं है।

30 सितम्बर 2010 : उच्चतम न्यायालय ने 2 :। बहुमत से विवादित क्षेत्र को सुन्नी वक्फ बोर्ड, निर्मोही अखाड़ा और रामलला के बीच तीन हिस्सों में बांटने का आदेश दिया।

9 मई 2011 : उच्चतम न्यायालय ने अयोध्या जमीन विवाद में उच्च न्यायालय के फैसले पर रोक लगाई।

21 मार्च 2017 : सीजेआई जे एस खेहर ने संबंधित पक्षों के बीच अदालत के बाहर समाधान का सुझाव दिया। सात अगस्त : उच्चतम न्यायालय ने तीन सदस्ईय पीठ का गठन किया जो 1994 के इलाहाबाद उच्च न्यायालय के फैसले को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई करेगी।

आठ फरवरी 2018 : सिविल याचिकाओं पर उच्चतम न्यायालय ने सुनवाई शुरू की।

20 जुलाई : उच्चतम न्यायालय ने फैसला सुरक्षित रखा।

27 सितम्बर : उच्चतम न्यायालय ने मामले को पांच सदस्ईय संविधान पीठ के समक्ष भेजने से इंकार किया। मामले की सुनवाई 29 अक्टूबर को तीन सदस्ईय नई पीठ द्वारा किए जाने की बात कही।

29 अक्टूबर 2018: उच्चतम न्यायालय ने मामले की सुनवाई उचित पीठ के समक्ष जनवरी के पहले हफ्ते में तय की जो सुनवाई के समय पर निर्णय करेगी।

24 दिसंबर : उच्चतम न्यायालय ने सभी मामलों पर चार जनवरी 2019 को सुनवाई करने का फैसला किया।

चार जनवरी 2019 : उच्चतम न्यायालय ने कहा कि मालिकाना हक मामले में सुनवाई की तारीख तय करने के लिए उसके द्वारा गठित उपयुक्त पीठ दस जनवरी को फैसला सुनाएगी।

आठ जनवरी : उच्चतम न्यायालय ने मामले की सुनवाई के लिए पांच न्यायाधीशों की संविधान पीठ का गठन किया जिसकी अध्यक्षता प्रधान न्यायाधीश रंजन गोगोई करेंगे और इसमें न्यायमूर्ति एस ए बोबडे, न्यायमूर्ति एन वी रमन्ना, न्यायमूर्ति यू यू ललित और न्यायमूर्ति डी वाई चंद्रचूड़ शामिल होंगे।

10 जनवरी : न्यायमूर्ति यू यू ललित ने मामले से खुद को अलग किया जिसके बाद उच्चतम न्यायालय ने मामले की सुनवाई 29 जनवरी को नई पीठ के समक्ष तय की।

25 जनवरी: उच्चतम न्यायालय ने मामले की सुनवाई के लिए पांच सदस्ईय संविधान पीठ का पुनर्गठन किया। नई पीठ में प्रधान न्यायाधीश रंजन गोगोई, न्यायमूर्ति एस ए बोबडे, न्यायमूर्ति डी वाई चंद्रचूड़, न्यायमूर्ति अशोक भूषण और न्यायमूर्ति एस ए नजीर शामिल थे।

29 जनवरी : केंद्र ने विवादित स्थल के आसपास 67 एकड़ अधिग्रहीत भूमि मूल मालिकों को लौटाने की अनुमति मांगने के लिए उच्चतम न्यायालय का रुख किया।

26 फरवरी: उच्चतम न्यायालय ने मध्यस्थता का सुझाव दिया और फैसले के लिए पांच मार्च की तारीख तय की जिसमें मामले को अदालत की तरफ से नियुक्त मध्यस्थ के पास भेजा जाए अथवा नहीं इस पर फैसला लिया जाएगा।

आठ मार्च : उच्चतम न्यायालय ने मध्यस्थता के लिए विवाद को एक समिति के पास भेज दिया जिसके अध्यक्ष उच्चतम न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश एफ एम आई कलीफुल्ला बनाए गए।

नौ अप्रैल: निर्मोही अखाड़े ने अयोध्या स्थल के आसपास की अधिग्रहीत जमीन को मालिकों को लौटाने की केन्द्र की याचिका का उच्चतम न्यायालय में विरोध किया।

10 मई: मध्यस्थता प्रक्रिया को पूरा करने के लिए उच्चतम न्यायालय ने 15 अगस्त तक समय बढ़ाई।

11 जुलाई: उच्चतम न्यायालय ने मध्यस्थता की प्रगति पर रिपोर्ट मांगी।

18 जुलाई: उच्चतम न्यायालय ने मध्यस्थता प्रक्रिया को जारी रखने की अनुमति देते हुए एक अगस्त तक परिणाम रिपोर्ट देने के लिए कहा।

एक अगस्त: मध्यस्थता की रिपोर्ट सीलबंद लिफाफे में अदालत को दी गई।

दो अगस्त : उच्चतम न्यायालय ने मध्यस्थता नाकाम होने पर छह अगस्त से रोजाना सुनवाई का फैसला किया।

छह अगस्त: उच्चतम न्यायालय ने रोजाना के आधार पर भूमि विवाद पर सुनवाई शुरू की।

चार अक्टूबर: अदालत ने कहा कि 17 अक्टूबर तक सुनवाई पूरी कर 17 नवंबर तक फैसला सुनाया जाएगा। उच्चतम न्यायालय ने उत्तर प्रदेश सरकार को राज्य वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष को सुरक्षा प्रदान करने के लिए कहा।

16 अक्टूबर: उच्चतम न्यायालय ने सुनवाई पूरी कर फैसला सुरक्षित रखा।

नौ नवंबर : उच्चतम न्यायालय ने अयोध्या में पूरी 2.77 एकड़ विवादित जमीन राम लला को दी, जमीन का कब्जा केंद्र सरकार के रिसीवर के पास रहेगा। उच्चतम न्यायालय ने केंद्र और उत्तर प्रदेश सरकार को मुस्लिमों को मस्जिद बनाने के लिए एक मुनासिब स्थान पर पांच एकड़ भूमि आवंटित करने का भी निर्देश दिया।

मारे गए कारसेवकों के परिजनों ने कहा

फैसला हमारे लिए दिवाली और होली जैसा

एजेंसी। कोलकाता

रामजन्मभूमि स्थल पर 29 साल पहले पुलिस गोलीबारी में मारे गए कारसेवकों के परिजनों ने अयोध्या मामले पर उच्चतम न्यायालय के फैसले का शनिवार को स्वागत किया और कहा कि यह फैसला उनके लिए दिवाली एवं होली जैसा है। राम कोठारी (22) और शरद कोठारी (20) उत्तर प्रदेश के अयोध्या में रामजन्मभूमि स्थल पर 1990 में कारसेवा के दौरान की गई पुलिस गोलीबारी में मारे गए थे। कोठारी बंधुओं की बड़ी बहन पूर्णिमा ने यहां कहा, हमारा पूरा परिवार बहुत खुश है। हमने न्याय के लिए 29 साल तक इंतजार किया। राममंदिर के लिए संघर्ष करते हुए मरे मेरे भाइयों की आत्मा को अब शांति मिलेगी। यह हम सभी के लिए दूसरी दिवाली और होली जैसा है। पूर्णिमा ने बताया कि कोठारी बंधु मध्य कोलकाता के बड़ा बाजार में अपने घर के पास राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की शाखा में नियमित रूप से जाते थे। वे विश्व हिंदू परिषद के कारसेवा के आह्वान पर अयोध्या गए थे। उस वक्त पुलिस गोलीबारी में कोठारी बंधुओं समेत कई लोग मारे गए थे। पूर्णिमा ने कहा, जब कभी उस पवित्र स्थल पर राममंदिर का निर्माण प्रारंभ होगा, हम अपनी जान कुर्बान कर देने वाले अपने भाइयों और बाकी कारसेवकों को श्रद्धांजलि देने के लिए अयोध्या जाएंगे। उच्चतम न्यायालय ने अयोध्या में विवादित स्थल पर राममंदिर के निर्माण का मार्ग प्रशस्त कर दिया है और केंद्र को सुन्नी वक्फ बोर्ड को मस्जिद बनाने के लिए पांच एकड़ की जमीन आवंटित करने का निर्देश दिया है।

निर्णय से खुश हैं कार सेवक

भोपाल। अयोध्या मामले में उच्चतम न्यायालय के फैसले से मध्यप्रदेश के कारसेवक खुश हैं। उन्होंने कहा कि राम के जन्म स्थान पर भव्य राम मंदिर देखने की उनकी इच्छा अब इस जीवन में ही पूरी हो जाएगी। मंदसौर के रहने वाले आशुतोष नवाल (48) ने बताया कि रामजन्म भूमि मंदिर आंदोलन जब अपने चरम पर था तब वह दो दफा 1990 और 1992 में अयोध्या गए थे। नवाल ने फैसले का स्वागत करते हुए बताया, उस वक्त मुझे अयोध्या में सरयू नदी के पुल तक पहुंचने के लिए लगभग 200 किलोमीटर पैदल चलना पड़ा था। वरिष्ठ अधिवक्ता प्रफुल्ल यजुर्वेदी (56) ने मंदसौर की अदालत में लोगों को मिठाई बांटी। यजुर्वेदी ने 1992 के दिनों को याद करते हुए कहा कि अयोध्या पहुंचने से पहले हमें पुलिस ने पकड़ लिया और एक स्टेडियम में बंद कर दिया। बाद में हमें एक गांव में छोड़ दिया गया जहां से हमें लखनऊ पहुंचने के लिए 20-25 किलोमीटर पैदल चलना पड़ा। एक अन्य भाजपा नेता सुनील बंसल (55) ने बताया कि 1992 में विवादित ढांचे तक वह पहुंचे जिसे बाद में कारसेवकों ने ध्वस्त कर दिया। उन्होंने कहा, मैं मंदसौर से 30-40 कारसेवकों के समूह के साथ वहां गया था। छतरपुर के संजय बिसारिया (56) ने बताया कि छह दिसंबर 1992 को अपनी जान बचाने के लिए उन्हें दौड़ लगानी पड़ी थी क्योंकि वह सशस्त्र बलों के जवानों के सामने पड़ गए थे। बिसारिया ने कहा कि उच्चतम न्यायालय के आज के फैसले से अब हमारा सपना पूरा हो जाएगा। उन्होंने कहा कि 1990 में हम कड़ी सुरक्षा के कारण अयोध्या पहुचने में विफल रहे और तब हमें उत्तर प्रदेश पुलिस ने पकड़ कर एक कॉलेज में बंद कर दिया लेकिन 1992 में हम अयोध्या पहुंचने में कामयाब रहे। रामजन्म भूमि आंदोलन के समय कारसेवा में शामिल हुए 66 वर्षीय अशोक पुरोहित ने कहा कि उन्हें खुशी है कि अब वह इस जीवन में ही भव्य राम मंदिर देख सकेंगे। 1992 में राम जन्मभूमि आंदोलन के दौरान पुरोहित भी कारसेवा में शामिल हुए थे। उन्होंने पीटीआई-भाषा से कहा, मैं उस समय अयोध्या गया था और अंदर से विवादित ढांचा देखा था। यह मंदिर की तरह दिखता था। आज सर्वोच्च न्यायालय के फैसले ने भी यह साबित कर दिया कि यह मंदिर है।

नामी-गिरामी वकीलों ने फैसले को संतुलित बताया

एजेंसी। मुंबई

नामी-गिरामी वकीलों ने शनिवार को यहां कहा कि उच्चतम न्यायालय ने अयोध्या मामले में अपने फैसले में संतुलन कायम रखने की कोशिश की। फौजदारी मामलों के चर्चित वकील अमित देसाई ने कहा कि उच्चतम न्यायालय ने ठोस न्याय दिया है। उन्होंने कहा कि प्रमाणों की अलग-अलग व्याख्या की जा सकती है, लेकिन इस तरह के मामले में साक्ष्यों के आकलन में शीर्ष न्यायालय ने व्यापक जनहित में इस पर विचार किया और ठोस न्याय दिया है। वकील सतीश मानशिंदे ने कहा, मंदिर की मौजूदगी के संबंध में मान्यता के लिए भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण द्वारा रखे गए ऐतिहासिक प्रमाणों को आधार के तौर पर लिया। अदालत ने इस तथ्य को भी माना कि विवादित जमीन के भीतरी हिस्से का उपयोग मुस्लिम नमाज अदा करने के लिए करते थे। वर्ष 1993 के मुंबई विस्फोट मामले में अभिनेता संजय दत्त की तरफ से पेश हो चुके मानशिंदे ने कहा कि शीर्ष न्यायालय ने यह भी कहा कि बाबरी मस्जिद को ढहाया जाना अवैध था। यह संदेश दिया गया कि कानून का शासन कायम रहना चाहिए। मुंबई के विस्फोट मामले में विशेष लोक अभियोजक रहे उज्जवल निकम ने कहा कि यह ऐतिहासिक फैसला है। शीर्ष न्यायालय ने किसी परंपरा या आस्था पर भरोसा नहीं किया बल्कि ठोस प्रमाण और सबूतों के आधार पर फैसला सुनाया और सभी समुदायों के हितों में संतुलन लाने की कोशिश की। विस्फोट मामलों में कुछ आरोपियों की तरफ से पेश हुए वकील माजिद मेमन ने कहा कि फैसले की एक सबसे बड़ी उपलब्धि है कि अब कोई भी मुद्दे का राजनीतिकरण नहीं कर पाएगा।

अयोध्या मसले पर ऐतिहासिक फैसले देने वाली संवैधानिक पीठ के पांच न्यायाधीश क्रमशः मध्य में सीजेआई रंजन गोगोई, बाएं से जस्टिस अशोक भूषण, जस्टिस शरद अरविंद बोबडे, जस्टिस धनंजय वाई चंद्रचूड़ व जस्टिस एस. अब्दुल नजीर

फैसला हमारी उम्मीद के मुताबिक नहीं, लेकिन हम निर्णय को मानते हैं: जमीयत प्रमुख

नई दिल्ली। देश के प्रमुख मुस्लिम संगठन जमीयत उलेमा-ए-हिंद के प्रमुख मौलाना अरशद मदनी ने शनिवार को अयोध्या मामले पर आया उच्चतम न्यायालय का फैसला उसकी उम्मीदों के मुताबिक नहीं है, लेकिन वह इस निर्णय को मानता है क्योंकि यह अदालत सर्वोच्च है। मौलाना मदनी ने एक बयान में यह भी कहा कि इस फैसले को हार-जीत के नजरिए से नहीं देखना चाहिए और सभी को अमन एचं भाईचारे का माहौल बनाए रखने में मदद करनी चाहिए। उन्होंने कहा, यह निर्णय हमारी अपेक्षा के अनुरूप नहीं है परन्तु हम इसे मानते हैं क्योंकि उच्चतम न्यायालय सर्वोच्च संस्था हैं। उन्होंने यह भी कहा, देश के संविधान ने हमें जो शक्तियां दी हैं उस पर निर्भर करते हुए जमीयत उलेमा-ए-हिन्द ने आखिरी हद तक न्याय के लिए लड़ाई लड़ी। देश के सुप्रसिद्ध अधिवक्ताओं की सेवाएं लीं, अपने पक्ष में तमाम सबूत इकट्ठा किए गए और अदालत के सामने रखे। मदनी ने कहा, मतलब यह कि अपने दावे को शक्ति प्रदान करने हेतु हम जो कर सकते थे वो किया और हम इसी बुनियाद पर आशावान थे कि निर्णय हमारे पक्ष में आएगा। इस बीच, संगठन के सूत्रों का कहना है कि अयोध्या मामले में बाबरी मस्जिद के पक्ष की पैरवी करने वाला जमीयत अब पुनर्विचार याचिका दायर नहीं करेगा। गौरतलब है कि उच्चतम न्यायालय ने शनिवार को सर्वसम्मति के फैसले में अयोध्या में विवादित स्थल पर राम मंदिर के निर्माण का मार्ग प्रशस्त कर दिया और केन्द्र को निर्देश दिया कि नई मस्जिद के निर्माण के लिए सुन्नी वक्फ बोर्ड को प्रमुख स्थान पर पांच एकड़ का भूखंड आवंटित किया जाए।

नरसिंह रावः आधुनिक भारत के शिल्पकार या वह प्रधानमंत्री जिनके कार्यकाल में बाबरी मस्जिद गिरी

एजेंसी। नई दिल्ली

इतिहास भले ही उन्हें देश को उदारीकरण की राह पर ले जाने वाले प्रधानमंत्री के रूप में याद रखे लेकिन पी वी नरसिंहराव को ऐसे भी नेता के रूप में जाना जाएगा जिनके कार्यकाल में बाबरी मस्जिद ढही जिससे देश में धर्मनिरपेक्षता की नींव हिल गई। छह दिसंबर 1992 को जब अयोध्या में बाबरी मस्जिद गिराई गई तब नरसिंहराव देश के प्रधानमंत्री थे। क्या वह इस घटना को रोक सकते थे। पिछले 30 साल से यह बहस का विषय है और इसका उत्तर आज तक नहीं मिल सका है। अयोध्या मसले पर उच्चतम न्यायालय का फैसला आने के बाद एक बार फिर वह राजनेता सुर्खियों में हैं जिसने इस मुद्दे को भुनाकर चुनावी राजनीति में भाजपा की जीत की नींव रखी। इनमें भाजपा के लालकृष्ण आडवाणी, उमा भारती और मुरली मनोहर जोशी शामिल हैं। इस श्रेणी में बतौर प्रधानमंत्री पांच साल का कार्यकाल पूरा करने वाले पहले गैर गांधी कांग्रेसी नरसिंहराव भी शामिल हैं। पंद्रह बरस पहले इस दुनिया को अलविदा कह चुके राव पर कई हलकों से आरोप लगाए गए कि उन्होंने इस आंदोलन को रोकने के लिए कोई कार्वाई नहीं की। उनके प्रधानमंत्री रहते कई ऐतिहासिक फैसले लिए गए लेकिन बाबरी मस्जिद विध्वंस ने उनके कार्यकाल पर दाग लगा दिया।

उस समय गृह सचिव रहे माधव गोडबोले के अनुसार गृह मंत्रालय ने संविधान का अनुच्छेह 356 हटाकर ढांचे को कब्जे में लेने के लिए व्यापक आपात योजना बनाई थी।गोडबोले ने अपनी किताब द बाबरी मस्जिद . राम मंदिर डायलेमा : एन एसिड टेस्ट फोर इंडियाज कंस्टीट्यूशन में लिखा है कि राव को लगा कि आपात योजना काम नहीं करेगी और उन्होंने इसे खारिज कर दिया। पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह और पूर्व राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी ने इस साल की शुरूआत में एक कार्यक्रम में कहा था कि उन्हें उम्मीद है कि इतिहास राव का आकलन उससे बेहतर तरीके से करेगा, जैसे कि आज तक किया जाता रहा है। राव के प्रधानमंत्री रहते ही तत्कालीन वित्त मंत्री मनमोहन सिंह ने 1991 में आर्थिक उदारीकरण की शुरूआत की थी। सिंह ने हाल ही में एक कार्यक्रम में कहा था , मेरा मानना है कि नरसिंहराव जी देश के महान सपूत थे। इतिहास उनका आकलन अधिक उदारता से करेगा। मुझे यकीन है कि इतिहास आधुनिक भारत के निर्माण में उनके अपार योगदान का उल्लेख करेगा।

बालीवुड हस्तियों ने की अमन और सद्भाव बनाए रखने की अपील

एजेंसी। नई दिल्ली

बालीवुड के कलाकारों ने अयोध्या मामले पर उच्चतम न्यायालय के फैसले का स्वागत करते हुए देशवासियों से अमन और सद्भाव बनाए रखने की अपील की है। वहीं, खेल जगत की हस्तियों ने भी सुप्रीम कोर्ट के फैसले को सराहा। उच्चतम न्यायालय ने शनिवार को एकमत से अयोध्या में विवादित स्थल राम जन्मभूमि पर मंदिर के निर्माण का मार्ग प्रशस्त करते हुए केन्द्र सरकार को निर्देश दिया कि सुन्नी वक्फ बोर्ड को मस्जिद के निर्माण के लिए पांच एकड़ भूमि आवंटित की जाए। पिंक फेम अभिनेत्री तापसी पन्नू ने ट्वीट किया , उच्चतम न्यायालय जिंदाबाद। अब जो जरूरी है, वह किया जाए। अब उन मसलों पर काम किया जाए जिससे हमारे देश को रहने के लिए सर्वश्रेष्ठ स्थान बनाने में मदद मिले। वहीं राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त निर्देशक मधुर भंडारकर ने ट्वीट किया, उच्चतम न्यायालय द्वारा अयोध्या मामले पर न्यायोचित फैसले का स्वागत। आखिरकार बरसों से लंबित मसला सुलझ गया। रंग दे बसंती फेम अभिनेता कुणाल कपूर ने लिखा , अब अमन और सद्भाव बनाने का समय है। एक दूसरे के प्रति संवेदनशील रहें और एकजुट भारत का निर्माण करें। वहीं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर बनी बायोपिक में शीर्ष भूमिका निभाने वाले अभिनेता विवेक ओबेराय ने कहा , राष्ट्रपिता से बेहतर यह बात कौन कह सकता था। शांति बनाए रखकर और हमेशा एकजुट रहकर महात्मा का सम्मान करें। अभिनेता अनुपम खेर ने ट्वीट किया , ईश्वर अल्लाह तेरो नाम, सबको सन्मति दे भगवान। अभिनेता और निर्देशक फरहान अख्तर ने ट्विटर पर लिखा , सभी संबंधित पक्षों से विनम्र अनुरोध है कि अयोध्या मामले पर उच्चतम न्यायालय के फैसले का सम्मान करें। यह आपके खिलाफ हो या पक्ष में , इसे गरिमा के साथ स्वीकार करे। हमें एकजुट होकर यहां से आगे बढना है। जय हिंद। अभिनेत्री काजल अग्रवाल ने हरिवंशराय बच्चन की कविता मधुशाला की पंक्तियां लिखी , बैर बढाते मंदिर मस्जिद, मेल कराती मधुशाला। भारत के विस्फोटक सलामी बल्लेबाज रहे वीरेंद्र सहवाग ने भगवान राम की तस्वीर ट्वीट करके लिखा , श्रीराम जय राम , जय जय राम।

सभी पक्ष सौहार्द कायम रखें: वामदल

एजेंसी। नई दिल्ली

वामदलों ने शनिवार को अयोध्या मामले में उच्चतम न्यायालय के फैसले से वर्षों पुराने विवाद का अंत होने का हवाला देते हुए सभी पक्षों से इसे स्वीकार कर देश में अमन चैन कायम रखने की अपील की है। न्यायालय का फैसला सुनाए जाने के बाद माकपा पोलित ब्यूरो द्वारा जारी बयान में कहा गया है कि देश में वर्षों से चल रहे इस विवाद का सर्वोच्च अदालत के निर्णायक फैसले से अंत हुआ है। पोलित ब्यूरो ने कहा कि अदालत ने अयोध्या में हिंदू पक्ष को एक ट्रस्ट के माध्यम से मंदिर निर्माण के लिए विवादित 2.77 एकड़ जमीन दी है, साथ ही सुन्नी वक्फ बोर्ड को मस्जिद के निर्माण के लिए पांच एकड़ जमीन दिए जाने का फैसला दिया है। पार्टी ने कहा कि उच्चतम न्यायालय के पांच न्यायाधीशों की पीठ ने इस विवाद को खत्म करने की स्वागतयोग्य पहल की है ताकि इस मामले को ढाल बनाकर व्यापक पैमाने पर हिंसा फैलाने वाली ताकतें जनधन की हानि न कर सकें। पोलित ब्यूरो ने कहा कि माकपा का शुरू से ही मानना रहा है कि इस विवाद का सर्वमान्य हल सभी पक्षों के बीच आपसी सहमति से नहीं हो पाने की स्थिति में न्यायिक प्रक्रिया से ही निकाला जाना चाहिए। पार्टी ने कहा कि अदालत के फैसले में भी बाबरी मस्जिद को 1992 में ढहाए जाने को कानून का उल्लंघन बताया है। पार्टी ने कहा कि मस्जिद गिराने के मामले का भी फैसला जल्द सुनाया जाना चाहिए जिससे कानून तोड़ने वाले दोषियों को सजा मिल सके। पोलित ब्यूरो ने सभी पक्षों से इस फैसले के परिप्रेक्ष्य में ऐसा कोई भड़काऊकाम नहीं करने की अपील की है जिससे देश में सांप्रदायिक सौहार्द प्रभावित हो। इस मामले में भाकपा के राष्ट्रीय सचिवालय द्वारा जारी बयान में कहा गया है कि देश में विवादों के निपटारा करने वाली संवैधानिक संस्था के रूप में उच्चतम न्यायालय ने सालों से चले आ रहे विवाद में बहुप्रतीक्षित फैसला सुना दिया है। इससे इस मामले में दशकों से चल रही कानूनी लड़ाई का अंत हुआ। भाकपा ने कहा, सर्वोच्च अदालत के अपने फैसले में सभी आस्थाओं को समान बताते हुए सभी पक्षों के लिए संतोषप्रद फैसला सुनाया है। इसे सभी पक्षों द्वारा नैतिक मूल्यों, न्याय और सांप्रदायिक सौहार्द के व्यापक फलक पर उदार मन से स्वीकार किया जाना चाहिए। पार्टी ने कहा कि किसी भी पक्ष को यह फैसला हार जीत के रूप में नहीं देखना चाहिए और ना ही मौजूदा स्थिति में किसी प्रकार की भड़काऊ गतिविधियों को बढ़ावा देना चाहिए। भाकपा के राष्ट्रीय सचिव अतुल कुमार अंजान ने अदालत के फैसले पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा, अदालत का फैसला सभी पक्षों के लिए स्वीकार्य होना चाहिए। समाज के सभी वर्गों की जिम्मेदारी है कि वे शांति और सौहार्द बनाए रखें।

मोदी ने जनता को समर्पित किया करतारपुर गलियारा

● भारत की भावनाएं समझने के लिए प्रधानमंत्री ने इमरान खान का आभार व्यक्त किया

एजेंसी। डेरा बाबा नानक (पंजाब)

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने करतारपुर साहिब गलियारे के विषय में भारत की भावनाएं समझने, उन्हें सम्मान देने के लिए शनिवार को पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि इस पवित्र धरती पर आकर वह धन्य महसूस कर रहे हैं। करतारपुर गलियारा भारत के पंजाब में डेरा बाबा नानक गुरुद्वारे को पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में नरोवाल जिले के करतारपुर स्थित गुरुद्वारा दरबार साहिब से जोड़ता है। मोदी ने डेरा बाबा नानक गुरुद्वारे से करीब आठ किमी दूर बीएसएफ के शिविर में सभा को संबोधित किया। उन्होंने कहा, मैं पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान नियाजी को धन्यवाद देता हूं। उन्होंने करतारपुर गलियारे के विषय में भारत की भावनाओं को समझा, सम्मान दिया और उसी भावना के अनुरूप कार्य किया।

प्रधानमंत्री ने कहा, मैं पाकिस्तान के श्रमिक साथियों का भी आभार व्यक्त करता हूं जिन्होंने इतनी तेजी से अपनी तरफ के गलियारे को पूरा करने में मदद की। मोदी ने आज गलियारे का उद्घाटन किया और पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में स्थित गुरुद्वारा दरबार साहिब जाने वाले 500 से अधिक भारतीय तीर्थयात्रियों के पहले जत्थे को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। मोदी ने कहा कि यह उनका सौभाग्य है कि वह यह गलियारा देश को समर्पित कर रहे हैं। उन्होंने कहा, आज इस पवित्र धरती पर आकर मैं धन्य महसूस कर रहा हूं। जैसी अनुभूति आप सभी को कारसेवा के समय होती है, अभी इस पल मुझे भी वही भाव अनुभव हो रहा है। उन्होंने सभा में मौजूद सभी लोगों को, देश को और दुनियाभर में बसे सिख लोगों को इस मौके पर बधाई दी। प्रधानमंत्री ने शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक समिति (एसजीपीसी) द्वारा उन्हें दिया गया कौमी सेवा पुरस्कार गुरु नानक देव को समर्पित किया। प्रधानमंत्री ने कहा कि 12 नवंबर को गुरु नानक देव के 550वें प्रकाश पर्व से पहले करतारपुर गलियारा और एकीकृत जांच चौकी का आरंभ होना हम सभी के लिए दोहरी खुशी लेकर आया है। उन्होंने कहा, करतारपुर गलियारे के खुलने से दरबार साहिब गुरुद्वारे में दर्शन करना आसान हो जाएगा। मैं पंजाब सरकार, शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक समिति और इस गलियारे को तय समय में बनाने वाले हर श्रमिक साथी का बहुत-बहुत आभार व्यक्त करता हूं। मोदी ने कहा कि गुरु नानक देव सिर्फ सिख पंथ और भारत की ही धरोहर नहीं बल्कि पूरी मानवता के लिए प्रेरणा पुंज हैं। उन्होंने कहा कि गुरु नानक देव एक गुरु होने के साथ-साथ एक विचार हैं, जीवन का आधार हैं।

उन्होंने इस मौके पर पर्यावरण और मादक पदार्थों के मुद्दे को भी छुआ। उन्होंने कहा, पर्यावरण के प्रति हम गैर जिम्मेदार हो गए हैं। इस मौके पर पंजाब के राज्यपाल वी पी सिंह बदनौर, मुख्यमंत्री अमरिंदर सिंह, पूर्व मुख्यमंत्री प्रकाश सिंह बादल, पूर्व उप मुख्यमंत्री सुखबीर सिंह बादल, केंद्रीय मंत्री हरसिमरत कौर बादल तथा एसजीपीसी के प्रमुख गोविंद सिंह लोंगोवाल मौजूद थे।

बाबरी मस्जिद के नीचे मिली संरचना 12वीं सदी के हिन्दू धार्मिक मूल की थी: न्यायालय

एजेंसी। नई दिल्ली

उच्चतम न्यायालय ने शनिवार को अपने फैसले में स्पष्ट रूप से यह कहा कि अयोध्या में विवादित राम जन्मभूमि-बाबरी मस्जिद स्थल के नीचे एएसआई की खुदाई से संकेत मिलता है कि अंदर जो संरचना थी वह 12वीं सदी की हिन्दू धार्मिक मूल की थी। भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) को इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने 23 अक्टूबर, 2002 को खुदाई और विवादित स्थल पर वैज्ञानिक जांच का काम सौंपा था। प्रधान न्यायाधीश न्यायमूर्ति रंजन गोगोई के नेतृत्व में पांच सदस्ईय संविधान पीठ ने आम सहमति से अयोध्या मामले पर फैसला सुनाया और राम मंदिर के निर्माण का रास्ता साफ कर दिया। पीठ ने कहा कि बहुस्तरीय खुदाई के दौरान एक गोलाकार संरचना सामने आई जिसमें मकर प्रणाला था, जिससे संकेत मिलता है कि आठवीं से दसवीं सदी के बीच हिन्दू वहां पूजा-पाठ करते थे। संविधान पीठ के अन्य सदस्यों में न्यायमूर्ति एस ए बोबडे, न्यायमूर्ति धनन्जय वाई चन्द्रचूड, न्यायमूर्ति अशोक भूषण और न्यायमूर्ति एस अब्दुल नजीर शामिल हैं। पीठ ने कहा, अधिसंभाव्यता की प्रबलता के आधार पर अंदर पाई गई संरचना की प्रकृति इसके हिंदू धार्मिक मूल का होने का संकेत देती है जो 12 वीं सदी की है। पीठ ने कहा कि एएसआई की खुदाई से यह भी पता चला कि विवादित मस्जिद पहले से मौजूद किसी संरचना पर बनी है। शीर्ष अदालत ने कहा, मस्जिद का निर्माण कुछ इस तरह से हुआ कि पहले से मौजूद ढांचे की दीवारों का इस्तेमाल कर स्वंतत्र नींव बनाने से बचा गया। उसने कहा कि एएसआई की अंतिम रिपोर्ट बताती है कि खुदाई के क्षेत्र से मिले साक्ष्य दर्शाते हैं कि वहां अलग-अलग स्तरों पर अलग-अलग सभ्यताएं रही हैं जो ईसा पूर्व दो सदी पहले उत्तरी काले चमकीले मृदभांड तक जाती है। न्यायालय ने कहा, एएसआई की खुदाई ने पहले से मौजूद 12वीं सदी की संरचना की मौजूदगी की पुष्टि की है।

हजेला के स्थान पर हितेश देव शर्मा बने असम के एनआरसी समन्वयक

गुवाहाटी। असम सिविल सेवा अधिकारी हितेश देव शर्मा को शनिवार को राष्ट्रीय नागरिक पंजी (एनआरसी) का राज्य समन्वयक नियुक्त किया गया। उन्हें प्रतीक हजेला के स्थान पर यह दायित्व सौंपा गया है। हजेला ने उच्चतम न्यायालय की निगरानी में 31 अगस्त को एनआरसी का अंतिम संस्करण प्रकाशित किया था। एक आधिकारिक आदेश में कहा गया कि देव शर्मा को गृह एवं राजनैतिक विभाग का सचिव, एनआरसी का राज्य समन्वयक और एनआरसी निदेशालय का प्रभारी बनाया गया है। गौरतलब है कि अद्यतन एनआरसी हजेला के कार्यकाल में प्रकाशित की गई थी जिसमें 19 लाख व्यक्तियों के नाम नहीं थे। अब देव शर्मा के पास बड़ी चुनौती है क्योंकि जिनका नाम एनआरसी में नहीं है उनके पास 120 दिन के भीतर इसके खिलाफ विदेशी न्यायाधिकरण में जाने का विकल्प है। अधिकरण के फैसले से संतुष्ट नहीं होने पर वे उच्च और उच्चतम न्यायालय में जा सकते हैं।

राम जन्मभूमि के दर्शन के लिए गुरु नानक देव की अयोध्या यात्रा हिंदू आस्था का पुख्ता प्रमाण: न्यायालय

एजेंसी। नई दिल्ली

अयोध्या पर ऐतिहासिक फैसले में उच्चतम न्यायालय ने शनिवार को कहा कि भगवान राम की जन्मभूमि के दर्शन के लिए सन 1510-11 में सिख धर्म के संस्थापक गुरु नानक देव ने अयोध्या की यात्रा की थी, जो हिंदुओं की आस्था और विश्वास को और दृढ़ करता है कि यह स्थल भगवान राम का जन्मस्थान है। फिलहाल गुरु नानक देव के 550 वें प्रकाशवर्ष पर समारोह आयोजित किए जा रहे हैं। शीर्ष अदालत ने कहा कि रिकॉर्ड पर लाए गए जनम साखी में गुरु नानक देवजी की अयोध्या की यात्रा का वर्णन है, जहां उन्होंने भगवान राम के जन्मस्थान का दर्शन किया था। उच्चतम न्यायालय ने शनिवार को ऐतिहासिक फैसले में एक सदी से अधिक पुराने मामले का पटाक्षेप करते हुए अयोध्या में विवादित स्थल पर राम मंदिर निर्माण का मार्ग प्रशस्त कर दिया और साथ में व्यवस्था दी कि पवित्र नगरी में मस्जिद के लिए पांच एकड़ जमीन आवंटित की जाए।

प्रधान न्यायाधीश रंजन गोगोई के नेतृत्व वाली पांच सदस्ईय संविधान पीठ ने बिना किसी का नाम लेते हुए कहा कि पांच न्यायाधीशों में से एक ने इसके समर्थन में एक अलग से सबूत रिकॉर्ड किया कि विवादित ढांचा हिंदू भक्तों की आस्था और विश्वास के अनुसार भगवान राम का जन्म स्थान है। संबंधित न्यायाधीश ने अलग से रखे गए सबूतों में कहा कि राम जन्मभूमि की सही जगह की पहचान करने के लिए कोई सामग्री नहीं है, लेकिन राम की जन्मभूमि के दर्शन के लिए गुरु नानक देवजी की अयोध्या यात्रा एक ऐसी घटना है, जिससे पता चलता है कि 1528 ईसवी से पहले भी तीर्थयात्री वहां जा रहे थे। शीर्ष अदालत में कहा गया था कि बाबरी मस्जिद का निर्माण मुगल सम्राट बाबर ने 1528 में करवाया था। न्यायाधीश ने कहा, 1510-11 में गुरु नानक देवजी की अयोध्या यात्रा और भगवान राम की जन्मभूमि का दर्शन करना हिंदुओं की आस्था और विश्वास को और दृढ़ करता है। उन्होंने कहा कि इसलिए, यह माना जा सकता है कि भगवान राम के जन्मस्थान के संबंध में हिंदुओं की जो आस्था और विश्वास वाल्मीकि रामायण और स्कंद पुराण सहित धर्मग्रंथों और पवित्र धार्मिक पुस्तकों से जुड़े हैं, उन्हें आधारहीन नहीं ठहराया जा सकता। न्यायाधीश ने कहा, इस प्रकार, यह पाया गया है कि 1528 ई. से पहले की अवधि में लिखे गए पर्याप्त ऐसे धार्मिक ग्रंथ हैं, जो राम जन्मभूमि के वर्तमान स्थल को भगवान राम के जन्मस्थान के रूप में मानते हैं, जिससे हिंदुओं की आस्था को मान्यता मिलती है। न्यायालय ने अपने फैसले में कहा कि विवादित 2.77 एकड़ जमीन अब केंद्र सरकार के रिसीवर के पास रहेगी, जो इसे सरकार द्वारा बनाए जाने वाले ट्रस्ट को सौंपेंगे। पीठ ने केंद्र सरकार से कहा कि मंदिर निर्माण के लिए तीन महीने के भीतर एक ट्रस्ट बनाया जाना चाहिए। प्रधान न्यायाधीश रंजन गोगोई की अध्यक्षता वाली पांच सदस्ईय संविधान पीठ ने सर्वसम्मत फैसला दिया और कहा कि हिन्दुओं का यह विश्वास निर्विवाद है कि संबंधित स्थल पर ही भगवान राम का जन्म हुआ था तथा वह प्रतीकात्मक रूप से भूमि के मालिक हैं।

गलत कृत्यों को ठीक किया जाना चाहिए

एजेंसी। नई दिल्ली

उच्चतम न्यायालय ने शनिवार को फैसला दिया कि अयोध्या में मस्जिद बनाने के लिए मुस्लिम पक्ष को पांच एकड़ वैकल्पिक जमीन आवंटित की जाएगी और कहा कि उनके धार्मिक स्थल को गैर कानूनी तरीके से तोड़े जाने के बदले उन्हें जमीन दिया जाना आवश्यक है। अयोध्या में विवादित स्थल पर राम मंदिर का रास्ता साफ करते हुए ऐतिहासिक निर्णय देते हुए प्रधान न्यायाधीश रंजन गोगोई की अध्यक्षता वाली पांच सदस्ईय संविधान पीठ ने कहा कि मुस्लिमों ने मस्जिद का त्याग नहीं किया और अदालत को सुनिश्चित करना चाहिए कि गलत कृत्यों को ठीक किया जाए। सुन्नी वक्फ बोर्ड को जमीन आवंटित करने का निर्देश देने में संविधान के अनुच्छेद 142 के तहत अपने विशेष अधिकारों का प्रयोग करते हुए पीठ ने कहा कि जमीन मालिकाना विवाद के लंबित रहने के दौरान मस्जिद का पूरा ढांचा सोच समझकर गिरा दिया गया। पीठ ने कहा, अदालत अगर मुस्लिमों के हक को नजरअंदाज करती है तो न्याय नहीं होगा जिन्हें मस्जिद के ढांचे से ऐसे माध्यमों से वंचित कर दिया गया जिसे किसी धर्मनिरपेक्ष देश में नहीं किया जाना चाहिए था। पीठ में न्यायाधीश एस ए बोबडे, न्यायमूर्ति डी वाई चंद्रचूड़, न्यायमूर्ति अशोक भूषण और न्यायमूर्ति एस. अब्दुल नजीर भी शामिल थे। उच्चतम न्यायालय ने 1045 पन्नों के फैसले में कहा कि संविधान हर धर्म को बराबरी का हक देता है और सहिष्णुता तथा परस्पर शांतिपूर्ण सह अस्तित्व हमारे देश और यहां के लोगों की धर्मनिरपेक्ष प्रतिबद्धता को मजबूत करते हैं। इसने कहा, आवंटित भूमि का क्षेत्र तय करते हुए यह आवश्यक है कि मुस्लिम समुदाय को उनका धार्मिक ढांचा गैर कानूनी तरीके से तोड़े जाने के बदले भूमि दी जाए। पीठ ने 18 दिसंबर 1961 को सुन्नी सेंट्रल वक्फ बोर्ड अैर अयोध्या के नौ मुस्लिम निवासियों द्वारा दायर मुकदमे पर भी सुनवाई की जिसमें मांग की गई थी कि विवादित ढांचा को सार्वजनिक मस्जिद घोषित किया जाए जिसे आम रूप से बाबरी मस्जिद कहा जाता है। इसमें आसपास की भूमि को सार्वजनिक मुस्लिम कब्रगाह भी घोषित करने की मांग की गई थी। मुकदमे में दावा किया गया था कि बाबरी मस्जिद को मुगल शासक बाबर ने 433 वर्ष पहले मुस्लिमों के सार्वजनिक इबादल स्थल के तौर पर इस्तेमाल के लिए बनाया था। उन्होंने दावा किया कि मुकदमा की जरूरत 23 दिसम्बर 1949 को हुई जब हिंदुओं ने कथित तौर पर गलत रूप से उस स्थान पर प्रवेश किया और मस्जिद के अंदर मूर्तियां रखकर इसे अपवित्र कर दिया।

पेज एक का शेष

अयोध्या में ...

दलील आदेश सुनाकर सालों से उलझे मामले को पांच-शून्य के अनुपात में बेहद संजीदगी से सुलझा दिया। अदालत ने शुरुआत में ही शिया वक्फ बोर्ड और निर्मोही अखाड़े के दावों को खारिज कर दिया। संविधान पीठ ने कहा कि 2.77 एकड़ की विवादित भूमि का अधिकार राम लला विराजमान को सौंप दिया जाए जो इस मामले में एक वादकारी हैं लेकिन यह भूमि केंद्र सरकार के रिसीवर के कब्जे में ही रहेगी। साथ ही निर्देश दिया कि सुन्नी वक्फ बोर्ड को मस्जिद निर्माण के लिए केंद्र अथवा उत्तर प्रदेश सरकार किसी वैकल्पिक कितु प्रमुख स्थान पर पांच एकड़ का भूखंड आवंटित किया जाए। मंदिर निर्माण का रोड मैप सामने रखती संविधान पीठ ने कहा कि केंद्र से कहा कि उसी स्थान पर जिसके प्रति हिंदुओं की यह आस्था है कि भगवान राम का जन्म यहीं हुआ था-मंदिर बनाने के लिए तीन महीने के भीतर एक ट्रस्ट गठित किया जाना चाहिए। रामलला विराजमान की जमीन पर सरकार द्वारा नियुक्त रिसीवर का कब्जा अयोध्या कानून, 1993 की धारा छह के तहत एक अधिसूचना जारी करके इस संपत्ति को किसी ट्रस्ट या अन्य संस्था को सौंप दिए जाने तक रहेगा। संविधान पीठ के मुताबिक, भीतरी और बाहरी बरामदे का कब्जा ट्रस्ट के न्यासी मंडल (बोर्ड ऑफ ट्रस्टी) या इस तरह की गठित किसी अन्य संस्था को सौंप दिया जाना चाहिए। साथ ही केंद्र से कहा कि ट्रस्ट में निर्मोही अखाड़े को भी प्रतिनिधित्व दिया जाए। निर्मोही अखाड़े ने मंदिर के प्रबंधन और पूजा अर्चना के अधिकार का दावा किया था जिसे न्यायालय ने अस्वीकार कर दिया। मंदिर निर्माण कैसे होगा यह न्यासी मंडल तय करेगा। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि हिदू यह साबित करने में सफल रहे हैं कि विवादित ढांचे के बाहरी बरामदे पर उनका कब्जा था जबकि उप्र सुन्नी वक्फ बोर्ड अध्योध्या विवाद में अपना मामला साबित करने में विफल रहा है। संविधान पीठ ने यह माना कि विवादित स्थल के बाहरी बरामदे में हिन्दुओं द्वारा व्यापक रूप से पूजा अर्चना की जाती रही है और साक्ष्यों से यह भी पता चलता है कि मस्जिद में शुक्रवार को मुस्लिम नमाज पढ़ते थे जो इस बात का सूचक है कि उन्होंने इस स्थान पर कब्जा छोड़ा नहीं था। शीर्ष अदालत ने कहा कि मस्जिद में नमाज पढ़ने में बाधा डाले जाने के बावजूद साक्ष्य इस बात के सूचक है कि वहां नमाज पढ़ना बंद नहीं हुआ था। संविधान पीठ ने कहा कि अयोध्या में विवादित स्थल के नीचे मिली संरचना इस्लामिक नहीं थी लेकिन भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण ने यह साबित नहीं किया कि क्या मस्जिद निर्माण के लिए मंदिर गिराया गया था। तथापि, पुरातत्व सर्वेक्षण के साक्ष्यों को महज राय बताना इस संस्था के साथ अन्याय होगा। सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले में कहा कि इलाहाबाद हाई कोर्ट का तीन पक्षकारों में विवादित जमीन के समान बंटवारे का आदेश गलत था। संविधान पीठ ने 2.77 एकड़ विवादित भूमि को तीन पक्षकारों- सुन्नी वक्फ बोर्ड, निर्मोही अखाड़ा और राम लला विराजमान के बीच बराबर-बराबर बांटने के इलाहाबाद उच्च न्यायालय के सितंबर, 2010 के फैसले के खिलाफ दायर की गईं 14 अपीलों पर गत 16 अक्टूबर को सुनवाई पूरी की थी। पांच सदस्यीय संविधान पीठ ने मामले में छह अगस्त से नियमित सुनवाई शुरू करने से पहले मध्यस्थता के माध्यम से इस विवाद का सर्वमान्य समाधान खोजने का प्रयास किया था। न्यायालय ने इसके लिए शीर्ष अदालत के सेवानिवृत्त न्यायाधीश एफएमआई कलीफुल्ला की अध्यक्षता में तीन सदस्यीय मध्यस्थता समिति भी गठित की थी लेकिन उसे इसमें सफलता नहीं मिली। संविधान पीठ ने रिटायर्ड जस्टिस कलीफुल्ला, श्रीराम पांचू और श्रीश्री रविशंकर की भूमिका की तारीफ करते हुए कहा कि इस मामले में मध्यस्थ सुलह के बेहद करीब पहुंचे थे। इसके बाद, प्रधान न्यायाधीश की अध्यक्षता वाली संविधान पीठ ने सारे प्रकरण पर छह अगस्त से रोजाना सुनवाई करने का निर्णय किया था। शुरुआत में निचली अदालत में इस मसले पर पांच वाद दायर किए गए थे। पहला मुकदमा राम लला के भक्त गोपाल सिंह विशारद ने 1950 में दायर किया था। इसमें उन्होंने विवादित स्थल पर हिन्दुओं के पूजा अर्चना के अधिकार को लागू करने का अनुरोध किया था। उसी साल, परमहंस रामचन्द्र दास ने भी पूजा अर्चना जारी रखने और विवादित ढांचे के मध्य गुंबद के नीचे ही मूर्तियां रखी रहने के लिए मुकदमा दायर किया था। लेकिन बाद में यह मुकदमा वापस ले लिया गया था। निर्मोही अखाड़े ने 1959 में 2.77 एकड़ विवादित स्थल के प्रबंधन और शेबैती अधिकार के लिए निचली अदालत में वाद दायर किया। इसके दो साल बाद 1961 में उप्र सुन्नी वक्फ बोर्ड भी अदालत पहुंचा गया और उसने विवादित संपत्ति पर अपना मालिकाना हक होने का दावा किया। राम लला विराजमान की ओर से इलाहाबाद उच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश देवकी नंदन अग्रवाल और जन्म भूमि ने 1989 में मुकदमा दायर कर समूची संपत्ति पर अपना दावा किया और कहा कि इस भूमि का स्वरूप देवता का और एक न्यायिक व्यक्ति जैसा है। अयोध्या में छह दिसंबर, 1992 को विवादित ढांचा गिराए जाने की घटना और इसे लेकर देश में हुए सांप्रदायिक दंगों के बाद सारे मुकदमे फैसले के लिए इलाहाबाद उच्च न्यायालय को सौंप दिए गए थे। महा मुकदमे में शनिवार 9 नवंबर को आए सुप्रीम कोर्ट के महा फैसले का राजनीतिक दलों, संत समाज समेत समाज के हर वर्ग-समुदाय ने दिल खोलकर स्वागत किया है। हालांकि, कुछेक मुस्लिम नेताओं ने फैसले को दोषपूर्ण बताया लेकिन लोगों से शांति-सौहार्द बनाए रखने की अपील भी की। राजनीतिक पार्टियों ने दलगत विचारधारा से परे जाकर फैसले को सराहा और अतीत को भूलकर आगे बढ़ने की बात कही।

नया सवेरा...

और मंजिले भी और हैं। मोदी ने नौ नवंबर को आए शीर्ष अदालत के फैसले का हवाला देते हुए कहा कि आज ही के दिन बर्लिन की दीवार गिरी थी जिससे दो विपरीत विचारधाराओं के उस संकल्प की याद ताजा होती है जो सभी को मिलजुल कर आगे बढ़ने का संदेश देता है। प्रधानमंत्री ने उच्चतम न्यायालय के अयोध्या मामले में फैसला सुनाए जाने के बाद राष्ट्र के नाम अपने संबोधन में कहा, आज नौ नवंबर है। यह वही तारीख थी जब बर्लिन की दीवार गिरी थी। दो विपरीत धाराओं ने एकजुट होकर नया संकल्प लिया था। आज नौ नवंबर को करतारपुर साहिब कॉरिडोर की शुरुआत हुई इसमें भारत और पाकिस्तान दोनों का सहयोग रहा। उन्होंने कहा, आज अयोध्या पर फैसले के साथ ही नौ नवंबर की यह तारीख हमें साथ रहकर आगे बढ़ने की सीख भी दे रही है। आज के दिन का संदेश जुड़ने का, जोड़ने का और मिलकर जीने का है। प्रधानमंत्री ने विभिन्न समुदायों के बीच किसी भी प्रकार की सामाजिक कटुता मिटाने का आह्वान करते हुए कहा, कहीं भी, कभी भी, किसी के मन में, इन सारी बातों को लेकर यदि कोई कटुता रही हो तो उसे आज तिलांजलि देने का भी दिन है। नए भारत में भय, कटुता और नकारात्मकता का कोई स्थान नहीं होना चाहिए। मोदी ने कहा कि सर्वोच्च अदालत ने इस फैसले से यह संदेश भी दिया है कि कठिन से कठिन मसले का हल संविधान और कानून के दायरे में ही आता है। उन्होंने कहा, हमें इस फैसले से सीख लेनी चाहिए कि समाधान निकलने में भले ही कुछ समय लगे लेकिन फिर भी धैर्य बनाकर रखना ही सर्वोचित है। उन्होंने हर परिस्थिति में देश के संविधान, न्याय प्रणाली की महान परंपरा पर अपने विश्वास को बरकरार रखने की अपील करते हुए कहा, यह फैसला हमारे लिए नया सवेरा लेकर आया है। इस विवाद का भले ही कई पीढ़ियों पर असर पड़ा हो लेकिन फैसले के बाद हमें संकल्प करना होगा कि अब नई पीढ़ी नए सिरे से न्यू इंडिया के निर्माण में जुटेगी। उन्होंने अपील की, आईए एक नई शुरुआत करते हैं, अब एक नए भारत का निर्माण करते हैं। मोदी ने कहा कि हमें अपना विश्वास और विकास इस बात से तय करना है कि मेरे साथ चलने वाला कहीं पीछे तो नहीं छूट रहा है।

अतीत को...

करना संघ का काम नहीं है। भागवत ने अयोध्या मामले पर उच्चतम न्यायालय के फैसले के कुछ घंटे बाद ही पत्रकार वार्ता में कहा, रामजन्मभूमि के संबंध में सर्वोच्च न्यायालय द्वारा इस देश की जनभावना , आस्था और श्रद्धा को न्याय देने वाले निर्णय का संघ स्वागत करता है। दशकों तक चली लंबी न्यायिक प्रक्रिया के बाद यह विधिसम्मत अंतिम निर्णय हुआ है। उन्होंने देशवासियों से संयम बनाए रखने की अपील करते हुए कहा, इस निर्णय को जय, पराजय की दृष्टि से नहीं देखना चाहिए। संघ प्रमुख ने कहा , संपूर्ण देशवासियों से अनुरोध है कि विधि और संविधान की मर्यादा में रहकर संयमित और सात्विक रीति से अपने आनंद को अभिव्यक्त करें। भागवत ने कहा कि उन्हें विश्वास है कि इस विवाद के समापन की दिशा में न्यायालय के निर्णय के अनुरूप परस्पर विवाद को समाप्त करने वाली पहल सरकार की ओर से शीघ्र होगी। उन्होंने कहा , अतीत की सभी बातों को भुलाकर हम सभी मिलकर रामजन्मभूमि पर भव्य राममंदिर के निर्माण में अपने कर्तव्य का पालन करेंगे। अयोध्या के बाद काशी और मथुरा में भावी योजना के बारे में पूछे गए सवाल पर उन्होंने कहा , संघ आंदोलन नहीं करता, संघ का काम मनुष्य निर्माण है।

लोकतांत्रिक व्यवस्था...

जिस शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण तरीके से समाधान हुआ, उससे दुनियाभर को देश की एकजुटता और अखण्डता का बड़ा संदेश गया है। भारत की न्यायपालिका और जनता में इतनी परिपक्वता एवं क्षमता है कि वह बड़े से बड़े विवाद का सर्वसम्मति से समाधान निकाल सकती है। उन्होंने कहा कि एकता व सद्भाव बनाए रखने में सभी सहयोग करें। उत्तर प्रदेश में शांति, सुरक्षा और सद्भाव का वातावरण बनाए रखने के लिए उत्तर प्रदेश सरकार पूर्ण रूप से प्रतिबद्ध है। सीएम योगी ने कहा कि राम मंदिर पर सुप्रीम कोर्ट का निर्णय जय-पराजय से कहीं ऊपर है और इससे लोकतन्त्र के प्रति लोगों का भरोसा तथा सम्मान बढ़ेगा। प्रभु राम का मंदिर राष्ट्र मंदिर के रूप में दुनिया के कोने-कोने में भारत की कीर्ति को बढ़ायेगा।

निर्णय का ...

वक्फ बोर्ड के वकील जफरयाब जीलानी ने दिल्ली में एक संवाददाता सम्मेलन में कहा था कि अयोध्या मामले में न्यायालय के निर्णय को चुनौती दी जाएगी। हालांकि जीलानी ने बाद में स्पष्ट किया कि वह आल इण्डिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड का संवाददाता सम्मेलन था और उन्होंने वह बात इसी बोर्ड के सचिव की हैसियत से कही थी, न कि वक्फ बोर्ड के वकील की हैसियत से। फारुकी ने कहा कि वक्फ बोर्ड फिलहाल अदालत के निर्णय का अध्ययन कर रहा है। वह उसके बाद इस पर विस्तृत बयान देगा। ज्ञातव्य है कि बोर्ड ने अयोध्या मामले में गठित मध्यस्थता समिति को पिछले माह प्रस्ताव दिया था कि वह कुछ शर्तों के आधार पर विवादित स्थल से अपना दावा छोड़ने को तैयार है। फारुकी ने कहा था कि उन्होंने देशहित में यह प्रस्ताव दिया है।

पूछ रही...

तक दो दिनों में 20 लाख से अधिक श्रद्धालु जिन सरयू के घाटों पर स्नान कर चुके थे, आज वहां सीमित संख्या में संत व भक्तगण थे। श्रीराम जन्मभूमि पर विराजमान रामलला का दर्शन-पूजन-अर्चन सामान्य रूप से जारी था। हनुमानगढ़ी पर भी आम दिनों की तरह भक्त माथा टेक रहे थे। अयोध्या का सौहार्द बिगड़ने न पाए, इस पर प्रशासनिक अमले के साथ-साथ संत समाज, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और उसके सभी अनुशांगिक संगठन एवं सत्ताधारी भाजपा के नेता भी लोगों से भाईचारे की अपील कर रहे थे। श्रीराम जन्मभूमि पर जैसे ही सुप्रीम कोर्ट का फैसला आया, लोगों ने एक दूसरे का मुंह मीठा कराकर बधाई दी और भव्य राम मंदिर निर्माण की शालीनता से प्रतिज्ञा की। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के मुख्यालय साकेत निलयम एवं विश्व हिन्दू परिषद के मुख्यालय कारसेवकपुरम में रणनीतिकार आगे की रणनीति तय करने में जुटे थे। प्रशासनिक चौकसी भले ही सख्त रही हो लेकिन आम अयोध्यावासियों को कोई कठिनाई नही थी। सामान्य दिनों जैसे रामनगरी के मंदिरों में पूजा अर्चना होती रही। घंटा घड़ियाल व शंख बजते रहे। माँ सरयू में स्नान करने के बाद भक्तगण मंदिरों की परिक्रमा कर प्रसाद ग्रहण करते रहे। अयोध्यावासियों को सुरक्षा घेरे में दर्शन पूजन अर्चन करने के 30 वर्षो से आदत पड़ गयी है, लेकिन आज फैसले के दिन अयोध्या सुरक्षा कवच में जकड़ी रही। श्रीराम जन्मभूमि के रिसीवर मण्डलायुक्त मनोज मिश्रा अपने साथी अधिकारियों डीआईजी संजीव गुप्ता, डीएम अनुज झा, एसएसपी आशीष तिवारी के साथ हेलीकाप्टर से कानून व्यवस्था की हवाई निगरानी करते रहे तो सैकड़ों की संख्या में तैनात प्रशासनिक अधिकारी सड़क पर बैरियर लगाकर लोगों को पूछताछ के बाद ही अयोध्या में घुसने दे रहे थे। अयोध्या से लगे सभी मार्गों पर प्रशासन ने बैरियर लगा दिया था। रामकोट जहां श्रीराम जन्मभूमि स्थित है, वहां पर आने जाने वाले सभी मार्गों पर पुलिस का सख्त पहरा है। लेकिन शाम होते होते प्रशासनिक चौकसी में ढील दे दी गयी और स्थानीय व्यापारियों व निवासियों ने अपने-अपने दुकान, मकान व प्रतिष्ठान पर दीपक जलाकर निर्णय पर खुशी जाहिर की। वहीं श्रीराम जन्मभूमि प्रकरण के हिन्दू पक्ष के पक्षकार रामलला के सखा त्रिलोकी ने कारसेवकपुरम में पहुंचने वालों का स्वागत करते हुए कहा कि सुप्रीम कोर्ट के निर्णय का स्वागत है, लेकिन रामनगरी हीं नहीं पूरे देश में बाबर के नाम से कोई भी मस्जिद का निर्माण स्वीकार्य नहीं होगा। दूसरी ओर बाबरी मस्जिद के मुद्दई इकबाल अंसारी ने कहा कि हम पहले ही कहते थे कि सुप्रीम कोर्ट का जो भी फैसला आएगा, हम उसका स्वागत करेंगे। हम इस फैसले का स्वागत करते हैं। हम योगी जी का, मोदी जी का भी स्वागत करते हैं। इस फैसले के खिलाफ हमें कहीं नहीं जाना है। सुन्नी वक्फ बोर्ड के 5 एकड़ जमीन पर उन्होंने कहा यह सुन्नी वक्फ बोर्ड समझे कि वह क्या करेगा। हम एक पक्षकार थे। कोर्ट ने हमें खारिज कर दिया। हम अपने मुस्लिम भाइयों से अपील करते हैं कि फैसले का स्वागत करें और हिंदू मुस्लिम दोनों मिलकर देश के विकास में काम करें।

मील का ...

अनगिनत अज्ञात लोगों जिन्होंने इतने वर्षों तक इसके प्रयास किया मैं उनके प्रति कृतज्ञता व्यक्त करता हूं। वहीं फैसले को ऐतिहासिक बताते हुए केंद्रीय रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि इससे देश का सामाजिक ताना बाना और मजबूत होगा। राजनाथ ने ट्वीट किया, मैं सभी से अनुरोध करता हूं कि इस फैसले को समभाव और उदारता से लिया जाए। मैं लोगों से इस शांति और सद्भाव बनाए रखने की अपील भी करता हूं। उधर, केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने जनता से अपील की कि लोकतांत्रिक देश के नागरिक होने के नाते वे अयोध्या मामले पर उच्चतम न्यायालय के फैसले को स्वीकार करें।

विचारधारा से...

इस फैसले से आस्था के नाम पर राजनीति करने वालों के लिए दरवाजे हमेशा लिए बंद हो गए हैं। कांग्रेस की शीर्ष नीति निर्धारण इकाई कांग्रेस कार्य समिति (सीडब्ल्यूसी) ने एक प्रस्ताव पारित कर कहा कि पार्टी इस फैसले का सम्मान करती है और अब सभी को शांति एवं सौहार्द सुनिश्चित करना चाहिए। बैठक के बाद सुरजेवाला ने एक सवाल के जवाब में संवाददाताओं से कहा, निर्णय आ चुका है। कांग्रेस भगवान राम के मंदिर के निर्माण की पक्षधर है। उन्होंने कहा, वर्षों बाद उच्चतम न्यायालय ने इस मामले का पटाक्षेप कर दिया है। यह मामला किसी व्यक्ति विशेष, समूह या दल को श्रेय देने का नहीं है। उच्चतम न्यायालय ने आस्था और विश्वास का सम्मान किया है। सुरजेवाला ने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा, आज के फैसले से जहां एक तरफ राम मंदिर के निर्माण के द्वार खुल गए वहीं दूसरी तरफ इस फैसले से भाजपा के लिए सत्ता भोग की खातिर आस्था पर राजनीति करने के दरवाजे हमेशा के लिए बंद हो गए क्योंकि भगवान राम वचन की मर्यादा और त्याग के प्रतीक हैं। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने कहा कि इस फैसले का सम्मान होना चाहिए और परस्पर सद्भाव बनाए रखा जाना चाहिए। गांधी ने ट्वीट कर कहा, उच्च्तम न्यायालय ने अयोध्या मुद्दे पर अपना फैसला सुना दिया है। कोर्ट के इस फैसले का सम्मान करते हुए हम सब को आपसी सद्भाव बनाए रखना है। ये वक्त हम सभी भारतीयों के बीच बन्धुत्व,विश्वास और प्रेम का है। उधर, शिवसेना प्रमुख उद्धव ठाकरे ने कहा कि आज के दिन मैं बाल ठाकरे, अशोक सिंघल को याद कर रहा हूं। उन्होंने कहा कि यह देश के इतिहास में यह स्वर्णिम दिन है। ठाकरे ने कहा कि वह 24

चौकन्नी होकर खेलने उतरेगी टीम इंडिया

- बांग्लादेश से आखिरी टी-20 मुकाबला आज
- पहली श्रृंखला जीतने पर होगी दोनों टीमों की नजर

एजेंसी। नागपुर

बांग्लादेश के खिलाफ रविवार को यहां खेले जाने वाले तीसरे और आखिरी टी20 मैच में भारतीय टीम की नजरें इस साल घरेलू सरजमीं पर सबसे छोटे प्रारूप की पहली श्रृंखला जीतने पर होगी।

कप्तान विराट कोहली सहित कुछ अन्य सीनियर खिलाड़ियों की गैरमौजूदगी में भारतीय टीम श्रृंखला अपने नाम करने के साथ अगले साल खेले जाने वाले टी20 विश्व कप के लिए कोर खिलाड़ियों की पहचान करना चाहेगी। श्रृंखला के पहले दो मैचों में हालांकि इस मामले में लेग स्पिनर युजवेंद्र चहल की टीम में सफल वापसी के अलावा ज्यादा फायदा नहीं हुआ। चहल ने एक बार फिर साबित किया कि वह बीच के ओवरों में उनके पास विकेट निकालने की क्षमता है। राजकोट में खेले गए दूसरे टी20 में चहल की अगुवाई में भारतीय गेंदबाजों ने बांग्लादेश को छह विकेट पर 153 रन पर रोक दिया। फिर रही सही कसर कप्तान रोहित शर्मा में 85 रन की ताबड़तोड़ पारी खेलकर पूरी कर दी। चाइनामैच गेंदबाज कुलदीप यादव की जगह टीम में चुने गए वाशिंगटन सुंदर काफी किफायती रहे लेकिन विकेट चटकाने के मामले में चहल से पीछे छूट गए। तेज गेंदबाज खलील अहमद ने दोनों मैचों में रन लुटाए जिससे इस मैच शारदुल ठाकुर को अंतिम 11 में जगह मिल सकती है जो दीपक चाहर के साथ नई गेंद साझा कर सकते हैं। रोहित ने पहले दोनों टी20 मैचों की टीम में कोई बदलाव नहीं किया जिससे मनीष पांडे, संजू सैमसन और राहुल चाहर जैसे खिलाड़ी ड्रेसिंग रूम में ही बैठे रहे। नागपुर में अगर उन्हें मौका नहीं मिला तो उन्हें खुद को साबित करने के लिए वेस्टइंडीज के खिलाफ आगामी टी20 श्रृंखला का इंतजार करना होगा। टीम में जब सीनियर खिलाड़ियों की वापसी होगी तब भी भारत को टीम संयोजन बनाने के लिए काफी मसक्कत करनी होगी खासकर बल्लेबाजी विभाग में जहां टीम के पास आस्ट्रेलिया और इंग्लैंड की तरह बड़े शाट खेलने वाली खिलाड़ियों की कमी है। श्रेयस अय्यर ने कम समय में खुद को साबित किया है जबकि लोकेश राहुल अभी तक प्रभाव छोड़ने में नाकाम रहे है। नए हरफनमौला शिवम दूबे को भी अपनी प्रतिभा से न्याय करना होगा। भारतीय टीम में नए खिलाड़ियों के साथ अनुभवी शिखर धवन और युवा विकेटकीपर ऋषभ पंत भी टीम में जगह बनाए रखने के लिए संघर्ष कर रहे है। धवन बल्ले से जबकि पंत बल्ले के साथ विकेट के पीछे भी अपने खराब प्रदर्शन के कारण आलोचना झेल रहे है। रविवार को दोनों खिलाड़ियों के पास आलोचकों को चुप करने का एक मौका होगा। भारतीय टीम जीत की दावेदार होगी लेकिन तमीम इकबाल और शाकिब अल हसन जैसे सीनियर खिलाड़ियों की गैरमौजूदगी में बांग्लादेश एक बार फिर दिल्ली की तरह चौका सकती है। राजकोट में दूसरे टी20 में भी टीम को अच्छी शुरूआत मिली लेकिन वे इसका फायदा नहीं उठा सके और टीम 20 ओवर में सिर्फ 153 रन बना सकी। बांग्लादेश के लिए 20 साल के लेग स्पिनर अमीनुल इस्लाम ने अपने प्रदर्शन से प्रभावित किया है। उन्होंने किफायती रहते हुए चार विकेट चटकाए। बांग्लादेश को हालांकि तेज गेंदबाजी में सुधार करना होगा खासकर टीम के मुख्य गेंदबाज मुस्ताफिजूर रहमान भारतीय बल्लेबाजों को परेशान करने में नाकाम रहे है।

भारतः रोहित शर्मा (कप्तान), खलील अहमद, युजवेंद्र चहल, दीपक चाहर, राहुल चाहर, शिखर धवन, शिवम दुबे, श्रेयस अय्यर, मनीष पांडे, कृनाल पंड्या, ऋषभ पंत, लोकेश राहुल, संजू सैमसन, वाशिंगटन सुंदर और शारदुल ठाकुर।

बांग्लादेशः महमूदुल्लाह रियाद (कप्तान), ताईजुल इस्लाम, मोहम्मद मिथुन, लिटन दास, सौम्य सरकार, नईम शेख, मुशफिकुर रहीम, आफिफ हुसैन, मोसादेक हुसैन सेकत, अमीनुल इस्लाम बिप्लब, अराफात सनी, अबू हिदेर, अल अमीन हुसैन, मुस्तफिजूर रहमान और शफीउल इस्लाम। समयः मैच शाम सात बजे शुरू होगा।

चहल ने बीच के ओवरों में एक बार फिर अपनी उपयोगिता साबित कीः रोहित

नागपुर। लेग स्पिनर युजवेन्द्र चहल टीम में वापसी में एक बार फिर से बीच के ओवरों में अपनी उपयोगिता साबित करने में सफल रहे जिसने भारत के कार्यवाहक कप्तान रोहित शर्मा को भी प्रभावित किया। एकदिवसीय विश्व कप के बाद चहल और कुलदीप यादव को वेस्टइंडीज और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टी20 श्रृंखला की टीम में जगह नहीं दी गई थी। चयनकर्ता अगले साल खेले जाने वाले टी20 विश्व कप के लिए नए खिलाड़ियों को आजमाना चाहते थे। चहल ने बांग्लादेश के खिलाफ वापसी करते हुए शानदार प्रदर्शन किया जबकि कुलदीप को अब भी टीम में मौके का इंतजार है। रोहित ने बांग्लादेश के खिलाफ तीसरे और निर्णायक टी20 से पहले शनिवार को यहां कहा, यह काफी नई टीम है लेकिन पिछले दो वर्षों से सीमित ओवरों के प्रारूप में चहल का प्रदर्शन कमाल का रहा है। उसने एकदिवसीय प्रारूप में भी शानदार प्रदर्शन किया है। भारतीय कप्तान ने कहा, उसने आईपीएल में अच्छे प्रदर्शन के दम पर भारत की एकदिवसीय टीम में जगह बनाई। उसके बाद से ही वह टीम का अहम सदस्य है और उन्होंने इस श्रृंखला में भी साबित किया कि बीच के ओवरों में वह टीम के लिए कितने उपयोगी हैं। रोहित ने कहा कि चहल अपनी सोच से बल्लेबाजों को चकमा देने में सफल रहते हैं जो उन्हें दूसरे गेंदबाजों से अलग बनाता है। राजकोट के दूसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय में उन्होंने एक ही ओवर में मुशफिकुर रहीम और सौम्य सरकार का विकेट चटकाकर बांग्लादेश की रनगति को कम करने में अहम भूमिका निभाई थी। उन्होंने कहा, चहल जानता है कि वह क्या करने की कोशिश कर रहा है और वह यह भी जानता है कि बल्लेबाज क्या करने की कोशिश कर रहा है। वह खेल में हमेशा बल्लेबाज से आगे रहना चाहता है। इस कारण से किसी भी बल्लेबाज के लिए उसका सामना करना अधिक चुनौतीपूर्ण हो जाता है। वह इसे अच्छी तरह समझ चुका है। उसके पास विविधता और कौशल की कमी नहीं है।

हर साल आईसीसी टूर्नामेंट के पक्ष में नहीं ईसीबी

नई दिल्ली। इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड ने आईसीसी को सूचित किया है कि वह 2023 से 2031 तक हर साल आईसीसी टूर्नामेंट कराने के पक्ष मे नही है। भारतीय बोर्ड पहले ही इसका विरोध कर चुका है और क्रिकेट आस्ट्रेलिया ने उसका समर्थन किया है। ऐसा समझा जाता है कि विश्व क्रिकेट के बिग थ्री के बीच सहमति बनने के बाद आईसीसी की राह मुश्किल होगी। ईसीबी अध्यक्ष कोलिन ग्रेव्स ने आईसीसी के मुख्य कार्यकारी मनु साहनी को एक ईमेल मे कहा , ईसीबी 2023 से 2031 के बीच हर साल आईसीसी टूर्नामेंट कराने के पक्ष मे नही है। दुबई मे आईसीसी की पिछली बैठक मे प्रस्ताव रखा गया था कि आठ साल की अवधि मे 2023 से 2031 के बीच 50 ओवरो के दो विश्व कप, चार टी20 विश्व कप और दो बहुराष्ट्रीय टूर्नामेंट आयोजित किए जाएंगे। ग्रेव्स ने कहा कि इस तरह का प्रस्ताव मानने से उसके अपने द्विपक्षीय करारो पर असर पड़ेगा। इसके अलावा खिलाड़ियो के कार्यभार और स्वास्थ्य का भी मसला है। वही इससे आईसीसी विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप फाइनल भी बेनूर हो जाएगा। ग्रेव्स ने कहा कि आईसीसी विश्व चैम्पियनशिप की बढती संख्या से इसका महत्व घट जाएगा। ईसीबी की प्राथमिकता खिलाड़ी है और मौजूदा प्रस्ताव माने तो खिलाड़ियो को आराम के लिए समय ही नही रह जाएगा। आईसीसी को खिलाड़ियो के मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य की चिंता करनी चाहिए।

महमूदुल्लाह की कप्तानी में धोनी की झलकः पठान

नई दिल्ली। भारतीय टीम के पूर्व तेज गेंदबाज इरफान पठान का मानना है कि बांग्लादेश के कप्तान महमूदुल्लाह रियाद मे महेन्द्र सिंह धोनी की कप्तानी की झलक दिखती है। महमूदुल्लाह की अगुवाई मे बांग्लादेश ने तीन मैचो की टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला के पहले मुकाबले मे भारत को हराया था। यह बांग्लादेश की भारत पर टी20 मे पहली जीत थी। पठान ने स्टार स्पोर्ट्स के नेरोलैक क्रिकेट लाइव कार्यक्रम मे कहा, जब आप दुनिया की सर्वश्रेष्ठ टीमो मे से एक के खिलाफ मैच जीतते है तो आपका आत्मविश्वास बढ़ता है। महमूदुल्लाह ने मैच के दौरान जिस तरह के फैसले लिए उसमे महान कप्तान की झलक दिखी। उनकी कप्तानी मे महेन्द्र सिंह धोनी की झलक दिखती है क्योंकि उन्होंने पावरप्ले के कामचलाऊ गेंदबाजों को आजमाया। धोनी भी कप्तान के तौर पर ऐसी रणनीति अपनाते रहे है। बांग्लादेश हालांकि जीत की लय को बरकरार नही रख पाया और राजकोट मे खेले गए दूसरे एकदिवसीय मे टीम ने आसानी से घुटने टेक दिए। श्रृंखला का तीसरा और निर्णायक मुकाबला रविवार को नागपुर मे खेला जाएगा। आफ स्पिनर हरभजन सिंह ने कहा कि तीसरे मुकाबले मे बांग्लादेश की सफलता काफी हद तक विकेटकीपर मुशफिकुर रहीम के प्रदर्शन पर निर्भर करेगी। हरभजन ने कहा, मुशफिकुर रहीम ऐसे खिलाड़ी है जिनके पास काफी अनुभव है। वह स्पिन और तेज गेंदबाजी के खिलाफ सहज है। बांग्लादेश के लिए उन्हे सबसे ज्यादा जिम्मेदारी उठानी होगी। उन्हे महमुदूल्लाह से ज्यादा अनुभव है।

भारत के कम अनुभवी गेंदबाजी आक्रमण को निशाना बनाएंगेः बांग्लादेशी कोच

एजेंसी। नागपुर

बांग्लादेश के कोच रसेल डोमिंगो ने शनिवार को कहा कि उनकी टीम रविवार को टी20 श्रृंखला के निर्णायक मुकाबले में भारत के कम अनुभवी गेंदबाजी आक्रमण का फायदा उठाकर जीत हासिल करने की कोशिश करेगी। भारतीय टीम अभी चोटिल तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह, तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार और आल राउंडर हार्दिक पंड्या के बिना ही खेल रही है जिससे तीन मैचों की श्रृंखला में गेंदबाजी की जिम्मेदारी खलील अहमद, दीपक चहर और वाशिंगटन सुंदर के कंधों पर है। डोमिंगो ने मैच की पूर्व संध्या पर कहा, यह किसी से छिपा नहीं है कि उनका गेंदबाजी आक्रमण कम अनुभवी है। अगर हम अच्छी बल्लेबाजी करते हैं और अपनी रणनीति पर कायम रहते हैं तो हम उनके गेंदबाजी आक्रमण को दबाव में ला सकते हैं। उन्होंने कहा, देखिए, उनकी टीम अच्छी है लेकिन हम यह भी सोचते हैं कि अगर हम अपनी काबिलियत के हिसाब से बल्लेबाजी करेंगे तो हम उनके गेंदबाजी आक्रमण को दबाव में ला देंगे। दूसरी पारी में बल्लेबाजी करने वाली टीम दोनों मैचों में विजेता रही है जिससे टास की भूमिका काफी अहम हो जाती है। डोमिंगो ने कहा, मुझे लगता है कि ओस मैचों को प्रभावित कर रही है। टास की भूमिका अहम होगी, दूसरी पारी में बल्लेबाजी कर रही दोनों टीमों ने जीत हासिल की। लेकिन अगर पिछले मैच में हम 180-190 रन बना लेते तो हम खुद को बेहतर मौका दे सकते थे। लेकिन यह कोई बहाना नहीं है।

अभ्यास सत्र के दौरान बांग्लादेश की टीम

आप मुझे नए अंदाज में देखेंगेः साव

एजेंसी। मुंबई

डोपिंग मामले में आठ महीने की सजा झेल रहे प्रतिभाशाली भारतीय सलामी बल्लेबाज पृथ्वी साव ने वादा किया है कि वापसी के बाद वह नए अंदाज में दिखेंगे। बीसीसीआई ने जुलाई में साव पर आठ महीने का प्रतिबंध लगाया था जो 16 मार्च 2019 से 15 नवंबर 2019 तक प्रभावी रहेगा। वह मार्च में खेली गई मुश्ताक अली ट्राफी के दौरान डोपिंग परीक्षण में नाकाम रहे थे। बीसीसीआई के मुताबिक 20 साल के इस खिलाड़ी ने अनजाने में प्रतिबंधित पदार्थ का सेवन किया। यह पदार्थ आमतौर पर खांसी की दवा में पाया जाता है। साव 15 नवंबर के बाद मुश्ताक अली ट्राफी में चयन के लिए उपलब्ध रहेंगे जहां वह मुंबई का प्रतिनिधित्व कर सकते है। अपना 20वां जन्मदिन मना रहे साव ने सोशल मीडिया पर अभ्यास का वीडियो साझा किया। उन्होंने ट्वीट किया, आज मैं 20 साल का हो गया। मैं आप से वादा करता हूं आप मुझे नए अंदाज में देखेंगे। शुभकामनाओं और समर्थन के लिए सब का शुक्रिया। जल्द ही आप मुझे खेलते हुए देखेंगे। साव ने भारत के लिए दो टेस्ट मैच खेले है। उन्होंने आखिरी बार आईपीएल में प्रतिस्पर्धी क्रिकेट खेला था।

सात्विक और चिराग की जोड़ी चूकी

- चीन ओपन के सेमीफाइनल में हारी

एजेंसी। फुझोउ

सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की पुरुष युगल जोड़ी को शनिवार को यहां चीन ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में इंडोनेशिया के मार्कस फर्नाल्डी गिडियोन और केविन संजय सुकामुल्जो की तीन बार की चैम्पियन जोड़ी के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा। इस जोड़ी की हार के साथ ही बीडब्ल्यूएफ विश्व टूर सुपर 750 प्रतियोगिता में भारतीय चुनौती भी समाप्त हो गई। सात्विक एवं चिराग की जोड़ी को शीर्ष वरीयता प्राप्त और विश्व की नंबर एक इंडोनेशियाई जोड़ी से 16-21 20-22 से हार मिली।

विश्व रैंकिंग में नौवें पायदान पर काबिज भारतीय जोड़ी की मार्कस एवं केविन की जोड़ी के खिलाफ यह लगातार आठवीं हार है जिसमें पिछले महीने फ्रेंच ओपन के फाइनल में मिली शिकस्त भी शामिल है। इस साल अगस्त में थाईलैंड ओपन का खिताब जीतने वाले सात्विक एवं चिराग की जोड़ी को इंडोनेशिया की जोड़ी ने इस साल तीसरी बार हराया है। टूर्नामेंट में भारत के अन्य खिलाड़ी पहले ही बाहर हो गए थे।

विश्व पैरालंपिक स्वर्ण पदकधारी संदीप की नजरें तोक्यो ओलंपिक में सफलता दोहराने पर

दुबई। विश्व पैरा एथलेटिक्स चैम्पियनशिप मे विश्व रिकार्ड के साथ स्वर्ण पदक जीतने वाले भारतीय भाला फेंक खिलाड़ी संदीप चौधरी(एफ64) नजरे इस सफलता को तोक्यो पैरालंपिक मे दोहराने की है। संदीप ने शुक्रवार को 66.18 मीटर दूर भाला फेंककर एफ 44 वर्ग मे 65.80 मीटर के अपने विश्व रिकार्ड को बेहतर करते हुए स्वर्ण पदक जीता। वही भारत के ही सुमित अंटिल ने 60.45 मीटर के अपने एफ 64 विश्व रिकार्ड से अच्छा प्रदर्शन किया और 62.88 मीटर की दूरी से रजत पदक हासिल किया। स्वर्ण और रजत पदक के साथ ही दोनो भारतीय खिलाड़ियो ने पैरालंपिक कोटा भी हासिल कर लिया। इस विश्व चैम्पियनशिप मे एफ 44 और एफ 64 को एक संयुक्त स्पर्धा बनाया गया है। विश्व रिकार्ड हालांकि खिलाड़ियो के क्लासिफिकेशन के आधार पर ही दर्ज होंगे।

सऊदी अरब से हारकर भारत एएफसी अंडर-19 चैम्पियनशिप क्वालीफिकेशन से बाहर

अल खोबार (सऊदी अरब)। अहमद अल्बासास की हैट्रिक की मदद से सऊदी अरब ने भारत को 4-0 से हराकर 2020 एएफसी अंडर-19 चैम्पियनशिप क्वालीफिकेशन की दौड़ से बाहर कर दिया। शुक्रवार को खेले गए मैच के दूसरे मिनट मे ही मोहम्मद खलिल मानि भारतीय अंडर-19 टीम के गोलकीपर प्रभसुखान सिंह गिल को छकाने मे सफल रहे जिससे सऊदी अरब ने खाता खोला। घरेलू मैदान पर खेल रही सऊदी अरब की टीम ने 10वे मिनट मे बढ़त को 2-0 कर ली। मिडफिल्डर अल्बासास ने हाज्जा अल्घमंडी के क्रास को गोल मे बदल दिया। कोच फ्लोएड पिटो की टीम ने इसके बाद मैच मे वापसी के लिए आक्रमक रुख अपनाया जिससे कमजोर हुई भारतीय रक्षापंक्ति का फायदा उठाते हुए अल्बासास ने मैच के 18 मिनट मे अपना दूसरा गोल किया। अल्बासास इसके बाद 28वे मिनट मे हैट्रिक पूरी की जिससे सऊदी अरब की टीम 4-0 से आगे हो गई। इस दौरान निंथोगानबा मीथेई ने हालांकि पहले हाफ मे घरेलू टीम को लगातार परेशान किया। मध्यांतर से दो मिनट पहले उन्हे गोल करने का शानदार मौका मिला था लेकिन उनका शाट गोल पोस्ट के करीब से निकल गया। मध्यांतर के बाद भारतीय टीम ने रिवी शाबोग की जगह मनवीर सिंह को मैदान मे उतारा। मनवीर ने मैदान मे उतरते ही इस फैसले को सही साबित किया लेकिन 47वे मिनट मे विक्रम प्रताप उनके क्रास को गोल मे बदलने मे सफल नही हुए। क्वालीफिकेशन से बाहर हो चुकी भारतीय टीम अपने अंतिम ग्रुप मुकाबले रविवार को यहां अफगानिस्तान से भिड़ेगी।

नाम परिवर्तन

मैं, बलवान सिंह सु0 श्री हवा सिंह निवासी गांव मतानी जिला भिवानी का रहने वाल हूँ। और मैं अपने हल्फ से निम्नलिखित ब्यान कराता हूँ कि:- 1. यह कि मैं उपरोक्त दिए गए पत्ते का निवासी हूँ। 2. यह कि मैं यह ब्यान करता हूँ कि मेरे बच्चे का नाम संजीत कुमार हैं 3. यह कि मेरे बच्चे का मैट्रिक का जो प्रणाम-पत्र सीबीएससी बोर्ड द्वारा जारी किया हुआ है जिसका रोल नं0 2146222 द्वारा जारी किया हुआ है जोकि मार्च सन! 2018 में पास की है। 4. यह कि मेरे उपरोक्त बच्चे के प्रमाण-पत्र में बच्चे के पिता का नाम Balwan लिखा हुआ है जबकि मेरा सही नाम Balwan Singh है जो कि मैं बच्चे के स्कूल प्रमाण-पत्र में बच्चे के पिता का नाम Balwan Singh करवाना चाहता हूँ। 5. यह कि मेरे जो अन्य कागजात है उसमें बच्चे के पिता का नाम Balwan Singh है। 6. यह कि अगर भविष्य में उपरोक्त नाम की बाबत कोई एतराज पाया जाता है तो उसकी हर प्रकार की जिम्मेदारी मेरी होगी।

तसदीक
मै, उपरोक्त ब्यान करता हूँ कि मेरे द्वारा दिए गए उपरोक्त ब्यान सत्य है।

स्थानः
दिनांकः 9.11.2019
Balwan Singh
शपथकर्ता

तेजस्विनी ने भारत को 12वां ओलंपिक कोटा दिलाया

- 14वीं एशियाई निशानेबाजी चैम्पियनशिप पदक से चूकी

एजेंसी। दोहा

अनुभवी निशानेबाज तेजस्विनी सावंत ने भारत को निशानेबाजी में 12वां ओलंपिक कोटा दिलाया लेकिन वह शनिवार को यहां 14वीं एशियाई चैम्पियनशिप की महिला 50 मीटर राइफल थ्री पोजिशन स्पर्धा में पदक हासिल करने से चूक गईं। पूर्व विश्व चैम्पियन तेजस्विनी ने 50 मीटर राइफल थ्री पाजीशन के फाइनल में पहुंचकर अगले साल के ओलंपिक खेलों का कोटा हासिल किया। आठ फाइनलिस्ट में से पांच पहले ही तोक्यो का टिकट कटवा चुकी थीं जिससे भारत ने तीन उपलब्ध कोटों में से एक अपने नाम किया। तेजस्विनी (39 वर्षीय) क्वालीफिकेशन में 1171 अंक के स्कोर से पांचवें स्थान पर रहकर फाइनल में पहुंची। फाइनल में हालांकि उन्होंने पूरी कोशिश की लेकिन उन्हें 435.8 अंक के स्कोर से चौथे स्थान से संतुष्ट होना पड़ा। दूसरी सीरीज में वह तीसरे स्थान पर चल रही थी लेकिन 8.8 के निशाने से वह पिछड़ गईं। अगर उन्हें अगले साल तोक्यो ओलंपिक की टीम में चुना जाता है तो वह अपने पहले ओलंपिक में भाग लेंगी क्योंकि वह इससे पहले 2008, 2012 और 2016 में टीम में जगह बनाने से चूक चुकी हैं। तेजस्विनी 50 मीटर राइफल प्रोन में भी भाग लेती हैं, उन्होंने कई पदक जीते हैं जिसमें विश्व चैम्पियनशिप, विश्व कप और राष्ट्रमंडल खेलों में पदक शामिल हैं। वह 2010 में म्यूनिख में 50 मीटर राइफल प्रोन स्पर्धा में विश्व रिकार्ड स्कोर की बराबरी के साथ विश्व चैम्पियन बनी थी। वह विश्व चैम्पियनशिप में स्वर्ण पदक जीतने वाली पहली महिला निशानेबाज थी। चीन की मेंगयाओ शि ने 457.9 अंक के साथ स्वर्ण पदक जबकि मंगोलिया की एसुगेन ओयुनबात (457.0) ने रजत पदक हासिल किया। कांस्य पदक जापान की शिरोरी हिराता (445.9) ने जीता। अन्य भारतीयों में काजल सैनी और गायत्री नित्यानंदम क्रमशः 13वें और 16वें स्थान पर रहीं। एमक्यूएस वर्ग में सुनिधि चौहान ने 1164 अंक जुटाए।

केन्द्रीय माल एवं सेवा कर प्रधान आयुक्त कार्यालय
राष्ट्र कर बाजार
दिल्ली उत्तर, केन्द्रीय राजस्व भवन, नई दिल्ली-110109

नोटिस

श्री अरविंद कुमार सिंह, निरीक्षक पुत्र श्री जोधन सिंह, निवासी ग्राम सत्वांसा, डाक घर सैदपुर, जिला ललितपुर, उत्तर प्रदेश-284403।

कृपया ध्यान दें कि आरोप पत्र C. No. VIII(I&V) 26/40 /Vig./ CE/ A.K./Del-I/2014/2860 दिनांक 21.03.2016 आपके विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्यवाही शुरू करने के लिए जारी किया गया था। इसके उपरांत जांच अधिकारी द्वारा दी गयी रिपोर्ट भी आपको इस कार्यालय के पत्र दिनांक 19.09.2018 के माध्यम से अपना पक्ष रखने के लिए अग्रेषित की गयी थी। विभिन्न अनुस्मारक जारी करने के बावजूद भी आपके द्वारा कोई जवाब इस कार्यालय में प्राप्त नहीं हुआ है। इस संबंध में आपको अपना पक्ष रखने के लिए दिनांक 18.11.2019 को प्रातः 11:30 बजे व्यक्तिगत सुनवाई का अवसर दिया गया है। यदि आप उपरोक्त दिनांक एवं समय पर उपस्थित नहीं होते हैं तो यह समझा जाएगा कि आप अपना पक्ष रखना ही नहीं चाहते हैं। आपकी अनुपस्थिति मे यह अभियोग उपलब्ध अभिलेखों एवं दस्तावेजों के आधार पर एकपक्षीय (ex-parte) रूप से निर्णीत कर दिया जाएगा।

-हस्ता-
अनुशासनिक अधिकारी

davp 15502/11/0013/1920

करतारपुर गलियारे का औपचारिक उद्घाटन

हम केवल सीमा ही नहीं खोल रहे हैं बल्कि सिख समुदाय के लिए दिल के दरवाजे भी खोल रहे हैं: इमरान

एजेंसी। करतारपुर (पाकिस्तान)

सिख धर्म के संस्थापक गुरु नानक देव के 550वें प्रकाश पर्व से कुछ दिन पहले पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान ने शनिवार को औपचारिक रूप से ऐतिहासिक करतारपुर गलियारे का उद्घाटन किया।

इमरान ने गलियारे का उद्घाटन पर्दे को हटा कर किया जिसे गर्म हवा से भरे गुब्बारे के सहारे हटाया गया। उद्घाटन स्थल पर विशाल आकार के कृपाण को प्रदर्शित किया गया। इस मौके पर मौजूद भारत के पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह और क्रिकेटर से राजनीतिज्ञ बने नवजोत सिंह सिद्धू सहित 12,000 श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए खान ने कहा, एक साल पहले तक मैं करतारपुर के महत्व को लेकर अनभिज्ञ था।

गुरुनानक देव ने अपने जीवन के आखिर 18 साल करतारपुर साहिब में बिताए थे। खान ने भारत के गुरदासपुर स्थित बाबा नानक गुरुद्वारे को पाकिस्तान के करतारपुर स्थित गुरुद्वारा दरबार साहिब से जोड़ने वाले इस गलियारे के रास्ते आए भारतीय सिख श्रद्धालुओं के पहले जत्थे का स्वागत किया। उससे पहले विदेश मंत्री शाह महमूद कुरैशी ने कहा था कि करतारपुर के दरवाजे सिख श्रद्धालुओं के लिए खोल दिए गए हैं। इस मौके पर लोगों को संबोधित करते हुए कुरैशी ने कश्मीर मुद्दे को याद करते हुए कहा, अगर बर्लिन की दीवार गिराई जा सकती है, अगर करतारपुर गलियारे को खोला जा सकता है तो अस्थाई नियंत्रण रेखा की सीमा को भी खत्म किया जा सकता है।

उससे पूर्व प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने करीब 500 श्रद्धालुओं को गुरदासपुर से करतारपुर के लिए रवाना किया था और कहा था कि करतारपुर गलियारा खुलने से दरबार साहिब गुरुद्वारे में दर्शन करना आसान हो जाएगा। मोदी ने कहा था कि देश को करतारपुर गलियारा समर्पित कर पाना उनका सौभाग्य है। उन्होंने कहा था कि करतारपुर गलियारा और एकीकृत जांच चौकी के खुलने से लोगों को दोगुनी खुशी मिलेगी।

इस पहले जत्थे में अकाल तख्त के जत्थेदार हरप्रीत सिंह, पंजाब के मुख्यमंत्री अमरिंदर सिंह, पूर्व मुख्यमंत्री प्रकाश सिंह बादल, सुखबीर सिंह बादल, केंद्रीय मंत्री हरसिमरत कौर बादल भी शामिल हैं। शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंध कमेटी (एसजीपीसी) के सदस्य और पंजाब के सभी 117 विधायक और सांसद भी इस जत्थे का हिस्सा हैं। प्रधानमंत्री खान ने गुरुनानक देव के 550वें प्रकाश पर्व पर सिख समुदाय को बधाई देते हुए कहा कि करतारपुर गलियारे का खुलना ऐतिहासिक है और यह क्षेत्रीय शांति के लिए पाकिस्तान की प्रतिबद्धता का सबूत है। उन्होंने कहा, हम मानते हैं कि क्षेत्र में खुशहाली और आने वाली पीढ़ी के उज्ज्वल भविष्य का रास्ता शांति में है। आज हम केवल सीमा ही नहीं खोल रहे हैं बल्कि सिख समुदाय के लिए दिल के दरवाजे भी खोल रहे हैं। इमरान खान ने कहा कि सौहार्द के लिए उनकी सरकार की अनोखी पहल दिखाता है कि वह गुरु नानक देव और सिख समुदाय की धार्मिक भावनाओं का सम्मान करती है।

उन्होंने कहा, पाकिस्तान मानता है कि धर्मों के बीच सौहार्द और शांतिपूर्ण सह अस्तित्व से इस उपमहाद्वीप के लोगों के वृहद हित में काम करने के मौके मिलेंगे।

उल्लेखनीय है कि तनावपूर्ण संबंध होने के बावजूद भारत और पाकिस्तान ने पिछले महीने करार किया था जिससे करतारपुर गलियारे के उद्घाटन का रास्ता साफ हुआ। करार के तहत पाकिस्तान रोजाना 5,000 श्रद्धादलुओं को गुरुद्वारा करतारपुर साहिब के दर्शन करने की अनुमति देगा।

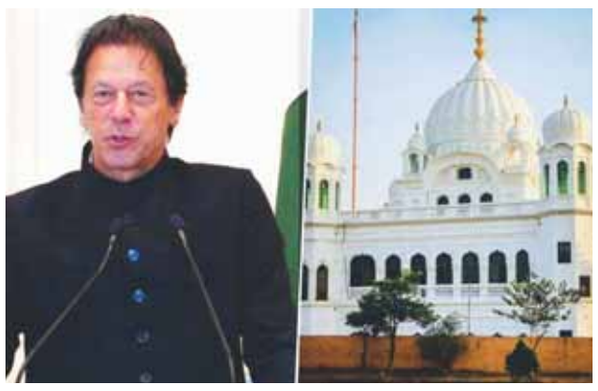

भारत, पाकिस्तान को साथ लाने का बड़ा मौका : यूएई के सिख

एजेंसी। दुबई

संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के सिख समुदाय के एक नेता ने कहा कि करतारपुर साहिब गलियारे का खोला जाना सिख समुदाय के लिए भारत और पाकिस्तान को साथ लाने का बड़ा मौका है। इस पावन मौके के लिए उन्होंने दोनों देशों के नेताओं का आभार जताया।

सुरेंद्र सिंह कंधारी ने कहा कि सिखों के लिए करतारपुर का ऐतिहासिक और धार्मिक महत्व है क्योंकि यहीं पर सिख धर्म के संस्थापक गुरु नानक देव ने अपने अंतिम दिन बिताए थे। उन्होंने कहा, हमारे लिए यह गुरु नानक देव जी के जन्म स्थान पाकिस्तान में ननकाना साहिब की तरह ही महत्वपूर्ण है। कंधारी ने एक बयान में कहा, हम गुरुद्वारा गुरु नानक दरबार दुबई में और यूएई में समस्त सिख और भारतीय समुदाय की ओर से इस फैसले पर बहुत खुश हैं। कंधारी ने कहा कि गुरुद्वारा गुरु नानक दरबार, दुबई इस महत्वपूर्ण अवसर पर सिख समुदाय के लिए खोले जाने को लेकर पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान के कदम की भी प्रशंसा करता है।

उन्होंने आयोजन को सिख समुदाय के लिए इस मुश्किल घड़ी में भारत और पाकिस्तान को साथ लाने का भी एक बड़ा अवसर बताया।कंधारी ने कहा, हमें उम्मीद है कि यह आयोजन दोनों को साथ लाएगा और सहयोग तथा शांतिपूर्ण माहौल से आगे संबंध बेहतर होंगे।

पाकिस्तान के विदेश मंत्री ने अयोध्या फैसले के समय पर उठाए सवाल

एजेंसी। इस्लामाबाद

पाकिस्तान के विदेश मंत्री शाह महमूद कुरैशी ने करतारपुर गलियारा खोले जाने के दिन अयोध्या मामले में आए फैसले पर सवाल उठाते हुए कहा कि वह इस तरह के खुशी के मौके पर दिखाए गई असंवेदनशीलता से बेहद दुखी हैं।

गौरतलब है कि भारतीय उच्चतम न्यायालय ने शनिवार को अयोध्या में विवादित स्थल राम जन्मभूमि पर मंदिर के निर्माण का मार्ग प्रशस्त करते हुए केन्द्र सरकार को निर्देश दिया कि सुन्नी वक्फ बोर्ड को मस्जिद के निर्माण के लिए पांच एकड़ भूमि आबंटित की जाए। प्रधान न्यायाधीश रंजन गोगोई की अध्यक्षता वाली पांच सदस्ईय संविधान पीठ ने भारतीय इतिहास की दृष्टि से बेहद महत्वपूर्ण इस व्यवस्था के साथ ही करीब 130 साल से चले आ रहे इस संवेदनशील विवाद का पटाक्षेप कर दिया। इस विवाद ने देश के सामाजिक ताने बाने को तार तार कर दिया था। डॉन न्यूज टीवी ने कुरैशी के हवाले से कहा, क्या इसको थोड़े दिन टाला नहीं जा सकता था? मैं इस खुशी के मौके पर दिखाए गई असंवेदनशीलता से बेहद दुखी हूं। करतारपुर गलियारे के बहुप्रतीक्षित उद्घाटन का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा, आपको इससे ध्यान भटकाने की बजाय इस खुशी के मौके का हिस्सा बनना चाहिए था। यह विवाद संवेदनशील था और उसे इस शुभ दिन का हिस्सा नहीं बनाना चाहिए था। यह गलियारा गुरदासपुर में बाबा नानक गुरुद्वारे को पाकिस्तान के करतारपुर स्थित दरबार साहिब से जोड़ता है। यहां गुरु नानक देव ने अपने जीवन के अंतिम वर्ष बिताए थे। गुरुद्वारा करतारपुर साहिब पाकिस्तान की रावी नदी के पास स्थित है और पंजाब के गुरदासपुर जिले में डेरा बाबा नानक गुरुद्वारे से करीब चार किलोमीटर दूर है। इस साल 12 नवंबर को गुरु नानक की 550वीं जयंती के जश्न के हिस्से के रूप में इसे खोला गया है। पाकिस्तान के विदेश मंत्री ने कहा कि मुस्लिम भारत में पहले ही काफी दबाव में है और भारतीय अदालत का यह फैसला उन पर और दबाव बढ़ाएगा।

उत्तरी इंग्लैंड के मटलॉक में बाढ़ के बाद एक ऑप्टिशियन की दुकान पर सफाई करते ब्रिटेन के प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन

अमेरिका चाहता है दलाई लामा के उत्तराधिकारी का मामला संयुक्त राष्ट्र में उठाया जाए: दूत

एजेंसी। वाशिंगटन

अंतरराष्ट्रीय धार्मिक स्वतंत्रता मामलों के लिए अमेरिका के विशेष दूत ने कहा कि अमेरिका चाहता है कि दलाई लामा का उत्तराधिकारी चुनने का मामला संयुक्त राष्ट्र में उठाया जाए ताकि तिब्बतियों के आध्यात्मिक नेता का उत्तराधिकारी चुनने की चीन की कोशिश को रोका जा सके।

अमेरिकी विशेष दूत सैम ब्राउनबैक ने कहा कि उन्होंने 84 वर्षीय दलाई लामा से धर्मशाला में पिछले सप्ताह मुलाकात करके उत्तराधिकारी के मामले पर लंबी चर्चा की थी। ब्राउनबैक ने बताया कि उन्होंने दलाई लामा से कहा कि अमेरिका इस बात के लिए वैश्विक स्तर पर समर्थन हासिल करने की कोशिश करेगा कि अगले आध्यात्मिक नेता का चयन चीन सरकार नहीं बल्कि बौद्ध धर्म के अनुयाई तिब्बती करें। उन्होंने कहा, मैं उम्मीद करता हूं कि संयुक्त राष्ट्र इस मामले को उठाएगा।

पूर्व ब्राजीलियाई राष्ट्रपति लूला डीसिल्वा जेल से रिहा

एजेंसी। क्यूरिटिबा (ब्राजील)

भ्रष्टाचार के मामले में डेढ़ साल जेल की सलाखों के पीछे रहे ब्राजील के पूर्व राष्ट्रपति लुइज इनासियो लूला डिसिल्वा को अदालत के आदेश के बाद रिहा कर दिया गया।

अदालत के इस फैसले के बाद हजारों दोषियों को रिहा किए जाने की संभावना है।काली टी-शर्ट और सूट जैकेट पहने पूर्व राष्ट्रपति लूला डिसिल्वा क्यूरिटिबा में जैसे ही संघीय पुलिस मुख्यालय से बाहर निकले, उन्होंने अपनी मुट्ठी बंद करके अपना हाथ ऊपर उठाया। उनके जेल से बाहर निकलते ही उनके सैकड़ों समर्थकों और पत्रकारों ने उन्हें घेर लिया। लूला ने उन्हें संबोधित करते हुए ब्राजील के आम लोगों के लिए लड़ाई जारी रखने और संघीय पुलिस का झूठा पक्ष उजागर करने का संकल्प लिया। इस दौरान उनकी प्रेमिका रोसांगेला डीसिल्वा भी उनके साथ थीं। लूला अप्रैल 2018 से जेल में बंद थे।

उच्चतम न्यायालय ने दोषियों की पहली याचिका के खिलाफ फैसला आने के बाद जेल जाने की अनिवार्यता संबंधी आदेश को बृहस्पतिवार देर रात पलट दिया था। इस फैसले से जिन हजारों दोषियों को लाभ हो सकता है, उनमें लूला भी शामिल हैं। ए दोषी याचिका के अपने अधिकारों का पूरा प्रयोग करने तक रिहा रहेंगे। लूला 2003 से 2010 तक देश के राष्ट्रपति रहे। उन्हें भ्रष्टाचार एवं धनशोधन के मामले में दोषी ठहराते हुए कारावास की सजा सुनाई गई थी।

क्विक न्यूज

भूकंप में घायलों की संख्या 520 पहुंची: ईरानी मीडिया

तेहरान। ईरान में शुक्रवार को आए 5.9 तीव्रता के भूकंप में घायलो की संख्या 300 से बढ़कर 520 हो गई। शनिवार को आई रिपोर्ट के अनुसार ईरान के पूर्वी अजरबैजान प्रांत के टार्क काउंटी में 80 से अधिक सुदूरवर्ती गांवो मे बचाव कार्य समाप्त होने के बाद ए आंकड़े सामने आए है। यह प्रांत राजधानी तेहरान के उत्तर-पश्चिम मे लगभग 400 किलोमीटर दूर है। रिपोर्ट के अनुसार मरने वालो की संख्या अब भी पांच ही है। घायल 28 व्यक्तियो को अस्पताल मे भर्ती किया गया है जबकि जिन लोगो को मामूली चोटे आई थी, उन्हे छुट्टी दे दी गई। ईरान मे अक्सर भूकंप आते रहते है। यहां के बाम शहर मे 2003 मे आए 6.6 तीव्रता के भूकंप मे 26,000 लोगो की मौत हो गई थी।

ऑस्ट्रेलिया में जंगल की आग घरों तक पहुंची, तीन की मौत

कैनबरा। ऑस्ट्रेलिया के सूखे से प्रभावित पूर्वी तट पर जंगलो मे लगी आग फैल गई। आग की चपेट मे आकर 150 से अधिक घर खाक हो गए। अधिकारियो ने शनिवार को बताया कि जंगल मे लगी आग के कारण तीन लोगो की मौत हो गई, कई लोग लापता है और 30 से अधिक लोग झुलस गए है। ग्रामीण दमकल सेवा के आयुक्त शेन फिट्जसिमन्स ने बताया कि ऑस्ट्रेलिया के सर्वाधिक आबादी वाले राज्य न्यू साउथ वेल्स मे तेज हवाओ के कारण आग फैल गई। आग 70 से अधिक स्थानो पर लगी है जिसे बुझाने के लिए 1,500 दमकलकर्मी जुटे हुए है। शुक्रवार से अब तक कम से कम 150 घर जलकर खाक हो गए। अधिकारियो ने बताया कि बुरी तरह तबाह कुछ इलाको मे क्षति का आकलन करने वाले दल अभी तक नही पहुंच पाए है। फ्रेस्टर शहर मे सैकड़ो लोगो ने घर छोड़ दिए और बचाव शिविरो या कारो मे रात गुजारी।

हांगकांग के लोकतंत्र समर्थक सात सांसदों को हिरासत में लिया गया

हांगकांग। हांगकांग के लोकतंत्र समर्थक सात सांसदो को शनिवार को या तो हिरासत मे लिया गया या फिर गिरफ्तार किया गया। इस कदम से प्रदर्शनकारियो का आक्रोश बढ़ने की आशंका है। पुलिस ने एक बयान मे कहा कि एक सांसद पर शनिवार को आरोप लगाया गया। इन सभी को सोमवार को अदालत मे पेश किया जाएगा।सांसदो ने एक संवाददाता सम्मेलन मे बताया कि उनके सहकर्मियो पर अब वापस ले लिए गए चीन प्रत्यर्पण विधेयक पर 11 मई को बैठक के दौरान स्थानीय संसद को बाधित करने का आरोप लगाए जाने की संभावना है।

सैंटियागो, चिली में सरकार विरोधी प्रदर्शनकारियों ने एक चर्च से निकाली गई वस्तुओं को आग के हवाले कर दिया

सीरिया में तुर्की सेना पर गश्त के दौरान कुर्दों ने की पत्थरबाजी

एजेंसी। माब्दा (सीरिया)

पूर्वोत्तर सीरिया में शुक्रवार गश्त के दौरान तुर्की सेना के वाहनों पर कुर्द प्रदर्शनकारियों ने पत्थरबाजी की जिसमें एक वाहन की चपेट में आकर एक नागरिक की मौत हो गई। एएफपी की रिपोर्ट के अनुसार तुर्की सीमा के पास माब्दा शहर में कुछ लोगों ने गश्त के कर रहे तुर्की सेना के काफिले पर जूते और पत्थर बरसाए। इसी बीच डेरिक कस्बे में एक बड़ा बख्तरबंद वाहन एक युवक को रौंदते हुए निकल गया। घायल युवक को अस्पताल ले जाया गया। घटना की निगरानी कर रहे सीरियन ऑब्जर्वेट्री फॉर ह्यूमन राइट्स समूह ने जानकारी दी कि आंतरिक रक्तस्राव के कारण युवक की मृत्यु हो गई। शहर में अन्य स्थानों पर गश्त कर रही रूसी-तुर्की सेना के प्रति कुर्द ग्रामीणों ने ऐसी ही हिंसक प्रतिक्रिया दी है।

बीमार शरीफ को उपचार के लिए लंदन लेकर जाएंगे शहबाज

एजेंसी। लाहौर

पाकिस्तान मुस्लिम लीग नवाज (पीएमएल-एन) अध्यक्ष शहबाज शरीफ बीमारी से जूझ रहे अपने भाई एवं पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ को रविवार को उपचार के लिए लंदन लेकर जाएंगे।

नवाज शरीफ की बेटी मरयम नवाज ने मीडिया को बताया था कि 69 वर्षीय नवाज शरीफ चिकित्सकों की सलाह और परिवार के अनुरोध पर लंदन जाने को लेकर शुक्रवार को राजी हो गए। जियो न्यूज ने सूत्रों के हवाले से बताया कि शहबाज रविवार को अपने भाई को चिकित्सीय उपचार के लिए लेकर जाएंगे। रिपोर्ट में बताया गया कि नवाज शरीफ के उपचार के लिए हार्ले स्ट्रीट क्लीनिक में प्रबंध किए गए हैं। शहबाज और शरीफ रविवार को पाकिस्तान इंटरनेशनल

एयरलाइंस (पीआईएल) के विमान से लंदन जाएंगे। गौरतलब है कि शरीफ की पत्नी कुलसुम का गत वर्ष लंदन में गले के कैंसर के कारण निधन हो गया था। लाहौर उच्च न्यायालय से बुधवार को जमानत पर रिहा की गई मरयम ने कहा था कि शरीफ अपनी गंभीर सेहत के कारण विदेश जाकर इलाज कराने पर राजी हो गए हैं। शरीफ को बुधवार को लाहौर में उनके जट्टी उमरा रायविंड स्थित आवास ले जाया गया था। वह दो सप्ताह तक कई बीमारियों के इलाज के लिए पाकिस्तान के एक अस्पताल में भर्ती रहे थे।

सिख समुदाय के सम्मान में अमेरिकी कांग्रेस में प्रस्ताव पेश

एजेंसी। वाशिंगटन

अमेरिका के शीर्ष सांसदों ने अमेरिकी कांग्रेस में एक प्रस्ताव पेश किया है जिसमें गुरु नानक देव के 550वें प्रकाश पर्व के ऐतिहासिक, सांस्कृतिक एवं धार्मिक महत्व को मान्यता देने और देश के प्रति अमेरिकी सिखों के योगदान को सम्मान देने की बात कही गई है। सिख धर्म के संस्थापक गुरु नानक के 550वें प्रकाश पर्व से पहले पेश इस प्रस्ताव में कहा गया है कि अमेरिका और दुनियाभर में रहने वाले सिख उन मूल्यों एवं समानता के विचारों, सेवा तथा ईश्वर के प्रति समर्पण के भाव का पालन करते हैं जिन्हें नानक ने अपने उपदेशों में बताया था। सीनेट में शुक्रवार को डेमोक्रेटिक सीनेटर डिक डर्बिन, बॉब मेनेनडेज और बेन कार्डिन ने यह प्रस्ताव पेश किया।

चक्रवात बुलबुल के मद्देनजर बांग्लादेश में बड़े पैमाने पर लोगों से इलाका खाली कराया गया

एजेंसी। ढाका

बांग्लादेश में अधिकारियों ने निचले तटीय गांवों और द्वीपों से करीब 18 लाख लोगों को सुरक्षित स्थानों पर जाने का शुक्रवार को आदेश दिया। देश में शनिवार शाम को बेहद शक्तिशाली चक्रवाती तूफान के दस्तक देने की आशंका है।

आपदा प्रबंधन मंत्रालय के अधिकारियों ने बताया कि हजारों लोगों को पहले ही सुरक्षित शिविरों में ले जाया गया है। 10 दक्षिणपश्चिम तटीय जिलों में लोगों से स्थान खाली कराने की प्रक्रिया चल रही है जिनके चक्रवाती तूफान बुलबुल के ज्यादा चपेट में आने की संभावना है।

आपदा मंत्रालय के सचिव शाह कमल ने पत्रकारों से कहा, अब तक तीन लाख लोगों को सुरक्षित स्थानों पर ले जाया गया है और हमारी शाम तक संवेदनशील क्षेत्रों से 18 लाख लोगों को शिविरों में ले जाने की योजना है। उन्होंने बताया कि सेना की टुकड़ियों को बुलाया गया है। मौसम

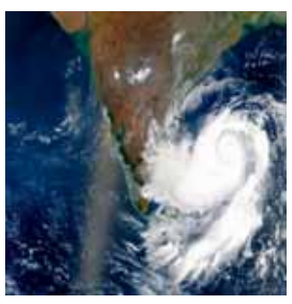

विभाग के ताजा बुलेटिन में कहा गया है कि बुलबुल बांग्लादेश के दक्षिणपश्चिम मांगला बंदरगाह से 280 किलोमीटर दक्षिण पश्चिम में स्थित है।

आपदा प्रबंधन और राहत मंत्री इनामुर रहमान ने ढाका में एक संवाददाता सम्मेलन में बताया कि तूफान से निपटने के लिए पर्याप्त कदम उठाए गए हैं। रहमान ने बताया कि करीब 56,000 स्वयंसेवक मदद मुहैया कराने के लिए तैयार हैं खासतौर से तूफान के दस्तक देने से पहले लोगों को सुरक्षित शिविरों तक पहुंचाने के लिए।

लड़कियों और लड़कों दोनों में गणित हल करने की क्षमता समान होती है: शोध

एजेंसी। वाशिंगटन

लड़कों और लड़कियों के दिमागी विकास पर किए जा रहे शोध के अनुसार गणित हल करने की दिमागी क्षमता से लैंगिक भेद का कोई लेना-देना नहीं है।

अमेरिका में कार्नेजी मेलन यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं ने बच्चों की गणित हल करने की योग्यता में जैविक लैंगिक अंतर का मूल्यांकन करने के लिए पहला न्यूरोइमेजिंग अध्ययन किया। साइंस ऑफ लर्निंग नामक पत्रिका में प्रकाशित अध्ययन के परिणामों के अनुसार लड़कियों और लड़कों के मस्तिष्क के विकास और गणित हल करने की क्षमता में कोई अंतर नहीं है। अमेरिका में शोध की सह लेखिका यूनिवर्सिटी ऑफ शिकागो की एलिसा कर्सी ने कहा, इससे यह सिद्ध होता है कि हम इंसान एक दूसरे से अलग होने के बजाय ज्यादा समान हैं। केवल गणित ही नहीं बल्कि लड़के और लड़कियों का मस्तिष्क कई मायनों में एक जैसा है। शोध में यह भी पता चला कि लड़के और लड़कियां दोनों शैक्षिक वीडियो देखते समय भी बराबर एकाग्र रहते हैं। इस शोध के के लिए शोधकर्ताओं ने तीन से 10 वर्ष की उम्र वाले 104 बच्चों(55 लड़कियां और 49 लड़कों) का गिनती और जोड़ने जैसे आसान गणित के विषयों वाला शैक्षिक वीडियो देखते हुए एमआरआई किया। उन्होंने लड़के और लड़कियों दोनों के मस्तिष्क की समानताओं की तुलना की।

यूएई में दो बुजुर्ग भारतीय महिलाओं ने व्हीलचेयर पर पूरी की पांच किलोमीटर की दौड़

दुबई। यूएई में दो बुजुर्ग भारतीय महिलाओं ने व्हीलचेयर पर पांच किलोमीटर की दौड़ सफलतापूर्वक पूरी की। खलीज टाइम्स की एक खबर की अनुसार कुसुम भार्गव (86) और ईश्वरी अम्मा (78) ने शुक्रवार को दुबई रन में हिस्सा लिया था। कुसुम भार्गव (86) दुबई रन में हिस्सा लेने वाली सबसे बुजुर्ग प्रतियोगी थीं। उन्होंने कहा कि उनके लिए यह एक बेहतरीन अनुभव रहा।

भार्गव ने कहा, मैं कई लोगों से मिली, जिन्होंने मेरे साथ तस्वीर भी ली। मैंने पांच किलोमीटर की दौड़ पूरी की और इसका श्रेय मेरी बहू को जाता है। वहीं, शारजाह की रहने वाली अमा इसमें हिस्सा लेने वाली सबसे उम्रदराज प्रतिभागियों में से एक थीं। उन्होंने भी अपनी बहू और नाती-पोतों के साथ दौड़ में हिस्सा लिया। उनके परिवार के सदस्यों ने ही दौड़ की शुरुआत से अंत तक व्हीलचेयर को धक्का दिया। अमा ने कहा, मेरा बेटा हमेशा हमें दुबई लाकर शेख जायद रोड और उसके आस-पास की खूबसूरत इमारतें दिखाता था। आज, अपने पैरों पर यहां होने का अनुभव कमाल का था।

राजपक्षे सांप्रदायिक नफरत नही फैलाएं : प्रेमदासा

एजेंसी। कोलंबो

श्रीलंका की सत्तारूढ़ पार्टी के राष्ट्रपति पद के प्रत्याशी सजीथ प्रेमदासा ने मुख्य विपक्षी नेता महिंदा राजपक्षे से तमिल अल्पसंख्यकों को सत्ता के हस्तांतरण की उनकी योजना पर सांप्रदायिक नफरत नहीं फैलाने को कहा है।

यह टिप्पणी राजपक्षे के उस बयान पर आई है जिसमें उन्होंने प्रेमदासा पर आरोप लगाया था कि वह तमिलों को सत्ता के हस्तांतरण की अपनी योजना के जरिए देश के एकात्मक लक्षण को कमजोर कर रहे हैं। प्रेमदासा 16 नवंबर को होने वाले राष्ट्रपति चुनाव में सत्तारूढ़ यूनाइटेड नेशनल पार्टी (यूएनपी) के प्रत्याशी हैं और 31 अक्टूबर को जारी अपने घोषणापत्र में वादा किया कि था कि सत्ता में आने पर वह प्रांतों को शक्तियां सौंपने के लिए संसद के उच्च सदन सीनेट को बहाल करेंगे। राजपक्षे ने प्रेमदासा की घोषणा की आलोचना करते हुए बौद्ध धर्मगुरुओं से अपील की थी कि वे सत्तारूढ़ दल से चर्चा करें। हालांकि, प्रेमदासा ने कहा कि देश की स्वतंत्रता और संप्रभुता के लिए वे अपनी घोषणा को लेकर प्रतिबद्ध हैं। राजपक्षे की आलोचना के जवाब में प्रेमदासा ने उनको चिट्ठी लिखी है। इसमें प्रेमदासा ने कहा कि उनकी अविभाजित एवं अविभाज्य श्रीलंका का अभिप्राय एकजुट राष्ट्र से है। प्रेमदासा ने राजपक्षे से कहा कि वह अपने भाई गोटाभाया राजपक्षे के समर्थन में सांप्रदायिक नफरत नहीं फैलाएं। उल्लेखनीय है कि ऐतिहासिक रूप से बौद्ध भिक्षु तमिलों के साथ सत्ता की साझीदारी के खिलाफ रहे हैं। वहीं, प्रेमदासा को तमिलों और मुस्लिम अल्पसंख्यकों का समर्थन हासिल है जबकि बहुसंख्यक सिंहली आबादी महिंदा राजपक्षे को तीन दशक से जारी गृहयुद्ध को समाप्त करने वाले हीरो के तौर पर देखती है।

पायनियर
रविवार, 10 नवंबर, 2019
एजेण्डा

जब कभी मैं किसी चीज पर उलझती हूं तो यूं सोचती हूं कि अगर मैं डरती नहीं तो क्या करती? अगर मैं डरती नहीं तो क्या लिखती ? इस स्थिति में मैं डरती नहीं तो क्या कहती?
– फोएबे वालर-ब्रिज

फाइबर, प्रोटीन, विटामिन बी, व अन्य पौष्टिक तत्वों से समृद्ध, मोटा अनाज एक अत्यंत विविधतापूर्ण एवं टिकाऊ खाद्य विकल्प के रूप में , शहरी खानपान में जबरदस्त वापसी कर रहा है। इन भुला दिए गए महाखाद्यों को उल्लेखनीय बनाने से संबंधित विस्तृत जानकारी देती हैं कविता देवगन

फायदेमंद है मोटा अनाज

जो पुराना है वह पुन: नया है। और यह एक अच्छी खबर है। अचानक, पुराने जमाने के समूचे अनाजों को घरेलू रसोइयों व रेस्टोरेंटों द्वारा गले लगाया जा रहा है और ये सुपर बाजारों में बड़े पैमाने पर उपलब्ध हैं। तथा, उनमें सबसे अग्रणी अनाज है बाजरा।

पौष्टाहार विशेषज्ञ के रूप में, मैंने हमेशा माना है कि मोटा अनाज आपकी थालियों पर उचित स्थान का हकदार है। फाइबर, प्रोटीन, विटामिन बी, व अन्य पौष्टिक तत्वों से भरपूर, ये प्राचीन अनाज अत्यंत विविधतापूर्ण हैं और इन्हें व्यंजनों में चावल या पास्ता के साथ बदला जा सकता है, सलादों व शक्तिवर्द्धक कटोरों में जोड़ा जा सकता है व फलों व बादाम आदि से भरे गर्म नाश्ते के कटोरे में ओटमील की तरह पकाया जा सकता है। साथ, पर्यावरण सजग व्यक्तियों के लिए, फीलगुड फेक्टर यह है कि बाजरे में कम पानी की जरूरत होती है, यह दुनिया के बंजर या कम बजंर इलाकों बेहतर उग सकता है और इस कारण इन्हें खाना आपके लिए अत्यंत लाभकारी है क्योंकि इससे दुनिया में कम कार्बन प्रिंट उत्सर्जित होता है। यह सुनिश्चित करने में आपका योगदान हो सकता है कि हम भावी पीढ़ियों के लिए भी कुछ भोजन छोड़कर जाते हैं।

स्वास्थ्य लाभ का बोनस

नए लोगों के लिए, सघन, जमीनी रंगत का अभ्यस्त होने में कुछ समय लगता है, खासतौर पर इसलिए कि हमारा स्वाद गेहूं व सफेद चावल की बेस्वाद नरमी का अधिक आदी होता है। लेकिन उनके लिए काफी कुछ हो रहा है। मोटा अनाज ग्लूटेन मुक्त खाद्य पदार्थ है और यह उन लोगों के लिए वरदान है जो ग्लूटन प्रतिरोधक हैं और उन लोगों के लिए भी जो अपनी खुराक में ग्लूटन का भार घटाना चाहते हैं। इसके अलावा, यह आज एक अति प्रमाणित तथ्य है कि नियमित रूप से बाजरा खाने से आपको वजन घटाने में सहायता मिल सकती है, क्योंकि यह समृदध् मात्रा में फाइबरयुक्त है और इसमें बायोएक्टिव तत्व पाए जाते हैं।

मेरे पांच पसंदीदा अनाज

ज्वार

हमारी दादी नानी ने ज्वार की रोटियों को आज की नियमित गेहूं की रोटियों पर हमेशा तरजीह दी थी। उसका एक कारण था। हालांकि ज्वार में केल्शियम की मात्रा गेहूं और चावल के लगभग बराबर थी, मगर इसमें आयरन, प्रोटीन, और फाइबर का भरपूर मिश्रण होता है। जवार पोलिकोसानोल्स से भी समृद्ध होता है, जो शरीर में बुरे कोलोस्ट्राल को घटाने में सहायता करता है।

बाजरा

इस मोटे अनाज में काफी कुछ रहता है। बाजरा एक शानदार शुद्धिकारी एजेंट है और इसमें क्वरसिटीन जैसे केटचिन्स होता है जो शरीर से अशुद्धियों को बाहर निकाल कर किडनी व लीवर को समुचित ढंग से काम करने में सहायता करता है।

यह मानसून सीजन के लिए खासतौर पर लाभकारी है जब पाचनक्रिया थोड़ा सुस्त पड़ जाती है। यह भारी फाइबर, ग्लूटन मुक्त तत्व होते हैं जो पाचनक्रिया को सक्रिय बनाए रखने में सहायता करते हैं। असलियत में, यह मोटा अनाज खासतौर पर अघुलनशील फाइबर से भरपूर होता है जो मल को रेशेदार तत्व प्रदान करता है और कब्ज को दूर रखता है जो कि इस सीजन में एक आम समस्या बनती है।

यह हृदय का भी मित्र है। बाजरा तीन मोर्चों पर काम करता है: यह मेग्नीशियम (जो स्वस्थ्य हृदय बनाए रखने में सहायता करता है) से समृद्ध है, इसमें काफी मात्रा में पोटेशियम (जो इसे एक अच्छा वासोडिलेटर बनाता है और कुल मिलाकर रक्त प्रवाह को घटाने में सहायता करता है) है और यह फाइबर समृद्ध है। बाजरा में मौजूद मेग्नीशियम शरीर की ग्लूकोज ग्राह्यता को नियंत्रित करने में भी सहायता करता है और डायबिटीज को दूर रखता है।

रागी

इस नगण्य से ग्लूटनमुक्त अनाज में काफी कुछ खूबियां हैं। यह कैल्शियम और आयरन का समृद्ध स्रोत है और इसके प्रमुख प्रोटीन घटक इलियूसाइनिन, में उच्च जैववादी गुण है, यानी यह शरीर में आसानी से पाचनकारी व उपयोगी है।

यह पाचन कार्य में जबरदस्त सहायता करता है और इसमें सेल्लूलोज होता है जो एक प्रकार का पाचनकारी फाइबर है जो हमारी पाचन क्रिया के सहज बने रहने में सहायता करता है, कब्ज को दूर रखता है, व कोलोस्ट्राल स्तर पर निगरानी रखता है। साथ ही, बार्ले की तरह, रागी डायबिटीज व मोटापे के मरीजों का एक आदर्श भोजन है, क्योंकि इस पाचनकार्य धीमा है और आंतों से निकलने वाले ग्लूकोज बहुत धीमी गति से रक्त में मिलता है।

कंगिनी या थिन्नई

यह स्मार्ट कार्बोहाइड्रेट्स से भरपूर है, यानी ऐसा तत्व जो ब्लड शूगर स्तरों को तत्काल नहीं बढ़ाता है, लेकिन धीमे धीमे रक्तप्रवाह में ग्लूकोज प्रसारित करता है। इसके अलावा, यह खुराक संबंधी फाइबर तथा आयरन व कॉपर जैसे खनिजों से समृद्ध है। ये तत्व बुरे कोलोस्ट्राल को घटाने में सहायता करते हैं और प्रतिरक्षण तंत्र को मजबूत भी रखते हैं।

झंगोरा

पकाए जाने पर इसका स्वाद टूटे चावल जैसा होता है और इसे समक के चावल भी कहा जाता है। पौष्टिक तत्वों से भरपूर इस मोटे अनाज में उच्च फाइबर तत्व हैं, जो वजन घटाने में असरकारी सहायता कर सकते हैं।

यह केल्शियम व फासफोरस का समृद्ध स्रोत है जो हड्डियों के निर्माण में मदद करते हैं, और इसमें किसी भी अन्य अनाजों से अधिक फाइबर होता है और ये शरीर को घुलनशील व अघुलनशील दोनों प्रकार के फाइबर प्रदान करता है जिससे कब्ज, अत्यधिक गैस, सूजन व अकड़न की रोकथाम में सहायता मिलती है। इस अनाज में अन्य अनाजों की तुलना में सर्वाधिक मात्रा में आयरन पाया जाता है।

उनकी सुपर शक्ति जगाएं: उन्हें अंकुरित करें

मोटे अनाज को सर्वाधिक लाभकारी बनाने के लिए, उन्हें अंकुरित करें फिर खाएं। स्प्राउट अब लंबे समय तक स्वस्थ खानपान का लोकप्रिय शब्द बन गया है।

सावधान रहें

मोटे अनाज के बारे में कोई संदेह नहीं है वे हमारी खुराक तथा आहार श्रंखला में महाभोज्यों में से एक हैं लेकिन उन लोगों को, जो थाइरायड से पीड़ित हैं, उनके प्रति सहज होने की आवश्यकता है। नोएडा के आहार विशेषज्ञ हिमांशु इंगित करते हैं, ''हालांकि मोटा अनाज ग्लूटनमुक्त है, मगर इसमें गोइट्रोजेन्स होते हैं, जो भोजन में मिश्रित तत्व जो थाइरायड गतिविधि को घटाते या दबाते हैं। गोइट्रोजेंस आम तौरपर पकाने की प्रक्रिया से घट जाते हैं। जबकि मोटे अनाज में, पकाना असलियत में गोइट्रोजेनिक प्रभाव को बढ़ाता है। इस तरह से, यदि कोई पूरी तरह मोटे अनाज की ओर रुख करता है, थाइरायड दबाने वाले असर बढ़ सकते हैं। यदि ग्लूटन एक मसला है तो इसे एक अनाज से दूसरे अनाज की ओर मुड़ने के रूप में प्रस्तावित किया जाता है जो ग्लूटन से मुक्त है और अमरंथ, रेशेदार या कसावा के रूप में गैर गोइट्रोजेनिक है। ''

इसके अलावा, मोटे अनाज में खास एंजाइम तत्व तथा फिटिक एसिड भी होते हैं, जो महत्वपूर्ण खनिजों को बांधते हैं, शरीर को पौष्टिक तत्वों व खनिज तत्वों को सोखने का अवसर नहीं देते हैं। इसलिए पालनयोग्य नियम है कि उन्हें अपनी खुराक का हिस्सा बनाया जाए, लेकिन उनका अत्यधिक सेवन न किया जाए।

- **रागी कुझू (दलिया)**
  पानी उबालें। उबलते पानी में धीरे धीरे 30 ग्राम रागी पाऊडर डालें और लगातार हिलाएं तो उसमें गट्ठे न बनने पाएं। इसे तब तक उबालते रहें जब तक कि यह थोड़ा मोटा तरल पदार्थ न बन जाए। स्वाद के मुताबिक नमक मिलाएं, मिलाएं और गैस बंद कर दें। एक नींबू का जूस व नमक को 250 एमएल बटरमिल्क में मिलाएं। बटर मिल्क को गाढ़े रागी तरल पदार्थ में मिलाएं और नींबू का अचार डालें। आप इसे रात में भी पका सकते हैं और फ्रिज में रात भर के लिए रख सकते हैं, सुबह इसमें बटर मिल्क मिलाएं और खाएं।

- **बाजरा पोंगल**
  टूटे बाजरे को हल्का गर्म होने तक हल्का हल्का भून लें। ग्रीन ग्राम दाल, भुने हुए बाजरे को 70: 30 के अनुपात में, तीन कप पानी व नमक के साथ कुकर में पकाएं कि वह नरम हो जाएं। थोड़ा गर्म घी करें तथा उसमें काजू मिलाएं। जब हल्का भूरा हो जाए तो उसमें जीरा, काली मिर्च, कढ़ी पत्ती, व अदरक पेस्ट मिलाएं और उसे पोंगल में डाल दें। और छाछ या बटरमिल्क के साथ खाएं।

-कविता देवगन की पुस्तक अल्टीमेट ग्रेंडमदर हेक्स का पुस्तकांश (रूपा पब्लिकेशंस)

लेकिन अंकुरण थोड़ा बहुत मसूर, मूंग दाल, चना, लोबिया तक सीमित है.... हालांकि अन्य अनाजों का अंकुरण भी कुछ कुछ होता आया है, मगर वे सचमुच अभी मुख्यधारा नहीं बने हैं। अब समय उन्हें बदलने का है।

अंकुरण पौष्टिकता स्तर को कई गुना बढ़ा देता है क्योंकि इस प्रक्रिया से खाद्य की विटामिन, खनिज व

शुद्धियां बढ़ जाती हैं। विटामिन बी, विटामिन सी और फोलेट जैसे प्रमुख पौष्टिक तत्वों की सघनता में वृद्धि होती है। साथ ही, ये पौष्टिक तत्व ज्यादा जैवसुलभ भी बन जाते हैं यानी शरीर में आसानी से घुल व विलय हो जाते हैं। विशेष तौर पर आयरन के मामले में यह अत्यंत लाभकारी है, यह ऐसा खनिज है जिसे शाकाहारी स्रोतों से ग्रहण करना कठिन है।

मैसूर, भारत में सेंट्रल फूड टेक्नोलाजिकल रीसर्च इंस्टीट्यूट में किए गए अध्ययन ने रागी, गेहूं और जौ के अंकुरण से होने वाले बदलावों का मापन किया। उन्होंने पाया कि मोटे अनाज के अंकुरण ने आयरन की तीन सौ प्रतिशत तथा मैगनीज की 17 फीसदी तथा कैल्शियम की बेहतर जैव सुलभता बढ़ा दी थी। भोजन भी कम ब्लीसेमिक इंडेक्स का हो जाता है और जो पाचन क्रिया के कारण बेहतर पाचनशील होता है जो अंकुरण के दौरान सर्वोन्नत स्थिति में होता है और अंकुरण से बीज में कलफदार कार्बोहायड्रेट ऊर्जा में बदल जाता है। इसका नतीजा होता है कि अंकुरित खाद्य में प्रोटीन व फाइबर युक्त कार्बोहाइड्रेट की मात्रा बहुत बढ़ जाती है। प्रोटीन भी अधिक पाचनशील हो जाती है जब खाद्य अंकुरित होता है। इसका सबसे बड़ा लाभ यह है कि अंकुरण अपौष्टिक तत्वों (मसलन फिजिक्स ऐसिड, एन्जाइम, लेक्टिंस, सपोनिंस आदि)की उपस्थिति घटाने में सहायता करता है और स्वाभाविक तौर पर घटित होने वाले तत्व जो पौधे के बीजों में पाए जाते हैं जो पौधों में विटामिन व खनिजों को पचाने की हमारी योग्यता में हस्तक्षेप करते हैं।

असलियत में, अंकुरित अनाजों का एक बड़ा लाभ यह है, जो अध्ययनों में पाया गया है कि अनाजों के ग्लूटन सघनता में वृहद बदलाव होते हैं जब वे अंकुरित होते हैं। यह देखना कि आज (हमारी खुराक का एक बड़ा हिस्सा इनसे निर्मित होता है) हम कितना अधिक अनाज खाते हैं, यह इस प्रकार से ग्लूटन सेवन को स्वाभाविक तौर पर घटाने का एक अच्छा विचार है।

ऐसे में कौन सा अनाज अंकुरित किया जा सकता है?

आप किसी भी प्रकार के संपूर्ण अनाज को अंकुरित कर सकते हैं– महत्वपूर्ण बात यह है कि अनाज संपूर्ण अनाज होना चाहिए, जिसमें बीज और चोकर दोनों हो। परिष्कृत अनाज को अंकुरित नहीं किया जा सकता। अंकुरित अनाज को कच्चा, हल्का पकाकर, आटे के रूप में पीसकर या ब्रेड रूप में खाया जा सकता है। इसलिए अपने सलाद में मुट्ठी भर अंकुरित किनोआ जैसे अंकुरित अनाज डालें, अपने सूप में थोड़ा अंकुरित चावल मिलाएं, या दलिया बनाने के लिए अपने दूध में अंकुरित कुटू, किनोआ या मोटा अनाज मिलाएं, ये आपके स्वास्थ्य के लिए काफी लाभकारी हैं।

शेफ की पसंद

शेफ अनहिता एन धोंडी, जो सोडा बोतल ओपनरवाला साइबरहब के शेफ पार्टनर हैं, कहती हैं कि उन्हें अपने व्यंजनों में मोटा अनाज का उपयोग करना पसंद है क्योंकि वह उन्हें बहुआयामी पाती हैं, जिन्हें पकाना आसान है और वे सभी व्यंजनों को लाभकारी बनाते हैं। बकौल अनहिता, '' सलाद के रूप में वे बहुत स्वादिष्ट हैं जिसमें आप कुरकुरापन बढ़ा सकता है। सूप में, या फिर मुख्य व्यंजन बनाने में भी।'' रेस्टोरेंट में , वह ओकरा मिलेट सलाद, मिलेट सूप, रागी ब्रेड परोसती हैं और घर पर वह अपने फ्रिज में उबला मोटा अनाज रखती है, खासतौर पर रागी और कंगिनी। जिन्हें बनाना और परोसना बहुत आसान होता है। उनके मुताबिक वे आज एक बार फिर से रेस्टोरेंटों में खानपान चलन के रूप में लोकप्रिय बन सकते हैं, लेकिन उन्हें हमेशा से भारतीय घरों में पकाया गया है। उन्होंने खुद अर्सा पहले अपनी दादी के घर में उनकी खोज की है।

बाजार-शक्तियां

भारत में मोटे अनाज ने हमेशा प्रमुख महत्ता हासिल की है, क्योंकि हम दुनिया में इनके सबसे बड़े उत्पादकों में से हैं, लेकिन किसी कारणवश बाजार की शक्तियों ने हाल ही में इनकी क्षमता को पहचाना है। पिछले कुछ वर्षों से, नवयुगीन कंपनियों ने इस संस्कृति को पुनर्जीवित करने का फैसला किया, और उन्हें उपभोक्ताओं से अच्छा प्रतिउत्तर भी मिल रहा है। जब दिल्ली की रहने वाली मेघना नारायण और शौरवी मलिक ने उद्यमी बनने का फैसला किया, तो उन्होंने बाजार, उत्पाद व रुझान संबंधी व्यापक शोध कराया, काफी सोच विचार किया और फिर अपने दिल की सुनी और मोटे अनाज पर ध्यान दिया। इस प्रकार उन्होंने 2015 में स्लर्प फार्म्स की शुरुआत की। यह महसूस करते हुए कि स्वस्थ पाक कला का जवाब हमारी दादियों के किचन में मौजूद है, वे मोटे अनाज से बनने वाले बिस्कुटों को अपना ब्रांड बनाने के पुराने नुस्खे सामने लेकर आईं। आज बिस्कुटों के साथ साथ, वे बच्चों के लिए सीरियल्स, डोसा तथा पानकेक मिक्स तथा मंच प्रस्तावित करते हैं– सभी मोटे अनाजों से निर्मित।

>> पेज 3

विश्व का मूल है आपके स्व का मूल और स्वयं आपका मूल है दुनिया का मूल
- इवा केनाज़

पथभ्रष्ट करेंगे लोभ आधारित कार्य

जीवन चक्र
भारत भूषण पद्मदेव

त्योहार का सीजन, बिहार में व पूर्वी उत्तर प्रदेश के सटे इलाकों में मनाए जाने वाले छठ त्योहार के संपन्न होने पर समाप्त होता है, जिसे विस्थापित लोगों ने लगभग सभी इलाकों में पहुंचाया है। यह त्योहार प्रमुख नक्षत्र, व जीवन प्रदाता, सूर्य को समर्पित है। सादगीपसंद तरीकों के जरिए, भक्त प्रार्थनाएं अर्पित करते हैं, पहले तो सूर्यास्त को और फिर सूर्योदय को।

अन्य त्योहारों के विपरीत, जो कि किसी मिथकीय कथा के सम्मान में मनाए जाते हैं, भक्त सीधे प्रकृति की शक्तियों को साधन की कोशिश करते हैं जो कि हमारे बहुआयामी जीवन का सार लिए होती हैं। यहां यह ध्यान देना दिचलस्प है कि घर की महिलाएं प्रशंसा में गीत गाती हैं जिसमें वे उत्सव के दौरान छठी मइया का उल्लेख करती है। याद रखें, भारतीय मिथकीय परंपरा में, शक्ति के सभी रूप मातृत्व रूपों का प्रतीक हैं। क्योंकि, मां हाथों में समस्त स्रोत धारण करती है और निस्वार्थ भाव से बच्चे का पालन पोषण करती है।

यह उत्सव हमें जीवन चक्र में निरंतर मौजूद रहने की याद दिलाता है। जैसा कि आप जानते हैं, सूर्य कभी अस्त नहीं होता है, यह सिर्फ धरती के दूसरे हिस्से की ओर चला जाता है, और इस कारण यह नजर नहीं आता है। यह निरंतर अपना संरक्षण प्रदान करता है यहां तक रातों में भी चन्द्रमा के जरिए अपना प्रकाश प्रदान करता है। याद रखें, जीवन मृत्यु के साथ अपना अंतिम गंतव्य प्राप्त नहीं करता है। यह सिर्फ स्थूल काया है जो नष्ट होती है। जीवात्मा कायम रहती है, हालांकि काया की चाहत पूरी न होने के बावजूद। समयांतराल के बाद, जीवात्मा अपनी पूर्ण क्षमता के साथ नए रूप में पुन: जन्म लेती है। यह अपने साथ पूर्व की समस्त कार्मिक छवियां लिए होती है जो उभरते जीवन के रुझान निर्धारित करती है।

सूर्यास्त की पूजा की जाती है, क्योंकि इसने निस्वार्थ भाव से हमें अपनी गतिविधियां संपन्न करने के लिए आवश्यक शक्तियां प्रदान की है। यहां तक कि रात में सूर्य की अनुपस्थिति उद्देश्यपूर्ण है, क्योंकि यह आपको दिन की गतिविधियों से सेवानिवृत्त करता है, आराम व तरोताजगी पाने तथा सूर्य के उदय के साथ समस्त क्षमता के साथ जागने का अवसर प्रदान करता है। याद रखें, धरती के अंधकार क्षेत्रों में बोए गए बीजों को , वृक्ष रूप में फलित होने से पहले, एक विशेष समयावधि के लिए पोषण मिलता है। इसलिए भारतीय अवधारणा में, अंधेरे को नकारात्मक ढंग से नहीं लिया जाता है, बल्कि इसे रचनात्मकता के अनिवार्य चरण के रूप में स्वीकारा जाता है।

ध्यान रखें, अपनी प्रचंड शक्ति के साथ प्रकृति, जो सूर्य से पहचानी जाती है, जीवन को कायम रखने के लिए, सभी प्रारूपों में भोजन का प्रावधान करती है। अग्नि में भोजन अर्पित किया जाता है, जिससे उसकी लौ बरकरार रहती है, जिससे फिर, यह हमें अपने जीवन के लिए अनिवार्य आवश्यकताएं प्रदान करती है। सभी खाद्य पदार्थ खराब होने वाले मगर पुनर्चक्रणयोग्य हैं। अगर लालचवश आप उन्हें देर तक रोके रखते हैं, वे खराब हो जाएंगे और खानेयोग्य नहीं रहेंगे। इसलिए अनासक्त भावना के साथ, भक्त प्रतीकात्मक रूप से खाद्य वस्तुएं पहले सूर्यास्त को अर्पित करता है, और फिर सूर्योदय को, इस उम्मीद के साथ कि यह खाद्य वस्तुओं को पुन: बीज रूप में उत्पन्न होने में सहायता करेगा। पूजा संपन्न होने के बाद, खाद्य वस्तुएं प्रसाद के रूप में आसपास मौजूद लोगों में बांटी जाती हैं। यह मुझे महात्मा गांधी के शब्दों की याद दिलाता है: प्रकृति हमें खुद को जीवित रखने के लिए पर्याप्त देती है लेकिन यह व्यक्ति के लोभ को संतुष्ट नहीं कर सकती।

निहित संदेश जीवन की यात्रा को सूर्य की तरह, आवश्यकता आधारित उचित कर्म में भाग लेते हुए, कर्तव्यनिष्ठ ढंग से बरकरार रखना है। आप फिर महात्मा गांधी की तरह, सम्मान की भावना के साथ मृत्यु उपरांत स्थिति तक को याद कर सकते हैं। वैयक्तिक भाव में, आप अगले जन्म के दौरान अच्छे कर्मों के बीजों के साथ होने का लाभ पाते हैं। दूसरा, आपके लोभ आधारित कार्य आपको पथभ्रष्ट कर सकते हैं जिस प्रकार काफी समय से बचा कर रखा गया भोजन नष्ट हो जाता है। और सदकर्म आपको आसानी से पर्याप्त संतुष्टिकारी आनंद प्रदान करता है।

कर्म मौजूदा जीवन में भी झलक प्राप्त करता है, जैसा कि एक लोभ प्रेरित नौजवान के साथ हाल में हुआ, जो अपने भ्रामक स्वप्निल अवधारणाओं में उलझ गया था, जिसका, चन्द्रमा की नटखट वरुण के विपरीत अवस्था, संकेत करती है। वह, सही-गलत तरीकों को अपना कर, किसी भी ढंग से तत्काल धनी बनना चाहता है, जिसका संकेतक बनती है, सूर्य की यूरेनस के विरुद्ध टकराव की अवस्था।

इसके अलावा उसका भयंकर अहंकारी होना था, जिसका संकेत, सूर्य की बृहस्पति के विपरीत अवस्था में होने से, मिल सकता है, जिसने उसे वास्तविकता को जांचने के लिए प्रत्यक्ष से परे देखने की अनुमति नहीं प्रदान की। भारी संपत्ति हासिल करने की अपनी इच्छा पूरी करने के लिए, अनुचित तरीके अपनाने के कारण, वह कर्ज के जाल में फंस गया। वित्त संकेतक वीनस का दुर्बल मंगल के विपरीत स्थिति में होना, जो कि, कठिनाइयों के परिचायक, आठवें घर में आ गया था, जिसने उसे अपने खुद के कर्मों का शिकार बना दिया। नतीजतन, उसे हाल में जेल हो गयी जिसे संकेतक था राहु का 12वें, आठवें व तीसरे घर से संबंधित होना दर्शाता है। और नतीजा आज सबके सामने हैं।

आशा की ज्योति

राजयोगी ब्रम्हकुमार निकुंज जी कहते हैं कि यह दुखद है कि लोग किस प्रकार दीपावली पर केवल नगद नारायण या धन की देवी को ही याद करते हैं। उन्हें दीए जलाकर आत्मा को जागृत करने पर अधिक ध्यान देना चाहिए

हाल ही में दीपावली का त्योहार बीता है। प्रकाश का उत्सव, दीपावली को, बुराई पर अच्छाई की, अज्ञान पर ज्ञान की तथा निराशा पर आशा की विजय के रूप में याद करने के लिए, दुनिया भर में हिन्दुओं द्वारा मनाया जाता है।

हिन्दू केलेंडर के अनुसार यह त्योहार अश्विन माह में नए चांद से पहले वाले दिन पड़ता है। इस त्योहार से संबंधित अनेक प्रकार की प्रथाएं हैं। व्यक्ति को इनके दार्शनिक व आध्यात्मिक पहलू को जानना चाहिए और यह भी जानना चाहिए कि क्यों लोग इस त्योहार को इतने धूमधाम से मनाते हैं।

दिवाली के दौरान, लोग तेल के दीए जलाते हैं और उन्हें अपने घरों के प्रवेश द्वार पर सजाते हैं, साथ में रंगीन बिजली की लाइटों से भी घर को सजाया जाता है। लेकिन दीए जलाने के पीछे का आध्यात्मिक महत्व क्या है? हिन्दू संस्कृति में, प्रकाश ज्ञान व चेतना का एक शक्तिशाली रूपक है। इस कारण, यह शिक्षा व आत्ममंथन की महत्ता को याद दिलाना है, जो व्यक्ति, समुदाय तथा समुदायों के बीच सद्भाव लाता है। यह अन्यों की स्वीकार्यता व सम्मान को प्रोत्साहित करता है।

दीए जलाना हमें सही मार्ग पर चलने, अपने दिलों व दिमागों में से अधंकार मिटाने, तथा अच्छाई व ज्ञान को गले लगाने की याद दिलाता है।

त्योहार के दौरान, लक्ष्मी पूजन को सर्वाधिक महत्ता दी जाती है, जिसका अर्थ है लक्ष्मी यानी संपत्ति की देवी की पूजा करना। लक्ष्मी शब्द लक्ष्य या लक्ष्मा से निकला है, जिसका अर्थ होता है लक्ष्य। इसलिए, शाब्दिक अर्थ द्वारा, देवी लक्ष्मी जीवन के अंतिम लक्ष्य का प्रतिनिधित्व करती हैं। उनसे जुड़ा हुए प्रतीकों तथा दिपावली के दिन अनुपालन की जाने वाली परंपराएं दर्शाती हैं कि वह शुद्धि एवं विकास के सर्वोच्च पद पर विराजमान है जहां इंसानी आत्मा पहुंच सकती है।

उनके हाथ धर्म, अर्थ, काम व मुक्ति के परिचायक है जो प्रतिफल या परमसुख की अवस्था का प्रतिनिधित्व करते हैं। उनकी अभय मुद्रा आश्वस्ति व सुरक्षा का भाव

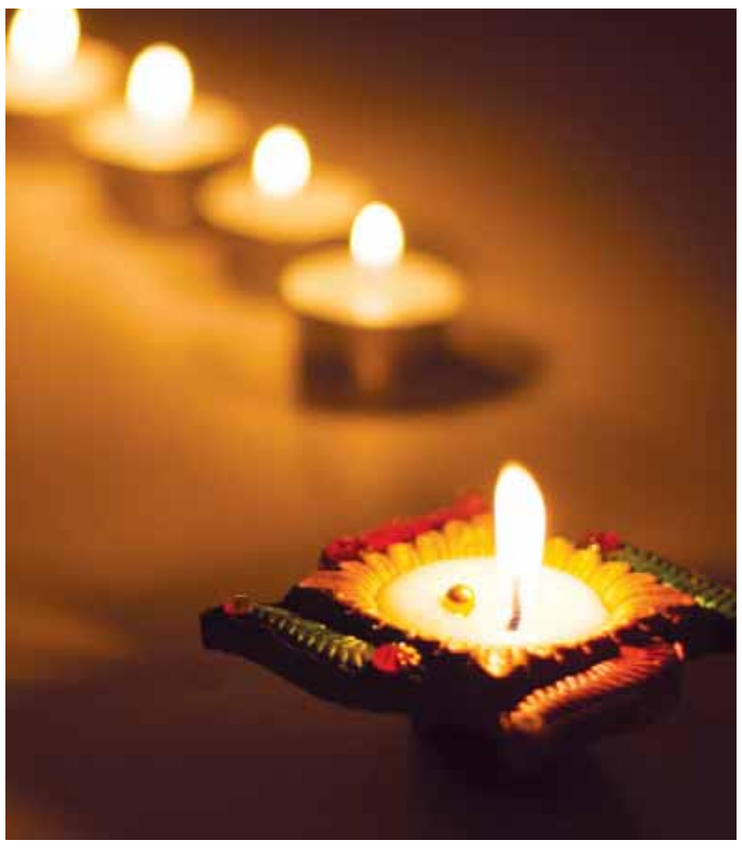

प्रदर्शित करती है। सौ पंखुड़ियां वाला कमल का फूल जिस पर वह बैठती हैं, शुद्धता व अनासक्ति का प्रतीक है।

अनेक अन्य कमल के फूल भी हैं, जो दूध के सागर में तैरते हैं जो शुद्धता, शांति व समृद्धि के प्रतीक हैं। उनके बाएं हाथ से निरंतर प्रवाहित होती स्वर्ण मुद्राएं अनंत भौतिक समृद्धि का प्रतीक हैं। उनके चित्रों का एक दिलचस्प लक्षण है चार हाथी जो उन पर जलवर्षा करते हैं। वे चार दिशाओं - पूरब, पश्चिम, उत्तर और दक्षिण- के प्रतीक हैं। इसके अलावा, हाथी शक्ति, ज्ञान व स्वामी के प्रति भक्ति का प्रतीक है। यह सौम्यता, वैभव तथा अपने कार्यों के प्रति वफादारी तथा निरंतर संपन्नता का चिन्ह है। यह इस बात को भी दिखाता है कि समूची दुनिया पर

उनकी अपनी संप्रभुता थी।

दीए व मोमबत्तियां जलाकर अंधेरी रात को देवी को जगाना इस प्रकार सर्वोत्तम अवस्था प्राप्त करने के लिए आत्माओं के जागरण का प्रतीक है। पहले से घरों व कार्यालयों की सफाई करना पूर्ण शुद्धता की दृष्टि का संकेतक है। चारों हाथियों का उपयोग स्वर्ण काल में विश्व संप्रभुता संप्रभु या चक्रवर्ती राज्य हासिल करने के लिए स्व पर विजय का प्रतीक है।

द्वार (ज्ञान के) को पूरी रात खुला रखा जाता है ताकि ज्ञान, सदगुण तथा लक्ष्य की संतुष्टि प्राप्त हो सके। लेकिन यह देखना दुखद है कि लोग केवल नगद नारायण को याद करते हैं जिसका अर्थ होता है, नकद धनराशि, दौलत की पूजा करना व सर्वशक्तिमान या जीवन के लक्ष्य को भूल जाना। इसलिए, समय की आवश्यकता है कि अपने भीतर ज्ञान के दीए को जलाए रखें। हमें अपने आसपास रह रहे हर व्यक्ति को जागृत करने का प्रयास करना चाहिए ताकि हमारे इर्दगिर्द हर व्यक्ति ईश्वर द्वारा विश्व रूपांतरण की प्रक्रिया में सहायक बन सके। इसलिए आगे से दिपावली का जब हम त्योहार मनाएं तो इसे अपनी नीयति तथा दूसरों की, अपना जीवन बेहतर बनाने में, सहायता करने के सुनिश्चय पर जोर देते हुए भी मनाएं।

काफी पीने से खेलों में प्रदर्शन बेहतर

शोधकर्ताओं ने पाया है कि महिलाओं व पुरुषों दोनों के खेल प्रदर्शन में सुधार का संबंध काफी पीने से जुड़ा है। न्यूट्रिएंट्स नामक पत्रिका में प्रकाशित अध्ययन के लिए यूके मे कोवेंट्री युनिवर्सिटी ने 38 भागीदारों (19 पुरुष एवं 19 महिलाएं) का चयन किया औरपाय कि काफीयुक्त पेय पदार्थ पीने से सायकिल चलाने की गति में सुधार होता है। शोधकर्ताओं ने अनुसार, भागीदारों को - कैफीन युक्त काफी प्रदान करने या उसकी जगह पानी की प्रायोगिक औषधि या नियंत्रण के रूप में भी कुछ भी नहीं- पीने से पहले 12 घंटों के लिए काफी पीने पर रोक लगाई गयी। पांच किमी के साइकलिंग टाईम अभ्यास में, काफी पीने से, पुरुषों एवं महिलाओं दोनों के प्रदर्शन में नियंत्रण व प्रायोगिक औषधि की तुलना में क्रमश: लगभग नौ सेकेंड व छह सेंकेंड का सुधार आया। प्रायोगिक औषणि एवं नियंत्रण के बीच प्रदर्शन में कोई भी सुधार नहीं पाया गया। अध्ययन की जानकारियां बताती हैं कि पुरुषों व महिलाओं दोनों ने एक जैसी प्रतिक्रिया की और यह कि इसे खाना प्रदर्शन सुधार के अभ्यास से पूर्व, कैफीन का व्यवहारिक स्रोत हो सकता है। यह शोध की बढ़ती काया में भी जानकारी योगदान करती है जो काफी पीने के एर्गोजेनिक फायदे को रेंखांकित करती है। शोधकर्ताओं के मुताबिक, अभी तक, इस विषय पर अधिकांश शोध केवल एन्हीड्रास कैफीन और पुरुषों पर केन्द्रित रहा है।

जल्द बूढ़ा बना सकता है भारी धूम्रपान

एक अध्ययन के अनुसार, भारी तंबाकूयुक्त धूम्रपान आपको धूम्रपानकर्ता का चेहरा प्रदान कर सकता है- यानी ऐसी स्थिति जहां लोग अपनी उम्र से अधिक बूढ़े नजर आते हैं। यूके में युनिवर्सिटी आफ ब्रिस्टल के शोधकर्ताओं ने गौर किया कि कुछ लोग अधिक तंबाकू उपयोग से संबंधित अनुवांशिक असंगतियों की एक या दो प्रतियां लेकर चलते हैं। भारी धूम्रपान के प्रभावों को पहचानने के लिए, वैज्ञानिक अनुवांशिक असंगति के तंबाकू उपयोग क्के प्रभावों को उक्त असंगति से जुड़े अन्य संभावित प्रभावों से अलग कर सकते हैं जो तंबाकू उपयोग से संबंधित नहीं हैं। इन दो प्रकार के प्रभावों को एक साथ पहचानने के लिए, पीएलओ जेनेटिक्स नामक पत्रिका में प्रकाशित, अध्ययन ने टू डाटा एनालिसिस एप्रोच के नए मिश्रण का उपयोग किया और यूके बायोबैंक में मौजूद लोगों के डाटा पर उन्हें लागू किया। शोधकर्ताओं ने लोगों को दो समूहों में विभाजित किया। पहले समूह में ऐसे लोग थे जिन्होंने कभी धूम्रपान नहीं किया था और दूसरे में वर्तमान व पूर्व धूम्रपानकर्ता शामिल किए गए। उन्होंने तर्क दिया कि सिगरेट पीने वाला समूह तंबाकू पीने के प्रभावों के बारे में बताएगा, जबकि कभी धूम्रपान न करने वाला समूह उन्हें जेनेटिक असंगति का कोई असंबद्ध प्रभाव दिखाएंगे। विश्लेषण ने 18000 लक्षणों का शोध किया और पद्धति के प्रभाव की पुष्टि करते हुए अधिक तेजी से बुढ़ापा होने की जानकारी के अलावा, पूर्व में दर्ज विभिन्न प्रभावों की भी पहचान की। अध्ययन लेखक लुइस मिलार्ड ने एक वक्तव्य में कहा कि हमने एक नया नजरिया प्रस्तावित किया जिसका स्वास्थ्य जानकारियों के साधारण प्रभावों की खोज में उपयोग किया जा सकता है और उन्होंने इस नजरिए को धूम्रपान के भारीपन के प्रभावों की खोज में प्रदर्शित किया। मिलार्ड के मुताबिक, हमने उन लक्षणों की पहचान करने में, कि कोई व्यक्ति कैसे भयंकर सिगरेट पीता है, हजारों लक्षणों पर शोध किया।

इस हफ्ते आपका भविष्य
मधु कोटिया

मेष (मार्च 21-20 अप्रैल)

इस सप्ताह आप अच्छा महसूस करेंगे और स्वयं में प्रफुल्लित रहेंगे। स्पा, ब्यूटी सैलून और ताजगीपूर्ण उपचार व खुद को सजाने पर आपका ध्यानाकर्षित होगा। सप्ताहांत पर रोमांचकारी स्थल पर छुट्टी मनाने की योजना बना सकते हैं। करियर स्तर पर यह आपके लिए रचनात्मक सप्ताह होगा। आप मानसिक रूप से बहुत रचनात्मक व एकाग्र रहेंगे। पदोन्नति मिलने की संभावना है। आत्मविश्वास आपका मनोबल ऊंचा रखता है।

शुभ अंक: 1 **शुभ रंग:** नीला **शुभ दिन:** शनिवार

वृष (अप्रैल 21-21 मई)

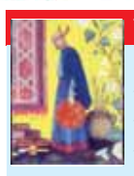

आप बंधन, अनिर्णय व दुविधा महसूस करते हैं। आप हाल में शायद बेहद कठिन समय से गुजरे हैं। लेकिन अब आपके पास कुछ समाधान तथा अपनी स्थिति सुधारने की योजनाएं हैं और यह अच्छा है। पिछली गलतियों को नहीं दोहराने को सुनिश्चित करें। आपको अपने पेशेवर मामलों पर ध्यान देने की जरूरत है। जो लोग नौकरी तलाश रहे हैं उन्हें अपना सीवी तैयार रखना चाहिए। लोगों की ईर्ष्या का शिकार होंगे।

शुभ अंक: 8 **शुभ रंग:** बादामी **शुभ दिन:** शनिवार

मिथुन (मई 22-21 जून)

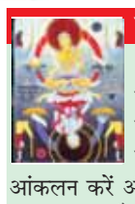

आप जो कर रहे हैं उस पर विचार करने का यह अच्छा समय है। अपनी सेहत सुधारने पर ध्यान दें। अपने स्वास्थ्य का आंकलन करें और तय करें कि आपको आराम ज्यादा करना है या व्यायाम। संतुलित बदलावों के साथ आप बेहतर काम कर सकते हैं। जैसे जैसे सप्ताह बीतेगा, आप आध्यात्मिक ज्ञान की तलाश में एकांत में जाते जाएंगे। निराधार भय आप पर भारी पड़ गया है और जो आपको बेचैन कर रहा है।

शुभ अंक: 6 **शुभ रंग:** मटमैला **शुभ दिन:** शुक्रवार

कर्क (जून 22-22 जुलाई)

इस सप्ताह आप यात्रा व जीवन की अन्य जरूरतों में उलझे रहेंगे। इन सबके बीच, आपको कुछ फैसले लेने पड़ेंगे। सप्ताह के अंत में, आपकी दिनचर्या में विशेष बदलाव होगा क्योंकि आप खुद को कुछ ज्यादा समय देना चाहते हैं। हालात में अप्रत्याशित बदलाव आपको चौंका सकता है। नौकरी या पोस्टिंग या स्वप्निल परियोजना का प्रस्ताव मिल सकता है। आप सकारात्मक एवं उत्साहित महसूस करेंगे। कोई चीज आपको परेशान कर रही है।

शुभ अंक: 5 **शुभ रंग:** हरा **शुभ दिन:** गुरुवार

सिंह (जुलाई 23-23 अगस्त)

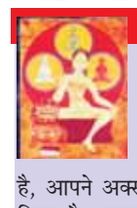

दुविधाग्रस्त ऊर्जा आपको अत्यंत सुस्त व निराशावादी सोच का शिकार बना सकती है। आपके लिए यह नयी बात नहीं है, आपने अक्सर मानसिक आवेगों का सामना किया है। सजग रहें। अपनी जांच कराएं, जैसा कि सप्ताह की ऊर्जा बहुत शुभ नहीं है। डाक्टरी सलाह लें। अगर कोई समस्या है तो वैकल्पिक सलाह लेने में संकोच न करें और बगैर समय गंवाए उपचार कराएं। सुनिश्चित करें कि आपके सभी दस्तावेज अद्यतन हैं।

शुभ अंक: 22 **शुभ रंग:** बैंगनी **शुभ दिन:** मंगलवार

कन्या (अगस्त 24-23 सितम्बर)

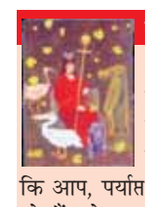

आपको दिनचर्या बदलने तथा स्वास्थ्य के नए उपाय आजमाने की जरूरत है। बेहतर है मूल से शुरुआत करें। सुनिश्चित करें कि आप, पर्याप्त नींद, आराम, स्वस्थ खुराक ले रहे हैं। बेहतर महसूस करने के लिए कठिन, असुविधाजनक दिनचर्या का पालन न करें। छोटे, सकारात्मक कदम इस प्रकार का बदलाव लेकर आएंगे जिन्हें आप पसंद करेंगे। यात्रा के आसार हैं। इस सप्ताह आप आवास या कार्यालय बदल सकते हैं।

शुभ अंक: 4 **शुभ रंग** पीला **शुभ दिन:** रविवार

तुला (सितम्बर 24-23 अक्टूबर)

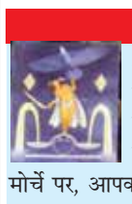

आपको अपने स्वास्थ्य से संबंधित उपायों में सकारात्मक होने की जरूरत है। हर प्रयास व गतिविधि अंतर डालेंगे। करियर मोर्चे पर, आपको अपना भविष्य संबंधी फैसला या चुनाव करना पड़ सकता है। सारी उपलब्ध सूचना का विश्लेषण करें और फिर अपना सर्वोत्तम चयन करें। यह संभव है कि आप बुरी चीत के रूप में जो भी शुरुआती व्याख्या करते हैं वो आपके पक्ष में काम कर सकती है। रिश्तों में प्रगाढ़ता व संतुलन आएगा।

शुभ अंक: 8 **शुभ रंग :** लाल **शुभ दिन:** गुरुवार

वृश्चिक (अक्टूबर 24-22 नवम्बर)

आप खास परिस्थितियों में आगे बढ़ने में आलस्य व निष्क्रीयता महसूस कर सकते हैं। यह समय तरोताजगी महसूस करने व विशेषज्ञों से सलाह लेने का है। आप निराधार भय में जी रहे हैं, जैसे ही आप स्वरचित दुविधा से बाहर निकलेंगे, जीवन दिलचस्प व लक्ष्य संभव हो जाएंगे। सकारात्मक रहें और आपका जीवन उज्जवल रहेगा। रोजगार व पेशे में नए अवसर इस सप्ताह आपको रचनात्मक बनाएंगे। इस समय का लाभ उठाएं।

शुभ अंक: 29 **शुभ रंग:** काला **शुभ दिन:** बुधवार

धनु (नवम्बर 23-23 दिसम्बर)

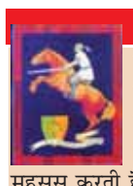

स्वास्थ्य अच्छा है। आप उन चीजों के लिए समय निकालने की आपात स्थिति महसूस कर सकते हैं जो आपकी आत्मा महसूस करती है। स्वयं में व ईश्वर में आपको विश्वास है। भिन्न किस्म के लोगों के साथ समूह में की गयी कुछ धार्मिक क्रियाएं आपके व्यक्तित्व व आभामंडल को निखारेंगी। यह आपके करियर में बदलाव का दौर है। आप बदलाव चाहते हैं। बदलाव की स्वीकार्यता ही बदलाव को आसान बनाएगी

शुभ अंक: 3 **शुभ रंग:** बैंगनी **शुभ दिन:** सोमवार

मकर (दिसम्बर 24-20 जनवरी)

आपके स्वास्थ्य में कुछ ऐतिहासिक मोड़ हो सकते हैं। स्वयं के प्रति जवाबदेह हों और आगे बढ़ें। हर वो काम करें जिससे आपका तनावस्तर नियंत्रित रहे। उचित पौष्टाहार, आराम व व्यायाम स्वस्थ जीवन जीने का दूरगामी रास्ता हैं। यदि आज किसी सौदे पर हस्ताक्षर कर रहे हैं तो हस्ताक्षर करने से पहले दस्तावेजों को ध्यान से पढ़ लें। कठिन कसरत से बचें। करियर स्तर पर, यह अधिक काम करने व कम खेलने का समय है।

शुभ अंक : 19 **शुभ रंग:** भूरा **शुभ दिन:** सोमवार

कुम्भ (जनवरी 21-19 फरवरी)

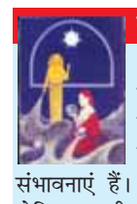

आपका स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। परिवार के साथ विदेश यात्रा की संभावनाएं हैं। विभिन्न स्थानों के लोगों के साथ मिलने की भी संभावनाएं हैं। आपमें योग्यता, समझदारी हैं लेकिन अपनी योग्यताओं को आत्मसात करने के लिए उचित मार्गदर्शन जरूरी है। अपने बायोडाटा को अपडेट करें और साथ रखें। आपको शोध संबंधी काम मिल सकता है व सेमिनारों में भाग लेने के संकेतक हैं। प्रेम संबंधों में व्यवहारिकता बरतें।

शुभ अंक: 27 **शुभ रंग:** रजत **शुभ दिन:** सोमवार

मीन (फरवरी 20-20 मार्च)

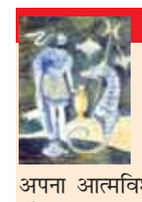

सप्ताह की शुरुआत में आप मानसिक, शारीरिक व वित्तीय रूप में बंधन महसूस करेंगे। जैसे जैसे सप्ताह बीतेगा, आप अपना आत्मविश्वास अर्जित करते जाएंगे। हर चीज का एक सकारात्मक पक्ष होता है। अपने स्वास्थ्य का विशेष खयाल रखें। धन के मामले में, यह सप्ताह अच्छा दिखता है। आपके साथ शुद्धता के खास तत्व जुड़े हैं। आप अपने दृष्टिकोण में परिश्रमी हैं और आप सुनिश्चित करें कि आप अपने नजरिए में मेहनती हैं।

शुभ अंक: 17 **शुभ रंग:** कॉपर **शुभ दिन:** मंगलवार

द कोल्ड ब्लड के लेखक, ट्रूमेन केपोट केवल सोफे पर लेटकर लिखते थे। वह एक हाथ से पेंसिल द्वारा लिखते थे व दूसरे हाथ से सिगरेट पीते या शराब पिया करते थे।

साक्षी शर्मा कहती हैं, बढ़ते प्रदूषण स्तरों के लिए तैयार लोगों की सहायता हेतु स्थायित्व को प्रोत्साहित करने एवं अपने उपकरण की उन्नति के लिए विनिर्माता अपना दायित्व निभा रहे हैं

धुंधला है आकाश

हाल तक, अक्सर आपने कितनी बार लोगों को मेट्रो ट्रेनों, स्थानीय बाजारों व मॉल में मास्क लगाए देखा है? जीहां, यह रुझान हालिय सर्वेक्षणों पर आधारित है जो बताता है कि जैसे जैसे वायु प्रदूषण की जागरुकता बढ़ रही है, उतने ही ज्यादा लोग सुरक्षात्मक साधन खरीदने के लिए कतारबद्ध हो रहे हैं। और यह जानते हुए कि दिवाली भी इसी मौसम में अपने पटाखों के साथ दस्तक देती आई है, क्या यह आश्चर्यजनक नहीं है? क्या यह वही समय नहीं होता है जब लोग उस स्मोग के कारण अपने घरों को लौटते हैं जो कंबल की तरह शहर को ढंक लेता है। इस बार इलेक्ट्रानिक्स और सोने से अधिक, प्रदूषण विरोधी उत्पाद एक अनिवार्यता के रूप में दिवाली में सबसे ताजा रुझान बनकर उभरे हैं। इसलिए प्राइवेट कंपनियों ने इस क्षेत्र में कदम रखा है और उन्होंने ऐसे उपकरण प्रस्तावित किए हैं जो जहरीली हवा से लड़ सकते हैं।

दिल्लीवासी पर्यावरण कार्यकर्ता एवं उद्यम जय धर गुप्ता निर्वाण बींग नामक एक प्रदूषणरोधक उपकरण की कंपनी चलाते हैं। यह कंपनी विशिष्ट वायु प्रदूषण मास्क बनाती है और इंडोर वायु गुणवत्ता समाधान भी प्रदान करते हैं। कलयुग की खिड़की, जो इस महीने शुरु हुई एक नयी अवधारणा, के बारे में चर्चा करते हुए, वह कहते हैं, ''हम अपने घर में एयर कंडीशन चलाकर आठ से दस घंटे अपने बेडरूम में रहते हैं। यह ताजा हवा की संचार रोक देता है। जैसे ही ऐसी कमरे से हवा सोखता है, उसे ठंडा करता है और वापस जारी करता है, कार्बन डाय आक्साइड में वृद्धि होती है। यदि हम इसे लंबे समय तक ग्रहण करते हैं, तो यह जहरीली है। इसलिए विकल्प क्या है जो हमारे पास बचता है? यह उपकरण आक्सीजन स्तर को बनाए रखने के लिए एक फिल्टरयुक्त बाहरी हवा को कमरे के अंदर लाकर इस समस्या का एक समाधान प्रदान करता है। इसे विंडो या दीवार पर स्थापित करने की जरूरत है जो फिर लगातार हेपा फिल्टर के जरिए अंदर आने वाली हवा को ताजा करता है।''

अन्य निजी कंपनियां भी नए नए उपकरणों के साथ आ रही है। एक्यूआई एंड प्योरलाजिक लेब्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के संस्थापक, रोहित बंसल कहते हैं कि वायु गुणवत्ता मानीटर स्थापित करने के लिए नागरिकों द्वारा अब ज्यादा प्रयास किए जा रहे हैं। वह अपनी बात में जोड़ते हैं, ''इसलिए हम प्राण एयर मोशन मास्क लेकर आए हैं, जो न केवल यूजर की नब्बे फीसदी से अधिक प्रदूषकों से सुरक्षा करता है बल्कि हवा की जांच भी करता है। इससे, लोग जानेंगे कि कब अपने आपको बचाना है। इस साल हमने बच्चों व किशारों के लिए जूनियर मास्क भी पेश किया है, जो उनकी संवेदनशीलता को खास ध्यान में रखकर डिजाइन किया गया है।''

पिछले कुछ सालों से दिल्ली में बदतर वायु गुणवत्ता एक निरंतर जन-स्वास्थ्य चिंता बन गयी है। इस समस्या से लड़ने के लिए, हमने आधुनिक किस्म के एंटी-पोल्यूशन डस्ट मास्क बाजार में लाए हैं जो सुनिश्चित करते हैं कि वायु प्रदूषण लोगों की जीवनशैली को न बिगाड़े। ये मास्क हवा में मौजूद 95 फीसदी विषाक्तों को फिल्टर करने में सक्षम हैं और ये इयरलोब्स व वाल्व के साथ चेहरे के लिए अत्यंत अनुकूल हैं

हालिया आंकड़ों के मुताबिक, 16 अक्टूबर को जारी, वायु गुणवत्ता सूचकांक 300 पार कर गया है। पी सेफ के संस्थापक, विकास बागड़िया कहते हैं, ''पिछले कुछ सालों से दिल्ली में बदतर वायु गुणवत्ता एक निरंतर जन-स्वास्थ्य चिंता बन गयी है। इस समस्या से लड़ने के लिए, हमने आधुनिक किस्म के एंटी-पोल्यूशन डस्ट मास्क बाजार में लाए हैं जो सुनिश्चित करते हैं कि वायु प्रदूषण लोगों की जीवनशैली को न बिगाड़े। ये मास्क हवा में मौजूद 95 फीसदी विषाक्तों को फिल्टर करने में सक्षम हैं और ये इयरलोब्स व वाल्व के साथ चेहरे के लिए अत्यंत अनुकूल हैं जिससे आसानी से सांस लेने में सहायता मिलती है, साथ ही साथ गर्मी या उमस भी कम महसूस होती है। ये धूल, सूक्ष्म कणों की छंटाई करते हैं और अस्थमा जैसी गंभीर श्वासंकारी समस्याओं से निपटने में सहायता भी करते हैं।''

इस प्रक्रिया में एक कदम आगे बढ़ते हुए एम्वे ने हाल ही में एटमास्फीयर मिनी एयर प्योरिफायर को बाजार में पेश किया है। कंपनी के सीईओ अंशु बुद्धराजा कहते हैं, ''वायु प्रदूषण भारत में एक गंभीर समस्या है जहां ज्यादातर लोग ऐसी हवा में सांस ले रहे हैं जो विश्व स्वास्थ्य संगठन के निर्धारित सुरक्षा-सीमा से दस गुना से अधिक प्रदूषित है। इसीलिए, बेहतर ढंग से सांस लेने व स्वस्थ रहने के लिए वायु प्रदूषण समाधान की आवश्यकता बढ़ रही है। हमारा उत्पाद अत्याधुनिक एयर प्योरिफायर है जिसमें हेपा ग्रेड फिल्टर से बेहतर पर्दे हैं जो 0.0024 माइक्रोंस जितने सूक्ष्म कणों को साफ करता है जिसकी सिंगल पास क्षमता 99.99 फीसदी है और जो यूके से मान्यताप्राप्त है।''

अन्य प्रयासों में, संस्थाएं भी शोध करने तथा समस्या को मूलस्तर से समझने का प्रयास कर रही हैं। एयरओके टेक्नालाजीज प्राइवेट लिमिटेड के सीईओ दीक्षित वारा प्रसाद कहते हैं कि उन्होंने उपकरण को पेश करने का फैसला लेने से पहले तथ्यों का विश्लेषण किया। वह आगे बताते हैं, ''कणिकीय पदार्थ वाली गंदी हवा, जो बहुत ज्यादा है, को हेपा फिल्टरों के जरिए रोका जा सकता है। हालांकि, प्रदूषक तत्व अपनी सतह पर रहते हैं, और अपनी संख्या बढ़ाने के लिए माइक्रोबियल वृद्धि के लिए अनुकूल वातावरण तैयार करते हैं।

अध्ययन दिखाते हैं कि अंदरुनी वातावरण में, मात्र छह दिनों के भीतर, हेपा फिल्टर पेथोजेंस के लिए प्रजननकारी सतह बन सकते हैं। इसलिए हवा हानिकारक बन जाती है जब यह वायरस व बेक्टीरिया से संक्रमित हो जाती है। इससे लड़ने के लिए, ऐगापा (इफेक्टिव ग्रेनुलर पर्टीकुलेट अरेस्टर) समाधान है जो पीएम 2.5 के साथ इन पैमानों को नियंत्रित करता है, जिसे साल भर के दौरान स्वच्छ वायु क्षेत्र निर्मित करने हेतु किसी भी इमारत के साथ जोड़ा जा सकता है।'' हालांकि उपकरण वायु गुणवत्ता में मामूली बेहतरी का दावा करता है, प्रदूषण से निपटने के लिए अनेक प्रयास करने पड़ते हैं। गुप्ता कहते हैं, ''असली समस्या मूल कारणों में मौजूद है। इसलिए हमें स्रोत से ही प्रदूषण स्तर को कम करने की जरूरत है। वाहनों से होने वाले उत्सर्जनों पर नियम बनाए जाने चाहिए।''

आशा की किरण

तारन प्रकाश सिन्हा कहते हैं कि भारतीय राज्यों ने स्वास्थ्य संबंधी चुनौतियों से निपटने के लिए रणनीतियां बनाई हैं, खास तौर पर कुपोषण उन्मूलन के लिए, लेकिन छत्तीसगढ़ में इस समस्या की भयावहता अन्य स्थानों से कहीं बढ़कर है

अरबी में एक कहावत है, जिसका अर्थ है, 'जिसके पास स्वास्थ्य है उसके पास उम्मीद है और जिसके पास उम्मीद है उसके पास सबकुछ है।' दुनिया को बचाने के लिए, हमें इंसानों को बचाने की जरूरत है और इंसानों को बचाने के लिए, हमें उनके स्वास्थ्य का खयाल रखने की जरूरत है। इस प्रकार, इंसानी स्वास्थ्य को बचाने की चिंता दुनिया को बचाने की चिंता है। सवाल है हम किस प्रकार इंसानी स्वास्थ्य को बचाने की अपनी जिम्मेदारियां निभा रहे हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन की रिपोर्ट के अनुसार, दुनिया के अनेक देशों में स्थिति अत्यंत स्तब्धकारी है। सबसे बड़े खतरों में से एक, जिनका कि दुनिया सामना करती आई है, है कुपोषण का। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार, भारत में हर साल, कुपोषण के कारण लगभग 10 लाख बच्चे पांच साल से कम उम्र में मर जाते हैं।

भारत के प्रत्येक राज्य ने स्वास्थ्य संबंधी चुनौतियों, खासकर कुपोषण, से निपटने के लिए रणनीतियां बनाई हैं, लेकिन छत्तीसगढ़ में इस समस्या की भयावहता अन्य स्थानों की तुलना में कहीं बढ़कर है। 1 नवंबर को, छत्तीसगढ़

अपने गठन के बीस साल पूरे करेगा। यहां भूमि का 43 प्रतिशत हिस्सा वनाच्छादित है हालांकि नक्सलवाद आज भी एक बड़ी चुनौती बना हुआ है, मगर राज्य के दूरदराज इलाकों में रह रही आबादी का एक बड़ा हिस्सा मूल सुविधाओं तक अपनी पहुंच नहीं रखता है। यही कारण है कि कुपोषण ने राज्य में एक दानवी रूप अख्तियार किया हुआ है। लगभग 41.5 फीसदी लड़कियां और 15 से 45 वर्ष के बीच की महिलाएं रक्त की कमी का शिकार है। यह प्रमाणित है कि ये अधिकांश लोग आदिवासी समुदाय से संबंधित है और गरीबीरेखा से नीचे की श्रेणी में आते हैं। अगर हम इस वक्तव्य को याद करें - कुपोषण एक प्रकार की महामारी है, तो हम स्थिति की गंभीरता का अदांजा लगा सकते हैं। राज्य सरकार ने छत्तीसगढ़ में स्वास्थ्य संबंधी चुनौतियों के संकेतक चिन्हित किए हैं और उसने रणनीतिक एक्शन प्लान लागू करना शुरू किया है। इस एक्शन प्लान के शुरुआती नतीजे अत्यंत आशाजनक बनते नजर आए हैं। राज्य की नयी सरकार ने 'गढ़बो नया छत्तीसगढ़' का नया नारा अपनाया है, जिसका अर्थ है- 'हम नया छत्तीसगढ़ बनाएंगे'। दूरदराज इलाके तक में मूल सुविधाएं पहुंचाने का लक्ष्य हासिल करने के लिए सभी प्रकार के उपाय किए जा रहे हैं। छत्तीसगढ़ को कुपोषण मुक्त बनाने के लिए लक्ष्य के साथ, मुख्यमंत्री, भूपेश बघेल, ने महात्मा गांधी की 150वीं जयंती के अवसर पर, ने एक साथ पांच नयी योजनाओं की शुरुआत की, जिसमें चार योजनाएं पौष्टाहार व स्वास्थ्य से सीधे संबंध रखती हैं। नयी सरकार ने पहले से मौजूद पीडीएस प्रणाली को संशोधित किया है और उसे सार्वभौमिक पीडीएस-एपीएल सिस्टम में रूपांतरित किया है। नयी प्रणाली के तहत, समाज के प्रत्येक वर्ग को पौष्टिक खाद्य प्रदान किया जाएगा। प्रत्येक बुनियादी सुविधा, जिसकी कमी के बारे में विश्व स्वास्थ्य संगठन की सूची में बताया गया है, को मुख्यमंत्री हाट बाजार क्लीनिक स्कीम तथा मुख्यमंत्री शहरी झुग्गी झोंपड़ी स्वास्थ्य योजना के तहत सरकार द्वारा प्रभावशाली ढंग से प्रदान किया जा रहा है जिससे कि खतरे को न्यूनतम किया जा सके। दूसरी योजना का उद्देश्य है उस अंतिम व्यक्ति तक को स्वास्थ्य सुविधाएं प्रदान करना जो दूरदराज इलाके में रहता है, खासतौरपर राज्य के आदिवासी क्षेत्र में। इस योजना के तहत, साप्ताहिक हाट बाजारों में सरकारी मोबाइल क्लीनिक सेवा प्रदान की गयी है, जहां पर नियमित स्वास्थ्य सेवाओं के साथ जांच, उपचार तथा दवाएं दी जाती हैं। राज्य स्तरपर इस योजना को लागू करने से पहले, इसे आदिवासी क्षेत्रों में पायलट परियोजना के रूप में शुरू किया गया था। राज्य में सरकारी व निजी अस्पतालों, अत्याधुनिक उपकरणों, इमारतों, शिक्षित डाक्टरों व प्रशिक्षित स्वास्थ्य कर्मचारियों की पर्याप्त उपलब्धता के बावजूद, छत्तीसगढ़ के एक बड़े हिस्से ने अच्छे स्वास्थ्य के लिए इस उम्मीद की किरण की प्रतीक्षा की है। और यह वो भाग है जहां राज्य की आत्मा वास करती है। अंततः समय आ गया है, जब राज्य की आत्मा के चेहरे पर रौनक आएगी।

- लेखक छत्तीसगढ़ में पब्लिक रिलेशंस, आईएएस कमिश्नर हैं।

समस्या का सियाह पहलू

किताब पढ़ने में एकाग्रता की कमी या बहस न करने के सवाल पर सोशल मीडिया का आदी हो जाना आसान है। निहारिका गुप्ता सवाल उठाती हैं कि कहीं सोशल मीडिया नया स्मोकिंग ट्रेंड तो नहीं है

आक्सफोर्ड डिक्शनरी के अनुसार, बालिग होने का अर्थ होता है कुछ इस प्रकार आचरण करने का अभ्यास करना जैसा कि जिम्मेदार वयस्क लोग अधिकांश मगर अधिकतर कार्य संपन्न करते हैं।

लोगों में लोकप्रियता हासिल करने के बाद, इस शब्द को मीडिया में व्यंग्यात्मक रूप में देखा गया है। और इसका एक कारण है क्योंकि बालिगपन पूर्णता की एक भावना इंगित करता है जो युवाओं को अक्सर खास जिम्मेदारीपूर्ण कार्य, मसलन बिल चुकाना, किराया देना, अपनी कारों का खयाल रखने, करने के लिए प्रोत्साहित करती है, जिससे कि उन्हें किसी रूप में बालिग के रूप काम करने वाला समझा जाता है।

हालांकि, मैं असहमत हूं। इसका अर्थ कहीं अधिक बढ़कर है। लोगों के रूप में, मैं तर्क देती हूं कि यह शब्द उस सार को पकड़ता है जो अनेक युवा लोग दुनिया के संपर्क में आने के दौरान महसूस करते हैं। जब तक कि हम ट्यूशन कक्षाओं के बुलबुले में या स्नातक या परास्नातक की पढ़ाई के लिए युनिवर्सिटी जाने वाले बहुत सौभाग्यशाली न हों। गठनकारी वर्ष, जो हमारे अभिभावक, बेबी बूमर या आज की पीढ़ी के अपने बड़े होते दिन हुआ करते हैं, कुछ ऐसे हैं जिनका हमें तब अनुभव होता है जब हम अपनी पहली नौकरी में प्रवेश करते हैं। मेरे लिए, यह बालिग होना है।

सचमुच, हमें आज काफी जानकारी प्राप्त हैं और हमारे पास खोजने के लिए अनेक विकल्प हैं। हमें अपने स्कूल से केंटीन के लिए या कालेज यात्राओं के लिए पाकेट मनी के रूप में सुलभ आय अधिकार मिलता है। लेकिन हम ट्वीटर, व्हाट्सएप पर चर्चा, इंस्टाग्राम पर पार्टी, लिंक्डइन पर नौकरियों की तलाश के जरिए सोचते हैं तथा नेटफ्लिक्स पर टीवी देखते हैं। हर चीज बेहतर ढंग से रची गयी हैं और इरातदन बल्कि समानांतर क्षति यह है कि हमारे पास इन सबके बीच सोचने के लिए बिलकुल समय नहीं है। हम सचमुच नहीं जानते हैं कि हम कौन हैं। ऐसे परिदृश्य में, हम किस प्रकार अपने जीवन, लक्ष्यों व अन्य लोगों के साथ करियर के बारे में गहन चर्चा करेंगे जब स्वयं हमारे पास आत्ममंथन के लिए समय नहीं है? हमारे शरीर कंप्यूटरों के आदी हैं, मुद्राएं झुकी हुई हैं और अंगूठे अवचेतन रूप से प्रत्येक कुछ मिनटों में इंस्टाग्राम पर मिलती जानकारियों के अनुसार घूम रही हैं। यह सूची यहीं पर नहीं रुकती है। जल्द आप अपनी पसंदीदा फिल्म देखने हेतु बैठने की अपनी योग्यता खो देंगे। यह सीधे बैठने की कला है और आपको इसके लिए काम करना पड़ेगा। यह बालिग होना है।

हालांकि, कोई इस सबमें उस सुविधा के लिए योगदान कर सकता है जो मोबाइल फोन प्रदान करते हैं। इसमें एप्स होते हैं जो लगभग हर समस्या को हल कर सकते हैं, चाहे वह शादी करना हो, अपना फर्नीचर बेचना हो, सब्जी खरीदना या सिप योजनाएं शुरू करना हो। लेकिन क्या पर्दे के मुताबिक फैसले लेना स्वास्थ्यकर है?

यदि हम इस तुलना में समय बिताते हैं कि कौन सा एप समस्या सुलझाने में हमारी सहायता करेगा या सभी संभावित विकल्पों के मूल्यांकन के लिए समय लेगा, तो क्या हम अपना समय व संभावनाएं खो नहीं रहे हैं? यदि हम उन सारी सूचनाओं का मूल्यांकन करने में दिन बिताते हैं जो हमारे पास हैं, तो अनिर्णय हमें गहरी चोट करेगा। अब सोचिए, क्या यह बालिगपन है?

पिछली पीढ़ियों ने भारत की उन आर्थिक नीतियों का उपयोग किया जिन्होंने अनेक व्यापारों को उभरने में सहायता की। हम, जो युवा पीढ़ी हैं, कथ्य के साम्राजय की सुनहरी चाभी रखते हैं। हमें खुद को तकनीक की सुनामी में नहीं डुबोना चाहिए। हमें इसका बेहतर इस्तेमाल करना चाहिए और अपने समय का प्रभावी ढंग से विभाजन करना चाहिए। यह आवश्यक समय है कि हम रूकें और इस बारे में सोचें कि सोशल मीडिया

किस प्रकार हमारी दिनचर्याओं में अपना दखल दे रहा है और हमारा अधिकांश समय लील रहा है।

बिजनेस, रोजगार विकल्पों, सृजनात्मक गतिविधियों एवं यात्रा अनुभवों के मामले में काफी रचनात्मकता मौजूद है। जीवन की गुणवत्ता, रोमांच एवं मजेदार अवसर वहां मौजूद हैं, जो हम करना चाहते हैं, हमें बस उन्हें पहचानने की जरूरत है। उन चीजों के लिए, जो अंतर पैदा करती हैं, अपने जीवन में मूल्यवान स्थान गढ़ने पर ध्यान देना चाहिए। हमारे लिए कथ्य रचना में उत्कृष्टता पाना महत्वपूर्ण है लेकिन हमें अपने इर्दगिर्द मौजूद दुनिया के साथ प्रत्यक्ष जुड़ने की आवश्यकता भी है।

हार्पर कोलिंस इंडिया से प्रकाशित मेरी किताब एडल्टिंग में तीन स्मार्ट हालांकि काल्पनिक व्यक्ति हैं जिनका केस स्टडीज के रूप में उपयोग किया गया है। नायिका आइशा ओबेराय ने सोशल मीडिया गेम खेलती थी और चोटी पर पहुंची थी। उसमें प्रतिभा थी लेकिन क्या उसमें एक सफल वयस्क जीवन जीने की क्षमता है? यह एक बिलकुल नया बॉल गेम है और वह नियमों को नहीं जानती है। आइशा सोशल मीडिया के पीछे का मनोविज्ञान नहीं समझती है और इस पर समाज की चुप्पी किस प्रकार स्वीकार्य है, यह इस तथ्य को नहीं बदलती है कि यह व्यक्ति के मन की शांति छीन सकती है और उसकी जीवन शैली को प्रभावित कर सकती है।

सोशल मीडिया का असंवाद के मुकाम पर पहुंच जाना या एकाग्रता के अभाव का आदी हो जाना आसान है। यह सब इस सवाल की ओर संकेत करता है कि क्या सोशल मीडिया नया स्मोकिंग ट्रेंड है?

एक और चीज जिसकी मैं पैरवी कर रही हूं, वह है गहराई। हम सभी सोशल मीडिया पर पोस्ट साझा करते हैं। लेकिन यदि कोई एक लंबी टिप्पणी दर्ज करता है तो लोग नजरंदाज कर देते हैं, वे या तो सरसरी निगाह डालते हैं या उसे हटा देते हैं। हम स्क्रोलिंग के इतने आदी हैं कि हमारे पास उस पर रूकने व पढ़ने का समय नहीं होता है।

मैं सालों पहले पार्टियों के अंतिम दौर में हुई गहन चर्चाओं को याद करता हूं जब अधिकांश लोग घर जा चुके होते हैं। लेकिन अब ऐसा मामला नहीं है। मैं एक निराश व्यक्ति जैसा लग सकती हूं जब मैं यह कहती हूं, लेकिन अब लोगों से मिलना कभी कभी सतही व खोखले वास्तविक जीवन में सिर्फ एक स्टेटस अपडेट करने जैसा होता है।

तेजस साहनी, मेरा दूसरा नायक इसे बेहतर प्रदर्शित करता है। वह एक लेखक रॉकस्टार है जो अपने पहले उपन्यास से पहली बार में ही इसे हासिल कर लेता है लेकिन अगले उपन्यास में वह उतना कामयाब होता नहीं दिख पाता। जब वह घर पर रहने वाला लेखक है और पूरा दिन नेटफ्लिक्स पर आनंद ले सकता है तो वह क्यों किताब लिखने या कुछ पढ़ने में समय बिताएगा? कोई कहेगा कि उसे रुकना चाहिए और खुद से पूछना चाहिए कि वह क्यों लिखना चाहता है लेकिन टिंडर और व्हिस्की के बीच समय कहां है? वह उस गहन खोज की महत्ता नहीं समझता है जो उससे लेखन कार्य कराती है।

रूही सिंह, तीसरी नायिका पब्लिशिंप हाऊस में प्रबंध संपादक है। वह एक अशांत संबंध में रहती है जो उस पर भारी बीतता है लेकिन वो उसे पसंद है क्योंकि वह उसकी इच्छाएं पूरी करता है। यदि उसके पास खुद से संवाद करने तथा जिस व्यक्ति के साथ वह रहती है, उसके बारे में बात करने का समय होगा, तो वह अपने लिए काफी समय व आंसू बचा लेगी। लेकिन वह अपनी ढुलमुल सोच तथा कार्य दायित्वों के कारण ऐसा नहीं कर पाती है। वह अपने जीवन में सफलतापूर्ण स्तर पर न होने की दोषी है। जबकि मेरे चरित्र झक्की और खोए लग सकते हैं, मगर धीरे धीरे वे अपना नार्थ स्टार पा लेंगे। मैं पक्के तौर पर सोचती हूं, राह की यह वापसी बालिगपन है।

चाहे आप वो हैं या नहीं, चाहे आप इसे पसंद करें या नहीं, मगर आप सहस्राब्दी वाली दुनिया में रह रहे हैं, जहां हमारे पास आम समस्याएं हैं। मैं चाहती हूं कि मेरे पाठक मेरे साथ चलें व सोचें कि हम उस दिशा में ज्यादा काम कैसे कर सकते हैं जो हमें खुशी देता है? क्या हम साहसी होकर खुद से सवाल कर सकते हैं जो हम अभी सचमुच चाहते हैं? हमें पांच या दस साल की तार्किक योजना बनानी चाहिए। जो हमें स्वयं की बेहतर पड़ताल करने में सहायता करेगी।

आइए इस अवसर का यह समझने में उपयोग करते हैं कि किस प्रकार हमें अपनी हाईफाई जीवन शैली की सहज रफ्तार वाले घंटों से पूर्ति करने की आवश्यकता है जो गहन विचारों को पहल प्रदान करेगी। हालांकि आप यह सब पढ़ते हैं, तो आपका मन व तन भी फेमिली मेन के अगले संस्करण से जुड़ता है। लेकिन रूकें व पुनः विचार करें, क्या आप उसके परिवार को देखना चाहते हैं या समय को अपने लिए निवेश करना चाहते हैं।

-लेखक कवि, योगी व मार्शल आर्ट विशेषज्ञ हैं।

पेज एक का शेष

फायदेमंद है मोटा अनाज

बैंगलुरु की स्नेक्स ब्रांड कंपनी सोलफुल एक और सफल कहानी है। अमरीका में अपने प्रवास के दौरान, किनोआ की बढ़ती लोकप्रियता से प्रेरित होकर, प्रशांत परमेश्वरन, सीईओ तथा कंपनी के एमडी, भारत वापस लौटने के नतीजे पर पहुंच गए और उन्होंने उदार भारतीय अनाजों - मोटा अनाज को प्रोत्साहित किया। उन्होंने इसे समृद्धकारी व पौष्टिकता से भरपूर बनाने का फैसला किया जो आधुनिक उपभोक्ता की रोजमर्रा खानपान आवश्यकताओं की पूर्ति करता हो आज यह ब्रांड मोटे अनाज से निर्मित बहुआयामी विकल्प प्रस्तावित करता है मसलन मिलेट मूइसली एवं स्मूथिक्स जिसमें रागी, जवार, बाजरा और रेशेदार सामग्री शामिल है। वे विभिन्न अनाजों, बंगाल ग्राम के साथ रागी के रूप में, के स्वस्थ मिश्रण के साथ मोटे अनाज की ऊर्जा को भी मिलाते हैं।

निश्चित तौर पर, अपने बेहतर स्वास्थ्य के लिए मोटे अनाज की महत्ता संबंधी जागरुकता में वृद्धि हुई है। बहुत सारे आहार विशेषज्ञ इसके बारे में चर्चा कर रहे हैं। सरकार द्वारा भी लोगों को शिक्षित करने से संबंधित दायित्व में भी इजाफा हुआ है कि किस प्रकार मोटा अनाज न केवल पौष्टिक है बल्कि इससे पर्यावरण व किसानों की सहायता भी होती है, व एक टिकाऊ पारिस्थितिकी निर्मित होती है।

परमेश्वरन के अनुसार, लोगों के साथ मोटे अनाज को आकर्षक बनाए रखने की मार्केटिंग से संबंधित सबसे बड़ी चुनौती है मोटे अनाज को उनकी जीवनशैलीगत आवश्यकताओं के अनुरूप बनाए रखना। जो एक कठिन मसला है, लेकिन पूरी तरह संभव और इसे ये ब्रांड साबित कर रहे हैं। शिक्षा के जरिए मोटे अनाज की लोकप्रियता को बढ़ावा देने के अभिनव व रचनात्मक उपायों का उपयोग करना, और उन्हें लोगों द्वारा आकर्षक समानुपात बनाना समय की आवश्यकता है। मोटे अनाज से मजेदार खाद्य बनाकर, जोकि आज की पीढ़ी को अपील करे, यह किया जा सकता है। मोटे अनाज की सेवई बनाई जा सकती है? निश्चित रूप से, प्रिजर्वेटिव्स के बिना।

- लेखक दिल्ली के मोटापा प्रबंधन सलाहकार, आहार विशेषज्ञ हैं तथा डोंट डाइट, 50 हेबिट्स आफ थिन पीपल एंड अल्टीमेट ग्रांडमदर हेक्स के लेखक हैं।

मैं आज उस दुख भरे दौर से उबरने की कोशिश में हूं जो मैंने दो सालों में झेला है। इस दौरान मैं तलाक के चलते गहरी पीड़ा में रही हूं।
- एंजोलिना जूली

'लोगों से अपने अभिनय की प्रशंसा सुनना भावुक करने वाला अनुभव'

अभिनेता डेने कीन का कहना है कि शो 'हिज़ डार्क मटीरियल' में उनकी भूमिका अत्यंत रोमांचक थी। प्रस्तुत है टीम पायनियर की उनसे बातचीत के अंश-

❒ लाइरा कौन है?

लायरा एक जिज्ञासु, चतुर और साहसी लड़की है। वो बुद्धिमान, व्यावहारिक और स्वयं को लड़कों जैसा मानती है। मैं उसे प्यार करता हूं। मैं जब उससे पहली बार मिलता हूं तो वो अपने मित्र रोज़र के साथ रेस लगा रही थी। दूर से ऐसा लगा जैसे वो ऊर्जा का एक गोला हो। लेकिन दिन का अंत होते होते इसमें काफी परिवर्तन आ गया।

मेरे लिए लायरा का सही वर्णन मा कोस्टा की पुस्तक में लिखी एक पंक्ति से हो जाता है। जब लायरा कहती है कि वो जिप्शियन बनना चाहती है। वो कहती है, 'लायरा तुम जिप्शियन नहीं हैं जिप्शियन तो जलजीव होते हैं जबकि आप दलदली अग्नि हो।'

❒ जब आपको ये भूमिका मिली थी तो आपको कैसा लगा था?

मेरे लिए ये बेहद रोमांचक था। मैं तो बस यही सोचे जा रही थी कि 'ओ माई गॉड इतने लोगों ने ये पुस्तक पढ़ी है और उन्हें लायरा के बारे में पता है और वे लायरा को प्यार भी करते हैं। मैं जहां भी जाती हूं और लोगों को पता होता है कि मैं ही लायरा का चरित्र निभा रही हूं तो वे कहते पाए जाते हैं, 'वो मेरे बचपन की रोल मॉडल है।' इस प्रकार की बातों को सुनना अत्यधिक भावुक कर देने वाला अनुभव होता है।

❒ यदि किसी ने ये पुस्तक नहीं पढ़ी हो तो आप उसे 'हिज़ डार्क मटीरियल' के बारे में कैसे बताएंगे?

देखिये ये हमारे बड़े होने की प्रक्रिया के बारे में है। यद्यपि इसमें कल्पना और अन्य सामग्री भी है लेकिन इसमें एक बच्ची के एक स्त्री बनने तक की कहानी बताई गई है। पहली पुस्तक में बताया गया है कि किस प्रकार से सिस्टम हमारी आत्मा से खिलवाड़ करता है और हमारे व्यक्तित्व और आत्मा को प्रभावित करता है। यही बात डेमन भी करते हैं। ये जरूरी नहीं है कि पूरी बात सिस्टम की आलोचना ही समझा जाए लेकिन ये सही है कि इसे लेकर प्रश्न तो पूछे ही गए हैं।

❒ आपको क्यों लगता है कि उपन्यास लोकप्रिय और टिकाऊ होते हैं?

बात ये है कि आप उनसे आसानी से जुड़ने लगते हैं। ये पूरी तरह से युवाओं के लिए ही लिखी गई है। इसे पढ़ते समय ही आपको लगने लगता है कि आप ही लायरा है और आप ही उसके जैसी साहसिक गतिविधियां कर रहे हैं। ये अत्यंत रोचक है और बुद्धिमानीपूर्वक किया गया मजाक है। आपको इसे प्रयत्नपूर्वक पढ़ना होगा। ये ऐसा नहीं है कि आप कहें कि चलो यार थक गए हैं जल्दी से इसे निबटा दें।' आप किसी भी उपन्यास को पढ़ने के लिए थोड़ा समय और ऊर्जा तो लगाते ही हैं और बदले में आपको किसी विषय की गहन जानकारी भी मिलती है।

❒ मैजिस्टेरियम क्या या कौन हैं?

जी हां, ये महत्वपूर्ण है। बस आपको समझ में नहीं आता। ये किसी चर्च संस्था या सरकारी विभाग जैसे होते हैं। वे भयानक होते हैं। वे लोगों की आत्मा को मुक्त कर देते हैं जबकि ये उचित नहीं है। वे महान तो कहे ही नहीं जा सकते। उनका मानना होता है कि मूल पाप गलत होता है धूल बुरी होती है और डेमन भी कोई मदद नहीं करते। मेरा तो स्पष्ट मानना है कि वे ये सब किसी महानता या भलाई के लिए ही कर रहे हैं। अत: हम कह सकते हैं कि वे हमारी नजरों में बुरे हैं जबकि स्वयं की नजरों में वे ऐ नहीं हैं।

❒ क्या आप बता सकते हैं कि डेमन क्या होते हैं?

डेमन वास्तव में आपकी आत्मा होती है या फिर आपकी आत्मा की अभिव्यक्ति। जब आप बच्चे होते हैं तो ये भी परिवर्तित होती है क्योंकि आपमें उस समय बदलाव हो रहे होते हैं लेकिन जैसे जैसे आप बड़े होते जाते हैं तो हमारे व्यक्तित्व में समाहित हो जाता है। लायरा अभी भी बच्ची है अत: उसके डेमन में परिवर्तन हो रहे होते हैं लेकिन वो अरमाइन ही रहता है और उसका नाम पैंटालेमॉन है।

❒ क्या पैन किसी अर्थ में लायरा से भिन्न होता है या फिर वो लायरा का ही एक विस्तारित रूप है?

वो उससे कुछ भिन्न होता है क्योंकि ये तो सही बात होती है कि आपकी आत्मा को आपसे अधिक दायित्वबोध होता ही है। लायरा तो ऐसी है कि वो ये भी कह सकती है कि 'चलो हम छत से कूद जाएं' जबकि पैन इसके लिए मना करेगा और बताएगा कि हम इसमें मर भी सकते हैं। वो बस उससे अधिक जिम्मेदार होता है लेकिन कुल मिलाकर वे दोनों समान ही हैं।

❒ जब आप डेमॉन के साथ शूटिंग कर रहे थे तो क्या चीज उसमें सबसे कठिन और चुनौतीपूर्ण लगी?

ये तब था जब हमनें अरमाइन को पकड़ा था और वे कहते हैं, 'तुम इसे नहीं कर सकते क्योंकि तुम्हारे हाथ थोड़े बड़े होने चाहिये जबकि आप कह रहे थे कि नहीं ये ठीक हैं। ये सब शूटिंग के समय याद रखना काफी कठिन होता है।

❒ क्या शूटिंग के समय किसी वास्तविक पशु का भी प्रयोग किया गया था?

जी हां, हमारे पास एक पालतू छिपकली और कुद कुत्ते थे। हमें एक कुत्ते को हटाना भी पड़ा था क्योंकि वो कुत्ता कैमरे में देखकर मुस्कुराता था। ये बात अच्छी नहीं लगी। हमारे पास एक सांप और माइलो के साथ ही फर्डर कोरम की बिल्ली भी थी। वो वास्तव में जबर्दस्त था।

❒ क्या ये सही है कि लिन मैनुएल मिरांडा सदैव गाते ही रहते हैं?

जी हां, वो गाते रहते हैं। लेकिन मैं भी गाता हूं तो हम दोनों ही साथ में गाते रहते हैं। जब भी लिन पास आया तो हम हवा के गुब्बारे में रहे। हम हैमिल्टन के गाने गाते हैं। जबकि हम उसके सामने गाने को लेकर इतना हिचकिचाते हैं कि गाना ही कठिन हो जाता है। मुझे रुथ भी प्रिय है क्योंकि वो बहुत अच्छी है। उसके साथ शूटिंग करना काफी अच्छा अनुभव होता है।

वो काफी झक्की टाइप की है लेकिन वो अपने वास्तविक जीवन में काफी अच्छी लगती है। अत: कुल मिलाकर उसे अच्छा ही कहा जा सकता है।

(ये सीरीज़ नवंबर 24 से रात 9 बजे स्टारवर्ल्ड चैनल पर देखी जा सकती है)

पारिवारिक ड्रामा में दिखेंगे अर्जुन, रकुल

अभिनेता अर्जुन कपूर और अभिनेत्री रकुलप्रीत सिंह एक बिना शीर्षक वाली पारिवारिकतापूर्ण फिल्म के लिए साथ काम कर रहे हैं।

फिल्म पटियाला हाउस तथा 2013 की ऐक्शन फिल्म डी डे, के निर्माण के समय निखिल आडवाणी के सहायक रहे काश्वीर नायर फीचर फिल्म के निर्देशन के क्षेत्र में इस फिल्म के माध्यम से पदार्पण कर रहे हैं। अर्जुन ने बताया, 'मैं संयुक्त परिवार में बड़ा हुआ हूं अत: मुझे पता है कि ये प्यार, ताकत तथा समर्थन के लिए सबसे मजबूत स्तंभ होता है। हमारी ये फिल्म इसी थीम पर आधारित है। इसमें भावुकता होगी लेकिन अधिक नहीं। इसकी तैयारियों के सिलसिले में मैं काफी मेहनत कर रहा हूं।'

देश में मौलिक संगीत प्रतिभाओं की कमी नहीं

संगीतकार मिथुन का मानना है कि हमारे देश में प्रतिभा की कहीं कोई कमी नहीं है और लोगों के पास मौलिक संगीत रचने की गजब की क्षमता है। मैंने कई युवा संगीतकारों की रचनाएं सुनी हैं। और ये अच्छी बात है। मेरा मानना है कि हमें मौलिक संगीत का पूरा समर्थन करना चाहिये। इसके लिए हमें जब भी आवश्यकता हो, अपने अतीत में जाकर उससे सीखना भी चाहिये।

उर्वशी रौतेला करना चाहती हैं स्पोर्ट बायोपिक

अभिनेत्री उर्वशी रौतेला ने दिग्गज ओलंपियन धावक पीटी ऊषा पर बनने वाली फिल्म में का चरित्र निभाने के लिए अपनी उत्सुकता प्रदर्शित की है।

उन्होंने बताया, 'लोगों को नहीं पता है कि मैं भी एक एथलीट हूं। मैं राष्ट्रीय स्तर की वॉलीबॉल चैंपियन हूं। मैं खिलाड़ी रही हूं अत: पीटी ऊषा का चरित्र निभाने के लिए मुझसे बेहतर व्यक्ति मिल ही नहीं सकता। मैं रेसर रही हूं और मैंने कई रेस भी जीती हैं अत: मैं स्पोर्ट्स पर बनने वाली किसी भी बायोपिक के लिए सर्वाधिक उपयुक्त हूं। फिल्म निर्माताओं को भी मुझे प्रशिक्षित करने के लिए अपना समय नहीं देना होगा।' आजकल उर्वशी अपनी फिल्म पागलपंती का प्रमोशन कर रही हैं।

आलिया भट्ट ने बताया अपनी फिटनेस का राज, पसंद करती हैं घर के दाल-चावल खाना

बॉलीवुड एक्ट्रेस आलिया भट्ट का मानना है कि घर में पकाए गए भोजन की बात ही कुछ और होती है, ये सबसे स्वादिष्ट होते हैं, इतना ही नहीं आलिया को हमेशा से ही दाल-चावल खाना बेहद पसंद है।

कंगना रनौट संग अपने पिता आदित्य पंचोली के रिश्ते पर सूरज पंचोली ने कही यह बात

हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान आलिया भट्ट ने कहा, घर का खाना सबसे अच्छा है। मुझे याद है कि जब भी मेरी मां मेरे लिए पास्ता बनाती थीं, मैं उनसे दाल-चावल मांगा करती थी। एक व्यंजन के तौर पर मैं हमेशा से ही दाल-चावल के काफी करीब रही हूं और मुझे यह काफी पसंद है।

आलिया ने अपने कम्फर्ट फूड के तौर पर खिचड़ी को चुना। उन्होंने कहा, मेरा कम्फर्ट फूड खिचड़ी, फ्रेंच फ्राइज और दाल-चावल है। एक हेल्थ फूड के तौर पर मुझे सब्जियों और कार्बोहाइड्रेट्स का एक संतुलित मात्रा लेना होता है। इनके अलावा, मुझे फल भी पसंद है।

आलिया ने यह भी बताया की वह खुद कैसे फिट रखती हैं? उन्होंने कहा, मेरी दिनचर्या में कई तरह की चीजें शामिल हैं। मैं कभी पायलेट्स करती हूं तो कभी स्विमिंग या बैडमिंटन खेलती हूं। मेरा मानना है कि हर रोज शारीरिक तौर पर सक्रिय रहना बेहद आवश्यक है। जब कभी व्यस्त शेड्यूल में से वक्त निकालना मुश्किल हो तब भी यह जरूरी है।

कोलकाता इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल

शाहरुख एक्ट्रेस एंडी मैकडॉवेल से बोले- मैं आपसे दीवानों की तरह प्यार करता हूं

शाहरुख खान शुक्रवार रात 25वें कोलकाता इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल (केआईएफएफ) की ओपनिंग सेरेमनी में पहुंचे। इस दौरान उन्होंने खुलासा किया कि 26 साल की उम्र से वे सेक्स लाइ एंड वीडियोटैप जैसी फिल्मों की अमेरिकी एक्ट्रेस एक्ट्रेस एंडी मैकडॉवेल को प्यार करते हैं। सेरेमनी में 61 वर्षीय मैकडॉवेल भी मौजूद थीं।

शाहरुख ने इवेंट में कहा, यह कोई नहीं जानता और न ही किसी और से कहता हूं कि मैं आपसे बहुत प्यार करता हूं। मुझे तब से आपसे प्यार है, जब मैं 26 साल का था। एक्ट्रेस ने शाहरुख के प्रपोजल के जवाब में प्यारी सी मुस्कान दी। शाहरुख ने आगे कहा, मैं आपसे दीवानों की तरह प्यार करता हूं। कोलकाता का शुक्रिया अदा करता हूं कि उसने मुझे एंडी मैकडॉवेल के बगल में बैठने का मौका दिया। उनकी यह बात सुनकर वैन्यू तालियों और सीटियों से गूंज उठा।

1989 में आई फिल्म सेक्स लाइ एंड वीडियोटैप के लिए मैकडॉवेल की खूब तारीफ हुई थी। उन्हें इस लीड रोल के लिए इंडिपेंडेंट स्प्रिट अवॉर्ड के तहत बेस्ट एक्ट्रेस चुना गया था। मोशन पिक्चर ड्रामा कैटेगरी में बेस्ट एक्ट्रेस के तौर पर उन्हें गोल्डन ग्लोब अवॉर्ड के लिए नॉमिनेट किया गया था। 1990 और 1994 में आईं हॉलीवुड फिल्मों क्रमश: ग्रीन कार्ड और फोर वेडिंग एंड अ फ्यूनरल के लिए भी वे गोल्डन ग्लोब अवॉर्ड के लिए नॉमिनेट हुई थीं।

कोलकाता इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल की ओपनिंग सेरेमनी के दौरान फिल्म बाजीगर (1993) में शाहरुख की मां का रोल कर चुकीं दिग्गज अभिनेत्री राखी भी मौजूद थीं। वे स्टेज पर उनकी टीचर के रूप में दिखाई दीं। उन्होंने रविन्द्रनाथ टैगोर का सदाबहार गीत ओ आमार देशेर माटी, तोमार पोरे थेके माथा। गाया और शाहरुख को उसे दोहराने के लिए कहा। अभिनेता ने ऐसा ही किया। बाद में राखी ने उन्हें गले लगाया और इमोशनल हो गईं।

राखी के गीत को रिपीट करने के बाद शाहरुख ने कहा कि उन्हें अंदाजा भी नहीं कि उन्होंने क्या कहा। वे कहते हैं, मुझे अंदाजा नहीं कि मैंने क्या कहा। जब मैं राखीजी के साथ बाजीगर कर रहा था और अब जबकि हम बाजीगर में साथ काम कर चुके हैं, मेरे लिए यह दुनिया की सबसे खूबसूरत महिला के बगल में खड़े होने का बहाना है। इसलिए राखीजी का बहुत-बहुत शुक्रिया।

फ्रांस की पूर्व मॉडल ने ऑस्कर विजेता निर्देशक रोमन पोलांस्की पर बलात्कार का आरोप लगाया

पेरिस। फ्रांस की पूर्व मॉडल एवं अभिनेत्री ने शुक्रवार को ऑस्कर विजेता निर्देशक रोमन पोलांस्की पर आरोप लगाया है कि उन्होंने स्विस स्की रिजॉर्ट में उससे बलात्कार किया था। मॉडल के मुताबिक घटना तब की है जब वह किशोरी थी। पोलांस्की (86) 13 वर्षीय एक लड़की से बलात्कार करने का आरोप स्वीकार करने के बाद वर्ष 1978 में अमेरिका से फ्रांस भाग गए थे।

वेलैंटाइन मॉनीयर ने ले पारिसियन अखबार को बताया कि घटना 1975 में गस्ताद स्थित पोलांस्की के घर की है। पीड़िता ने बताया कि घटना के वक्त उसकी आयु 18 वर्ष थी। उन्होंने कहा, मेरा उनसे व्यक्तिगत या पेशेवर, किसी तरह का संपर्क नहीं है। मैं उन्हें ठीक से जानती भी नहीं।

पोलांस्की के वकील ने इस आरोप को सिरे से खारिज कर दिया है।

पोलांस्की पर कई महिलाओं ने यौन उत्पीड़न के आरोप लगाए हैं।

इफ्फी 2019 : संजय पूरण सिंह की फिल्म बहत्तर हूरें यूनेस्को मेडल की दौड़ में

नई दिल्ली। संजय पूरण सिंह निर्देशित फिल्म बहत्तर हूरें 50वें इंटरनेशनल फिल्म फेस्टीवल ऑफ इंडिया(इफ्फी) में यूनेस्को मेडल के लिए नामांकित फिल्मों की दौड़ में शामिल है।

इस मेडल के दावेदारों में शामिल सात अन्य अंतरराष्ट्रीय फिल्में हैं ओरे , सैंक्टोरम , ऐमा खांदो , द इनफिल्ट्रेटर्स , वाइटेलिटी , खांदा , और द वार्डेन सोर्खपोस्ट। विजेता का चयन एक स्वतंत्र जूरी द्वारा किया जाएगा और समापन समारोह में यह पुरस्कार दिया जाएगा। आईएफएफआई का आयोजन 20 से 28 नवंबर तक गोवा में किया जाएगा। इसमें विभिन्न देशों की करीब 250 फिल्में दिखाई जाएंगी।

अमर कौशिक की 'स्त्री' और 'बाला' से इम्प्रेस हुए वरुण धवन

एक्टर वरुण धवन आने वाले समय में डायरेक्टर अमर कौशिक के साथ काम करना चाहते हैं। 'बाला' की स्पेशल स्क्रीनिंग के दौरान वरुण ने फिल्म के डायरेक्टर संग काम करने की इच्छा जाहिर की। पिछले साल आई हॉरर कॉमेडी फिल्म 'स्त्री' ने अमर कौशिक को पहचान दिलाई थी। फिल्म में राजकुमार राव और श्रद्धा कपूर मुख्य भूमिका में थे।

वरुण ने कहा, एक निर्देशक के तौर पर मुझे अमर कौशिक पसंद हैं। उनके साथ मैं भविष्य में काम करना चाहता हूं।

वरुण ने कहा, एक निर्देशक के तौर पर मुझे अमर कौशिक पसंद हैं। उनके साथ मैं भविष्य में काम करना चाहता हूं। मेरा मानना है कि 'बाला' का ट्रेलर बेहद अनोखा है और फिल्म में सौरभ शुक्ला, जावेद जाफरी, यामी गौतम और भूमि पेडनेकर जैसे कई बेहतरीन कलाकार हैं और आयुष्मान की तो बात ही कुछ और है। बता दें कि 'बाला' एक ऐसे शख्स की कहानी है, जो समय से पहले गंजेपन का शिकार हो जाता है। फिल्म आज यानि 8 नवंबर को रिलीज हो गई है।

वरुण धवन के वर्कफ्रंट की बात करें तो वे इन दिनों 'कुली नंबर 1' की शूटिंग में बिजी हैं। फिल्म में वरुण के साथ सारा अली खान नजर आएंगी। इसके अलावा वरुण परमवीर चक्र विजेता अरुण खेत्रपाल की बायोपिक में भी नजर आएंगे, जिसका निर्देशन श्रीराम राघवन करेंगे और दिनेश विजन फिल्म को प्रोड्यूस करेंगे।